

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

राजस्थान राज्य द्वारा प्रकाशित

सामान्यतः अखिल भारतीय तथा विशेषतः राजस्थानदेशीय पुरातनकालीन
संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, राजस्थानी, हिन्दी आदि भाषानिबद्ध
विविध वाङ्मयप्रकाशिनी विशिष्ट-ग्रन्थावली

प्रधान सम्पादक

डाक्टर फतहसिंह

निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

ग्रन्थाङ्क ८६

मुंहता नैरासी री ख्यात

भाग ४

प्रकाशक

राजस्थान राज्याज्ञानुसार

निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

जोधपुर (राजस्थान)

मुंहता नैणसी री ख्यात

[भूतपूर्व मारवाड़ राज्य के महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के दीवान मुंहता नैणसी द्वारा राजस्थानी भाषा में लिखित राजस्थान और उससे संबंधित एवं सलग्न गुजरात, सौराष्ट्र और मध्यभारत आदि स्थित भूतपूर्व राज्यों का मध्यकालीन मूल इतिहास]

भाग ४

सम्पादक

आचार्य बदरीप्रसाद साकरिया

प्रकाशनकर्ता

राजस्थान राज्याज्ञानुसार

निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

जोधपुर (राजस्थान)

विक्रमान्द २०२४ }
प्रथमावृत्ति ७५० }

भारतराष्ट्रिय शकान्द
१८८६

{ ख्रिस्तान्द १९६७
{ मूल्य ८ ७५ पैसे

Published by the Government of Rajasthan

A Series devoted to the publication of Samskrit, Prakrit, Apabhramsa,
Old Rajasthani, Gujarati and Hindi works pertaining to
India in general and Rajasthan in particular.

General Editor

Dr. FATAH SINGH

M.A., D Litt.

MUNHATA NAINSI RI KHYAT

PART IV

Edited with various appendices
by

ACHARYA BADRIPRASAD SACARIYA

Published under the orders of the Government of Rajasthan

By

The Director, Rajasthan Prachya Vidya Pratisthana
[RAJASTHAN ORIENTAL RESEARCH INSTITUTE]
JODHPUR (Rajasthan)

सञ्चालकीय वक्तव्य

मेरे लिए यह सौभाग्य और हर्ष का विषय है कि आज मेरा सम्बन्ध अनायास ही राजस्थान प्राच्यविद्या-प्रतिष्ठान की उस महत्वपूर्ण साधना की पूर्ति से हो रहा है जो अब से सात वर्ष पूर्व, स्वनामधन्य मुनि जिनविजय की अध्यक्षता में, आचार्य बदरीप्रसाद साकरिया ने प्रारम्भ की थी। १९६४ ई० तक इस ग्रन्थ का मूलभाग एक सहस्र से अधिक पृष्ठों में प्रकाशित होकर, तीन भागों में पाठकों के सामने आ चुका है। प्रस्तुत चतुर्थ भाग में बयालीस पृष्ठीय भूमिका के साथ कुल २०८ पृष्ठों में ६ परिशिष्ट दिये गये हैं। कुल मिलाकर १२०० से भी अधिक पृष्ठों में समाप्त होने वाली यह "मुहता नैणसीरी ख्यात" आचार्य बदरीप्रसाद साकरिया के उस अथक परिश्रम, अदम्य उत्साह एवं अनुपम धैर्य का प्रतीक है जिसने विघ्न-बाधाओं के सामने कभी हार मानना नहीं सीखा।

खेद है कि सम्पादक महोदय के 'एक ख्याति-इच्छुक मित्र' १९३४ ई० में इस ग्रंथ की प्रेस-कापी उठा ले गये जिसके फलस्वरूप इसका प्रकाशन उस समय न हो सका। अस्तु, संपूर्ण ग्रंथ में साकरिया जी के अगाध पाण्डित्य, एवं गम्भीर अध्ययन की जो छाप दिखाई पड़ती है, उसको ध्यान में रखने से १९३४ से १९६० तक का व्यवधान कुछ सह्य हो जाता है।

इस गौरव ग्रंथ को सुसम्पादित करके आचार्य बदरीप्रसाद ने हिन्दू और हिन्दी के समस्त प्रेमियों पर असीम कृपा की है; अतः इस महान् कार्य के लिए सम्पादक महोदय को समाज और देश जो सम्मान प्रदान करे वह थोड़ा है। ग्रंथ का महत्त्व उसके कलेवर में नहीं, अपितु उस लौकिकता एवं अर्थपरायणता में है जिसको इस ग्रंथ में प्रमुखता दी गई है और जो हमारे विचारों एवं मनीषियों की दृष्टि में उससे पूर्व गौण ही नहीं प्रायः उपेक्षित हो गई थी। "सुखस्य मूलम् अर्थः" को भुलाकर धर्म और मोक्ष की उपासना असम्भव है।

ग्रंथ के अन्त में जो लम्बा शुद्धि-पत्र देना आवश्यक हो गया है उसके लिए मैं प्रेस, प्रूफ-रीडर और प्रकाशक की ओर से सम्पादक और पाठक से क्षमा-याचना करता हूँ।

सम्पादक महोदय ने कई प्रतियों से मिलान करके ग्रन्थ का वर्तमान पाठ निर्धारित किया है। यदि पाद-टिप्पणियों में पाठान्तरों का समावेश होसकता, तो वर्तमान संस्करण का मूल्य और अधिक बढ़ जाता, परन्तु अब अतीत पर पश्चात्ताप करना व्यर्थ है।

विषयानुक्रमणिका

| | | |
|----|---|---------|
| १. | सञ्चालकीय वक्तव्य | १-२ |
| २. | चारों भागों को सम्पूर्ण विषय-सूची | १-८ |
| ३. | भूमिका भाग | १-४२ |
| | (१) भूमिका | १-२४ |
| | (२) महाराजा जसवर्तसिंह के दीवान और रुयात-लेखक मुंहता नैणसी | २५-३६ |
| | (३) महाराजा जसवर्तसिंह-प्रथम | ४०-४२ |
| ४. | परिशिष्ट १-तीनों भागों की नामानुक्रमणिका | १-१६० |
| | १ वैयक्तिक— | |
| | (१) पुरुष नामानुक्रमणिका | १-१०८ |
| | (२) स्त्री ,, | १०९-११७ |
| | (३) अश्ववादि पशु नाम | ११८ |
| | २. भौगोलिक— | |
| | (१) ग्राम देशादि नामानुक्रमणिका | ११६-१६४ |
| | (२) पर्वत जलाशयादि ,, | १६५-१७१ |
| | ३. सांस्कृतिक— | |
| | (१) ग्रंथ, सस्या, कर, मायादि नामानुक्रमणिका | १७२-१८० |
| | (२) देवो-देवता तीर्थादि ,, | १८१-१८८ |
| | ४. सम्पूर्ति (छूटे हुए नाम और उनके पृष्ठांक) | १८९-१९० |
| ५ | परिशिष्ट २-विशिष्ट पुरुषों की जन्म-कुण्डलियां | १९१-१९३ |
| ६. | परिशिष्ट ३-पद, उपाधि और विरुदादि की सार्ध-नामावली | १९४-२०८ |
| ७. | परिशिष्ट ४-पुत्र शब्द के पर्याय व अपत्य प्रत्ययादि | २०९ |
| ८. | परिशिष्ट ५-पौत्र या वंशज के पर्यायव प्रत्ययादि | २१० |
| ९ | परिशिष्ट ६-शुद्धि-पत्र | २११-२३१ |

मुंहता नैणसी री ख्यात के चारों भागों की

संपूर्ण विषय - सूची

भाग १

१. सीसोदियां री ख्यात

| | |
|--|----|
| १. वार्ता (गैहलोत कहीजं तिणरी) | १ |
| २. घात (बापा गुहादित री) | ३ |
| ३. घात रांणा राहप री | ६ |
| ४. वार्ता दूसरी (नै कविता- राघळ बापा रा) | ७ |
| ५. सीसोदिया रा भेव | ८ |
| ६. घात रांणा चीतोड़ रा घणियां री | ९ |
| ७. पीढियां री विगत (इतरी पीढी ताईं अँ सम्रा कहांणा) | ९ |
| ८. इतरी पीढी दीत-ब्राह्मण कहांणा | १० |
| ९. घात (हारीत रिख नै राघळ बापे री) | ११ |
| १०. इतरी पीढी राघळ कहांणा | १२ |
| ११. माहप नै राहप री घात | १३ |
| १२. रांणा हमीर'सूँ पाटवियां रा बेटा री विगत | १५ |
| १३. गीत रांणा सांगा री | १८ |
| १४. रांणा उदैसिध री घात | २० |
| १५. घात राणा उदैसिध उदैपुर वसाया री | ३२ |
| १६. घाटी राह री हकीकत | ३५ |
| १७. गिरघा री हकीकत | ३६ |
| १८. च्यार छपन री हकीकत | ३६ |
| १९. घात (कलुवाहा मानसिध नै रांणा प्रताप वेढ हई तिणरी) | ३९ |
| २०. मेवाड़ रा भोखरा री विगत | ४० |

| | |
|---|----|
| २१. नवी तीन री विगत-चाबळ, बांभणी, पगघोई | ४५ |
| २२. दीवांण रै नास-भाज विखा नू घडी ठोड़ इतरी, इतरा गावा मांहे | ४६ |
| २३. बनास नदी नीसरी तैरी हकीकत | ४७ |
| २४. घात चारण आसिये गिरघर कही, समत १९१७ रा भादवा सुदि-९ नै | ४९ |
| २५. घात एक रांणा कूँभा चित- भरमिये री | ५१ |
| २६. राणा राजसिध नू पातसाही तरफ री इतरी जागीरी छै तिणरी विगत | ५२ |
| २७. घात १ सीसोदिया राघवदे लाखावत री, राघवदे नू रांण कुमै नै राघ रिणमल मारियो तिणरी | ५३ |
| २८. घात १ वीठू भांभण कही मांडव पातसाह रो मेवाड़ जेजियो लागै तैरी | ५५ |
| २९. घात (राणा अमरा रै विखा री) | ५६ |
| ३०. गीत (राणा अमरा री) | ५८ |
| ३१. घात (सोदा-वारहठ याहरू री) | ५९ |
| ३२. घात पठाण हाजीखान नै रांणा उदैसिध हरमाई वेढ हुई तिणरी | ६० |
| ३३. घात (राणा अमरा रै विखा री फेर) | ६२ |

| | | |
|-----|---|----|
| ३४ | सकतावत (पीयो) नै रावत मेघ रै मांमलो हृथो तिणरी घात | ६४ |
| ३५. | सीसोदिया चूडावतां री साख | ६६ |
| ३६ | घात सीसोदिया डूगरपुर घांसवाह्ला रा घणियां री | ७० |
| ३७. | घात घांसवाह्ला रा मांमसिघ री | ७३ |
| ३८. | घात डूगरपुर घांसवाह्ला रा घणियां री (पीडियां री विगत) | ७७ |
| ३९ | घात सीसोदियां री (रावळ समरसी लोहडै भाई नू चीतोड दी तिणरी) | ७९ |
| ४० | घात घांसवाह्ला री | ८७ |
| ४१. | घांसवाह्ला रै सीव री विगत | ८८ |
| ४२ | गैहलोतां री चौवीस साख | ८८ |
| ४३ | पवारां री पेंतोस साख | ८९ |
| ४४. | चहुवाणां री चौवीस साख | ८९ |
| ४५ | साख इत्ती पडिहारां भिळै | ८९ |
| ४६. | सोळकियां री साख | ९० |
| ४७. | घात देवळिया रै घणियां री | ९० |
| ४८. | घात(जीहरण रा मुकाता री) | ९० |
| ४९ | देवळिये नै राणा रै मूलक री | |

| | | |
|-----|---|-----|
| ५५. | घात (बू दी रा देस रा रज- पूतां री विगत) | ११७ |
| ५६. | घागडिया चहुवाणां री पीडी | ११९ |
| ५७ | घातां (चहुवाण डूगरसी वालावत री) | ११९ |
| ५८ | घात दहियां री | १२२ |
| ५९. | बूदेलां री घात | १२७ |
| ६० | बूदेलां री घात (कविप्रिया- ग्रय केसोवास कियो तिण माहै सू) | १२८ |
| ६१. | एकण ठोड़ पीडियां यू पिण मांडी छै | १३० |
| ६२. | वारता गढवांघव रा घणियां री | १३२ |

३ घात सिरोही रा घणियां री

| | | |
|-----|--|-----|
| ६३ | घात (आबू लियां री) | १३४ |
| ६४ | पीडी सीरोही रा घणियां री | १३५ |
| ६५. | घात राव सुरताण री | १४२ |
| ६६ | विचली घात (देवडै विजै सूजै री) | १४४ |
| ६७ | घात (डूगरात देवडां री) | १६२ |
| ६८. | गीत चीवा जेंता रो आढा दुरसा रो कह्यो | १७० |
| ६९ | गीत चीवा खोमा भार- मलोत रो | १७१ |
| ७० | घात (घिराव रै परगने रा चहुवाणां री) | १७२ |
| ७१. | घात (सीरोही री हकीकत घाघेला रामसिघ नैणसी नू जाळोर में कहो) | १७२ |
| ७२. | घात सीरोही रा घणियां- पाटवियां री आबू लियां री | १८० |
| ७३. | कवित्त-छप्पय सीरोही रा टीकायतां रा | १८४ |
| ७४. | कवित्त रामसिघ सिरोहिये रा | १९१ |

४. भायर्ला रजपूतों की ख्यात

| | |
|--|-----|
| ७५. पंधारां की भायला साख की हकीकत | १६३ |
| ७६. घात चहुवाणां सोनगरां की राख लाखणोतां की | २०२ |
| ७७. घात सोनगरां की | २१२ |
| ७८. घात सिंघावलोकिनी (तापस बांभण नै सोमइया महादेव की) | २१३ |
| ७९. घात सोमइयो महादेव, कांनड़देजी की नै कांघळ तथा बीजां की | २१६ |
| ८०. घात (धीके बहिये की, जाळोर की गढ भेळायो तिणरी) | २२३ |
| ८१. घात साचोर की | २२७ |
| ८२. घात चहुवाणां साचोर रा घणियां की | २२९ |
| ८३. पीढिया की घिगत | २३० |
| ८४. घात (बोड़ां की) | २४५ |
| ८५. बोड़ा की वसावळी | २४७ |
| ८६. घात (कांपळिया चहुवाणां रै साख की) | २४८ |
| ८७. घात (कूभा कांपळिया की) | २४८ |
| ८८. घात खीचिया की (पीढिया) | २५० |
| ८९. घात (खीची मांणकराव की) | २५० |
| ९०. घात (घाखु भांनळोत की) | २५३ |
| ९१. घात (खीची भांनारी की) | २५३ |
| ९२. घात अणहलवाड़ा पाटण की | २५८ |
| ९३. कवित्त (चावई पाटण भोगवी तिणरी साख की) | २५९ |
| ९४. इतरा पाटण भोगवी तिण साख की कवित्त | २६० |
| ९५. पाटण घाघेलां भोगवी तिण साख की कवित्त | २६१ |
| ९६. सोळकिया की साख इतरी | २६२ |
| ९७. घात सोळकिया पाटण आयां की | २६३ |

९८. घात पाटण चावोड़ा की

| | |
|--|-----|
| सोळकियां रै आर्वे जिणरी | २६६ |
| ९९. घात १ जाड़ेचा लाखानूं सोळकी मूळराज मारिया की | २६७ |
| १००. घात खरमाळी प्रासाव सिद्धराव करायो तिणरी | २७२ |
| १०१. कवित्त सिद्धराव जैसिघवे रै देहुरै रा, लल्ल भाट रा कह्या | २७७ |
| १०२. घात सोळकिया खैरडा की | २७९ |
| १०३. सोळकिया रै पीढिया की घिगत | २८० |
| १०४. घात (साखलै रतनै जेमल नै मारियो तैरी) | २८१ |
| १०५. घात (जेमल रतनो काम आया की) | २८३ |
| १०६. घात सोळकी नायावता की | २८३ |
| १०७. घात सोळकी रांणा रै घात देसूरी रा घणियां की | २८४ |

५ कछवाहां की ख्यात

| | |
|--|-----|
| १०८. घात राजा प्रथोराजरी | २८६ |
| १०९. पीढी कछवाहा की, भाट राजपाण मडाई | २८७ |
| ११०. कछवाहा सूरजवशी कहीजं त्यारी घिगत | २९१ |
| १११. कछवाहां की घिगत | २९३ |
| ११२. कछवाहां की वसावळी की घिगत | २९५ |
| ११३. घात एक गोहिला खेड़ रा घणिया की | ३३३ |
| ११४. घात गोहिल खेड़ छाडनै सोरठ गया तिणरी | ३३४ |
| ११५. पंधारा की उतपत नै पीढी | ३३६ |
| ११६. घात पंधारा की | ३३७ |
| ११७. पवार बाघ की ओलाव रा साखला हुवा तिणरी घिगत | ३३८ |

| | |
|--|-----|
| ११८. पीढियां री विगत (साखला री) | ३३६ |
| ११९. साखला जांगलवा | ३४४ |
| १२०. घात रायसी महिपालोत री | ३४४ |
| १२१. इतरी पीढी जागळू साखला रं रही | ३४६ |
| १२२. घात (चूडा, गोगा, अरडकमल, हरभम, रामदेवीर नै दूजी) | ३४८ |
| १२३. घात (नापो साखली नै फेर) | ३५३ |

६ सोढां री खायत

| | |
|---------------------------|-----|
| १२४. सोढां री पीढी | ३५५ |
| १२५. घात पारकर रा सोढा री | ३६३ |
| १२६. घात पारकर री | ३६३ |

भाग २

७ ख्यात भाटियां री

| | |
|---|----|
| १. अँ जदुवशी कहीजें | १ |
| २. घात भाटिया री | ३ |
| ३. जेसळमेर रा देस री हकीकत घीठळदास लिखाई | ३ |
| ४. खडाळरा गावां री विगत | ४ |
| ५. जेसळमेर रा देस री हकीकत मुं। लखै मडाई | ६ |
| ६. घात भाटियां री पीढी, चारण-रतनू गोकळें मंडाई | ६ |
| ७. घात रावळ घडूसी री | १३ |
| ८. वंसावळी रा गीत, भवनो रतनू कहै | १४ |
| ९. भाटी छत्राळा कहीजें तिणरी घात | १५ |
| १०. घात (सोमवंशी भाटियां री हरिवंश पुराण माहै) | १५ |
| ११. घात विजेराव चूडाळें री | १७ |
| १२. घात वरिहाहां री। देवराज घार ऊपर गयो तिणरी | २५ |

| | |
|---|-----|
| १३. घात (घार रं मुंहत री) | २६ |
| १४. घात भाटियां री (साख मगरिया री) | ३१ |
| १५. घात गजनी पातसाह री | ३३ |
| १६. घात (रावळ जेसळ री) | ३५ |
| १७. घात (जेसळमेर री राग मंडाई तिणरी) | ३६ |
| १८. कवित्त भाटी सालवाहण रा (नै आगली पीढियां) | ३७ |
| १९. घात राठोड सोमाळ री | ४२ |
| २०. घारता (घीकमसी री) | ४४ |
| २१. घात (पातसाह रा गुरु मारिया तिणरी) | ४५ |
| २२. घात (मूलराज नै कमालदी री। जेसळमेर ऊपर फोज विदा कीवी) | ४६ |
| २३. घात (मूलराज कना कमालदी लोथां मागी तिणरी) | ४६ |
| २४. घात (कमालदी नू हठ करनै विदा कियो) | ५० |
| २५. घात (कमालदी गढ घेरियो) | ५० |
| २६. घात (बीज उवारण री। दूहा- सोरठा। आगली हकीकत) | ५१ |
| २७. घात (रावळ दूद तिलोकसी री) | ५६ |
| २८. घात (रावळ दूदो नै तिलोकसी- मुंश्या री। दूवा रा गीत) | ६१ |
| २९. घात (रावळ घडूसी राणा रतनसी रो वेटी कमालदी रं अठै रह्यो तिणरी) | ६६ |
| ३०. घात (रावळ हुश्या तिणारी) | ७५ |
| ३१. पीढी (जेसळ सू) | ८२ |
| ३२. घात (रावळ भीम री) | ८४ |
| ३३. घात (रावळ भीम री फेर नै दूजी) | ८६ |
| ३४. मनोहरदास रा प्रवाडा | १०३ |
| ३५. घात भाटिया माहै, केल्हणां री साख | ११२ |

| | |
|---------------------------------|-----|
| ३६. राव केलहण देरावर लियां री | |
| घात (फेर वृजी) | ११६ |
| ३७. धीकूपुर रै घणियां नै राठोडै | |
| सगाई तथा बीजां | १३२ |
| ३८. केलहणा नै धीकानेर रा | |
| घणिया सगाई | १३३ |
| ३९. भाटियां केलहणा नै कछवाहा | |
| सगाई | १३३ |
| ४०. तळाई, कोहर नै गांवा री | |
| हकीकत | १३४ |
| ४१. घात एक (राव सालवे तथा | |
| राव जेसा री) | १३७ |
| ४२. घात गाढाळा केलणा री | १४० |
| ४३. विगत (केलहण री पीढी, | |
| केलहणां री खरड रा कोहर | |
| तळाई आदि री) | |
| ४४. हमीर-भाटियां री साख | १४४ |
| ४५. घात (जेसा भाटिया री साख) | १५२ |
| ४६. रूपसी भाटिया री साख | १६६ |
| ४७. सरवहिया री पीढी | २०२ |
| ४८. घात सरवहिया री | २०२ |
| ४९. घात सरवहिया जेसा री | २०६ |
| ५०. घात (सरवहिया जेसा नै | |
| पातसाह री) | २०७ |
| ५१. घात (सरवहिये जेसे चारण | |
| रा माणस छोड़ाया | २०८ |
| ५२. घात जाडेचा री | २०९ |
| ५३. घात रायवण भुज रा घणियां री | २०९ |
| ५४. पीढी | २१५ |
| ५५. गीत कुवर जेहा भारावेत री | २१५ |
| ५६. घात लाखे री | २१६ |
| ५७. घात (जाडेचा फूलघवळ री) | २२५ |
| ५८. घात (जाम ऊनड सावळसुध | |
| कवि रोहडिया नू आउठकोड | |
| सामई दी तिण री) | २३६ |
| ५९. घात १ जाम ऊनड सावळ- | |
| सुध री | २३८ |

| | |
|-------------------------------|-----|
| ६०. वेढ १ जाम सत्ते नै अमीखान | |
| हुई तिणरी घात | २४० |
| ६१. घात १ भाला रायसिध मान- | |
| सिधोत नै जाडेचा जसा घव- | |
| ळोत नै जाडेचा साहेब हमीरोत | |
| वेढ हुई तिणरी | २४४ |
| ६२. घात (भाला रायसिध नै | |
| जाडेचा साहेब री) | २४६ |
| ६३. घात १ जाडेचा साहिब री | |
| नै भाला रायसिध री फेर | |
| लिखी | २५३ |
| ६४. भाला री वंसावळी | २५६ |
| ६५. घात भाला री | २५८ |
| ६६. मेवाड रै भाला री घात | २६२ |
| ६७. मेवाड रा भाला री पीढी | २६५ |

८. राठोड़ां री ख्यात

| | |
|------------------------------|-----|
| ६८. रावजी श्री सीहेजी री घात | २६६ |
| ६९. राव आसथानजी री घात | २७६ |
| ७०. घात राव फानडदेजी री | २८० |
| ७१. रावळ मालोजी री घात | २८४ |
| ७२. घात वीरमजी री | २९९ |
| ७३. घात रावजी चूडैजी री | ३०६ |
| ७४. गोगावेजी री घात | ३१७ |
| ७५. अरडकमलजी चूडावत री | |
| घात | ३२४ |
| ७६. घात रावजी रिणमलजी री | ३२९ |

भाग ३-

राठोड़ां री ख्यात (द्वि. भा. सू. चालू)

| | |
|------------------------|----|
| १. घात राव रिणमलजी अर | |
| महमद रै आपस में लड़ाई, | |
| हुई ते सम री | १ |
| २. रावळ जगमालजी री घात | ३ |
| ३. घात राव जोधाजी री | ५ |
| ४. घात राव धीकाजी री | १३ |

| | | | |
|-------------------------------|-----|-----------------------------|-----|
| ५. भटनेर री घात | १६ | २९. वात सीहै सीधळ री | १२३ |
| ६. घात राव वीकेजी री, वीकानेर | | ३०. घात रिणमलजी री | १२६ |
| वसायो तै समै री | १६ | ३१. नरबद सतावत री वात, | |
| ७. घात काधळजी री, काधळजी | | सुपियारवे लायो तै समै री | १४१ |
| काम आयो तै समै री | २१ | ३२. वात नरबद राणैजी नू | |
| ८. घात राव लोडै री अर राघळ | | आख दीधी तिर्यै समै री | १४६ |
| सांवतसी सोनगरै रै भीनमाळ | | ३३. वात राव लूणकर्णजी री | १५१ |
| वेढ हुई तै समै री | २३ | ३४. घात मोहिला री | १५३ |
| ९. घात पताई रावळ साको कियो | | ३५. मोहिला रै पीढियां री | |
| तैरी (पावागढ रै घेरै री) | २५ | हकीकत | १५८ |
| १०. घात राव सलखैजी री | २६ | ३६. छव वे-अखरी, राठोड | |
| ११. गढ सकिया तैरी ख्यात | २८ | रामदेव रा कहिया | १६७ |
| १२. घात राव सीहोजी (रै वंश)री | २९ | ३७. बूहा, चारण चाप सामोर | |
| १३. जेसळमेर री घात | ३३ | रा कहिया | १६८ |
| १४. पूगळ राव | ३६ | ३८. चौहानो की पीढियों की | |
| १५. धीकूपुर राव | ३६ | टिप्पणी | १६८ |
| १६. चैरसलपुर राव | ३७ | ३९. बूहा पीढियां री विगत रा | १६९ |
| १७. मुगल-चकता-भाटी | ३७ | ४०. छत्तीस राजकुळी इतरै गढे | |
| १८. खारवारै रा भाटी | ३७ | राज करै | १७३ |
| १९. घात हुदै जोवावत मेघो नर- | | ४१. परमारां री वंसावळी | १७५ |
| सिघदासोत सीधळ मारियो तै | | ४२. राठोडां री वंसावळी | १७७ |
| समै री | ३८ | ४३. टीकै वंठां री विगत | १८१ |
| २०. घात खेतसीह रतनसीहोत | | ४४. जोधपुर री पीढिया | |
| सीसोदियै चूडावत री | ४१ | (टीकै वंठां री विगत) | १८२ |
| २१. गुजरात वेस राज्य वर्णनम् | ४६ | ४५. भिन्न भिन्न बाका रा समत | |
| २२. पाटन की ख्यापना और | | (गढ लियां री विगत) | १८३ |
| शासकों का राज्यकाल | | ४६. बिली राजा वंठा तियांरी | |
| (टिप्पणी) | ४६ | विगत (राज कियो तिका | |
| २३. घात भकवाणा रजपूतां री | | विगत) | १८५ |
| (भाला कहाणा तैरी) | ५७ | ४७. वात सेतराम बरबाईसेनोत | |
| २४. घात पावूजी री | ५८ | राठोड री | १९३ |
| २५. घात गांगे धीरमदे री | ८० | ४८. धीकानेर री हकीकत | २०५ |
| २६. घात हरदास ऊहड री | ८७ | ४९. राठोड पृथ्वीराज कल्याण- | |
| २७. घात राठोड नरै सूजावत, | | मलोत संबधी टिप्पणी | २०६ |
| जोम पोकरणे री | १०३ | ५०. दलपतसिंह रायासिंहोत | |
| २८. जैमल धीरमदेवोत नै राव | | संबधी टिप्पणी | २०६ |
| मालदेव री घात | ११५ | ५१. सतिया हुई | २०६ |

| | | | |
|-------------------------------|---------|-------------------------------|-----|
| ५२. जोधपुर रा राजाआा री ह्यात | २१३ | ६०. वात चद्रावता री | २३६ |
| ५३. टिप्पणिया | २१३-२१५ | ६१. पीढिया री हकीकत | |
| ५४. किसनगढ री विगत | २१७ | (चद्रावता री) | २४७ |
| ५५. जेसलमेर री ह्यात | २२० | ६२. घात सिखरो बहलवै रहै तेरी | २५० |
| ५६. पीढिया (बीकानेर रा | | ६३. वात ऊवै ऊगमणावत री | २५६ |
| ६३ ठिकाणां री) | २२३-२३४ | ६४. बूवी री वारता | २६६ |
| (१) सिरगोता री | २२३ | ६५. क्यामखान्या री उत्पत्त नै | |
| (२) ह्वावतां री | २२५ | फर्तहपुर जूझणू वसायो | |
| (३) नारणोता री | २२७ | तेरी वात | २७३ |
| (४) रतनवासोता री | २२८ | ६६. दौलतावाद रा उमरावा | |
| (५) रावतोतां री | २२९ | री वात | २७६ |
| (६) धीदावतां री | २३० | ६७. आदिदास्त | २७८ |
| ५७. जोधपुर रा सरदारां री | | ६८. आदिदास्त | २७९ |
| पीढिया (ऊदावता रा | | ६९. सांगमराव राठोड़ री घात | २८० |
| १४ ठिकाणा री | २३५ | ७०. टिप्पणी (फान्हडवे-प्रबन्ध | |
| ५८. विगत | २३८ | सू उद्धृत) | २९३ |
| ५९. अकबर री जन्म कुडली | | | |
| नै टिप्पणी | २३८ | | |

[चौथे भाग की विषय-सूची के लिए

कृपया पृष्ठ उलटिये]

भाग ४

| | |
|---|-------|
| १. चौथे भाग की विषयानुक्रमणिका | १ |
| २. संचालकीय वक्तव्य | १ |
| ३. चारों भागों की सम्पूर्ण विषय-सूची | १-८ |
| ४. भूमिका | १-२४ |
| ५. महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के दीवान और ख्यात-लेखक मुहता नैणसी | २५-३६ |
| ६. महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम | ४०-४२ |
| ७. परिशिष्ट १-तीनों भागों की नामानुक्रमणिका | १-१६० |

१. वैयक्तिक—

| | |
|---------------------------|---------|
| (१) पुरुष नामानुक्रमणिका | १-१०८ |
| (२) स्त्री नामानुक्रमणिका | १०६-११७ |
| (३) श्रद्धादि पशु नाम | ११८ |

२. भौगोलिक—

| | |
|---------------------------------|---------|
| (१) ग्राम देशादि नामानुक्रमणिका | ११६-१६४ |
| (२) पर्वत जलाशयादि ,, | १६५-१७१ |

३. सांस्कृतिक

| | |
|---|---------|
| (१) ग्रंथ, सस्था, कर, मापादि नामानुक्रमणिका | १७२-१८० |
| (२) देवी-देवता, तीर्थादि ,, | १८१-१८८ |

४. सम्पूर्ति (छूटे हुए नाम और पृष्ठ-संख्या)

| | |
|--|---------|
| ८. परिशिष्ट २—विशिष्ट पुरुषों की जन्मकुंडलियाँ | १६१-१६३ |
| ९. परिशिष्ट ३—पद, उपाधि और विरुवादि की सार्य नामावली | १६४-२०८ |
| १०. परिशिष्ट ४—पुत्र शब्द के पर्याय व अपत्य प्रत्ययादि | २०९ |
| ११. परिशिष्ट ५—पौत्र या वंशज के पर्याय व प्रत्ययादि | २१० |
| १२. परिशिष्ट ६—शुद्धिपत्र | २११-२३१ |



भूमिका

राजस्थान वीरों और सतियों का देश है। इसकी मिट्टी का कण-कण जीवनी-शक्ति का स्रोत है। सहस्रो अप्रतिम शूरवीरों के ओजस्वित रक्त की असंख्य भावनाओं और अनगिनत सतियों के जौहर की पावन भस्म के योग से उसमें वह जीवनी-शक्ति समाई हुई है कि जिसके दर्शन मात्र से मुर्दा दिलों में शूरत्व उत्पन्न हो जाता है। वह जीवन की सार्थकता और अनोखे जीवट की एक सजीवनी है। उसमें जीवन की निस्पृहता, सहनशीलता, दृढ़ता और कठोरता के साथ भावोद्रेकता और मानवीय संवेदना की सुपमा ओतप्रोत है। राजस्थान की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि इसका इतिहास स्वयं युद्ध-कला के विशारद मातृभक्त वीरों ने खड्ग-लेखनी की नोक से अपनी रक्त-मसि द्वारा चित्रित किया है। यह असंख्य सती वीरांगनाओं के जौहर-यज्ञों और वीरों के मरणोत्सवों (अभूतपूर्व और अगणित नारी और नरमेधों) का इतिहास है। जीना है मरने के लिये और मरना है जीने के लिये—इस रहस्यमय जीवन-मरण विज्ञान के नित्य व्यवहार और प्रत्यक्ष उदाहरणों की अनुभूति राजस्थान का इतिहास है। वीरों के समान ही युग-युगो तक आत्मज्ञानोपदेश और पथप्रदर्शन करने वाले अनेको ज्ञानी-भक्त और कवि-कुसुम यहाँ प्रफुल्लित हुए हैं, जिनकी मधुर सुवास विश्व-साहित्य में अजोड़ है। ऐसे वीरों, भक्तों और कवियों का राजस्थानी साहित्य प्रत्येक दिशा में आगे बढ़ा हुआ है। राजस्थानी साहित्य गद्य (ख्यात, वात, हंकीकत, वचनिका इत्यादि) और पद्य की अनेक शैलियाँ अपनी मौलिकता के लिये प्रसिद्ध हैं। इन सभी परंपराओं में अनेक उत्कृष्ट कोटि की रचनाओं का सृजन हुआ है। अनेक विद्वानों ने इस भाषा की सम्पन्नता व साहित्य के वैशिष्ट्य पर अनूठे उद्गार प्रकट किये हैं^१।

-
१. (अ) Rajasthani is the language of a brave and heroic people. Rajasthani literature is a literature of chivalry. Its place among the literatures of the world is unique. Its study should be made compulsory for the youth of modern India. The work of the

राजस्थानी साहित्य की प्रमुख भाषा मारवाड़ी है, जिसका प्राचीन नाम मरुभाषा है^२। इसी मारवाड़ी भाषा में लिखा गया अपरिमित गद्य-पद्यमय साहित्य राजस्थान का ही नहीं, अपितु समस्त भारत का मौलिक और गौरवपूर्ण साहित्य है। इसमें ह्यात साहित्य अपना विशिष्ट स्थान रखता है। ह्यात-

revival of the soul-inspiring literature and its language is absolutely necessary.I am eagerly looking for the day when a full-fledged department of Rajasthani will be established at the Benares Hindu University where complete facilities will be provided for teaching and research work in Rajasthani literature

—Pandit Madan Mohan Malaviya

(आ) They are the natural out-burst of the people. I regard them as superior even to the Sant poetry. How nice it would be if they were published? Any language and literature of the world could well be proud of them. God willing I shall have them published from the Hindi Bhawan of Shanti Niketan. I shall try my best to place Rajasthani literature before the Indian public through the Hindi Bhawan.

—Rabindra Nath Tagore

(इ) The area which Rajasthani is spoken is bigger than that of any other Indian language except Hindi. It is bigger, too, than many countries of the world such as Great Britain, Eire, Romania, Poland, Greece, Norway, Iraq and Italy.

—Sir G.A. Grierson

(ई) The number of people who speak Rajasthani is nearly two crores. It has got more speakers than many important language of India and the world such as Gujarati, Kanarese, Assamese, Oriya, Malayalam, Sindhi, Pashto, Burmese, Siamese, Singhal, Greek, Turkish and Iranian.

—Hindustan Year Book for 1943, p. 159

२. आठवीं शती के प्रसिद्ध प्राकृत ग्रंथ कुवलयमाला में भारत की १८ भाषाओं में मरुभाषा को भी गिनाया गया है। अबुलफजल ने भी अपने इतिहास ग्रंथ आइन-इ-अकबरी में मारवाड़ी भाषा का स्थान अपने समय की समस्त भाषाओं में महत्वपूर्ण बताया है। अष्टम शती की परम्पराओं का सीधा संबंध इसी भाषा में सुरक्षित मिलता है।

साहित्य ऐतिहासिक दृष्टि से बहुत महत्त्वपूर्ण है, किन्तु साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी इन ख्यातों का महत्त्व बहुत अधिक है ।

‘ख्यात’ शब्द

राजस्थानी में ‘ख्यात’ शब्द प्रायः इतिहास के पर्याय के रूप में ही प्रयुक्त होता रहा है । ‘ख्यात’ मूलतया संस्कृत भाषा का शब्द है । यह ‘ख्या’-प्रकथने धातु से ‘क्त’ प्रत्यय होने पर निष्पन्न होता है । संस्कृत भाषा में मुख्यतः इस शब्द के ये अर्थ प्राप्त हैं—

१. ख्यातिप्राप्त या लब्धनाम ।
२. आहूत या आवाहित ।
३. विदित या परिज्ञात ।
४. कीर्त्तिमान या सुप्रसिद्ध ।
५. उक्त या ज्ञप्त ।
६. अभिहित या नाम दिया हुआ । और
७. प्रख्यात या लोक-विश्रुत आदि^३ ।

किन्तु उत्तर मध्य-कालीन राजस्थान के इतिहास के लेखकों ने ‘ख्यात’ शब्द को ही और अधिक विस्तृत अर्थ का व्यञ्जक बना कर प्रयुक्त किया है । उन्होंने इसे इतिहास (इति+ह+आस=पिछली घटनाओं का परम्परागत विवरण),

३. देखिये संस्कृत, हिन्दी, गुजराती और मराठी शब्दकोश—

- | | | |
|-----------------------------|---|--|
| (१) मोनियर विलियम्स | : | संस्कृत-इंगलिश डिक्शनरी, न्यू एडिशन |
| (२) जे०टी० मोलेस्वर्थ | : | मराठी-इंगलिश डिक्शनरी, दूसरा संस्करण १८५७ ई० |
| (३) एन०वी० रानाडे | : | ” ” १९११ ई० |
| (४) द्वारकाप्रसाद चतुर्वेदी | : | संस्कृत शब्दार्थ कोस्तुभ |
| (५) गि०शं० महता | : | संस्कृत गुजराती शब्दादर्श १९२६ ई० |
| (६) पन्यास मुक्तिविजयजी | : | शब्द रत्न महोदधि सवत् १९६३ |
| (७) अमरकोश | | |
| (८) अभिधान चिन्तामणि कोश | | |

हिन्दी शब्दकोशों में ‘ख्यात’ शब्द के अर्थ—१. प्रसिद्ध २. कथित ३. वह कविता जिसमें योद्धाओं का यशोगान हो आदि आदि ।

गुजराती कोशों में—१. कथन २. कथा ३. घोषणा ४. कहेलु ५. जाणीतु आदि ।

मराठी कोशों में—१. पराक्रम २. कीर्त्ति ३. प्रसिद्धि आदि, और

प्राकृत कोशों में—विश्रुत, प्रसिद्ध आदि ।

ऐतिह्य (पौराणिक वृत्तात), और इतिवृत्त (= विशिष्ट घटनाएँ) आदि का व्यञ्जक माना और तदनुकूल ख्यात' शब्द का प्रयोग किया ।

ख्यात शब्द का आधुनिक इतिहासकारों ने इतना व्यापक अर्थ न लेकर, इसके स्थान पर 'इतिहास' शब्द को ही अपना लिया, फलतः वह तत्कालीन राजस्थान के इतिहास-लेखकों की अपनी ही वस्तु रह गई । फिर भी इस 'ख्यात' शब्द को लेकर जो ऐतिहासिक साहित्य रचा गया है, उसका इतिहासकारों की दृष्टि में महत्वपूर्ण स्थान बना हुआ है, और वह उनके लिये दोष की अमूल्य निधि है ।

ख्यात-साहित्य का महत्व

यद्यपि देश के इतिहास और उसकी सांस्कृतिक परम्पराओं को आज एक नये दृष्टिकोण से सोचने और विचारने की आवश्यकता है । केवल राजाओं और नवानों आदि शासकों के माध्यम से देश के इतिहास को लिखने और उस परम्परा-दृष्टि से उस पर विचार करने का अब उतना महत्व नहीं रहा, तथापि उनके काल में जो इतिहास निर्माण हुआ है, वह एक अभूतपूर्व सक्रान्ति काल का इतिहास है । देश की राजनीति और सामाजिक एवं धार्मिक परम्पराओं पर उसका अमिट प्रभाव है । वह अत्यन्त महत्वपूर्ण और चिरस्मरणीय काल था । इसके कारण देश में एक नया मोड़ आया, अतएव इस काल में घटी घटनाओं को किसी भी प्रकार आंखों से ओझल नहीं किया जा सकता । ख्यात साहित्य में वर्णित ये सभी घटनाएँ हमारी सभ्यता और सांस्कृतिक चेतना को वर्तमान और आने वाले युग के अनुकूल बनाये रखने के लिये नितान्त उपयोगी हैं ।

सामन्तशाही की कुत्सित भावनाओं के कुछेक वर्णनों और घटनाओं को यदि हम उस काल के इतिहास में मुजरा करके देखें तो तत्कालीन सामन्त व उनके साथ के इतर वर्ग की देश-भक्ति, त्याग, ऐश्वर्य और उज्ज्वल चरित्र आदि मानव-आदर्श और उनके काल की अनुपम वास्तु-कला, संगीत, शिल्प और विज्ञान आदि की प्रगति के वर्णन हमें अपनी संस्कृति के गौरवपूर्ण अतीत की पुनरावृत्ति कराते हुए दिखाई पड़ते हैं । तभी हमें ऐसा प्रतीत होने लगता है कि सांस्कृतिक निधि की यह अमूल्य ऐतिहासिक सामग्री हमारी परम्परा के अनुकूल नव-इतिहास-निर्माण का एक आवश्यक आधार है ।

हमारी सभ्यता और संस्कृति का मूलधार हमारा अद्वितीय सरस्वती-भण्डार, जो संसार में सभ्यता का एक मात्र भण्डार और बीज रूप था—उसके

लिये एक घोर संवर्तक-काल आया और उसे अमानवीय कृत्यों और तरीकों द्वारा नष्ट किया गया। आज उसका सहस्रांश भी शेष नहीं है। किन्तु जो कुछ जितना, जैसी भी अवस्था में और जिस किसी भी प्रकार बचा रह गया, उसी के कारण हम और हमारी शताब्दियों से लड़खड़ाती हुई संस्कृति आज भी जीवित है।* उसे अब तत्त्वज्ञ और मनीषियों की सजीवनी वाणी और लेखनी द्वारा नवजीवन प्रदान करने के अनेकत्र प्रयत्न किये जाने लगे हैं।

अनेक शोध और प्रकाशक संस्थाएँ इस क्षेत्र में बहुत ही महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्य सम्पादन में लगी हैं। उनमें प्रमुख राजस्थान सरकार द्वारा महान् पुरातत्वाचार्य पद्मश्री मुनि श्री जिनविजयजी के निर्देशन में संस्थापित 'राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर' है। इस संस्था ने अपने शैशव काल में ही अनुपलक्षित साहित्य-निधि के अनेक रत्नों को प्रकाशित किया है और प्रकाशित करने में तत्पर है। उन्हीं प्रकाशनो में ख्यात-साहित्य का सर्वोपरि ग्रन्थ—राजस्थान, मालवा, गुजरात, सोराष्ट्र, कच्छ और सिन्ध आदि का लोक विश्रुत इतिहास और अन्य विविध विषयो से युक्त यह 'मुहता नैणसी री ख्यात' नामक साहित्य है।

इस ख्यात का महत्व

'मुहता नैणसी री ख्यात' जोधपुर के महाराजा जसवतसिंह प्रथम के दीवान और ओसवाल जाति के प्रसिद्ध मोहणोत वंश के विख्यात मुहता नैणसी जयमलोत द्वारा रचा गया राजस्थान की प्रसिद्ध मारवाड़ी भाषा का अपनी कोटि का अनूठा मध्यकालीन इतिहास-ग्रन्थ है। राजस्थान के भूतपूर्व देशी

४. 'दीपं वारो देस, ज्यांरो साहित जगमगै।' [जिनका साहित्य सर्वतोमुखी प्रकाशमान है, उन्हीं का देश अपनी संस्कृति की परंपरा को सदा उन्नत बनाये रह कर संसार में शोभा पाता है।]

—स्व० श्री उदयराम उज्ज्वल

५. 'मुहता नैणसी री ख्यात' इस ग्रन्थविधान का अर्थ यद्यपि इस भूमिका को पढ़ने से स्पष्ट हो जाता है, तथापि इसकी 'री' विभक्ति के इस प्रकार के अन्य ख्यात ग्रन्थों के नामों की तुलना में इस ग्रन्थ के नाम की 'री' विभक्ति का औचित्य और संगति किस प्रकार है, स्पष्ट करने की आवश्यकता है। 'राठोहा री ख्यात' = राठोड वंश की ख्यात या इतिहास, 'मेवाड री ख्यात' मेवाड राज्य का इतिहास में 'री' विभक्ति का अर्थ 'की' या 'संबधित' है। पर यहाँ इस 'री' विभक्ति का अर्थ 'की' या 'संबधित' न होकर 'के' द्वारा लिखी गई होता है। 'मुहता नैणसी री ख्यात' = 'मुहता नैणसी द्वारा लिखी हुई ख्यात या इतिहास ग्रन्थ' होता है।

राज्यो मे ख्यात के नाम से अनेक ग्रन्थ लिखे गये हैं, उन सब मे 'मुहता नैणसीरी ख्यात' बहुत महत्व की है^१ । इतिहास के सभी विद्वान् अन्य ख्यातों की अपेक्षा इसे अधिक विश्वस्त मानते हैं । स्व० म० म० रायबहादुर गौरीशंकर ही० ओझा ने अपने इतिहास-ग्रन्थों मे और स्व० रामनारायण दूगड़ द्वारा किये गये इसके हिन्दी अनुवाद के दोनो खण्डो की भूमिकाओ मे ठौर-ठौर इस ख्यात की प्रशंसा की है और राजस्थान का पिछला इतिहास लिखने के लिये इसे बहुत महत्त्वपूर्ण और विश्वस्त बतलाया है ।^२ मुंशी देवीप्रसाद मुसिफ ने तो नैणसी को 'राजस्थान का अबुलफजल' और उनकी लिखी हुई इस ख्यात को 'आईन-इ-अकबरी' की कोटि का इतिहास-ग्रन्थ कहा है^३ ।

६. इस ख्यात के महत्व का इसी से पता लग जाता है कि इस संस्करण के पूर्व इसके दो संस्करण और प्रकाशित हो चुके हैं । एक संस्करण स्व० श्री रामकण्ठी आसोपा द्वारा मूल रूप मे उनके निज के रामश्याम प्रेस मे मुद्रित होकर उन्हीं की ओर से प्रकाशित किया जा रहा था, परन्तु वह सम्पूर्ण नहीं हो सका था । दूसरा संस्करण स्व० श्री रामनारायणजी दूगड़ का हिन्दी अनुवाद है, जो स्व० श्री गौ० ही० ओझा द्वारा सम्पादित होकर काशी नागरी प्रचारिणी सभा की ओर से दो भागों में प्रकाशित हुआ है । पहला भाग स० १९८२ वि० में और दूसरा इसके ६ वर्ष बाद सम्वत् १९९१ मे प्रकाशित हुआ है ।

इनसे भी अधिक महत्व की बात यह है कि नैणसी के बाद की लिखी हुई ख्यातों का आधार भी प्रायः नैणसीरी ख्यात ही रही हुई मालूम होता है । उनमें अनेक प्रसंग नैणसीरी ख्यात के पों के पों उद्धृत कर लिये हैं । उदाहरण के तौर पर दयालदासरी ख्यात, जिसके प्रकाशित संस्करण दू. भाग [पहला भाग प्रकाशित नहीं हुआ] के अनेक स्थलो मे से दो एक प्रसंगों की ओर संकेत करना काफी होगा ।

नैणसीरी ख्यात, भाग ३, पृ० १३ और दयालदासरी ख्यात पृ० ८

" " " ३ " ६४ " " " ६५

" " " ३ " १२०-१२१ " " ८२, २६८ इत्यादि ।

७. वि. स. १३०० के आसपास से लगा कर उसके लिखे जाने के समय तक के इतिहास के लिये नैणसी का ग्रन्थ अनुपम वस्तु है । यदि नैणसी की ख्यात देखे बिना कोई राजपूताने का इतिहास लिखने का साहस करे तो उसका ग्रन्थ कभी सतोपदायक नहीं हो सकता ।

—ओझा निबंध संग्रह, तृतीय भाग, पृ. ७५

८. स्व० मुंशी देवीप्रसादजी तो नैणसी को राजपूताने का अबुलफजल कहा करते थे और उसके इतिहास पर बड़े मुग्ध थे । मुंशीजी ने अगस्त १९१६ की सरस्वती में राजस्थान-इतिहासज्ञ मूला नैणसी की ख्यात के विषय मे एक लेख छपा कर उसके महत्व का परिचय दिया था ।

—ओझा निबंध संग्रह, तृतीय भाग, पृ० ७५

प्रस्तुत ख्यात का सर्वाधिक महत्त्व इस बात में भी है कि नैणसी ने ख्यात में प्राप्त समस्त सामग्री साभार स्वीकार की है। उन्होंने लिखने वाले, भेजने वाले, सुनाने और लिखने वाली के नाम ही नहीं लिखे, अपितु कही-कही तो उनका पूरा परिचय, सम्बन्ध, मित्री और स्थान आदि के नाम भी दे दिये हैं। उनमें कई प्रसिद्ध डिगल-कवि और चारणजन हैं^६।

६. (१) पोरकरणा ब्राह्मण कवीसर जसवंत रो भाई जोशी महेशदास।
- (२) मुंहतो लखी, सं० १७०० माह वदी ६ मेहते में जैसलमेर रो हाल लिखायो।
- (३) भाढो महेशदास छत्राला भाटिया रो बात, सं० १७०६ फागण सुदी १५ रो लिखाई, सं० १७२१ माह मांहे लिख मेली।
- (४) मुहते नरसिंघदास जैमलोत (नैणसी रो भाई) डूंगरपुर में रावळ पूजा रं करायोडो देहरा रो प्रशस्ति लिख मेली, संमत १७०७ में।
- (५) वूदेला सुभकरण रं चाकर चक्रसेन मंडाई, सं० १७१०।
- (६) चारण आसियो गिरधर सं० १७१६ रा भादवा सुदी ६।
- (७) चारण भूलै रुद्रदास भाण रं साइया भूला रं पोतरं कही, संमत १७१६ रा चैत मांहे।
- (८) सं० १७२१ रा जेठ मांहे रा० रामचन्द्र जगनायोत मंडाई।
- (९) खिडियो खींवराज सिसोदिया रो चूण्डावत साखा रो वृत्तान्त लिखायो सं० १६२२ रा पोह वदी ५।
- (१०) बात एक बीठू भांझण कही।
- (११) दधवाडियो खींवराज, बात पठाण हाजीखान राण उदैसिंघ वेढ हुई तिणरो लिख मेली। संमत १७१४ रा वैसाख मांहे।
- (१२) देवडो भमरो चंदावत रो परधान बाघेलो रामसिंघ नू भमरं नैणसी कनं मेलियो, उण कही।
- (१३) मुंहणोत सुंदरदास जाळोर बकां लिख मेली।
- (१४) रतनू गोकुळ पीठियां मंडाई। गोकळ रतनू कह्यो।
- (१५) चारण चांदण खिडियो।
- (१६) भाट खगार नीलिया रो पड़ियारा रो साखा लिखाई।
- (१७) भाट राजपाण उदैहीरो, पीढी कछवाहा रो मंडाई।
- (१८) बात १ जीव रतनू धरमदासांणी कही नै पहला सुणी थी तिका तो लिखी हीज हुती। बात जाहेचा साहिब रो नै भाखा रायसिंघ रो फेर लिखी।
- (१९) भाखड़ी रावळ भीम रो आसियो पीरो कहे।
- (२०) राव नीवो महेशोत सवणी।
- (२१) गाढण पसायत।
- (२२) बारहठ खीदो।

नैणसी ने अपनी ख्यात में लगभग ६ शताब्दियों के जीवन और साहित्य का महत्वपूर्ण परिचय दिया है। अपभ्रंश भाषा की परम्परा से प्रभावित मारवाड़ी भाषा में लिखा गया यह विवरण विक्रम सम्वत् १३०० से १७०० तक राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सभी प्रकार की गतिविधियों का विस्तृत आलेखन है। यद्यपि पहले का जितना वृत्तान्त है, वह सभी प्रायः जनश्रुतियों या चारण-भाटों की बहियों से प्राप्त किया गया है, तथापि १६वीं शती से १८वीं शती तक का विवरण प्रायः शंकाओं से परे और विश्वसनीय है।

ख्यात की भाषा

इस ख्यात की भाषा लगभग तीन सौ वर्ष की पुरानी मारवाड़ी भाषा है। यद्यपि यह भाषा उतनी कठिन नहीं है तथापि हिन्दी के विद्वान् इसका सही-सही समझना उतना सुलभ नहीं समझते। फिर डिंगल के गीत, छप्पय, दोहे आदि को समझना तो उनकी दृष्टि में और भी कठिन है^{१०}।

इस ग्रंथ की मारवाड़ी भाषा भारतीय आर्य भाषाओं की अपभ्रंश परंपरा की निकटतम शाखा के प्रौढ़ गद्य का उत्कृष्ट रूप है जो राजस्थान की सभी

(२३) चारण वीरधवल ब्रूहा कहै।

(२४) गाढण सहजपाळ।

(२५) सावळसुष रोहड़ियो।

(२६) भाणो मीसण, बढो आखरा रो कहणहार।

(२७) ढाढो... इत्यादि।

इनके अतिरिक्त चारहठ ईसरदास, दुरसो आढो, केशवदास, रतनू नवलो, बारठ वीठू, आसराव रतनू, आसियो दलो, लल्ल भाट और चारण चादो आदि डिंगल के प्रसिद्ध कवि और कुछ वात या हालात, जिनके सुनाने या लिखाने वालों का नाम स्मरण नहीं रहा—नैणसी ने 'एक वात यूँ सुणी' या 'समत् १७२२ आसोज माहै परबतसर माहै लिखी' इस प्रकार से उनका आभार माना है।

१०. नैणसी की अनुपम ख्यात २७५ वर्ष पूर्व की मारवाड़ी भाषा में लिखी हुई है, जिससे राजपूताने का रहने वाला हर एक आदमी सहसा ठीक-ठीक समझ नहीं सकता। राजाओं, सरदारों आदि के पुराने गीत, दोहे आदि भी उसमें कई जगह उद्धृत किये गये हैं, जिनका ठीक-ठीक समझना तो और भी कठिन काम है।

—श्रीमता निवध-संग्रह, तृ. भाग

बोलियों से अधिक विकसित और मान्य 'पश्चिमी मारवाड़ी' की परंपरा का प्राचीन और प्रधान रूप है। आधुनिक राजस्थानी और गुजराती के रूपों में विकसित होने वाले अंकुरों का (विभक्तियों, प्रत्ययों आदि के योग से) देश-कालिक निकटतम भेद बताने वाला एक सांगोपांग नमूना है^{१२}। अन्य भारतीय भाषाओं की समकालीन परंपराओं की तुलना में इसकी परंपरा अपने विकास में अग्रणी, परिपक्व और अधिक प्राचीन गद्य-शैली का रूप है। इसमें पुष्ट गद्य-साहित्य के सभी रूप ख्यात^{१३}, वात, वारता, विगत, विरतत, हकीकत, याद, आदिदास्त, हाल, प्रस्ताव, हवालो, सिंघावलोकनी, मिसाल, साख, परियावली, वसावली, पीढियाँ आदि सभी प्रचुर परिमाण में विद्यमान हैं। इन सब में ख्यात साहित्य प्रमुख है। वात, हकीकत, विगत आदि के भी अनेक छोटे-मोटे हस्त-लिखित इतिहास-ग्रंथ प्राप्त हैं, जो ख्यात के आवश्यक अंग होने के साथ उसका

११. आधुनिक शोध विद्वानों ने इसका नाम 'प्राचीन पश्चिमी राजस्थानी' रखा है जबकि गुजरात के विद्वानों ने 'जूनो गुजराती' अथवा 'मारू-गुर्जर भाषा' अभिहित किया है।

१२. Rajasthani dialects form a group among themselves differentiated from Western Hindi on one hand and from Gujarati on the other hand. They are entitled to the dignity of being classed as together forming a separate independent language. They differ much more widely from Western Hindi than does, for instance, Punjabi. Under any circumstances they cannot be classed as dialects of Western Hindi. If they are to be considered dialects of some hitherto acknowledged language, than they are dialects of Gujarati.

—Dr. Sir G. A. Grierson

Linguistic Survey of India, Vol. IX part II pages 15

१३. ख्यात की प्राचीनता के सम्बन्ध में पीटरसन, दूसरी रिपोर्ट में अनघंराघव नाटक के कर्ता मुरारि कवि का यह श्लोक दृष्टव्य है। मुरारि कवि का समय ८वीं-९वीं शताब्दि माना जाता है।

चर्चामिश्चाराणानां क्षितिश्मण ! परांप्राप्यसमोद लीला
मा कीर्तेः सौविदल्लानवगणय कवि प्रात(?) वाणी विलासात् ।
गीतं ख्यातं च नाम्ना किमपि रघुपतेरद्य यावत्प्रासा —
ढाल्मीके रेव धार्त्री धवलयति यशो(दा?) मुद्रया रामचन्द्र ॥

—परम्परा : भाग ११ और १५-१६ तथा

ना. प्र. पत्रिका, भाग १ चन्द्रधर शर्मा गुलेरी का चारण' नामक लेख।

विकसित परिमार्जित और प्रौढ़ रूप है। किन्तु स्वतन्त्र रूप से भी इनका महत्त्व ख्याती से कम नहीं है। ख्यात के आवश्यक अंग-रूप इन शब्दों का अर्थ अपने साधारण अर्थों से कुछ भिन्न होने के कारण यहाँ संक्षेप में प्रत्येक की जानकारी देना अप्रासंगिक नहीं होगा, जिससे कि उनके महत्त्व को समझा जा सके—

ख्यात

मोटे रूप में ख्यात इतिहास को कहते हैं जिसमें युद्ध आदि प्रसिद्ध घटनाओं का विस्तार से वर्णन किया हुआ होता है। अध्याय के रूप में भी ख्यात शीर्षक देकर वर्णन या वृत्तान्त के रूप में ख्यात ग्रंथ का विभाजन किया हुआ होता है। 'नैणसीरी ख्यात' में ऐसे अनेक विभाग हैं। जैसे—'अथ सीसोदिया री ख्यात लिख्यते', 'अथ ख्यात भाटिया री लिख्यते' इत्यादि। बात, हकीकत आदि इसके अनेक पेटा विभाग हैं।

बात, वारता

वर्णनार्थक 'ख्यात' शीर्षक में किसी वंश या व्यक्ति आदि की प्रसिद्ध घटनाओं का विवरण प्रायः 'बात' शीर्षक से विभक्त किया हुआ होता है। स्वतंत्र ऐतिहासिक बात-साहित्य की बातें बड़ी होती हैं^{१४}।

हकीकत

स्थान विशेष की स्थिति का वर्णन प्रायः हकीकत कहलाता है। यह ख्यात के समान बड़े ग्रंथ के रूप में भी होती है जैसे—'जोधपुर री हकीकत'।

पीढी

ख्यात का एक आवश्यक अंग है। इसमें वंशानुक्रम के साथ विशिष्ट व्यक्ति के जीवन की विशेष घटनाओं का उल्लेख भी किया हुआ रहता है।

साख

(१) विशिष्ट व्यक्ति के नाम पर वंश-वृक्ष में से प्रस्फुटित शाखा वाले वंश को साख कहते हैं, जैसे—ऊदावत, जेसा-भाटी इत्यादि इसे वंसावली भी कह देते हैं। (२) घटना विशेष और स्थान के नाम से भी 'साख' प्रस्फुटित होती है, जैसे—भाला, छात्राळा और महेवचा, वाड़मेरा आदि। (३) किसी बात की साक्षी के रूप में उद्धृत छंद भी 'साख' कहलाता है, जैसे—साख रा दूहा।

१४. 'बात परगने जोधपुर री' (हस्तलिखित) में जोधपुर, जोधपुर के परगने और जोधपुर के राजाओं से संबंधित प्रसंगवशात् सभी विषयों का विस्तृत विवरण दिया हुआ है। यह बात पृ. १८४ महाराजा जसवतसिंह प्रथम (अपूर्ण) तक है। इसमें कई स्थानों पर नैणसी का उल्लेख महत्त्व के तथ्यों के साथ हुआ है। सुंदरसी का भी उल्लेख हुआ है। यह बात हमारे संग्रह में है।—सम्पादक

विगत

किसी वंश या स्थान के सम्पूर्ण और क्रमबद्ध व्यूरे को विगत कहा जाता है।

याद, याददास्त, आदिदास्त

किसी बात या घटना को विस्तृत रूप से लिखने के लिये याद के तौर पर लिखा हुआ उसका संक्षिप्त रूप। बड़ी बात का संकेत-लेखन या नोट्स।

प्रस्ताव

प्रासंगिक रूप में कही जाने वाली बात के लिये प्रारंभिक संकेत, जैसे—
एकदा प्रस्ताव।

हवालो

प्रमाण के लिये किया हुआ किसी बात या घटना का उल्लेख।

सिंघावलोकनी बात

पूर्वल्लिखित बात या घटना पर दृष्टिपात करते हुए किया गया विशेष वर्णन।

परियावली, वसावळी

देखे पीढी और साख (१) और (२)

स्थानस्थिति के वास्तविक निर्देशन के लिये आठ दिशाओं के अतिरिक्त इस ख्यात में १६ दिशाओं के नामों का उल्लेख इसके (गद्य और पद्य) साहित्य की प्रौढ़ता का एक अन्यतम उदाहरण है। ऐसा उदाहरण अपभ्रंश पारंपरीय तात्कालिक किसी भी भाषा के विज्ञान में और आधुनिक किसी भी साहित्य में प्राप्त नहीं है।^{१५}

क्रीड़ा, कृषि, वाणिज्य, युद्ध और शासन आदि से संबंधित अपने अर्थों में सशक्त अनेक पारिभाषिक शब्दों का प्रयोग राजस्थानी भाषा की प्राञ्जलता और व्यापकता के द्योतक हैं, जिनमें से अनेकों के पर्याय हिंदी में नहीं मिलते। डिंगल एव राजस्थानी गद्य साहित्य के अध्ययन के लिये इस ख्यात का शब्द-भण्डार बहुत ही मूल्यवान है।^{१६}

१५. राजस्थानी साहित्य में १६ दिशाओं का उल्लेख मिलता है—

‘दिसि खोज भूम्यो छट-पच-दूण, जुड़ियो नह थापण धम्म जूण’।

सोलह दिशाओं में जिन आठ विशेष दिशाओं के नामों का उल्लेख किया जाता है, उनमें से इंद्र, तहड़, खरक, भरहेर, रूपारास और पंचाद आदि के नाम इस ख्यात में प्राप्त हैं।

१६. वर्ल्डविद्यानगर, बी. पी. महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष और रिसर्च स्कॉलर प्रो० भूपतिराम साकरिया के सह-सम्पादन में राजस्थानी-हिन्दी का एक कोश शोधार्थियों के लिये (सर्व-मुलम आवृत्ति) तैयार किया गया है, जिसमें ‘नैणसी री ख्यात’ के भी तीन-चार हजार शब्द लिये गये हैं। कोश प्रकाशनाधीन है।

भाषा की प्रौढ़ता और अर्थ-बोधकता के इसके मुहावरो और रूढि-प्रयोगों में भी प्रचुरता से देखने में आती है। क्रियापद, सर्वनाम और विशेषणों के रूप तो इतने प्रचुर हैं कि उन पर एक पृथक् प्रबन्ध लिखा जा सकता है। प्रत्यय, परसर्ग और विभक्तियों के अनेक कारक-रूप और प्रकार एवं उनके प्रयोग भाषा की प्रौढ़ता और सम्पन्नता के अन्यतम उदाहरण हैं।^{१०} सहस्रों स्त्री-पुरुषों और नगरों आदि के नाम अपभ्रंश भाषा के अध्ययन के लिये बहुमूल्य सामग्री उपस्थित करते हैं, जो भाषा की दृष्टि से ही नहीं, पुरातत्त्व और इतिहास की दृष्टि से भी शोध का एक मनोरंजक और स्वतंत्र विषय है। हमारी संस्कृति के साथ भी इनका घनिष्ठ संबंध है।

विविध विषय

प्रस्तुत ख्यात समाज और संस्कृति का जीता-जागता चित्र है। इसमें सक्षेप से गुजरात, काठियावाड़ (सौराष्ट्र), कच्छ, वधेलखड, वुदेलखड, मालवा और मध्यभारत का इतिहास है और मेवाड़ के शिशोदिये, जैसलमेर के भाटी, ढूढाड के कछवाहे और मारवाड (जोधपुर और बीकानेर) के राठौड राजपूतों का विस्तृत विवरण है। अजमेर-मेरवाड़ा, कोटा, बूंदी, झालावाड़, जयपुर-शेखावाटी, सिरोही, डूंगरपुर, वासवाड़ा, प्रतापगढ़, रामपुरा, किशनगढ़, खेड़-पाटण और पारकर आदि राजस्थान की अन्य समस्त रियासतों और इन रियासतों के अनेक जागीरी ठिकानों का एवं दक्षिण, गुजरात, मालवा, दिल्ली और आगरा आदि की वादशाहतों के साथ हुए युद्धों का वृत्तान्त भी सकलित हो गया हुआ है।^{१५}

१७. सम्बन्ध-सूचक परसर्ग और विभक्तियों के कुछ रूप जिनका प्रयोग इस ख्यात के पद्य और पद्य के विभिन्न स्थलों में हुआ है—

१. रा, रो, री, रें
२. तण, तणा, तणी, तणो, तणैं, तणउ
३. केर, केरा, केरी, केरो, केरउ, केरें
४. सदा, सदी, सदियां, सदो, संदउ, सदे
५. हदा, हदी, हंदियां, हदी, हदउ, हदे
६. नो, नी, ना, नउ
७. चा, चो, चो, चें
८. कउ, की, को, के इत्यादि

१८. नैणसी की ख्यात में चौहानों, राठौडों, कछवाहों और भाटियों का इतिहास तो इतने विस्तार के साथ दिया है और वशावतियों का इतना अग्रुवं संग्रह है कि अन्य साधनों से

अनेकविध युद्ध और घटनाओं आदि के विवरणों से सकलित यह ख्यात विषय की दृष्टि से एक छोटा महाभारत है। मानव जीवन के उदाहरण रूप उच्च और उज्ज्वल पक्ष के अनेक जगह जहाँ इसमें दर्शन होते हैं, वहाँ इसके विरुद्ध, अनुचित आचरण वालों की अपकीर्ति और भर्त्सना के प्रसंग भी इसमें चित्रित मिलेंगे। इनके अतिरिक्त कृषि और उसकी उपज, वाणिज्य और माप-तोल, दुकाल और सुकाल, सेना और आक्रमण, अस्त्र और शस्त्र, शरणागत-रक्षा; वदान्यता, वचन-पालन, गौरव-रक्षा, मान-मर्यादा, शासन और दण्ड, खिराज और कर; विवाह-सम्बन्ध और दूसरे राज्यों के परस्पर सैनिक और राजनैतिक सम्बन्ध; दान, भेंट, सासण (भूमिदान), पसाव, सिरोपाव, रीझ-मोज आदि के वर्णन; पद, मनसब और खिताब, टैंकसाल और सिक्के; वीरगीत और गर्वोक्तियाँ, गुण-प्रशंसा और दुर्गुण-निंदा; लोक-वार्ताएँ और वीर-गाथाएँ, शाखायें और वशावलियाँ, परम्पराएँ और रीति-रिवाज, राजदरबार, सवारियों, तीर्थाटन, पर्व, विवाह, स्वागत-सत्कार, शिकार और जबाद; जलहर (जलक्रीड़ा) जाति-निर्माण और धर्म-परिवर्तन, जीहर और साका, सत्तीत्व और स्त्री-चरित्र; आभूषण, वेशभूषा और सस्कार, खान-पान और रहन-सहन; बादशाहों को तसलीम करने के ढंग; शत्रुता और मित्रता; पहाड़ और नदियाँ, नगर और गाँव; जन्म-मंत्र और वैद्यक, शकुन और नक्षत्र-ज्ञान; चोरो की कला; दुर्ग-प्रासाद-जलाशय, कूप आदि का निर्माण, देवी-देवताओं की पूजा और यात्रा, कुलदेवी-देवताओं का विवरण; उद्धरण और साख (साक्षी) रूप में अनेक प्रकार के काव्य इत्यादि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनैतिक, वास्तुकला (स्थापत्य कला) संबंधी और अन्य दिभिन्न विषयों के न्यूनाधिक वर्णन इस ख्यात साहित्य (ग्रन्थ) में उल्लिखित हैं।

अनुशीलन सूत्र

जैसा कि ख्यात के विविध विषयों से प्रगट है, प्रस्तुत ख्यात में अनुशीलन के लिये पर्याप्त सूत्र वर्तमान हैं। किसी भी विषय का अन्वेषक इसमें कुछ न कुछ न्यूनाधिक अपने शोध के लिये सामग्री प्राप्त कर सकता है। निम्न अनुशीलन सूत्र विशेष रूप से शोधनीय है—

वैसा अब मिल नहीं सकता। इस ग्रन्थ में कई लडाइयों तथा कई वीर पुरुषों के मारे जाने के सम्बन्ध एवं उनकी जागीरो का जो विवेचन दिया है, वह भी कम महत्व का नहीं। उसने राजपूताने के इतिहास को बहुत कुछ सुरक्षित किया है। इतना ही नहीं, गुजरात, काठियावाड़, कच्छ, बूंदेलखंड आदि के इतिहास लिखने वालों को भी इसमें बहुत कुछ सामग्री मिल सकती है।

—श्रीका अभिनन्दन ग्रन्थ, ती. भा; पृ. ७४

१. राजपूत जाति और राजस्थान, मध्यभारत, सौराष्ट्र, गुजरात, मालवा, कच्छ एवं पारकर (घाट-^{१६}सिंध) का इतिहास ।

(नैणसी की ख्यात में अधिकतर राजस्थान, गुजरात, सौराष्ट्र और मध्य-भारत आदि राजपूत जाति के शासन और शासकों का विस्तृत विवरण है; अतः उस विवरण से सभी राज्यों की राजपूत जातियों और उन राज्यों के पृथक्-पृथक् इतिहास पर शोध किया जा सकता है ।)

२. प्रत्येक समाज और देश में समय-समय पर महापुरुष उत्पन्न होते रहते हैं । कोई अपनी वीरता और बलिदान के कारण, कोई परोपकार या धर्म-परायणता से, कोई अपनी दानशीलता और सेवा-परायणता से और कोई अपनी राजनीति और न्यायपरायणता से सुविख्यात होते हैं तो कोई अपने दुष्कृत्यों से ही विख्यात या कुविख्यात हो जाते हैं । नैणसी ने प्रकारान्तर से ऐसे अनेक जीवन-चरित्र चित्रित किये हैं । इन पर शोध करके अनेक मानवीय भावनाओं को समाज और संस्कृति के लिये प्रकाश में लाया जा सकता है ।

३. शासन और युद्धनीति

राजपूतों का मध्यकालीन इतिहास पारस्परिक वैमनस्य और स्पर्धा से हुए युद्धों का विवरण है । राजपूत राजा शासन करने में प्रायः निरंकुश रहे हैं; फिर भी कई राजा और कई राजाओं के मंत्री बड़े नीति-कुशल और प्रजासेवी हुए हैं । अतः नैणसी की ख्यात शासन-व्यवस्था और युद्धनीति के लिये पर्याप्त रूप से शोध की वस्तु है ।

४. वाणिज्य, माप-तौल, सिक्के और राजकर^{१७} ।

ख्यात-लेखक की एक दूसरी कृति मारवाड़ राज्य का सर्वसंग्रह (गजेटियर)

१६ घाट-परपारकर का विस्तृत प्रदेश (गढ़ड़ा, मिट्टी, छोर, नगरपारकर, नौकोट और उमर-कोट के सोढाण खंड का भू-भाग) मारवाड़ राज्य का अंग था । अंग्रेजों ने नाम मात्र की खिराज के बदले में जोधपुर राज्य से कुछ वर्षों की शर्तों से उधार लेकर सिंध का एक जिला बना लिया था और सिंध गवर्नर के शासन में दे दिया था । उधार-अवधि पाकिस्तान बनने की राजनैतिक चालों के समय समाप्त हो गई थी । अंग्रेजों ने यह प्रदेश मारवाड़ को वापिस नहीं लौटाया । सांस्कृतिक और भौगोलिक दृष्टि से मारवाड़ का यह अविभाज्य प्रदेश हिन्दू-बहुल होते हुए भी पाकिस्तान को दे दिया गया । आज भारतवर्ष और पश्चिमी पाकिस्तान के बीच पाकिस्तान का सोमाप्रदेश बना हुआ है ।

२०. दुगाणी (दुरगाणी), फदियो, टको, दोकडो, जनादी, छकड़, दाम, डवू, सोनइयो, रपियो, महमूदी, फिरोजी (पीरोजी, पेरोजी, पीरोजसाही), जलालसाही (जलाला, जलाली) आदि

है, जो कि तात्कालिक जन-गणना रिपोर्ट का अनुपम उदाहरण है। प्रस्तुत ख्यात भी उसी लेखक की कृति होने से अनायास ही वाणिज्य, माप-तोल, विभिन्न सिक्कों में खिराज और राजकर की अदायगी, माल लाने-लेजाने के साधन आदि के विषयों से समाहित हो गई है। एतद्विषयक शोधकर्त्ताओं के लिये यह ख्यात बहुमूल्य सामग्री प्रस्तुत करती है।

५. देवपूजन और शकुन-शास्त्र

प्रत्येक राजपूत राजवंश की अपनी-अपनी कुलदेविया और कुलदेवता होते हैं। उन्हीं के आराधन व संतुष्टि से युद्धों में विजय और राज्यों की प्राप्ति व संस्थिति होती है। नैणसी ने इस प्रकार के अनेक देवी-देवताओं और साधु-सन्यासियों की भक्ति, आराधना और सेवा और उन्हें अपने अनुकूल बनाये रखने के लिये किये गये प्रयत्नों का प्रासंगिक वर्णन किया है। आराधना और पूजा-र्चना के हेतु मंदिरों का निर्माण, मूर्ति-स्थापन, दानादि से उनकी व्यवस्था के उल्लेख-धर्म और भक्ति-भावना और सस्कृति पर प्रकाश डालते हैं। पशु-पक्षियों के शकुनों के आचार पर कार्य-सिद्धि और जय-पराजय आदि का और लोक-परंपरा और शकुन-शास्त्र के अतर्गत आने वाले कई शाकुन-प्रसंगों का वर्णन इसमें खूब सरस भाँति से हुआ है।

नक्षत्र-विज्ञान पर आधारित राजस्थानी साहित्य के शकुन-शास्त्र की १६ दिशाओं ने किस प्रकार इस ख्यात में दिशाओं और उपदिशाओं के मध्य दिशा-वकाश प्राप्त कर विशेष दिशाओं के नाम से अपना महत्त्व स्थापित किया है। शकुन और दिशा-विज्ञान दोनों में दिक्साधन संबंधी विज्ञान की शोध वस्तु है। अतः इस दृष्टि से भी यह ख्यात मननीय है।

६. पुरातत्व संबंधी अवशेषों का परिचय

राजपूत राजाओं का वास्तुकला-प्रेम प्रसिद्ध है। अनेक राजा और ठाकुरों

कई सिक्कों के नाम और उनके चलन का विवरण है, जो कई सदियों से १८ वीं, १९ वीं सदी तक विभिन्न राज्यों में प्रचलित थे।

इसी प्रकार मगलीक, वधामणा, गुळ, सूखडी, वळ, भेट, सलार, वाव, पेसकस, दडवराड, दाण, वहतीवाण, पाघवराड, तुलावट, मळवो, लाचो, हासल, भोग, हळ (हळगत), भोम, भोम, पूछो, घोड़ाचारण, ढोर-चराई, वाडी री लाग, काजी री लाग, कोटवाळी लाग इत्यादि अनेक प्रकार के कर और उनका प्रचलन तथा मण, सेर, टाक आदि तोल और मण, माणो, मूणो, सई, भर, भारो आदि घान्यादि के मापो के नाम और उनके चलन का विवरण इत्यादि।

ने अपने नाम से नगर, दुर्ग, प्रासाद, तालाब, मंदिर और कीर्ति-स्मारकों का निर्माण करवाया है। प्रस्तुत ख्यात में ऐसे कई पुरातत्व सम्बन्धी अवशेषों का निर्माण-संवत्, प्रयोजन और उनके निर्माताओं का विवरण दिया गया है। अतः एव पुरातत्व विभाग के लिये इसमें अमूल्य सामग्री सुरक्षित है।

७. शाखायें और वशावलियाँ

राजपूत जाति के इतिहास को समझने के लिये उसकी शाखा-प्रशाखाएँ और वशावलियाँ सबसे बड़ा आधार हैं। वीरता की वहाँ पूजा है; अतः राजपूतों में यदि एक व्यक्ति के पाँचों पुत्र वीरता में अपना व्यक्तित्व बना लेते हैं तो वे पाँचों ही पाँच पृथक् शाखाओं के मूल पुरुष बन जायेंगे। दानशीलता, धर्मपरायणता और बौद्धिक क्षेत्र में भी ऐसे शाखा-पुरुषों का वर्णन पाया जाता है। नैणसी ने राजपूतों की इस प्रकार से बनी उनकी शाखाओं, वशावलियों और पीढ़ियों की विस्तृत सूचियाँ दी हैं, जिनका अन्यत्र प्राप्त होना असम्भव है। पीढ़ियों में विशेष व्यक्तियों के विशेष कार्य, सेवाये, युद्ध और जागीर पाने और तागीर होने के कारण और उनकी सवत्-तिथि, जन्म और मृत्यु-तिथि आदि आवश्यक बातों का साथ का साथ ही संक्षिप्त विवरण दिया हुआ रहता है।

८. जाति और धर्म परिवर्तन

काल के घूर्णित चक्र ने कई व्यक्तियों और जातियों को अपना नाम, धर्म और देश परिवर्तन करने को विवश किया है। नैणसी ने अपनी ख्यात में ऐसे कई अवसरों का वर्णन किया है, जबकि अनेकों की संख्या में हिंदू मुसलमान बन गये, या बना लिये गये। ब्राह्मण क्षत्रियों में और क्षत्रिय कृषि-कर्म में प्रवर्त कृषक जाति में तथा बूढ़ों में परिवर्तित हो गये। कई ब्राह्मण और क्षत्री वैश्य और शिल्पियों में बदल गये। अनेक जातियों के प्रादुर्भाव की बातें इस ख्यात में वर्णित हैं।

९. लोक-साहित्य

इस ख्यात में इतिहास से जुड़ी हुई अनेक छोटी-मोटी सरस और महत्वपूर्ण सामाजिक घटनाएँ उद्धृत हैं, जो जन-जीवन में लोक-साहित्य बन कर लोक-वार्ताओं के रूप में सामने आई हैं। जगमाल मालावत, लांजो विजैराव, लाखो फूलाणी, हुरड वनो, हेमो सीमाळोत, सिद्धराज सोलंकी, खाफरो चोर, विक्रमा-जोत आदि ऐसी पचासो बातें हैं जो आज लोकवार्ताओं के नाम से भी प्रसिद्ध हैं।

लोक-साहित्य पर शोध करने वालों के लिये विविध प्रकार की सामग्री यह ख्यात प्रचुर परिमाण में उपस्थित करती है ।

१०. भाषा

‘नैणसी री ख्यात’ भाषा-वैज्ञानिकों के लिये जो शोध-सामग्री उपस्थित करती है, वह सब से अधिक महत्वपूर्ण है । इसकी भाषा पश्चिमी राजस्थानी का विशिष्ट रूप है जो राजस्थान की सब से अधिक सशक्त और विकसित भाषा है । तत्कालीन अन्य भारतीय अपभ्रंश भाषाओं की परम्परा में इसकी परम्परा अपने विकास में अग्रणी, परिपक्व और अधिक प्राचीन गद्य-शैली का रूप है^{२१} ।

पश्चिमी राजस्थानी उपनाम मारवाड़ी भाषा (मरु भाषा) में प्राप्त गद्य-साहित्य के विविध रूप, कहावतों और रूढ़ प्रयोगों की प्रचुरता विभिन्न पारिभाषिक शब्दों का प्रयोग, कारकों की विभक्तियों^{२२} के अनेक प्रकार और रूपों का प्रयोग, प्रत्यय और उपसर्ग आदि के विभिन्न रूप, क्रियापद, सर्वनाम और विशेषणों के संकड़ों रूप, भौगोलिक स्थानों की वास्तविक स्थिति-निर्देशन के लिये विशेष-दिशाओं^{२३} के नामों का प्रयोग, अनेक संज्ञाओं के ऐसे भेद जिनके पर्याय हिंदी में नहीं मिलते और जिनका व्यक्तिकरण व्याख्या द्वारा करना पड़ता है इत्यादि बातें इसकी प्रौढ़ता, व्यापकता और अर्थबोधकता के स्पष्ट उदाहरण हैं । नैणसी की ख्यात में सहस्रों स्त्री-पुरुषों एवं नगरों आदि के नाम अपभ्रंश भाषा की परम्परा के अध्ययन की मूल्यवान सामग्री है । उदाहरण के लिये ‘ऊदल’ पुरुष नाम को लें । यह उदयसिंह का अपभ्रंश रूप है । उदयसिंह के उत्तर पद के ‘सिंह’ का लोप होकर उसके स्थान पर ‘ळ’ प्रत्यय रूप में आ जाने से ‘उदय’ का ‘ऊद’ आदेश होकर ‘ऊदळ’ रूप बन गया । इसी प्रकार अक्खो,

२१. भाषा और प्राचीन इतिहास के विद्वान् डॉ० दशरथ शर्मा डी० लिट्० ‘दयाळदासरी ख्यात’ के इन्ट्रोडक्शन में उक्त ख्यात और ‘नैणसी री ख्यात’ की भाषा के सम्बन्ध में तुलना करते हुए लिखते हैं—

Dayaldas Sindhayach was an erudite scholar. He was an accomplished rhetorician, a writer of excellent Marwari, only a little inferior to that of Nainsi Muhnot.”

२२. दे० टिप्पणी सं० १४, इस ख्यात में मात्र सम्बन्ध-सूचक षष्ठी विभक्ति के लिये ७ या ८ विभिन्न रूप प्रयुक्त हुए हैं ।

२३. दे० टिप्पणी सं० १२, विशेष-दिशाओं के नामों के लिये ।

अरहड़, अलघरो, आसथान, गैपो, छाहड़, पावू, पेयड़, बंगट वाहड़, मीयक हड़वू आदि सहस्राधिक पुरुष नाम अपभ्रंश प्रभावित हैं।

नामो को इस प्रकार (अपभ्रंश परंपरा के अनुसार) छोटा करने में जहाँ एक ओर गर्वोक्ति और स्वमान त्याग की भावना काम करती है, वहाँ दूसरी ओर आत्मीयता और स्नेह-भावना भी परिलक्षित होती है। 'राणो रूपड़ो', 'राव तीडो' आदि राजाओं के ऊनता-सूचक नामों में यही भावना काम करती हुई दिखाई पड़ती है, तुच्छता की बोधक नहीं है।

ख्यात में ऐसे अपभ्रंश-प्रभावित नाम सभी क्षेत्रों में दिखाई पड़ते हैं। आवड़, ईहड़, गायड़, जसमादे, लाछा, हुरड़ आदि स्त्री नाम; कमधज किराड़, खेड़ेचा, चीवा, पोकरणा, विसनोई आदि जाति नाम, और अटाळ, अणदोर, अरणोद, आफूडी, ईकुरडी, किराडू और कूटी आदि गाँवों के नाम—ऐसे सहस्रो नाम हैं जो अपभ्रंश भाषा से प्रभावित हैं।

मध्यकालीन पुरुष नामों में, यद्यपि भाषा से इस बात का कोई सम्बन्ध नहीं है, तथापि राजनैतिक दबाव और चापलूसी के कारण कई क्षत्रियों ने अपने नामों का (हिन्दू धर्म में रहते हुए भी) मुसलमानीकरण कर दिया था। तातारखां, लाइखां, अलखां, महमद और भाखरखां आदि हिन्दुओं के पचासों मुसलमानी नाम मध्यकालीन समाज और इतिहास की एक उल्लेखनीय घटना हैं। जबकि क्षत्राणियों ने क्षत्रियों (अपने पिता, पति और भाई आदि) का अनुसरण करके ऐसा एक भी उदाहरण प्रस्तुत नहीं किया है।

११. राजस्थान की मध्यकालीन सती-प्रथा

ख्यात में सैकड़ों सतियों का विवरण उल्लिखित है। इसमें ऐसी अनेक वीरांगना और पतिव्रता सतियों का वर्णन है, जिन्होंने राजस्थान का मुख उज्ज्वल किया है। उनमें सतीत्व की सच्ची भावना के दर्शन होते हैं। उन्होंने नारी समाज के सामने पतिव्रत और सतीत्व-धर्म का एक आदर्श पेश किया है। वे अवश्य पूजनीय हैं। परन्तु दूसरी ओर इस प्रथा का एक रोमांचक पक्ष भी है, जिसमें इस जाति के साथ बड़ी निर्दयता से अत्याचार हुआ है। मृत पुरुष की लाश के साथ स्त्री को चिता में बिठाये बिना जलाना समाज और उस पुरुष का अपमान समझा जाता था।^{२४} एक पुरुष की उसकी अनेक परिणियों के सिवाय

२४. 'ताहरा अँ असवार पाछा गया। आयन देखें सो सगरी तोरण नीचे पड़ियो छँ। ताहरा कह्यो—'जी, सती हुवी सगरँ नू लेनँ। सती नू कह्यो जु बाहिर आवँ ज्युं सगरँ नू दाग

अनेक वेश्याएँ, दासियाँ, नौकरानियाँ, गायिकाओं और गोलियाँ आदि को उसकी चिता में पड़कर जलना पड़ता था^{२५} । कितना हृदय-विदारक दृश्य होगा वह ? वे सभी भोग्या-स्त्रियाँ सती हुई कहलाती थी और अधिक स्त्रियाँ साथ में जलने से उस पुरुष का अधिक सम्मान समझा जाता था । कहाँ वह दैवी-दृश्य जिसमें एक समाधीष्ट योगी के समान प्राण विसर्जन करके अथवा स्वयं योगाग्नि प्रज्वलित करके परलोक में भी साथ ही में रहने की भावना से पति का सहगमन किया जाता था । यही नहीं, किन्तु पुत्र के लिये माता ने और भाई के लिये बहिन ने, इसी प्रकार अपने प्राणों का विसर्जन करके अपनी स्नेहा-कुल और नारी-सुलभ कोमल एवं पवित्र भावनाओं का उच्च आदर्श उपस्थित किया था और कहाँ यह घोर नरमेघ का नारकीय दृश्य ?

सती प्रथा का प्रारम्भ, धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से नारी-समाज के ऊपर उसका प्रभाव, नारी समाज की स्वेच्छा या पुरुष समाज की जबरदस्ती अथवा रिवाज आदि वर्तित व्यवहार, प्रथा का कानूनन निर्मूलन के बाद की स्थिति, जबरदस्ती और रिवाज के कारण हुई सतियों और वास्तविक सतियों के विवरण, सतियों के सम्बन्ध का शिष्ट और लोक साहित्य आदि सभी बातें शोध का महत्वपूर्ण विषय हैं ।

देवा ।' ताहरां वीदणी नू भीतर जाय कहियो । ताहरा वीदणी कह्यो—'खेतसीह मारियो हवें तो हूं सती न हवू । सगरै नू घीसनै नाख देवो ।' पाछै आयनै कहियो—'जी, संभै नही ।' ताहरां कहियो—'जी, म्हे एकलै ही सगरै नूं बाळां ?' तो कही—'म्हे अणसमाही ही सती करां ?' ताहरा कह्यो—'भावो बारै ।' ताहरां जानी ही सिलह पहरै छै, मांडी ही सिलह पहरै छै । वेहु हथियार बांधै छै, सिलह पैहरीजै छै । ताहरा वीदणी दीठो अर मा अर बाप नै कहियो—'हे ठाकुरां-रजपूता ! हूं बैर खेतसीह रो छूं, अर एकली रै वास्तै घणा जीव मरै छूं, तैं हूं सगरै साथ बळोस ।' वीदणी बाहिर आयनै सगरै साथ बळो ।

—नैणसी री ख्यात, भाग ३, पृ० ४७-४८

२५. बीकानेर महाराजा जोरावरसिंह की मृत्यु पर दो रानियाँ, एक खवास, चारह पातरिया (वेश्याएँ), दो खालसा, एक बडारण, एक सहेली, दो सहेली पातरियो की और एक पातरियो की रसोईदार आह्वणी—कुल २२ स्त्रियाँ साथ में जली थी ।

—ख्यात, भाग ३, पृ० २११

जोधपुर महाराजा अजीतसिंह के साथ ६ रानियाँ, २० दासियाँ, ६ उर्दोवेगनियाँ, २० गायन और २ हजूर-बैंगनियाँ—कुल ५७ स्त्रियाँ जलकर मरीं थी ।

—नैणसी री ख्यात, भा. ३, पृ. २१३ की टिप्पणी और श्री आसोपा का 'मारवाड़ का मूल इतिहास', पृ. २२३

१२. देश-द्रोही और स्वामी-द्रोही

प्रसिद्ध देश-द्रोही जयचंद की परम्परा को जीवित रखने वाले अनेक स्वामी-द्रोही और देश-द्रोहियों का वर्णन ख्यात में आया है। पावागढ़ के पताई रावळ (यशवतसिंह) के विरुद्ध सईया वाकलिया का, अणहलपुर-पाटण के कर्ण गहलड़े के विरुद्ध नागर-ब्राह्मण माधव का, सिवाना के चौहान सातल और सोम के विरुद्ध भायल सजन का, सिवाना के राव कल्लाजी राठी के विरुद्ध पोलिया नाई का, खेड़-पाटण के गोहिलों के विरुद्ध उनके मंत्री डाभियों का और जालोर के वीर कान्हडदे के विरुद्ध वीका दहिये इत्यादि का देश-द्रोह। इन देश-द्रोहियों के संबंध में बहुत कुछ लिखे जाने की सामग्री इस ख्यात में प्राप्त है।

जिन्होंने ऐसा द्रोह किया है, उनके राजनैतिक और व्यक्तिगत कारण, वास्तविकता और अवास्तविकता की दृष्टि से शोध का एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है। इनके कारण हुए अनेक युद्ध, राज्यों का पतन, नये राज्यों का जन्म और उत्थान और जातियों का पलायन और निर्मूलन, राज्यों की आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक स्थिति और जिन कारणों से अपने समझे जाने वाले और विश्वासपात्र व्यक्तियों ने विश्वासघात करके देश-द्रोह या स्वामी-द्रोह किया उनकी दशा कैसी रही, इत्यादि शोध के अनेक उपयोगी अंग इस ख्यात में प्राप्त हैं।

ख्यात का प्रस्तुत सस्करण

प्रस्तुत 'नैणसीरी ख्यात' के सम्पादन की भी एक घटना है। सन् १९३४ की बात है। मैं जोधपुर के भूतपूर्व और उदयपुर के तत्कालीन प्राइम मिनिस्टर स्व० पंडित सर सुकदेवप्रसाद के द्वारा तैयार करवाये जा रहे राजस्थानी भाषा के बृहत् डिगल-कोश के सम्पादन का काम पावटा लाइन्स के उनके उम्मेद-भवन में करता था। तभी एक दिन मातृ-भाषा के परम सेवक मेरे विद्वान् मित्र स्व० श्री रामयश गुप्त इस ख्यात की एक प्रति मेरे पास लाये और इच्छा प्रगट की कि मैं इसका सम्पादन कर दूं। प्रकाशन आदि का व्यय वे स्वयं वहन कर लेंगे। इस पर रात-दिन बड़े परिश्रम के साथ हम दोनों मित्रों ने लगभग एक हजार पृष्ठों में प्रेस-कापी के रूप में इसकी प्रतिलिपि तैयार कर ली और २८४ पृष्ठों तक की शब्दार्थ और व्याख्या आदि की टिप्पणियाँ देकर पूरी प्रेस कापी भी तैयार कर ली। एक ख्याति-इच्छुक मित्र भी इसका सम्पादन करना चाहते थे। उनके पास भी इस ख्यात की दो अशुद्ध और त्रुटित प्रतियाँ थीं। तब तक उन्हें हमें प्राप्त प्रति के जैसी शुद्ध और सुवाच्य प्रति कोई प्राप्त नहीं हुई थी।

एक दिन अवसर पाकर वे हमारी अनुपस्थिति में हमारी तैयार प्रेस-कापी के २८४ पृष्ठ, ४६७ से ४८६ तक के ८० और ६०५ से ६३४ तक के ३० पृष्ठ—कुल ३७४ पत्रों को, 'रतनरासो' और संपादित 'हरिरस' की पाण्डुलिपियों के साथ उठा ले गये। बहुत अनुनय-विनय करने पर भी उन्होंने इन्हे वापिस देने की कृपा नहीं की।

'रतनरासो' की उस प्रति के कोई २० वर्ष बाद बीकानेर में श्री अग्रचंदजी नाहटा के यहां अकस्मात् दर्शन हुए जो उनको महाराज-कुमार डॉ० श्री रघुवीर-सिंहजी ने श्री काशीराम शर्मा से सम्पादित करवाने को कई अन्य प्रतियों के साथ भेजा था। मेरे हाथ से लिखी हुई मेरी प्रति के ऊपर महाराज-कुमार के हाथ से लिखा हुआ था—'महाराज श्री मांघातासिंहजी बीकानेर से प्राप्त।' नाहटाजी को इस घटना का जिक्र पहले किया जा चुका था। अतः इस प्रति को देख कर उन्हें बड़ा आश्चर्य हुआ। प्रति ने न जाने कहां-कहां की यात्रा करके एक सरपरस्त और बहुत ही विश्रुत विद्वान् की शरण ली। आश्चर्य के साथ प्रसन्नता भी हुई। 'हरिरस' और ख्यात के पत्रों का आज तक कोई पता नहीं लगा।

गारासणी ठाकुर स्व० श्री भीमसिंहजी के अनुरोध से मैंने 'हरिरस' का दूसरी बार हिंदी टीका सहित सम्पादन किया था। किन्तु श्री नाथूदानजी महियारिया की 'वीर सतसई' का जोधपुर के राजकीय गैस्ट हाउस में कई महीनों तक सम्पादन करने के फलस्वरूप जो घोखा खाना पड़ा और हानि उठानी पड़ी, इस 'हरिरस' के द्वितीय संस्करण के संबंध में भी ऐसा ही हुआ। अन्य सम्पादकों के नाम से ये दोनों ग्रंथ प्रकाशित हो गये। 'वीर सतसई' के सम्पादन में और हानि उठाने में श्री सीतारामजी लालस भी साथ में थे।

'हरिरस' का आज तक प्राप्त प्रतियों से सब से पुरानी और शुद्ध एवं विषय-विभाजित प्रति से तीसरी बार भक्ति-ज्ञानामृत भावार्थ-दीपिका, शब्द कोश, कथा कोश, प्रक्षिप्त पाठ आदि महत्वपूर्ण विषयों के साथ पुनः सम्पादन किया गया है जिसे साहू राजस्थानी रिसर्च इन्स्टीट्यूट, बीकानेर ने प्रकाशित कर दिया है।

ख्यात के चुराए गए उन चूटित पत्रों की पूर्ति के लिए बहुत लम्बे समय तक कोई सुवाच्य और शुद्ध प्रति हाथ नहीं लगी। जिस प्रति से पहले प्रतिलिपि की गई थी वह श्री गुप्त के गूंगा गांव के उनके एक सम्बन्धी के प्रयत्नों से प्राप्त हुई थी, उसके लिए भी उन्होंने कोशिश बहुत की, परन्तु वह फिर हाथ नहीं लगी।

इधर मुहणोत-श्री मांगीमलजी एडवोकेट ने नैणसी के सीधे वराज मुहणोत सुघराजजी के यहाँ की प्रति के लिए भरसक कोशिश की परन्तु उन्हें भी निराश होना पड़ा । बहुत दिनों के बाद स्व० प० श्री विश्वेश्वरनाथजी रेऊ के सौजन्य से दो प्रतिये प्राप्त हुईं । यद्यपि ये प्रतियाँ इतनी शुद्ध और सुवाच्य नहीं थी, फिर भी उनसे खासा काम लिया जा सका था । एक बहीनुमा प्रति सुन्दर मारवाड़ी शिकस्ता लिपि की स्व० प० रामकरांजी आसोपा से प्राप्त हुई थी जिससे मिलान करने में अच्छी सहायता मिली थी, परन्तु इसमें भिन्न-भिन्न जगहों के दो तीन पत्र त्रुटित थे । इसलिए अन्य शुद्ध और सम्पूर्ण प्रति को प्राप्त करने के प्रयत्न बहुत समय तक चलते रहे । अन्त में एक बहुत सुन्दर प्रति चि भूपति-राम के अथक प्रयत्नो से कई हाथों में होकर इन्हें प्राप्त हुई, जो अपेक्षाकृत सुवाच्य और शुद्ध थी जिससे पदच्छेद और पाठो को शुद्ध करने एवं त्रुटित अंश की पूर्ति करने में बड़ी सहायता मिली । बीकानेर में प्रो० नरोत्तमदासजी की एक प्रति से पाठो का मिलान करने में सहायता ली गई । अनूप सस्कृत लाइब्रेरी बीकानेर की प्रति बीकानेर महाराजा करणीसिंहजी द्वारा उस पर शोध-निबन्ध तैयार करने के कारण दूसरा भाग लगभग आधा छप जाने के बाद हाथ लगी । यह प्रति भी शुद्ध लिखी हुई सीहथल के वीठू पन्ना के हाथ की मूल प्रति है । अधिकांश प्रतियें इसीकी प्रतिलिपियें मालूम होती हैं, क्योंकि उनमें भी वीठू पन्ना का नाम अनेक बातों के अंत में यो का यो उल्लिखित है । प्रस्तुत सस्करण को तैयार करने में इन सभी प्रतियों के आधार से पाठो का मिलान करने और शुद्ध करने में बड़ी सहायता मिली ।

मैं जब बीकानेर में था तब मुनि श्री जिनविजयजी महाराज का बीकानेर पधारना हुआ था । उस समय श्री नाहटाजी के द्वारा ख्यात की प्रेस कॉपी-दिखाने पर मुनीजी ने इसे पुरातत्वान्वेषण मंदिर, जयपुर (वर्तमान नाम 'राज-स्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर) से प्रकाशित करने की स्वीकृति प्रदान कर दी । उनकी कृपा के फलस्वरूप इस ख्यात के ये चारो भाग पाठको की सेवा में प्रस्तुत हैं ।

समस्त ख्यात-ग्रंथ तीन भागों में सम्पूर्ण हुआ है । चौथा भाग इस वृहत् ग्रंथ का महत्वपूर्ण परिशिष्ट भाग है । इसमें चारो भागों की विस्तृत विषय-सूची, भूमिका, नैणसी और महाराजा जसवन्तसिंह के सम्बन्ध की आवश्यक जानकारी और वैयक्तिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक नामों के तीन विभागों के सात उप-विभागों में इस ख्यात की वृहत् नामानुक्रमिका पृष्ठों के साथ दी

गई है। इस नामानुक्रमणिका में १०००० हजार से अधिक नामों का सकलन हुआ है। नामों की इतनी बड़ी मख्या दूसरे ख्यात ग्रन्थों में शायद ही आ सकी होगी। इनके अतिरिक्त पद, विरुद्ध और उपाधि आदि ख्यात में प्रयुक्त विशिष्ट सज्ञाओं की विशिष्ट अर्थों के साथ नामावली, ख्यात में प्रयुक्त पुत्र-संज्ञक ५३ और पौत्र-संज्ञक १७ पर्यायवाची शब्दों की सूची, कुछ विशेष व्यक्तियों का जन्म-समय और जन्म-कुण्डलियाँ (जो केवल अनूप संस्कृत लाइब्रेरी, बीकानेर की प्रति में ही प्राप्त हैं,) नामानुक्रमणिका की सम्पूर्ति और शुद्धि-पत्र आदि ख्यात से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण और उपयोगी विषय इस चौथे भाग में दिए गए हैं।

ख्यात के इस संस्करण को तैयार करने में मुझे जिन महानुभावों की सहायता प्राप्त हुई है, उनमें इसके आदि प्रेरक मेरे परम मित्र और सहपाठी स्व० श्री रामयश गुप्त का नाम चिरस्मरणोय है। इसके प्रकाशन से उनकी आत्मा को अपनी उत्कट साहित्यानुरागिता के एक अंश की पूर्ति होने के रूप में शांति मिलेगी।

महामहोपाध्याय स्वर्गीय पंडित विश्वेश्वरनाथजी रेड, महामहाध्यापक स्व. पं. रामकर्णजी आसोपा और विद्यामहोदधि श्री नरोत्तमदासजी स्वामी तथा दो वे महानुभाव जिनके नाम ज्ञात नहीं हो सके हैं, जिन्होंने अपनी हस्तलिखित प्रतियों का उपयोग करने की सहायता की, बहुत आभारी हूँ।

श्री अगरचन्दजी नाहटा का सहयोग, प्रकाशनार्थ प्रयत्न और प्रेरणा के कारण इनका बड़ा भारी आभारी हूँ।

जोधपुर के श्री मागीमलजी मुहणोत एडवोकेट ने अपनी वंश-परम्परा में स्वनाम-धन्य नैणसी की शाखा से सीधा सम्बन्ध रखने वाले श्री सुधराजजी मुहणोत से 'नैणसी की ख्यात' प्राप्त करने के लिए कई बार प्रयत्न किए पर इन्हें भी अन्यो की भाँति निराश ही होना पड़ा। इनकी इस सहृदयता के लिए मैं इनका बहुत कृतज्ञ हूँ।

आचार्य श्री परमेश्वरलाल सोलकी ने अनूप संस्कृत लाइब्रेरी की प्रति प्राप्त करने और उससे पाठों का मिलान करने, नोट्स तैयार करने आदि की अमूल्य सहायता के लिए इनका बड़ा आभारी हूँ।

चि. भूपतिराम की सहायता और उस प्रति को प्राप्त करने के प्रयत्न, जिसके फलस्वरूप प्रति प्राप्त हुई और रुका हुआ काम आगे चला, अपनी पितृ-

सेवा की निर्मल भावना और कर्त्तव्य-पालन के उपलक्ष्य में आयुष्मान्, श्रीवृद्धि और सफल जीवन के अनंत आशीर्वादों के निरन्तर अधिकारी हैं ।

ख्यात के प्रथम दो भागों का प्रूफ-रीडिंग प्रायः प्रतिष्ठान के वरिष्ठ शोध-सहायक श्री पुरुषोत्तमलालजी मेनारिया ने किया है । इनका भी मैं आभारी हूँ ।

साधना प्रेस, जोधपुर के व्यवस्थापक श्री हरिप्रसादजी पारीक का बहुत आभारी हूँ जिन्होंने इस सुंदर रूप से ग्रंथ का मुद्रण ही नहीं किया, अपितु बहुत सावधानी से और बार-बार प्रूफ की भूलों को सुधारने में अमूल्य सहायता की है ।

अन्त में राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान के सम्मानीय सचालक पद्मश्री मुनि जिनविजयजी महाराज का इसके प्रकाशन के लिए अत्यंत आभारी हूँ, जिनकी कृपा के फलस्वरूप यह महत्वपूर्ण ग्रंथ इस सुन्दर रूप में प्रकाशित हो सका है । और इसी प्रकार प्रतिष्ठान के उप-सचालक पण्डित गोपालनारायणजी बहुरा का आभारी हूँ जिनका मधुर व्यवहार और प्रकाशन के लिए हर संभव प्रयत्न सदा प्राप्त होता रहा है ।

साकरिया - सदन
वल्लभ-विद्यानगर
रामनीमि, २०२४ वि.

आ. बदरीप्रसाद साकरिया

मुंहता नैणसी री ख्यात, भाग ४]

मुंहता नैणसी



[नागरी प्रचारिणी सभा द्वारा प्रकाशित 'मुहणोत
नैणसी की ख्यात' से सधन्यवाद पुनर्मुद्रित]

जोधपुर के महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के दोवान प्रसिद्ध ख्यात-लेखक मुंहता नैणसी

भूतपूर्व मारवाड़ राज्य के मालाणी परगने के इतिहास-प्रसिद्ध खेड-पाटण नगर में गोहिल क्षत्रियों^१ के राज्य को नष्ट कर मारवाड़ में राठौड़ राज्य की सर्व प्रथम नींव डालने वाले राव सीहा और उनके पुत्र राव आसथान हुए। राव आसथान के पौत्र राव रायपाल हुए। रायपाल के चौदह पुत्रों में से सब से बड़ा खेड-पाटण का स्वामी राव कनपाल हुआ, जिसके एक भाई का नाम मोहण था। मोहण ने जैसलमेर में श्री जिनचंद्रसूरिजी से जैन-धर्म स्वीकार कर लिया^२।

१. राव सीहा के पुत्र राव आसथान ने इतिहास-प्रसिद्ध खेड-पाटण के स्वामी गोहिल और उनके मन्त्रियों को भगाकर राठौड़-राज्य की स्थापना इस नगर में सर्व प्रथम की। (इसलिये राठौड़ों की मूल शाखा खेड़ेवा कहलाई)। गोहिल और डाभी आसथान के प्रातंक से भाग कर सौराष्ट्र में चले गये और वहाँ अपने राज्य कायम किये। ओझाजी ने लिखा है कि खेड या खेडपुर 'क्षीरपुर' का अपभ्रंश रूप होना चाहिये। इस समय यह नगर सड़री का ढेर है। केवल दो-एक पुराने मन्दिर शेष हैं। बड़े मन्दिर में श्री रण-छोडराय की बड़ी मूर्ति और कलापूर्ण मूर्ति दर्शनीय है। मूर्ति की चौकी पर स० १२३२ फाल्गुन सुदि २ सोमवार का लेख अङ्कित है। कुछ समय पूर्व श्रीकृष्णभदेव के मन्दिर का एक तोरण प्राप्त हुआ है जिस पर स० १२३७ में विजयसिंहसूरि द्वारा इस तोरण की प्रतिष्ठा करवाने का उल्लेख है। एक मत के अनुसार मोहणोंस शाखा के प्रवर्त्तक मोहणजी ने यहाँ ही जैनधर्म स्वीकार किया था।

२. भाटों की ख्यातों में मुहणोंत गोत्र की उत्पत्ति के विषय में लिखा है कि एक बार मोहनजी शिकार करने गये। उनके हाथ से एक गर्भवती हरिणी का शिकार हुआ। उसे मरते देख मोहनजी का चित्त व्याकुल होगया और वे खेड ग्राम की बावड़ी के पास आकर खड़े हुए। इसने में ही उसी रास्ते से जैन यतिवर्य शिवसेनजी आ पहुँचे। उन्होंने मोहनजी को जल छान पानी पिलाने को कहा। मोहनजी ने पानी पिलाया और हरिणी को जीवत दान देने के लिए यति महाराज से प्रार्थना की। यतिजी ने उसे जीवनदान दिया। मोहनजी ने उनको अपना गुरु माना और वि० सं० १३५१ कार्तिक सुदि १३ को खेड ग्राम में उनके द्वारा जैन-धर्म अंगीकार किया। इससे मोहनजी के परिवार वाले मुहणोंत कहलाए।

—'हिन्दुस्तानी' पृ० २६७, 'मुहणोंत नैणसी और उनके वंशज' नामक श्रीहजारीमल बाठिया का लेख और 'ओसवाल जाति का इतिहास' के 'ओसवाल जाति के प्रसिद्ध घराने' नामक खण्ड में 'मुहणोंत' उपखंड पृ०-४६ एवं 'महाजन वंश मुक्तावली'।

अतः इनके वंशज भी जैन-धर्मावलम्बी ही बने रहे और जैन-धर्म को मानने वाली प्रधान जाति ओसवालो में मिलकर अपने पुरखा मोहणजी के नाम से मोहणोत (मुहणोत) शाखा के ओसवाल कहलाये ।

ओसवाल जाति में परिवर्तित होने पर भी आत्मीयता के कारण अपने राठौड़ वंश से मोहणोतो का कई पीढ़ियों तक राज्य-प्रबन्ध और संचालन-विषयक सम्बन्ध बना रहा ।

मोहणजी से २०वीं या २१वीं पीढ़ी में नैणसी के पिता मुंहता जयमल हुए । जयमल ने महाराजा सूरसिंह और महाराजा गजसिंह के काल में मारवाड़ के जागीरी ठिकानों और राज्य के उच्च पदों पर रह कर मारवाड़ की बड़ी सेवाएँ की थी^३ । महाराजा गजसिंह के समय वि. सं. १६६६ में यह मारवाड़ राज्य के दीवान बन गये थे^४ । यह बड़े दानी^५ और धार्मिक प्रकृति के होने पर भी बड़े वीर थे । इन्होंने फलोदी और जालोर आदि परगनों को मारवाड़ राज्य में पुनः मिलाने के लिये सेनाओं का संचालन किया था और विजय प्राप्त की थी ।

मुंहता जयमल के पांच पुत्रों में नैणसी सब से बड़े थे । इनका जन्म जयमल की प्रथम पत्नी सरूपदे की कोख से वि. सं. १६६७ मिंगसर शु. ४ शुक्रवार को

३. माधोदास केसोदासोत भलो रजपूत हुवो । स० १६६४ रावळा थी गांव भवराणी गावा १० सू दीवी हुती । इणरा चाकर जैमल मुहणोत खानाजगी कीवी जद भवराणी छोड़ स० १६८८ मोहवतखा रैं वसियो । पछे अमरसिधजी रैं । पछे राजा जैसिधजी रैं वसियो माधोदास ।

—वांकीदास री ख्यात, बात सं० १८१४

४. मुहणोत श्री मागीमल एडवोकेट, तथा श्री गोविन्दनारायण मोहणोत एडवोकेट द्वारा प्राप्त—'Brief family history of Mohnots' में दीवान बनने का सम्बत् १६६० दिया है ।

५. जयमलजी का नित्य साधुओं की जलेबी बाँटने का नियम था । जब उनका देहान्त हो गया तो साधुओं की जलेबी मिलनी बंद हो गई । तब किसी कवि ने कहा कि—

परालब्ध पलटथा परा, दीजै किणुन दोस ।

जैमल जलेबी छि गयो, साधाँ करो संतोस ॥

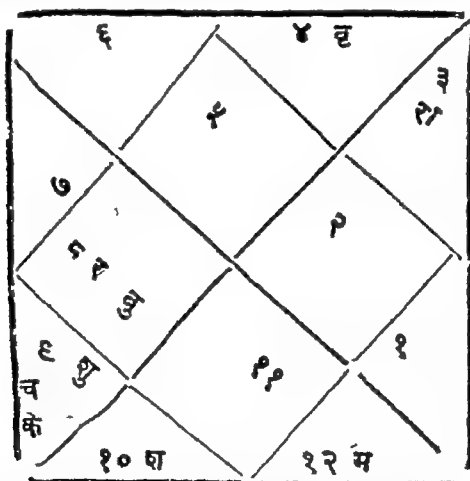
—विश्वमित्र, पूजा दीपावली अंक, १९६३, श्रीरामनारायण मोहणोत, कलकत्ता के 'प्रशासक व इतिहासकार नैणसी' नामक लेख से ।

वांकीदास ने भी अपनी ख्यात की बात सं० २१०३ में अनेक दाताओं के नामों के साथ मुहणोत जैमल, जालोर का नाम भी अच्छे दाताओं में गिनाया है ।

हुआ था^१ । नैणसी अपने पिता की भाँति वीर और कुशल कार्यकर्ता तथा प्रबन्धक थे । इन्होंने महाराजा गजसिंह और जसवन्तसिंह-प्रथम के काल में कई लड़ाइयों का संचालन किया था । सम्बत् १६६४-६५ में बलोचो से फलोदी की लड़ाई, स. १७०० में राड़घरा की लड़ाई हुई जिनमें विजय प्राप्त की । स. १७०६ में पोरण का परगना बादशाह शाहजहाँ ने महाराजा जसवन्तसिंह को इनायत किया; पर उस पर जैसलमेर वालों का अधिकार था । महाराजा के कारबारियों के पहुँचने पर रावल रामचंद्र ने अपना अधिकार छोड़ना स्वीकार नहीं किया । इस पर महाराजा जसवन्तसिंह ने राठोड़ वीर सैनिकों और नैणसी की सेना देकर भेजा^२ । लड़ाई के पश्चात् राठोड़ी सेना का पोरण पर अधिकार हो गया । इधर रावल मनोहरदास के बाद भी महाराजा ने नैणसी के साथ सबलसिंह की सहायतार्थ सेना भेजकर रावल रामचंद्र को जैसलमेर से भगा दिया और सबलसिंह को जैसलमेर का स्वामी बना दिया । इस प्रकार कई लड़ाइयों में नैणसी ने अपने अद्भुत साहस और युद्ध-कुशलता का परिचय दिया था ।

नैणसी विद्यारसिक, कवि और इतिहास लिखने के शौकीन थे ।

६. सवत् १६६७ मिंगसर सुद ४ वार शुक्र, उ० ४२ । गताश ६ मु० श्रीनैणसीजी जनम



—हमारे निज के समूह 'विगत' में से श्री मदनराज दीलतराम मेहता, जोधपुर के समूह में — 'संवत् १७६२ रा मित्ती असाठ सुद ६ मुहणोत अमरसिंघजी की पोथी सू' ।

७ स० १७०६ रा असाठ वद ३ जोधपुर सू फौज पोहकरण माथे विदा कीवी । राठोड़ गोपालदास सुंदरदासोत मेहतियो १, राठोड़ वीठळदास सुंदरदासोत मेहतियो २, वीठळदास गोपालदासोत चांपो ३, नारखान राजसिंघोत कूपो ४, भंडारी जगनाथ ५, मुणोयत नैणसी ६, सिंगवी प्रताप ७ ।

—बांकीदास की ख्यात, बात सं० ३२१

सम्बत् १७१४ मे महाराजा जसवंतसिंह ने नैणसी की सेवाओं से प्रसन्न होकर मिया फरासतखा की जगह इन्हे अपने मारवाड़ राज्य का दीवान बना दिया । सं १७२३ तक इस महत्वपूर्ण पद पर इन्होंने बड़ी योग्यता से काम किया ।

महाराजा जसवंतसिंह को औरंगजेब की आज्ञा से प्रायः जोधपुर से बाहर रहना पड़ता था । उस समय राज्य के अपने सारे कार्य-भार को सम्हालने का अधिकार नैणसी को दिया हुआ था । राज्य की अच्छी सेवाएँ करने वाले को इन्हे गाव बख्शिश कर देने तक का अधिकार था । महाराजा ने अपनी अनुपस्थिति में महाराजकुमार की देख-भाल का काम भी इन्हीं को सौंप रखा था^८ ।

कहा जाता है कि बाद मे महाराजा इन पर खूब अप्रसन्न हो गये थे^९ ।

८ दीवानगी के काम मे नैणसी कितना विश्वस्त, सच्चा और ईमानदार था इस बात का पता महाराजा की ओर से लिखे गये पत्र से मालूम हो जाता है—

‘सिधश्री महाराजाधिराज महाराजाजी श्री जसवंतसिंघजी वचनातु॥ मु॥ नैणसी दिसे सुप्रसाद बांचिजो । अठारा समंचार भला छै । पांहरा देजो । लोक, महाजन रैत री दिलासा कीजो । कोई किण ही सौ जोर ज्यादाती करण न पावै । कांठा-कोरि रो जापतो कीजो । कवर रै डील रा पाणी रा जतन करावजो ।

अरबदास पाहरी जोधपुर सू फेळं आई । हकीकत मालूम करी । थे उगनाथ लखमीदासोत नू पटो दियो गांव ३ सु भलो कीनो ।

—ओसवाल जाति का इतिहास : ‘राजनैतिक और सैनिक महत्व’ खंड, पृ० ४६.

९ नैणसी के ऊपर अप्रसन्न होने का कोई विश्वस्त कारण तो ज्ञात नहीं हो सका है; पर बात है यह सच्ची । कोई ऐसी राजनैतिक दौव-पेच की ही बात होनी चाहिए जिसके कारण इतने ऊँचे पद के विश्वस्त अधिकारी को ऐसी मौत का कारण बनना पड़े । श्री हजारामल बाठिया ने अपने हिंदुस्तानी पत्रिका के लेख मे लिखा है कि—

‘जनश्रुति से पाया जाता है कि नैणसी ने अपने रिश्तेदारों को बड़े-बड़े पदों पर नियत कर दिया था, और वे लोग अपने स्वार्थ के लिए प्रजा पर अत्याचार किया करते थे । और इसी कारण महाराजा ने नैणसी तथा सुंदरसी दोनों वधुओं को माघ वदि ६ (ता० २६ दिसंबर) को कैद कर दिया ।’

श्री अगरचंद नाहटा ने ‘बरदा’ वर्ष ३ अंक १ में ‘अपूर्व स्वामीभक्त राजसिंह खीवावत की ऐतिहासिक बात’ में लिखा है कि—

‘महाराजा जसवंतसिंह का नैणसी के ऊपर नाराज हो जाने का कारण प्रजा पर अत्यधिक हासल (कृषि-कर) वृद्धि कर देने के कारण प्रजा का राज्य छोड़ कर अन्यत्र चले जाना और जिससे गावों का उजड़ जाना एवं जिसके कारण सात वर्षों में अठारह

महाराजा जसवतसिंह छत्रपति शिवाजी को दबाने के लिये औरंगजेब की

लाख रुपयों की हानि होना बताया है। इन अठारह लाख रुपयों को नैणसी से दंड के रूप में वसूल करने की महाराजा ने आज्ञा कर दी। नैणसी किसी भी प्रकार से रुपये देने को तैयार नहीं था। उसने तो एक पाई भी खाई नहीं थी। तब राजसिंह ने महाराजा से बहुत आग्रहपूर्वक प्रार्थना करके यह दंड तो माफ करा दिया, परन्तु महाराजा ने उसी समय नैणसी को दीवानगीरी से हटाकर उसकी जगह मिनै भंडारी को रख दिया और यह आज्ञा कर दी कि भविष्य में मेरी कोई भी संतान किसी भी मुहणोत को राज्य-सेवा में नहीं रखेगी; ये देश और राज्य का बुरा चाहने वाले हैं।

श्री रामनारायण मुहणोत कलकत्ता ने 'विश्वमित्र' दीपावली विशेषांक, १९६३ में इसके संबंध में बड़ी महत्वपूर्ण दो घटनाओं का उल्लेख किया है, जो इस प्रकार हैं—

(१) महाराजा जसवंतसिंह के बड़े पुत्र पृथ्वीसिंह की वीरता पर महाराजा को गर्व था। गर्व का परिणाम मजाक ही मजाक में यह हुआ कि पृथ्वीसिंह और बादशाह के एक जंगली सिंह की लड़ाई का खेल बादशाह ने देखना चाहा। प्रोग्राम बनाया गया। कुश्ती हुई, पृथ्वीसिंह ने बिना हथियार के शेर को चीर डाला। इससे पृथ्वीसिंह की वीरता की शोहरत और भी अधिक फैल गई। लेकिन औरंगजेब को बड़ी वेचनी और ईर्ष्या हुई। पृथ्वीसिंह की इस वीरता के संबंध में कवियों ने बहुत कुछ कहा है। पृथ्वीसिंह के शिक्षक नैणसी थे। अतः पृथ्वीसिंह के साथ नैणसी भी बादशाह की आँखों में खटकने लगे। नैणसी के लिए भी बादशाह ने पृथ्वीसिंह के साथ ही साथ जाल बिछाना शुरू किया।

(२) एक बार नैणसी ने एक बड़ी भारी दावत दी, जिसमें महाराजा जसवतसिंह भी आये। दावत की तैयारी और अद्भुतता महाराजा और औरंगजेब के दरबारी देख कर दंग रह गये। औरंगजेब के आदमियों ने यह अच्छा मौका देखा। उन्होंने महाराजा के कान भरे। महाराजा ने नैणसी से एक लाख रुपये की कबूलात के रूप में माग की। नैणसी ने उस लाख रुपये की माग को अपनी प्रतिष्ठा के प्रतिकूल और अपनी सेवाओं पर पानी फिराने वाला समझा। उन्होंने इनकार कर दिया और कह दिया कि—

लाख लखारौं नोपजै, बड़ पोपळ री साख ।

नटियो मूत्तो नैणसी, तांबो देण तलाक ॥

(कबूलात उस प्रथा का नाम था जिसके अन्तर्गत राजा उसके राज्य के किसी भी जागीरदार अथवा प्रतिष्ठित व्यक्ति से अपनी मनचाही रकम मांग सकता था और वह उसे चुकानी ही पड़ती थी।)

नैणसी के कबूलात देने से इनकार कर देने के बाद उन्होंने जोधपुर में रहना उचित नहीं समझा और वह गुजरात की ओर चले गये तथा मार्ग में ही उनका देहान्त हो गया। उसी समय औरंगजेब ने महाराजा को गवर्नर नियुक्त करके काबुल भेज दिया और पृथ्वीसिंह को युवराज बना दिया। युवराज पद के उत्सव के समय औरंगजेब ने

आज्ञा से औरंगाबाद के थाने में नियत थे तब वि. स. १७२३ में नैणसी और इनका भाई सुंदरसी भी महाराजा के साथ औरंगाबाद में गये हुए थे, वहां इन दोनों को कैद कर दिया और सं. १७२५ में दोनों भाइयों पर एक लाख रुपये दंड के लेने का निर्णय कर छोड़ दिया। परंतु इन्होंने दंड का एक पैसा भी देना स्वीकार नहीं कर के कैद में रहना ही उचित समझा। जब इन्होंने किसी भी प्रकार दंड देना स्वीकार नहीं किया तो महाराजा ने कैदी की ही हालत में इन्हें जोधपुर ले जाने की आज्ञा कर दी। देश में कैदी की हालत में लेजाने का यह अपमान इन्हें सहन नहीं हुआ और इससे भी अधिक मार्ग में महाराजा के मनुष्यों द्वारा तिरस्कार और कठोरतापूर्ण व्यवहार से इन्हें जीवन से ग्लानि हो गई। इसलिये ऐसे अपमानजनक जीवन से इन्होंने मरना अच्छा समझा। जन्मभूमि में पहुंचने के पहले मार्ग में फूलमरी गांव के पास वि. सं. १७२७ की भादों वदि १३ को दोनों भाइयों ने कटारें खाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर दी* ।

नैणसी और सुंदरसी के दंड नहीं देने की इस घटना ने नट जाने की मनोवृत्ति वाले लोगों के लिये एक लोकोक्ति का रूप धारण कर लिया और जिसके कारण नैणसी जन-जीवन में अमर हो गये। जन-जन के जीवन में स्थान पाया हुआ लोकोक्ति का वह दोहा इस प्रकार प्रसिद्ध है—

लाख सखारों नीपजें, बट पीपल री साख ।

नटियो मूतो नैणसी, तांबो वेण तलाक* ।

पृथ्वीसिंह की विशेष प्रकार की पोशाकें पहनाईं जिनके पहिने ही पृथ्वीराज का काम समाप्त हो गया। पृथ्वीसिंह की मृत्यु के समाचार से दुखी होने के कारण जसवंतसिंह की भी काबुल में मृत्यु होगई। नैणसी के कार्यों से प्रेरणा प्राप्त कर फिर वीर दुर्गादास ने जसवंतसिंह के परिवार और मारवाड की औरगजेब के हाथों से बचाया।

१०. देखिये रामनारायण दूगड द्वारा अनुवादित 'मुहणोत नैणसी की ख्यात, द्वितीय खंड में श्रीभाजी द्वारा लिखित मुहणोत नैणसी का वंश-परिचय' पृ० ३। हिन्दुस्तानी में 'मुहणोत नैणसी और उनके वंशज' लेखक श्री हजारीमल बांठिया, पृ० २७६ और 'श्रीसवाल जाति का इतिहास' के 'श्रीसवाल जाति के प्रसिद्ध घराने' नामक खंड में 'मुहणोत' उपखंड।

११. दोहे का भावार्थ इस प्रकार है—

'लाख सखारों के यहाँ मिलती है या बट और पीपल वृक्षों की शाखाओं में उत्पन्न होती है। यहाँ तो वह भी नहीं है। लाख रुपये दण्ड के रूप में की जो बात कही है—उसके

कहा जाता है कि नैणसी और सुंदरसी दोनों भाइयों ने जेल में अपनी ऐसी स्थिति से दुखी होकर परस्पर एक दूसरे को संबोधन करके वेदना-काव्य की रचना की थी, उसमें से दो दोहे प्रस्तुत हैं—

नैणसी—दहाड़ो जितरं देव, दहाड़े बिन नहीं देव है ।

सुर नर करता सेव, (अब) नेहा न आवे नैणसी ॥

सुंदरसी—नर रं नर आवे नहीं, आवे घन रं पास ।

सो दिन आज पिछाणिये कहवें सुंदरदास ॥

नैणसी जिस प्रकार एक राजनैतिक, ऐतिहासिक और वीर पुरुष थे, उसी प्रकार वे एक अच्छे भक्त-कवि भी थे । इनके रचे हुए कई गीत और छंद जानने में आये हैं । यहा ईश्वर-स्तुति का एक डिंगल गीत दिया जा रहा है । गीत के भावों से पता लगता है कि यह रचना भी उनके बदी-जीवन के समय की ही होगी^{१२} ।

गीत जाती गोरव मेहता नैणसीजी रो क्यूँ

सदा श्रीनाथ जिण नाम असरण-सरण, तारिया गयद जळ माझ तारण-तरण ।

हाथ मत छोड़ियो जेण वेळां हरण, तो गिरधरण गिरधरण गिरधरण गिरधरण ॥१॥

जास ची आस जीवत सगळो जगत, प्रथी आकास पाताळ मांभी प्रवत ।

थिरपियो अटळ धूमडळ देखो यिक्त, तो दीनपत दीनपत दीनपत दीनपत ॥२॥

मार मघ कीट पहळाव जीतो समर, काज पहळाव हिरणखि गजै गहर ।

वड बळ जीववा धीर-धीराधिवर, तो सखधर, सखधर सखधर संखधर ॥३॥

कूड संसार विल सिधु भरियो कहर, लोभ ची लहर अजाव सुफत लहर ।

नयणसी भज सोइ नाथ करिवा निजण, तो साच हरि साच हरि साच हरि साच हरि ॥४॥

करुणा से ओत-प्रोत भगवान श्रीकृष्ण से की गई प्रार्थना का गीत वास्तव में बदी-जीवन के कष्टों के कारण ही निकले अंतर के निर्मल उद्गार हैं । इस गीत के भाव, भाषा-सौष्ठव, वयण-सगाई अलंकार और रचना शैली आदि से

लिये तो नैणसी नट गया सो नट ही गया । एक पेसा भी देने की उसने तलाक ले रखी है ।'

ऐसा ही यह एक दोहा दोनों भाइयों के नाम से प्रसिद्ध है—

लेसो पीपळ लाख, लाख लखारां लावसो ।

सांबो देण सलाफ, नटिया सुंदर नैणसी ॥

१२. यह गीत राजस्थानी शोध-संस्थान, बीपासनो, बीषपुर के श्री सीभाग्यसिंह बोखावत ने भेजा है । लेखक इनकी सहृदयता के लिये आभारी है ।

पता लगता है कि नैणसी एक उच्च कोटि के कवि थे और भक्त-कवि भी थे ।

नैणसी और उनके भाई सुंदरसी को जेल में डालने, जेल से मुक्ति की एवज में एक लाख रुपये दंड किये जाने, किन्तु जीते जी दंड के रुपये नहीं भरने की नैणसी की कठोर प्रतिज्ञा और महाराजा जसवतसिंह की ओर से दंड को माफ कर देने की, अथवा जेल में वदी बना कर नहीं रखने की और कबूलात वसूल करने की ऐसी अनेक परस्पर-विरोधी इतिहास और लोक-विश्रुत बातों के अतिरिक्त एक यह भी आश्चर्यजनक और महत्वपूर्ण बात है कि महाराजा जसवतसिंह ने इस दंड को माफ नहीं किया था और नैणसी और सुंदरसी के साथ उनके परिवार को भी कैद कर लिया था जिसे नागौर के सहदेव सुराना के द्वारा दंड वसूल करके छोड़ा था^{१३} । इससे मालूम होता है कि नैणसी और सुंदरसी का अपराध कोई साधारण अपराध नहीं था । बाल-वच्चो और कबीले को कैद में डाल देना किसी अवाछनीय असाधारण घटना या गंभीर अपराध का सूचक है । चाहे यह दोषारोपण ही हो, पर इसके मूल में कोई ऐसी आघातजनक बात जरूर होनी चाहिये, जिसे असत्य सिद्ध करने की दलीलें किसी समय के अत्यन्त विश्वसनीय दीवान नैणसी के द्वारा महाराजा को सतोष नहीं करा सकी होगी, जिससे वे लाख रुपये के दंड के अपने निर्णय को बदलने के लिये किसी भी प्रकार राजी नहीं हो सके । और उनके बाल-वच्चे और स्त्रीवर्ग को कैद में डाल कर के एक तीसरे व्यक्ति से ही सही, उनके ऊपर किया गया दंड वसूल कर लिया गया ।

किन्तु ओझ जी ने तो इतना ही लिखा है कि नैणसी और सुंदरसी के आत्मघात कर लेने से महाराजा जसवतसिंह ने नैणसी और सुंदरसी के पुत्रों को भी छोड़ दिया । दंड वसूल करने या नहीं करने का कोई उल्लेख उन्होंने नहीं किया है^{१४} ।

नैणसी के जीवन की ऐसी अनेक अनोखी घटनाओं में से एक घटना इनके एक विवाह के सम्बन्ध में भी कही जाती है । नैणसी जब जालोर पर अमल किए हुए थे तब इनकी सगाई बाड़मेर के कामदार कमा की बेटी कमळा (?)

१३. राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर द्वारा प्रकाशित 'बाकीदास री ख्यात', वात सं० २१०६ (पृ० १७४) —

‘नागौर रं सुराणं सहदेव बृहदमलौत लाख रुपिया आपरा घर सू राज में भक्त मुहणोत नैणसी सुंदरदास रा छोरू कबीला कैद सूं कढाया ।’

१४. दृष्टव्य, रामनारायण दूगड़ द्वारा अनुवादित ‘मुहणोत नैणसी की ख्यात’ द्वितीय खण्ड श्री ओझाजी द्वारा लिखित ‘मुहणोत नैणसी का वंश-परिचय’ पृ० ३ ।

से हुई थी। उस समय के राजाओं और दीवानों के रिवाज के अनुसार इन्होंने भी अपने प्रतिनिधि के रूप में अपना खंडग विवाह करने के लिए भेज दिया। नैणसी स्वयं बरात बनाकर विवाह करने को नहीं गये। इस बात को कामदार कमा ने अपना अपमान समझा। उसने खड्ग के साथ दुलहिन की बंजाय मूसल को भेज कर खड्ग की बरात को अपमानित करके लौटा दिया। इस अविवेक का परिणाम जो होना था सो ही हुआ। नैणसी ने बाड़मेर पर आक्रमण कर दिया और लूट-खसोट करके उसको तहस-नहस कर दिया। बाड़मेर उजड़ गया^{१५}।

नैणसी कलम और तलवार दोनों के धनी थे। उन्होंने एक ओर एक वीर की भाँति अनेक विकट घटनाओं और युद्धों में सरदारी की, दीवान बन कर मुसाहिबी की; तो दूसरी ओर इतिहास की घटनाओं और तथ्यों का सकलन कर 'ख्यात' और 'मारवाड़ रा परगना री विगत' (गजेटियर या सर्व-संग्रह) जैसे वृहत् और महत्वपूर्ण ग्रन्थों को लिख कर इतिहासकार के रूप में इतिहास और साहित्य दोनों क्षेत्रों में बड़ी भारी सेवाएँ की। इतिहासकार इनकी प्रशंसा ही नहीं करते, किन्तु इनसे प्रेरणा और आधार भी प्राप्त करते हैं। इनकी ख्यात इतिहास की दृष्टि से अन्य सभी ख्यात-ग्रन्थों से अधिक विश्वस्त और महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि राजस्थान के सभी ख्यात-ग्रंथों में इस ख्यात ने सब से अधिक ख्याति प्राप्त की है।

नैणसी का 'मारवाड़ रा परगना री विगत'^{१६} (सर्व-संग्रह) भी प्रायः ख्यात जितना ही बड़ा ग्रंथ है। यह मारवाड़ राज्य की सर्वेक्षण रिपोर्ट और गजेटियर है। उस काल का ऐसा महत्वपूर्ण ग्रन्थ साहित्य-जगत् में अभी तक दृष्टिगत नहीं हुआ। इसमें उन्होंने मारवाड़ के सभी परगने, परगनों के गाँव, गाँवों की आमदनी, जागीरी ठिकाने, उनकी रेख-चाकरी, भूमि की किस्म, इक-साखिया,

१५. मुहणोत नैणसी जाळोर ग्रामल जद बाड़मेर रो कामदार कुमो जिएरी वेटी रो सगाई नैणसीजी सू कीवी। नैणसी परणीजण नै गयो, ('परणीजण न गयो' होना चाहिये) खांडो बाड़मेर मेलियो। कम्पो मूसल खडग सामो मेलियो। डावड़ी और ठै परणीयी। जिए कारण सू नैणसी बाड़मेर हदवाट मेलियो। ('हदवाट मेलियो' होना चाहिये)। बाड़मेर प्रीळ रै कगार रै काठरा किवाह हुता जिके आण जाळोर गढ रो पोळ चढाया।
सायद— 'बाड़मेर जुगां लग हूबो कमळा तणी कमाई।'

—बांकीदास री ख्यात : बातें स० २१२५, पृ० १७६

१६. इस वृहत् ग्रंथ का सम्पादन राजस्थानी शोध-संस्थान, जोधपुर के विद्वान् डाइरेक्टर डॉ० नारायणसिंह भाटी कर रहे हैं। पुस्तक मुद्रणाधीन है।

दु-साखिया फसलो का हाल, तालाब, कुएँ, कोसीटे, अरहट, गाँवों के जातिवार घरों की संख्या और उनकी आबादी और कृषक आदि जातियों की स्थिति का विस्तृत विवरण दिया है। आधुनिक जन-गणना में भी गाँवों की सभी प्रकार की स्थिति का इतना विस्तृत विवरण नहीं दिया जाता।^{१७}

नैणसी के भाई सुंदरसी और आसकरण^{१८} भी बड़े वीर हुए हैं। सुंदरसी प्रायः नैणसी के साथ ही रहा करते थे। वह महाराजा जसवन्तसिंह (सं० १७११ से सं० १७२३) के तन-दीवान (निजी मंत्री) भी रहे थे और कई लड़ाइयों में भाग लिया था।

नैणसी ने दो विवाह किए थे। पहला विवाह भंडारी नारायणदास की

१७ "... ..मध्ययुग में मुग़ल नैणसी के द्वारा इस प्रथा (मर्दुमशुमारी) का आविष्कार देखकर बड़ा आश्चर्य होता है। आपने एक पंचवर्षीय रिपोर्ट लिखी थी। हमने इसकी हस्तलिपि आपके वंशज जोषपुर निवासी श्री वृध्दराजजी मुग़ल के पास देखी थी। इसमें उन्होंने मारवाड़ के परगने, ग्राम, ग्रामों की आमदनी, भूमि की किस्म, साखों का हाल, तालाब, कुएँ, विभिन्न जातियों के वृत्तान्त आदि अनेक विषयों का बड़ा ही सुंदर विवेचन किया है।संवत् १७२१ में सीवाणा की मर्दुमशुमारी हुईमहाजन ८१, ब्राह्मण २५, सुनार १०, कुम्हार २, भोजग ४, सुतार ४, तुर्क ४०, पिजारा १, छोपे २, नाई १, डेह १६, थोरी २, जागरी १, राजपूत ६५, कुल २८३ घर आबाद थे।संवत् १७२१ में जोषपुर के हाट की दुकानें ८१५ थी।संवत् १७२१ आश्विन कृष्णपक्ष दशमी की परगनों की मर्दुमशुमारी की गई।—

| नाम परगना | कुल ग्राम | आबाद | घोरान | सांसण |
|-----------------|-----------|------|-------|-------|
| १ जोषपुर परगना | ११६७ | ८०२४ | २२०४ | १४४ |
| २. सोजत परगना | २४४ | १७६ | ३२ | ३३ |
| ३. जंतारण परगना | १५२ | १०५ | २६ | १८ |
| ४. फलोधी परगना | ६८ | ४६ | १० | ६ |
| ५. मेहता परगना | ३८४ | २६८३ | ४० | ४५३ |
| ६. सीवाणा परगना | १४४ | ६४ | २० | ३० |
| ७. पोररण परगना | ८५ | ४१ | २८ | १६ |
| | २२४४ | १५६८ | ३७६४ | २६५३ |

... ..आपकी हस्तलिखित पंचवर्षीय रिपोर्ट से यह भी प्रतीत होता है कि उन्होंने मारवाड़ से संबंध रखने वाली सूक्ष्म से सूक्ष्म बातों का भी विवेचन किया है। वह रिपोर्ट क्या है, तत्कालीन मारवाड़ का जीता-जागता चित्र है।"

—श्रीसवाल जाति का इतिहास : 'मुग़ल नैणसी और मर्दुमशुमारी' प्रकरण, पृ. ४७-५०
१८ 'श्रीफ फैमिली हिस्ट्री आफ मोहनोत्त' में उदयकरण नाम लिखा है।

पुत्री से और दूसरा मेहता भीमराज की पुत्री से हुआ था। दूसरी पत्नी से करमसी, वैरसी और समरसी नामक तीन पुत्र हुए थे। बड़ा पुत्र करमसी अपने पिता के समान ही वीर था। औरगजेब के साथ महाराजा जसवतसिंह और रतनसिंह की उज्जैन के निकट चोरनारायण की लड़ाई में वह बड़ी वीरता से लड़ कर घायल हो गया था^{१६}।

नैणसी और सुंदरसी के आत्मघात कर लेने के बाद जब इनका परिवार (नैणसी और सुंदरसी के पुत्रों आदि को) जेल मुक्त किया गया तो करमसी ने ऐसी उपेक्षित और अपमानित दशा में जोधपुर राज्य में रहना उचित नहीं समझा। वे राव अमरसिंह के पुत्र राव रामसिंह के पास नागौर चले गये। किन्तु दुर्भाग्य ने वहाँ भी इनका पीछा नहीं छोड़ा। कुछ समय बाद जब करमसी आदि रामसिंह के साथ शोलापुर गये हुए थे वहाँ रामसिंह की अकस्मात् मृत्यु हो गई। इनके सेवकों ने यह झूठी अफवाह फैला दी कि करमसी ने इनको विष दे दिया है। रामसिंह के पुत्र इन्द्रसिंह ने करमसी को इस पर जीवित ही दीवाल में चुनवा दिया और इनके पुत्र आदि को बड़ी बेरहमी से मरवा डाला। यह घटना सं. १७३२ की कही जाती है। उस समय करमसी के दो पुत्र संग्रामसी और सामतसी वहाँ से भाग कर किशनगढ़ आ गये और वहाँ से बीकानेर जा बसे^{१७}। लेकिन महाराजा जसवतसिंह के बाद जब महाराजा अजीतसिंह ने मारवाड़ राज्य पर अधिकार कर लिया तो उन्होंने संग्रामसी आदि को बीकानेर से बुलाकर हाकिम जैसी राज्य की उच्च सेवाओं में नियुक्त कर दिया^{१८}।

इस प्रकार नैणसी के पूर्वजों और वंशजों ने अनेक संघर्ष और सकटों को सहन करते हुए राज्य की जो सेवाएँ की हैं वे बड़ी महत्वपूर्ण हैं और इतिहास की उल्लेखनीय घटनाएँ हैं। इन सेवाओं के बदले में इन्हीं समय-समय पर जागीरें, जमीन, बाग, हवेलिया, पद, उपाधियाँ, खास रुक्के और रियायतें इनायत होती रही हैं^{१९} और मुसाहिब व मुतसद्दी वर्ग में उच्च स्थान प्राप्त किये हुए हैं। इन सभी

१६ (अ) Brief family history of Mohnots (unpublished).

(भा) चोरनारायण का युद्ध ही संभवतः धर्मत का प्रसिद्ध युद्ध है। मारवाड़ का संक्षिप्त इतिहास, पृ. ३६८, प० रामकर्ण आसोपा ने धर्मतपुर की टिप्पणी में लिखा है कि मारवाड़ की ख्याती में चोरनारायण नाम लिखा है और कोई फर्किया-वाद बतलाते हैं।

२०. श्री ओझाजी, 'मुहणोत नैणसी की ख्यात' द्वि० खंड नैणसी का वंश परिचय पृ० ३-४
२१-२२. उपरोक्त और 'ब्रीफ फॅमिली हिस्ट्री आफ मोहणोत्स' (अप्रकाशित)

सम्मानो को प्राप्त करने का कारण इनकी वफादारी तो है ही, पर नैणसी और उसके पुत्र करमसी का बलिदान भी मुख्य कारण है ।

जोधपुर राज्य और महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के समय की बहियें, खरीते, फरमान, पट्टे, परवाने आदि रिकार्डों की जाँच से अथवा तत्कालीन गीत आदि साहित्य से तथा नैणसी के वंशज मोहनोत परिवार के पट्टे-परवानो आदि से नैणसी और उनके परिवार के सम्बन्ध में बहुत कुछ जानकारी प्राप्त होना संभव है । 'ब्रोफ फैमिली हिस्ट्री आफ मोहनोत्स' (अप्रकाशित) में नैणसी और सुंदरसी एवं नैणसी के पुत्र करमसी के सम्बन्ध में कुछ विस्तार से जरूर लिखा है फिर भी अपूर्ण ही है ।

नैणसी के वंशज जोधपुर के अतिरिक्त जालोर, किशनगढ़ और मालवा आदि स्थानों में भी स्थित हैं और वे अच्छी स्थिति में हैं ।



[१]

गीत सांणोर ठाकुरां नैणसीजी रो

सभि दळां कीध नैसणसी सुंदर ,
 दळे वडा-वड मांभी दोय ।
 किरमर-हथा न पूजै कळहर ,
 कलम-हथा नह पूजै कोय ॥१॥

जुव जाणग मांणग जैमलका ,
 मुणसां गुर-सदतारां मीढ ।
 ईढ नको असमर-भल आवै ,
 आवै लेखण-भला न ईढ ॥२॥
 भीच बिनै राजेरा भारी ,
 गहण उघारी घड़ ग्रहै ।
 जोड नको विणियांणी-जाया ,
 रांणी-जाया उरै रहै ॥३॥

[२]

गीत सांणोर नैणसीजी रो

प्रियेय कवी

सभि दळां कीध नैणसी सुंदर ,
 लाखां जिंसा कहै जुग लोय ।
 जणणी हेंकण किणी न जाया ,
 दोय बांघव सारीसा दोय ॥१॥
 बीजो नको वोकेपुर बूदी ,
 ढाल-उथाळ नको ढूढाड़ ।
 जैमल-रां सारीसा जोड़ो ,
 मारू नको, नको मेवाड़ ॥२॥
 मेवासियां आसियां माथै ,
 जैत्राई कसिया जरद ।
 तढमल नको हिंदवै तुरकै ,
 मोहणोतां सारीसा मरद ॥३॥

दळ दिखणाच काछ घर उत्तर ,
 सह पूरव जोवतां सहोघ ।
 दूजी घरा न दीठा दूजा ,
 जेसाहरा सरीसा जोघ ॥४॥

[३]

गीत सांणोर मुंहणोत नैणसीजी रो

गडाबोड़ गजराज घंट-रोळ पाखर गरर ,
 भँवरपत चमर छत्र आप भावी ।
 मारिया महण फोजां पखै महपती ,
 आवसै चीत गज फोज आवी ॥१॥

सोह दरवार री (दरबारी) दानि क्रन सरीखा,
 लोह-रा-भँवर गज-फोज रा लाडा ।
 मालहरा बिनै चीतारसी मुरघरा ,
 आवती घीम नै हूत आढा ॥२॥

जन मत्री लालच बैचै गाजिया ,
 घणा दिन लगै चित घाट घडसी ।
 घगड़ घड़ भाजण मंडोवर से-घणी ,
 चरड़ अचलाहरा चीत चढसी ॥३॥

त्रिविघ घड भाजण जोघ जैमलतरा ,
 साइयरै वाग - गैणाग सारे ।
 कायथां बांभणां तणो कहियो करे ,
 मछर-गुर नैणसी सूर मारे ॥४॥

छत्रपती आय वणियो इसो आज छक ,
 औरग तोट पड ओतड़ै ऊर ।
 महाराजा जैसा इसा क्यु मारिजे ,
 सूरवर - आभरण नैणसी सूर ॥५॥

मुंहता नैणसी के सम्बन्ध के ये अज्ञात गीत और कवित्त बड़े महत्व के हैं । इन गीतों में नैणसी की वीरता, विद्वता आदि कई विशेषताओं के साथ अनेक युद्धों का सचासन करने, युद्धों में लड़ने और उनके स्वयं के मारे जाने के कारणों पर अच्छा प्रकाश पड़ता है । इन गीतों से नैणसी के सम्बन्ध में नये दृष्टिकोण उपस्थित होते हैं ।

[४]

फवत मुहणोत नैणसीजी रा

यह सूतो भर निसह घोर करतो सादूळो ,
 ओनींदो ऊठियो वडा रावता सभूलो ।
 पोहतो तीजी फाळ व्रजड़ हाथळ तोलतो ,
 भेछ दळां मूगलां घात सीकार रमतो ।
 मारियो सिरोही मुगल मिळ, खडग डसण घडच खळ ,
 गड़ड़ियो सीह जेमाल रो, नैणसीह भरियो नळै ॥१॥
 दांण भरै घरहरै भावां वाकां अस मिलसी ,
 मुलक चूथ मुलतान सिसे मूळी गिलस ।
 किरसी कूजात जात जत लगा कवाई ,
 बूव करै दीवजी भजो वे भजो भाई ।
 पंचनद परै अनहद वजै, असुरापण गमसी अलंग ,
 नैणसी कसै जेमाल रो, पिछम घर ऊपर पमंग ॥२॥

नैणसी महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के दीवान और ख्यात जैसे इतिहास-ग्रंथों के लेखक के रूप में तथा 'नटिया भूतो नैणसी' की लोकोक्ति को जन्म देने वाले के रूप में लोक में प्रसिद्ध हैं, परन्तु इनके अतिरिक्त उनकी अद्भुत साहसिकता और वीरता की कई प्रज्ञात घटनाओं पर भी ये गीत प्रकाश डालते हैं। नैणसी एक उच्च कोटि के कवि और श्रीनाथजी (श्रीबालकृष्ण) के भक्त थे। उनके स्वयं के रचे हुए वंदी-जीवन के कल्याणपूर्ण गीत से यह स्पष्ट है। यह गीत काव्य और भाषा की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है जो यथाप्रसंग दिया हुआ है। उपरोक्त गीतों में 'जोड़ नको धिणियाणी-जाया, रांणी-जाया डरै रहै' के विरुद्ध वाला नैणसी एक और 'किरमर-हथा, असमर-भल, मछर-गुर, उधारी-घड़-गहण और सूरवर-आभरण' जैसा अद्वितीय खड्गधारी योद्धा है तो दूसरी ओर 'कलम-हथा, लेखन-भल, जाणग, माणग और गुर-सदतारा' यदि विशेषणों वाला लेखन-धारी इतिहास-लेखक, बहुज्ञ, बहुतश्रुत, ऐश्वर्य और अधिकारों का उपभोग करने वाला और दातारों का गुरु है। इन सभी विशेषताओं वाला नैणसी वास्तव में एक युग-पुरुष था। 'जणणी हेकण किणी न जाया, दोय बांधव सारोसा दोय' नैणसी का भाई सुदरसी भी इन्हीं के समान शूरवीर और कवि था।

ये गीत हमें श्री नाथूरामजी खड्गावत, डाइरेक्टर, राजस्थान स्टेट आर्काइव्स, बीकानेर से प्राप्त हुए हैं, अतः इनका बहुत आभारी हूँ। सूचना के लिये श्री सीमाय-सिंहजी शेखावत का आभारी हूँ।

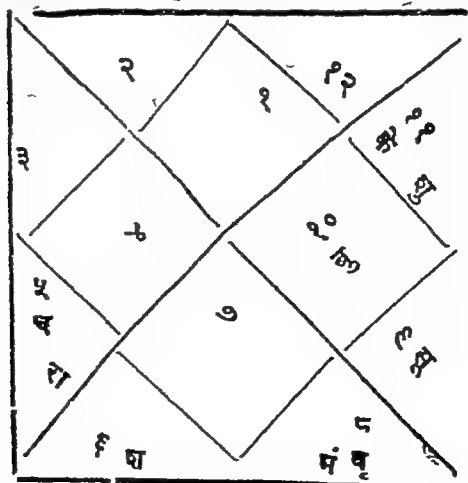
नैणसी के जीवन-प्रसंगों की प्रेस-कॉपी भेज देने के बाद ये गीत हमें प्राप्त हुए हैं। अतः यथाप्रसंग नहीं दिए जाकर यहाँ दिये जा रहे हैं। — प्रा. बदरीप्रसाद साकरिया

महाराजा जसवंतसिंह - प्रथम

महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम (वि. स. १६८३-१७३५) के जीवनकाल में रचा गया यह महत्वपूर्ण ख्यात ग्रंथ और ख्यात-लेखक मुंहता नैणसी का इन महाराजा के साथ राज-कारणों के ऊँचे-नीचे और पारस्परिक सबंध ऐसे रहे हैं जिनसे महाराजा जसवंतसिंह के राज्य-काल में नैणसी के पूर्व और पश्चात् जितने भी राज्य के दीवान रहे हैं, उन सब में जितनी ख्याति नैणसी ने प्राप्त की है, उतनी किसी ने प्राप्त नहीं की। इसका कारण नैणसी की विद्वता, वीरता और योग्यता आदि तो है ही; किन्तु महाराजा जसवंतसिंह भी परोक्ष और अपरोक्ष रूप से एक कारण अवश्य हैं। नैणसी के जीवन के साथ इन महाराजा का मिष्ट और कटु उथल-पुथलो का इतना गहरा सबंध रहा है जितना अन्य किसी दीवान या राज-कर्मचारी के साथ कदाचित् ही रहा हो। इन संबंधों के विषय में अधिकांश बातें नैणसी की जीवनी के साथ उल्लिखित हो गई हैं। इसलिए उनके सबंध में यहाँ कुछ नहीं लिखा जा रहा है। नैणसी महाराजा के दीवान थे, इस पृष्ठिका को लक्ष्य में रख कर इनके संबंध में परिचय स्वरूप दो शब्द लिखना आवश्यक हो जाता है।

महाराजा जसवंतसिंह, महाराजा गजसिंह के दूसरे पुत्र थे; प्रसिद्ध वीर राव अमरसिंह प्रथम पुत्र थे जिनको नागौर की जागीरी मिली थी। महाराजा जसवंतसिंह का जन्म वि. सं. १६८३ माघ वदि ४ मंगलवार को बुरहानपुर में हुआ था।^१ बादशाह शाहजहाँ ने वि. सं. १६९५ की आषाढ़ कृ० ७ बुक्रवार

१. पं० रामकण्ठ आसोपा द्वारा लिखित 'मारवाड़ का संक्षिप्त इतिहास, द्वि० खंड पृ० ३८५ में महाराजा जसवंतसिंह की जन्म-कुण्डली इस प्रकार दी हुई है—



मुहता नैणसी री ख्यात, भाग ४]



जोधपुर महाराजा जसवंतसिंह - प्रथम

(वि० सं० १६८३ - १७३५)

[राजस्थानी शोध सम्यान, चौपासनी के सौजन्य से प्राप्त]

को इनका राज्यतिलक आगरा में किया । महाराजा जब दूसरी बार (स० १७००) बादशाह की चाकरी में से मारवाड़ आये तो राड़धरा (राष्ट्रधरा) के महेशदास के उत्पातों को शान्त करने के लिये नैणसी के पिता मोहणोत जयमल को भेजा था । जयमल ने महेशदास से लड़ाई करके राड़धरा छीन लिया और उस पर महाराजा का अधिकार करके उसे मेहवे के रावल जगमाल को दे दिया था ।

चादपोल के बाहर जोधपुर का प्रसिद्ध श्री रामेश्वर महादेव का मंदिर इन्हीं महाराजा ने सं. १७०८ में बनवाया था ।

स. १७०६ में महाराजा के पृथ्वीसिंह प्रथम पुत्र हुआ । जो जबरदस्त वीर था । इसी ने बादशाह के सिंह से कुश्ती करके बिना शस्त्र के उसको चोर डाला था । कहा जाता है कि बादशाह की ओर से इनायत की हुई विषाक्त पोशाक पहिनने से इसकी मृत्यु हुई थी । कोई कहते हैं कि शीतला रोग के कारण इनकी मृत्यु हुई थी ।

स. १७१४ में प्रसिद्ध घर्मत (चोरनारायण) में महाराजा जसवंतसिंह और रतलाम के रतनसिंह के साथ औरंगजेब का भयकर युद्ध हुआ था । महाराजा जसवंतसिंह घायल होकर जोधपुर को लौट आये थे । इसमें रतनसिंह और अनेक वीर योद्धा काम आये थे । इसी युद्ध में नैणसी का पुत्र करमसी भी घायल हुआ था । इसी वर्ष नैणसी महाराजा का दीवान बना था ।

स. १७२५ में महाराजा के प्रयत्न से शिवाजी के पुत्र शभाजी और शाहजादा में सधि होकर शान्ति स्थापित हो गई थी । इसी वर्ष नैणसी और सुंदरसी आत्मघात करके (दो वर्ष के) बंदी जीवन से मुक्त हुए थे ।

स. १७२७ में महाराजा को बादशाह ने गुजरात के धधुका और पेटलाद के परगने जागीर में दिये थे ।

स. १७२८ में जब औरंगजेब ने गोवर्धन पर्वत के श्रीनाथजी के मंदिर को गिराने की आज्ञा दी तो गुसाई दामोदरलालजी श्रीनाथजी के विग्रह को लेकर जोधपुर आये थे, उन्हें चौपासनी के पास कदमखडो में रहने को स्थान दिया था ।

सं. १७३५ की पौष वदि १० को जमरूद में महाराजा का देहान्त हुआ ।

यह महाराजा संस्कृत, ब्रज और मारवाड़ी के बड़े विद्वान और कवि थे और वेदान्त के अच्छे पंडित थे । इन्होंने अनेक ग्रन्थों की रचना की है । जिनमें आनन्द-विलास, सिद्धान्त-बोध, अनुभव-प्रकाश, अपरोक्ष सिद्धान्त, सिद्धान्तसार,

ये पांचो ग्रंथ वेदान्त के हैं । आनन्द-विलास संस्कृत रचना है । भाषा-भूषण साहित्य का अपूर्व ग्रंथ है ।

जोधपुर के अन्तार इन्ही महाराजा के कारण प्रसिद्ध हैं । इन्होंने काबुल में अन्तार, मिट्टी और वागवानों को लाकर कागा के वाग में अन्तारों के पेड़ों का रोपण करवाया था । कहते हैं कि जोधपुर के प्रसिद्ध कागजी नीवूओं का बीज भी इन्ही महाराजा ने कहीं से मगवा कर उनके पेड़ लगवाये थे ।

महाराजा के पृथ्वीसिंह के अतिरिक्त तीन पुत्र और हुए थे । जगतसिंह, दलथभन और अजीतसिंह । जगतसिंह भी दस वर्ष की ऊपर में ही चल बसा । दलथभन और अजीतसिंह महाराजा के देहान्त के बाद जब रानिया जमरूद से दिल्ली आ रही थी लाहौर में एक ही दिन में स. १७३५ की चैत्र सुदि ४ को उत्पन्न हुए थे । दलथभन भी रास्ते में ही चल बसा । दिल्ली आने पर औरंगजेब ने अजीतसिंह को मुसलमान बनाने या मार डालने की गरज से रानियों को नजरबंद कर दिया था और मारवाड़ पर बादशाही हुक्मत जमा दी थी । बालक अजीतसिंह को बड़ी मुश्किल से औरंगजेब की कंद से गुप्त रीति से दुर्गादास और मुकुन्ददास ने निकाल कर युवा होने तक सुरक्षित स्थानों में छिपा कर रखा था । मारवाड़ को बादशाही हुक्मत से मुक्त करा कर महाराजा अजीतसिंह को राज्य सिंहासन पर बिठाने के लिये वीर दुर्गादास के संचालन में मारवाड़ के राजपूत सरदारों को अनेक वर्षों तक संघर्षों का सामना करना पड़ा था । स्वामीभक्ति के ऐसे उदाहरण इतिहास में विरल ही मिलते हैं ।

—आ० बदरीप्रसाद साकरिया

सुंहता नैरासीरी ख्यात

परिशिष्ट १

तीनों भागों की नामानुक्रमणिका

- (१) वैयक्तिक (जीवधारो) - पुरुष, स्त्री व पशुनामावली
- (२) भौगोलिक - ग्राम, देश, पर्वत, जलाशयादि नामावली
- (३) सांस्कृतिक - ग्रन्थ, संस्था, देवी, देवतादि नामावली



१ संकेत परिचय-

प० पहला भाग

द्व० दूसरा भाग

ती० तीसरा भाग

दे० देखो

२ कुछ वर्णों के सम्बन्ध में-

- (१) ल और ळ वर्णों का अनुक्रम एक वर्ण के समान और उसी प्रकार
- (२) ड और ङ वर्णों का अनुक्रम एक वर्ण के समान किया गया है।
- (३) ळ वर्ण का प्रयोग शब्द के आदि में नहीं होता।
- (४) शब्द के मध्य और अंत में ल वर्ण का उच्चारण प्रायः ळ हो जाता है। कई जगहों में अपने सही रूप में भी उच्चारण किया जाता है; किन्तु वहाँ अर्थान्तर हो जाता है।
- (५) हिन्दी के आकारान्त शब्द (नाम) राजस्थानी में प्रायः ओकारान्त होते हैं।

[१] पुरुष नामावली

अ

अमराज प २०८
अमराज ती १३८
अमराज प २०८
अमराज हू ३
अमराज राजा प १०
अमराज प ११६
अमराज प १२४
अमराज प ३८, २८८
अमराज प १०
अमराज प ५, ३६
अमराज प ५
अमराज राजा ती १८६
अमराज राजा प ७६
अमराज ती १७८, २८८
अमराज प २०८
अमराज प ७८

अमराज प. २८७
अमराज प. २३५, ३५३, ३५४
" हू १२४, १६८, २००
" ती २३४
अमराज हिसरदासोत हू १६२
अमराज जेता रो प. ३५३
अमराज भालो हू. २६३
अमराज ठाकुरसी रो प. ३६०
अमराज ठाकुरसी रो प १२०, १२१
अमराज वलपतीत हू १२८, १३१,
१३२, १४४
अमराज घोरायत प २३७
अमराज पातलोत हू १६४
अमराज प्रथीराजोत हू १२३
अमराज भगवानदास रो प ३०२, ३१०
अमराज भादायत ती ११६, १२०, १२१
अमराज भेतायत हू १८७
अमराज उत्तमी रो प ३२७
अमराज रायपाजोत हू. १५२
अमराज राय प १५५, १५६, १५७,
१५८, १५९
अमराज राय जगपाल रो प १३५,
१३६, १३७, १३८, १३९
अमराज राय जगपाल रो प २८४, २८५
अमराज राय जगपाल रो प १३६,
१३७, १३८
अमराज राय प ३३५
" " हू ११६
अमराज राय रो हू १२०
अमराज राय प. १६

अखैराज सोनगरो प. २०, २१, २८,
२०७, २०८
,, सोनगरो ती ३१, ६५, १००
अखैराज हाडो प १०६
अखैसिंघ प ३२२
,, ती २३०
अखैसिंघ रावळ प १०६
,, ,, ती. ३६, २२०
अखो हू ७७, ७८, ६५
अखो गागा रो प ३६३
अखो दयाळदास रो प. २३१
अखो नेतसी रो प. २४०
अखो भांण रो प. ३४१
अखो रांस रो प ३५८
अखो रायापळ रो प ३४१
अगर प. २२, २५
अगरसिंघ प. ३००
अगस्त प. १२२
अगिनीवरण प ७८
अग्नवरण प. २८८
अग्निवर्ण प. ७८
,, ती. १७६
अग्न सर्मा प. ६
अचल प. ७८
अचळदास प ६७, ११५, १६५, २१२,
३२०
अचळदास हू ६६, १६१, १६२
,, ती. २३१
अचळदास किसनावत हू १२५
अचळदास केसवदास रो प. ३१३, ३१५
अचळदास खोची ती. १३५
अचळदास जगमालीत हू १२१
अचळदास जेतसिंघोत ती. २०५
अचळदास प्रागदासोत प. २३६
अचळदास वळभट्टोत प ३०७
अचळदास भाटी हू ६५, १०६, १७४,
१६२

अचळदास माधोदासोत हू १४६
अचळदास रुघनाथ रो हू ११६
अचळदास लूणकरण रो प. ३१७, ३२०
अचळदास विक्कमादीओत हू १३०
अचळदास सावतस ओत प. २३४
अचळसिंघ प. ३००, ३२४
अचळो प २७, ६८, ७८
,, हू ८५, १६८, १७८, १८२,
१६७
अचळो खेतसी रो प. ३६०
अचळो नेतसी रो प. २४०
अचळो भैरूदासोत हू १८१
अचळो रायमलोत ती. ११६, २४६,
२४८
अचळो रिणमलोत हू. १२, १४१
अचळो सिवराजोत हू. १८०
अचळो सुरतांण रो हू. १०४, १५६
अचळो सेखा रो प. ३२६
अज प. ७८, २८८, २६२
,, ती. १७८
अजवसिंघ प. २७, ६६, ८७, ३०५,
३०६, ३१८, ३२०, ३२१, ३२८
अजवसिंघ ती. २२४
अजवसिंघ करणसिंघोत ती. २०८
अजवसिंघ त्रिन्दावन रो प. ३०६, ३०७,
३०८, ३१०
अजवो हू ६६
अजमखान नवाब हू २०५
अजमल चूडावत हू, ३१०
अजयपाल चक्रवर्ती प २६२
अजयभूपाल राणो ती. १७५
अजयवार दे० अजवाराह ।
अजयवार दे० अजवाराह ।
अजवाराह ती २१६
अजसिंघ प ३२२, ३२४
अज सीहोजी रो ती. २६
अजादित्य प. १०

अजीत मोहिल ती १५८, १५९, १६०,
 १६७
 अजीतसिध महाराजा ती २१३
 अजीत हाडो मालदे त ती २१६
 अजु रावळ प. ७८
 अजु हू. ३८, १०७
 अजैचद ती १८०
 अजैदेव प २६१
 अजैपाळ प. २६१, २८०, २९२
 अजैपाळ गध्रपसेन रो प ३३८
 अजैपाळ चकवै प २९२
 अजैयध प २९२
 अजेराव प २५१
 अजेवाह प १२३
 अजैसी प १४, १५, १६३, १६४
 अजैनी अजैपाळ रो प ३३८
 अजो प ५१
 ,, हू ७७, ८०, १००, ११७
 अजो किसनावत हू १४४
 अजो चूडावत ती ३१
 अजो (जाम) हू २२४, २४०
 अजो प्रयीराव रो प २४३
 अजो राजा रो हू. २६२
 अजो सांवतसीओत प २३५
 अट्टेरण हू १, ११, १७
 अडमाळ ती १३८
 अडमाल रिणमलोत हू ३३८
 अडराज ती ४९
 अटवाल प ३९१, ३९२
 अडवाळ धोहळ प २२५
 अटघाल सोढो प ३६१, ३६२
 अहू प. १६
 अणद हू १४३
 अणदसिध प ३१९
 अणदसिध ती २२६, २३०
 अणदसिध अनोपसिधोन ती. २०८
 अणतसी रांगो रायसी रो प ३४६, ३५२

अणघो हू. १०,
 अणतसिध ती २२९
 अणदो राव प २८१
 अणपाल भाणव हू ५८
 अणहल प. १०१, १३५, १७२, २३०,
 २५०, २५८
 अतर प १२३
 अतिथ प ७८
 अतिथ ती १७८
 अतिरथ प २८८
 अत्रि हू ९
 अहू प १६
 अदो वाघेलो प १३७
 अनगपाल ती. १८७, २३८
 अनगराव प १०१
 अनतपाळ प. २८९
 ,, ती १८७
 अनतसी प १४
 अनदराज प. ७८
 अनरण्य ती. १७८
 अनळ खीची प. २९४
 अनादि प २९१
 अनाभि प ७८
 अनियो (अनो) भाटी हू ५८
 अनिरुद्ध (अनुरुध) हू ९
 अनिरुद्ध गोड प ३३०
 अनिरुध प २१२
 अनुरुध हू १५
 अनुरुध राजा गोड प. ३३०
 अनूपराम प. ३०८
 अनूपसिध प ३०९
 अनूपसिध जूभारसिध रो प. २९८, ३१०
 अनूपसिध महाराजा ती ३२, १७७,
 १८०, १८१, २०८ २०९
 अनूपसिध सूरसिध रो प ३२२
 अनेकसाह ती १८६
 अनेकसिध राजा ती. १८६

अनेना प २८७
 „ ती. १७७
 अनेरण प. ७८
 अनोपसिध प. १३३, ३०६, ३२४
 „ ती. २२३, २३६
 अपर डोडियो दू २०५
 अवदुला खा प १३१
 अवदुलो प ५६, ५७, ५८
 अवावकर सुलतांण ती १६१
 अवुल फजल प १३०
 अभंगमसेन प. ७८
 अभग सेन प. ७८
 अभीहड प. ३५२
 अभैकरन प. ३०१
 अभैचव ती १८०
 अभैमल पिथो रो ती. १६०
 अभैराम प ३०७, ३१०, ३२३
 अभैराम ती. २२८
 अभैराम अखैराज रो प ३०२
 अभैराज घुघमार रो ती २१८
 अभैसिध ती. २३३
 अभैसिध भाटी दू ११०
 अभो ऊदावत दू १४१
 अभो नेतसी रो प. २४०
 अभो भोजा रो प ३५४
 अभो सांखलो दू १८१
 अभो सेखा रो प ३२७
 अमर प. ३४३
 अमर जाडेचो दू २०६
 अमर तेज प. २६२
 अमरभांण प. ३२४
 अमरवण प. २८६
 अमरसिध प. १६०, ३२२, ३२४
 „ दू. १६१
 „ ती. ३६, ३७, २२३, २२४,
 २२८, २३३, २३५, २३६
 अमरसिध अणवसिधोत ती. २०८

अमरसिध करणासिधोत ती २०८
 अमरसिधजी दू. १४६, १५७, १६०,
 १६३, १६५, १६७, १६८, १६९,
 १८३, १८८, १९३
 अमरसिधजी कुवर प. २०६, २३८, २४०
 अमरसिध रांणो प ६, १५, २४, २८,
 २९, ३०, ३१, ४८, ५३, ५६, ५७,
 ५९, ६२, ६३, ६४, ६२, ६५
 अमरसिध रांमदास रो प ३०३
 अमरसिध राजा प. १३३
 अमरसिध राजावत ती. ३५
 अमरसिध राव ती १८२, २१४
 अमरसिध रावळ दू ६३, ६५, १०८,
 १०९
 अमरसिध सबळसिधोत ती ३५, २२०
 अमरसिध हरिसिधोत ती. २४६
 अमरसी रावळ प. ७६
 अमरसी सोमावत प. ३४१
 अमर सीहड रो प. ३४३
 अमरो प. ६८, १५७, १५९, १६४,
 १६६, १६७, १७२, १७३, १६५,
 १६७, २१२
 अमरो दू. ३८, ८८, ६२, १२२, १७५,
 १७७
 अमरो अहीर प. ३१८, ३१९
 अमरो कल्याणमलोत ती २०६
 अमरो केतोडासोत दू १६८
 अमरो खगारोत प ३०६
 अमरो पिराग रो प २३८
 अमरो भाणोत दू १८६
 अमरो भाखर रो दू. ७६, १६६, १६८
 अमरो भोजावत प ३५६
 अमरो रतनावत दू १६३
 अमरो राणो दे० अमरसिध रांणो ।
 अमरो रांणो भालो दू. २५७, २६४
 अमरो रूपसी-भाटी दू १६८
 अमरो सोढो प ३६१

अमीखान पठाण दू २०५, २४०, २४१
 अमीपाळ प. २८६
 अमीरखान दे० अमीखान पठाण ।
 अमृतपाल ती. १८८
 अमेर्दासिध ती २३०
 अमर्षण प २८६
 अमर्षण ती. १७६
 अयुनायु ती १७८
 अरजण रायमलोत ती ११५, ११६
 अरजन प २७, ३०, १६६, १६८,
 १६०, २६१, २८०
 अरजन दू ११, ८८, १३१
 अरजनदे प २६१
 अरजनदेव ती ५१
 अरजन भीव रो प ३३५
 अरजन रांगो मोहिल ती १५३, १६६
 अरजन, राव मालदे रो दोहीतो दू ६८
 अरजनसिध प ३२२
 अरजुण सूरसिधोत ती २०८
 अरजुन पांडव दू ३५, ३६
 अरडकमल प २०५
 अरडकमल कावळोत ती १५
 अरडकमल चूडावत प ३४८, ३४९
 „ „ दू ३१२, ३२४,
 ३२६, ३२७, ३२८
 अरडकमल चूडावत ती ३०
 अरधविंव दू १, ६
 „ ती ३७
 अरसी प. २२५
 अरसी राणो प १४, १५, ३२, ६८
 अरमी रावळ प ७६
 अरसीह समरमी रो प २०३
 अरहड रावळ प ७६
 अरिमरदन प ७८
 अरुमक ती १७८
 अरोठ भातर दू १७
 अरफ ती १७६

अर्जुन दे० अरजन व अरजुन
 अर्जुनदे राजा प. १२६, १३०
 अर्जुनपाळ राजा प १२८
 अर्जुनसिध ती. २२८, २२९, २३०
 अर्द्धविंव दे अरधविंव
 अर्धसोम ती १८५
 अर्बुद दू ३
 अलद्वयो दू. २१५
 अलखां प ३२७
 अलखो चादण रो प. ३१५
 अलण प २४७
 अळघरो काकिल रो प. २६४, ३३२
 अलफखां ती २७४
 अलमखां दे अलफखा
 अलाउदीन खिलजी प. ६, १४, १६३,
 २३०, २३१, २६२, २७६
 अलाउद्दीन दे अलावदीन पातसाह
 अलावदी प १४, २१३, २१६, २२०,
 ३३२, ३३५
 अलावदीन पातसाह ती. २८, ५०, ५३,
 १८३, १८४, २६३
 अलावदीन सुलतान ती. १६०, १६१
 अलावरदीखां ती २७७
 अलीखां दू १०३
 अलु प ४, ५
 अलैदियो दू २०६
 अल्लद महेन्द्र दू ४
 अवतारदे खीमरा रो प ३५५, ३६१
 अवलफजल प. १३०
 अवधमेव राजा ती १८५
 असकरी कामरा प. ३००
 असमज प ७८, २८८, २९२
 असमजस ती १७८
 अहमद प २६२
 „ ती. १७, १८, ५७
 अहमदखान ती. ५३
 अहमद चाहिल ती. १७

आसथान राव ती २६, १७३, १८०
 आसपखां प ३३०
 आसमक राज प २८८
 आसराव प १३४
 ,, ती २२१
 आसराव कालण रो दू ३८
 आसराव जिंदराव रो प १०१, ११६,
 १३५, १७२, १८६, २०२, २०३,
 २२६, २३०, २४७, २५०
 आसराव धारावरीस रो प ३५५
 आसराव रतनू-चारण दू ५६, ७२, ७४
 आसराव रिणमलोत ती ३०
 आसराव सोढो प ३६३
 आसल प ३४३
 आसल मोहिल ती १५८, १७०
 आसल लाखण रो प. २०२
 आसावित प. ३
 आसाबुद्धि ती. १८६
 आसो प १२५, १६६, २३८, ३४३
 ,, दू ३८, ६३, १६४, १६५, १८६,
 १६१, १६६, १६६
 आसो (आसथान) दू २७६
 आसो कचरावत प ३५७, ३६०
 ,, ,, दू १७४
 आसो डाभी दू. २७६
 आसो पूना रो प २००
 आसो प्रागदासोत दू १८४
 आसो भील ती ५३
 आसो माना रो दू २६४
 आसो रामचंदोत दू १५६
 आसो रायपालोत दू १४५
 आसो वरजांग रो प २३२
 आसो वरमिघोत दू १७३
 आसो सकर रो प २४३
 आसो मांवादासोत प ३४३
 आहड़ मोहिल ती १५८, १७०

आहठमा नरेश प. ६
 आहेड ती १५४

इ

इंदराव मोहिल दे इंद्रवीर राणो ।
 इंद्र ती. १७७
 इंद्र किलग रो प. ३३६
 इन्द्रचंद प ३१६
 इन्द्रजीत प १२६, ३१०
 इन्द्रपाल प. २६०
 इन्द्रभाण प. ६८, ३२१, ३२४
 ,, ती २३३
 इन्द्रभाण केसरीसिघोत दू. १५७
 इन्द्रभाण जंतसी रो प ३१५
 इन्द्रभाण पंवार प ४४
 इन्द्र राजा परमार ती. १७५
 इन्द्रराव दे० इन्द्रवीर राणो ।
 इन्द्रवीर राणो ती. १५३, १६६
 इन्द्रसिघ ती. २२१, २२४, २२६, २३५
 इन्द्रसिघ मानसिघ रो प. १३३
 इन्द्रसिघ राणांवत ती ३२
 इन्द्रसिघ सगर रो प २४
 इन्द्रलखा प० २८७
 इक्ष्वाकु प. ७८, २८७
 ,, ती. १७७
 इखुक प ७८
 इवार प २८८
 इसमाइलखा दू १०४

ई

ईंदो प. १५३
 ,, दू. ३१४
 ईतपाळ सोलकी प. २८०
 ईलियो चावडो दू. २०५
 ईसर प. १६८, ३५१
 ,, दू. ७८, १४४, १७८
 ईसर कपूर रो प १२१

ईसर जैसा रो प १६६

ईसरदास प ६६, १६०, २८१

„ दू. १२०, १२३

„ ती. ११८

ईसरदास अखैराज रो प. ३५४

ईसरदास उदैसिघोत दू. १३०, १३६

ईसरदास कल्याणदासोत दू. १५६

ईसरदास कूपावत प. ३१८

ईसरदास खेतसीओत दू. ६३, ६४

ईसरदास जीवा रो प. २४१

ईसरदास जैमलोत प. ३२८

ईसरदास भोपतोत दू. १६०

ईसरदास मानसिघोत दू. १६३

ईसरदास मोहिल ती. ३१

ईसरदास रांगावत दू. १५१

ईसरदास राणो भोजराज रो प. ३५५,

३५६

ईसरदास रायमलोत दू. १८२, १८६

ईसरदास लूणकरण रो प. ३१६

ईसरदास वीरमदेओत दू. १६६

ईसरदास वैरा रो प. २८१

ईसरदास सूजावत दू. १६१, १६२

ईसरदास सोढो प. ३६१

ईसरदास हरदासोत दू. १७६

ईसर पता रो दू. २००

ईसर वारहठ प. १५२

„ „ दू. २२३, २३६, २४६

ईसर रायपाळ रो प. ३५१

ईसर वीरमदेओत प. ३२

ईसर सीसोदियो प. १११

ईसरोसिघ ती. २२०, २३३

ईससिघ प. २६०

ईसो बाभण दू. ३५, ३६

ईहठ राणो प. १२४

ईहठ सोळंकी ती. २५७

उ

उगमणसीह सिखरावत ती. ३०

उगरसेन प. ३२५

उगरो प. १६३, १६८

„ दू. १२२, १६८

उगरो लिखमीदासोत प. २३६

उग्रसिघ प. २६६

उग्रसेण चन्द्रसेणोत प. २३५, २३६

उग्रसेण नरसिघदास रो प. ३१६

उग्रसेन प. १६५, ३०४, ३०६, ३१७,

३२५

उग्रसेन अजैवघोत प. २६२

उग्रसेन केसोदास रो प. ३१४

उग्रसेन छत्रसिघ रो प. २६६

उग्रसेन रावळ कल्याणमलोत प. ७४,

७५, ७६, ७७ ८७, १२०

उछरंग ती. २२१

उणगराव ती. २२२

उत्तम रावळ प. ५, ७६

उत्तमरिख प. १६३

उत्तमसिघ ती. २२४

उदग भोहा रो प. ३३६

उदग सीहडू खणेचा रो प. ३४२

उदतराज रावळ प. १२

उदयसिघ करणसिघोत ती. २०८

उदयसिघ महाराणा ती. १७३, २०७

उदयसिघ दे० उदैसिह मोटो राजा

उदयसेन ती. १८७

उदयादित्य राजा ती. १७६

उदैकरण राजा प. ३१३, ३२६

„ दू. ६३

उदैकरण खवास रो प. ३२३

उदैकरण (जवणसी) जुणसी रो प. २६०,

२६५, २६६, २६७, ३२६, ३३०

उदैकरण फरसरांमोत प. ३१६

उदैकरण रांमनारणोत प. ३५८

उदैकरण वेणीदास रो प ३१३
 उदैकरण राजा प ३१८, ३२६
 उदैकरण राजा ती १७५
 उदैकरण रायमलोत ती १०२
 उदैकर पत्रनेत्र प ७८
 उदैचद राजा प ३३६
 उदैभाण प. ३२४, ३२७
 ,, हू १६०
 ,, ती २२८, २२९, २३०
 उदैभाण ईसरदासोत हू ६४, १०६
 उदैभाण देवडो प ३२, १५७, १५८
 उदैभाण फरसरांम रो प ३१६
 उदैभाण रावळ प ८७
 उदैमल पियोरो ती १६०
 उदैराम प ३०८
 ,, ती २३६
 उदैराम ब्राह्मण ती २७६
 उदैसिध प १६६, ३१३, ३२८
 ,, हू ८०, ८१, १६५, १८४, २०१
 ,, ती २२६, २२७, २२९, २३१
 २३७
 उदैसिध अखैराजोत प. २०७, २११
 उदैसिध कीरतसिधोत ती २१७
 उदैसिध कूभा रो प ३१३
 उदैसिध खगारोत प. ३०६
 उदैसिध गोपाळदासोत प ३४३
 उदैसिध जगमाल रो हू. ६८
 उदैसिध जेमल रो प ३१२
 उदैसिध हूदोत प १६६
 उदैसिध पञ्चाङ्ग रो हू १२०
 उदैसिध भगवानदासोत हू १७२
 उदैसिध भादावत हू. १८८
 उदैसिध भंरघदासोत हू १६६
 उदैसिध मालदेओत हू ६२
 उदैसिध मोटो राजा प १४२, १७०,
 २०८, २१०, २३२, २३३, २३८,

२४१, २४२, २६७, ३००, ३०३,
 ३१२, ३२६
 ,, मोटो राजा हू. १२१ १२८
 उदैसिध महाराजा जोधपुर ती १८२,
 २१४, २१७
 उदैसिध रांणो प ६, १५, १६, २०, २१,
 २२, २३, २५, २६, २८, ३२, ३४,
 ३६, ४८, ४९, ५०, ५१, ५२, ६०,
 ६२, ७०, ७६, ८७, ९३, १०३,
 १०४, १०८, १०९, ११०, १११, ११२,
 १५०, १५७, १६०, २०७, ३४२
 ,, रांणो ती ३१
 उदैसिध रायमल रो हू १२३
 उदैसिध राव प १६१, १६४
 ,, ,, ती ३६
 उदैसिधराव रायसिध रो प १३५, १३७,
 १३८, १३९, १४१
 उदैसिध रावळ प. ७६
 उदैसिध राव बाघोत वीकूपुर घणी हू.
 १३०, १३१, १४१, १४४
 उदैसिध विना रो प. ३५८
 उदैसिध वीठळदास रो प ३०८
 उदैसिध साहिव रो प ३५८
 उदैसिध सूरजमल रो प १०६
 उदैसी ती. १२४, १२६, १२७
 उदैसीह अरसी रो प २०३
 उदोतसिध ती २१७
 उद्धरण राजा प २६७
 उधरण हू १०३, १०४, १२१, १२६
 उधरण अनवी प १२३, १२४
 उधरण गेहलोत प २००
 उधरण भोजदेओत प २३१
 उधरण घणवीर रो प २६०, ३१३
 उधरण सारग रो प. ३५१
 उधरसिध प. ३२२
 उपलराई प. ३३७

उपल राजा ती. १७५
 उरक्रिय प २८६
 उरजण नरवद रो प. ५०, १०६, ११०
 उरजन प १६४, १६७, ३६२
 ,, हू ८०, ११६, १६६
 उरजन कचरावत हू १८५
 उरजन गोपाळदास ऊहड़ रो हू ६६
 उरजन नरवद रो दे० उरजण नरवद रो
 उरजन पचाहणोत प. २३७
 उरजन महेसदासोत हू. १७०
 उरजन विहळ प २२४
 उरजन सत्तावत हू. १४५
 उरजन सोढो प ३६२
 उसै राजा प. २६३

ऊ

ऊगम प ३६१
 ऊगमडो ईदो प ३४६
 ऊगमडो ईदो हू ३४२
 ,, ,, ती २५१, २५६, २६६
 ऊगमसी रांगो दे० ऊगमडो रांगो ।
 ऊगो थिरा रो हू ३८
 ऊगो मेहवचो हू १६४
 ऊगो वरसी रो हू २, ८१
 ऊदळ भाटी हू ६६
 ऊदो प १६, १७, ३६, ५१, ५२, ६८,
 १०१, २३६, २८१, ३५१
 ,, हू ८०, ८४
 ,, ती २३५
 ऊदो ऊगमणावत ती २५२, २५६, २५७,
 २५८, २५९, २६१, २६२, २६३,
 २६४, २६५
 ऊदो करण रो प ३४३
 ऊदो कूभावत प. ३६, ५१
 ऊदो गोगादेओत हू ३१७, ३१६, ३२०
 ऊदो चांद रो प. ३३१
 ऊदो जेता रो हू १४१

ऊदो जेता रो प. १६६
 ऊदो डूगरसीओत हू १७८
 ऊदो त्रिभुवणसीओत हू. ३१४, ३१५
 ,, ,, ती. २४
 ऊदो भैरवदास रो प २४०, २४१
 ऊदो माना रो प ३६०
 ऊदो मूजावत प ३४६, ३४७, ३५२
 ऊदो मूळावत हू ३००, ३०१
 ऊदो रामावत प. १६६
 ऊदो रांमावत हू. १६४, १७३
 ऊदो रायपाळ रो प. ३५१, ३५३
 ऊदो रायमलोत प. ३५६
 ऊदो राव लाखा रो प १३६, १४२,
 १५८
 ऊदो लाला रो प ३१८
 ऊदो सुरतांण रो सोळकी प २८१
 ऊदो सोळकी हू १०७
 ऊदो हमीर रो प ३५६, ३६०
 ऊदो हिमाळा रो प. २४४
 ऊधो साला रो प. ३४१
 ऊनड जाम हू २१५, २१६, २३६, २३७,
 २३८
 ऊनड भाटी हू ३
 ऊनड मूळराज रो हू ५४, ६६, ६७
 ऊमजी ती. २३३
 ऊहो हू ६६

अ

अतुपण ती. १७८

ए

एलविल ती १७८

ओ

ओम्भड प १४
 ओढो हू. २०६
 ओढो हू २०६
 ओढो रांवण दोदो दे ओढो रावण दोदो ।
 ओसत राजा ती. १८७

औ

औरगजेव पातसाह प. २६

„ „ ती १६२, २१४,
२३८

औरगसाह आलमगीर दे औरंगजेव
पातसाह ।

क

कँवरपाळ सोळंकी प २६०, २६१

कँवळ दे कमळ

कँवरसाल भैरु रो प ३२५

कँवरसी प ३५२

कँवरसी ऊहड हू १००

कँवरसी राणो खींवसी रो प. ३४६

कँवळसी प. १२४

कँसेन प ७८

कडकुस्त प. २६२

ककड प. १४

ककुत्स्थ प ७८

कचरदास प. २७

कचरो प. २००, ३४३

कचरो हू ८८, १३१, १४३

कचरो उदैसिध रो प. ३१२

कचरो गोयददासोत हू १८०

कचरो जैसा रो प २८, ६८ १६५, ३५७

कचरो जैसिधदे रो प २३२

कचरो देईदास रो प. २३३

कचरो पोयावत हू १६०

कचरो मेहाजळोत हू १७४

कचरो ससारचंव रो हू १८४

कचरो सागा रो प ३१५, ३१७

कडवराव राणो प. १२३

कनकसिध प ३०६

कनकसेन प ७८

कनीदास प. ३२६

कनीराम ती २३३

कनीरांम दलपतोत प २३५

कन्ह प. २८, १६२

कन्ह पचायणोत प २१

कन्हीदास (कान्हीदास) हू १२०, १५१

कपिल मुनि हू. २१६

कपूर प १२१

कपूरचंद दासा रो प ३१८

कपूरो मरहठो हू. ४७, ४८, ४९, ५०, ६७

कमधज धुंधमार रो ती २१८

कमरो प. ३००

कमळ प ७७, १२२, १८६, २८०,
२८७, २६२

„ हू. ६

„ ती. १७५

कमलादित्य प. १०

कमालदी हू. ४६, ४७, ४९, ५०, ५१,
५२, ५४, ६६, ६७

कमालदीन ती ३३

कमालुद्दीन दे कमालदी

कमो प. २७, ६८, ६९, १५६, ३४३

„ हू २१५

कमो कल्याणवास रो प ३४३

कमो केलण रो प १६८

कमो घोरंवार हू १२

कमो बुध रो हू. १४०

कमो भैरव रो प. १६६

कमो मदा रो प १६७

कमो रूपती रो प. ३५६

कमो सीसोवियो रतनसी रो प ५०

कमो सोळकी हू १०७

करण प ५, १३, ३०३, ३१५, ३५३

„ हू. ६६, ८२, ८४, ८०, ११६,
१२२, १२५, १८२

„ ती २२१

करण अखैराज रो प. ३५३

करण कान्हावत हू. १७७

करण गिरघरदासोत प ३०५

करण गेहलो प २६१
 ,, ,, ती. ५०, ५३, १८४
 करण देईदासोत दू. १६६
 करण घोघो दू. २०६, २१०
 करण मानसिघोत दू. १६१
 करण रणमलोत ती. २२६
 करण रतना रो प. ३४३
 करण रामचंदोत दू. १५८, १६६
 करण राजा दू. १३६
 करण राव (वीकानेर) दू. १३२
 करण रावळ प. ३५२
 ,, ,, दू. १०, १४, ३६, ७५,
 ६६, १२१, १३०
 करण वैरसल रो प. १६६
 करण सकर्तसिघोत दू. १५५
 करणसिघ महाराजा त. १८, ३१, १८०
 १८१, २०८, २१०
 करणसिघ राव ती. ३७
 करण सूरजमल रो प. ३६०
 करणादित रावळ प. ५, १२
 करणादित्य प. १०
 करणो डहरियो प. १३२
 करन प. १४, २१, ६३, ६६, ७०, १२८,
 १४२, १५६, १६१, १६४, १६६,
 १६७, १६८, १६९, २०६, २३८,
 २६०, २८०, ३०३
 करन कांन्हा रो प. ३५२
 करन गेहलो प. २६१
 करन चतुरभुज रो प. ३४३
 करन पतावत प. ६७
 करन महाराजा प. १२८
 करन, रतनसी रो भाई प. २१
 करन राणो प. ६, १५, ३०, ३१
 करन रावळ प. ५, १२, ७६
 करन घोसावत प. १६८
 करम (करमसी) रावळ प. ७६

करमचंद प. २१, १०६, १२२
 ,, दू. ६६, ७६, ६१, [६६, १२४,
 २०१
 करमचंद अचळा रो प. ३२६
 करमचंद कल्याणोत ती. २०५
 करमचंद केलण रो प. २०५
 करमचंद जगन्नाथ रो प. ३०१
 करमचंद दासा रो प. ३१४, ३१५
 करमचंद नरहरदासोत दू. १६६
 करमचंद रावत ती. १७६
 करमचंद वरसिघ रो दू. १२७
 करमसिघ ती. २२५
 करमसी प. २६, १५६, २२६, ३२६
 ,, दू. १२४, २६४
 करमसी अचळावत दू. १८६
 करमसी आसियो खीवसरोत प. १६१
 करमसी ऊहड दू. १००
 करमसी कल्याणदास रो प. ३११
 करमसी खीवा रो प. ३४१, ३४२
 करमसी चहुवांग प. ६७
 करमसी चीवो प. १५६, १५७, १६८,
 १७४, १७६
 करमसी जसधीर रो प. २०३
 करमसी राजसी रो प. ३४६
 करमसी रायसिघोत दू. १६३
 करमसी रावत दू. ८६, ८७, ८८
 करमसी रावळ प. ७६
 करमसी लूणकरणोत ती. २०५
 करमसी घोकावत दू. १७३
 करमसी सहसमल रो प. ३२५
 करमसी सांखलो, हरिभक्त प. ३४२
 ३४६
 करमसेन प. २६, ३२४
 ,, दू. १२३, १५२, १८६, १६३
 ,, ती. २२३
 करमसेन राव दू. ६५

करमो प ६६, २४७

„ हू. ८०, ८१

करमो सेखावत प १६५

करहीरो हू २२६, २३०

करहो धु घमार रो ती. २१८

कर्ण प २१, २८, १६०, १६२

कर्ण चाचगदे रो ती. ३३

कर्णदेव ती ५१

कर्मादित्य प १०

कलकी राजा ती १८७

कलकरण केल्हण रो हू ११६, १४४

कलकरण केहर रो हू २, ७६, ७७, १५२

„ „ ती. २०, ३४, १०४,

२२१

कलमघ राजा प. २६२

कलस सर्मा प ६

कलादित्य प १०

कलिकर्ण दे कळकरण

कलो प ६७, १६७, १७१, १७२,

२३६, ३२६, ३४१

„ हू ७७, ८५, १४३, १६६

कलो अखैराज रो प ३२७

कलो केसोदासोत हू. १६८

कलो गांगावत हू १६१

कलो ठाकुरसी रो हू १६२

कलो भाटी हू ६६, ७७, ६६

कलो भुजबळ रो प १६४

कलो रतनावत हू १३८

कलो रामसिंघ रो प ३६१

कलो रामावत प १६६

कलो रायमलोत हू. १८२

कलो राव मेहाजळ रो प १४५, १४६,

१४७, १४८, १६०, २४६

कलो रावळ हू. ७७, ६३, ६६, ६८, १०४

कलोसिंघ ती १६०

कलो वरसिंघ रो हू १२७

कलो वीदावत ती १२४

कलो वीसळ रो प. २०१

कलो ससारचंद रो हू १८४

कलो सांवतसीओत प. २३५

कलो साहरण रो प १०१

कलो सिवराज रो प ३५६

कल्याण प २७, २६०

कल्याण किसना रो प. ८७

कल्याणदास प २५, २८, ३०७, ३२७,

३४३

„ हू १५०, २६४

„ ती २२५, २३६

कल्याणदास उग्रसेनोत प ३२०

कल्याणदास करणोत प ३२०

कल्याणदास किसनदास रो हू १२७, १२८

कल्याणदास नारायणदासोत प २४६, ३४३

कल्याणदास प्रथीराज रो प ३११

कल्याणदास भाणोत प २११

कल्याणदास भाखरसीओत प. १६६

कल्याणदास भाटी ती. १८

कल्याणदास राजधर रो हू १७७

कल्याणदास राजसिंघ रो प. ३०३

कल्याणदास रायमलोत हू १७३

कल्याणदास राव हू ८६

कल्याणदास रावळ हू. ७६, ६८, १०२,

१०३

„ „ ती. ३५

कल्याणदास लाडखान रो प. ३२१

कल्याणदे राजादे रो प २६४, २६५,

२६६, ३०१

कल्याणमल प. १५६

„ हू १००

„ ती. १०१, १०२

कल्याणमल उर्वेकरणोत ती. १५१, १५२

कल्याणमल जैतमालोत प. २२

कल्याणमल फतैसिंघ रो प. ३१८

कल्याणमल राव ती १७, १८, ३१,
 १८०, १८१, २०५, २०६, २०६
 कल्याणमल राव ईडर रो हू २५६
 कल्याणमल रावळ हू. ११
 कल्याणसिध प २६, ४५, ३०५, ३०६,
 ३२१, ३२३, ३२४
 ,, ती २३५
 कल्याणसिध मांसिघोत प २६१, २६६
 कल्लो प. १६६
 कल्लो रायमलोत ती २१४, २२०, २७२
 कवरो प ३६२
 कवाट दे कँवाट
 कस्तूरियो मृघ (घिजो ईंदो) हू ३४२
 कस्यप प. ७८, २८७, २६२
 कश्यप ती १७५
 कहनी राजा प २६३
 कहवाट दे कँवाट
 कांगडो बलोच हू. ५५
 कातिसेन ती १८६
 कांथडनाथ जोगी हू २१४
 कांघळ प ६६, १६५
 कांघळ आलेचो प २१७, २१८, २१९
 कांघळ आलेचो (आलेचो) ती २६३,
 २६४
 कांघळ कचरा रो प. १६५
 कांघळजी ती १५, २१, २२
 कांघळ देवडो प २२४
 कांघळ भुजवळ रो प. १६५
 कांघळ मेहा रो प. ३४१
 कांघळ रिणमलोत हू ३३५, ३४२
 ,, ,, ती १६१, २२६
 कांघळ सिधदासोत हू १४५
 कांन प. २७, ६८, १५६, १६०, १६१,
 १६३, १६४, १६७, २०५
 कांन किसनाबत हू. १६४, १७३
 कांनड प. २८१

कांनडदास प ३०६
 कांनडदे प. १४
 कांनडदे भाटी हू. ५२, ५४, ६६, ६७
 कांनडदे मेर दे कानो मेर
 कांनडदे राव राठोड हू. २८०, २८१,
 २८२, २८३
 कांनडदे रावळ प. २०४, २१३, २१६,
 २१७, २१८, २१९, २२०, २२१,
 २२२, २२३, २२४, २२५, २३०,
 २३१
 ४०, ४१, ४२
 कांनडदे सांघतसीओत सोनगरो हू ३६,
 ४०, ४१, ४२
 कांनड भाटी दे कांनडदे भाटी
 कांन राव रायमलोत प. २५६
 कान सीसोदियो प. ६६
 कानो प २००
 कानो आलेचो प. २२४
 कानो खेतसी रो प ३६०
 कानो गोपाळदासोत हू १८६
 कानो घारण प. ३०७
 कानो मेर हू २७७, २७८
 कानो सोढो हू. १३५
 कान्ह प २१२, ३०७
 ,, हू १५, ७७, ८१, ८८, ८९, ९३,
 ९६, ९७, ११६, १२३, १२४,
 २६२, २६४
 ,, ती २६
 कान्ह अखैराज रो प. ३२७
 कान्ह कल्याणदास रो प. ३१२
 कान्ह कल्याणोत ती. २०५
 कान्ह केलहणोत ती ३०
 कान्ह तेजमालोत हू १२५
 कान्हड (जैस०) ती २२१
 कान्हडदे राव ती २३, २४
 कान्हडदे रावळ प. १४, १८१
 कान्हडदे सोनगरी ती. २८, १८४, २६३,
 २६४

कान्ह दूदावत हू १६७
 कान्ह भगवतदास रो प २६१, २६६
 कान्ह भोपतोत हू १६१
 कान्ह रांणो भालो हू २६५
 कान्ह राठोहू रायसलोत प ३२२
 कान्ह राध (कनपाल) ती १८०
 कान्ह राव जैसा रो हू १३६
 कान्ह राव पूगळ रो ती ३६
 कान्ह सहसा रो प ३१४, ३१६
 कान्हसिध जैतसीयोत प. २३७
 कान्ह सिध रो हू. २६४
 कान्ह सूजावत हू १५१
 कान्होदास प ३२०
 कान्होरांम दे कनीरांम
 कान्हो प. १५, २१, १२०, २३५, २४२
 कान्हो हू १७६, १६३, २००
 ,, ती १६, २०, ३१
 कान्हो आवावत हू १७७
 कान्हो फोळी हू २५६
 कान्हो चू डावत प. ३५३
 ,, ,, हू ३१०, ३१३, ३१४,
 ३३६
 कान्हो जांभणोत प २३६, ३५७
 कान्हो तेजसी रो प ३५८
 कान्हो पचाइणोत प. २०७
 कान्हो मेर दे. कानो मेर
 कान्हो सादूळ रो प. ३१५
 कान्हो हमीरोत हू. १८०
 कान्हकाचंद राजा ती. १८८
 कांमरां दे कुंचरो
 कांहियो हू २१५
 काकस्त प. ७८
 काकित राजा प. २६३, २६४, २६६,
 ३३२
 काकितदेव प २६०
 काकुस्त प २८७

काकुस्त प. २८७; २६२
 कावो प ३३७
 कामपति सर्मा प. ६
 कारतन राजा प. ३३६
 कालण रावळ हू १०, ३८, ३६, ६४
 काळमुधो हू. १०३
 काळसेन राजा ती १७५
 काळो गोहिल हू. ३२६, ३२७
 काळो चोर प. २७२
 काळो टीवांणो हू. ३१४, ३१५
 काळहण जेसळ रो हू २, १५, ३६, ६२
 ,, ,, ती. ३३, ३४, २२१
 काश्यप प. २६२
 कासिब प. २६२
 किरतो आहेडोत ती १५४
 किलंग प ३३६
 किसन प २७, १२१
 किसनचंद प ३१६
 ,, हू ६२
 किसनचंद राजा ती १८६
 किसन चू डावत हू १४४
 किसनदास प १६०, १६४, ३१३
 ,, हू ८८, ६०, १२३, १३६
 ,, ती. २२६, २३१
 किसनदास अखैराजोत हू. १८७
 किसनदास करमचंद रो हू १२७
 किसनदास पचाइण रो प ३०७, ३०६
 किसनदास मेघराज रो प. ३५६
 किसनदास रायमलोत हू. १५२
 किसनदास राध लूणकरण रो प. ३१६
 किसनदास सूजा रो प ३१३
 किमन भाटी बळुओत हू १०७, १२४,
 १३४
 किमन नाहू प. १२६
 किननसिध प. ७५, ३१, २३५, २४७,
 ३०६, ३११, ३२०, ३२५, ३३०
 ,, हू ६५, ६७, १३३, १३६, १५१,

१६५, १६६, १६८, १७१, १७४
 ,, ती. २२३, २२४, २२५, २२८,
 २३०, २३१, २३२
 किसनसिंघ उर्वसिंघोत दू. १५५
 किसनसिंघ खंगारोत प. ३०६, ३०७
 किसनसिंघ गिरधर रो प. ३२२
 किसनसिंघ जूझारसिंघ रो प. २६८
 किसनसिंघ रामचबोत दू. १५८
 किसनसिंघ राजसिंघ रो प. ३०३
 किसनसिंघ राजा ती. २१७
 किसनसिंघ रायसिंघोत ती. २०७
 किसनसिंघ रावत प. ३१६, ३१७
 किसनसिंघ लूणकरणोत ती. २०५
 किसनसिंघ बाघावत प. ३१६, ३१७,
 ३२०
 किसनसिंघ सादूळसिंघोत ती. २११
 किसनसिंघ साहिबखान रो प. ३३०
 किसनसिंघ हमीरोत प. ३०५
 किसनो प. १६, ६६, ८७, १५२, १६७,
 २३५
 ,, दू. ७७, ८०, ६६, १४३, १७४,
 २००, २६२
 ,, ती. ३७
 किसनो खींवा रो प. ३६०
 किसनो जगमालोत दू. १६१
 किसनो जांभूण रो प. ३५२
 किसनो तेजसीओत दू. १६४
 किसनो नींवावत दू. १५४, १६१
 किसनो मेहाजळोत दू. १७४
 किसनो रामावत दू. १६४
 किसनो बाघावत ती. ३७
 किसनो सिंघ रो दू. २६४
 किसोरदास प. ३०७
 ,, दू. ६६
 किसोरदास गोपाळदासोत दू. १५८
 किसोरदास महेसदासोत दू. १५८
 किसोरसाह प. १२६

किसोरसिंघ प. ३१०, ३२६
 कीतपाळ प. २०५, २८०
 कीतू प. १३५, १६६, १८७, २०३,
 २४५, २४७
 कीतो प. २८
 कीतो अघतारवे रो प. ३५५
 कीतो गोगली दू. ३
 कीतो सांडा रो प. ३५४
 कीरतखां अलखा रो प. ३१५
 कीरतपाळ राठोड ती. २६
 कीरत-ब्रह्म रावळ प. ५, ७६
 कीरतसिंघ प. २६८, ३११
 ,, दू. ६१, १६६
 ,, ती. २२१, २२३, २३२
 कीरतसिंघ जसिंघ रो प. ३३०
 कीरतसिंघ ताजखान रो प. ३२४
 कीरतसिंघ राजा जयसिंघ रो प. २६१,
 ३३०
 कीरतसी राणा प. १२३
 कीर्त्तिमत ती. १८७
 कीर्त्तसेन ती. १८६
 कील प. १२४
 कीलणवे राजदेवोत प. ३३१, ३३२
 कीलू करणोत प. ३४७
 कुत प. १२४
 ,, दू. ३
 कुंतपाळ प. २०३
 कुतल प. ३३०
 कुतळ कीलणवे रो प. ३३१
 कुंतळ केल्हणोत ती. ३०
 कुतल माला रो प. १२४
 कुतल राजा कल्याणवे रो प. २६५,
 २६६
 कुतसीह प. १०१
 कुंभ प. २८७
 कुंभकरण प. ५४, १८८, ३२८
 ,, दू. ६६, ३४३

कुंभकरण ती २३१

कुंभकरण नाथावत ती. ३७

कुंभकरण रुद्र रो प ३१६

कुंभक्रन दे कुंभकरण

कुंभकर्ण दे कुंभकरण

कुंभो हू ६२, १२०, १२३, १२५, १८३

१६६, १६६, २०१

„ ती २३४

कुंभो ईसरदासोत हू १७६

कुंभो कार्पलियो प २४८, २४६

कुंभो किसनदासोत हू. १८७

कुंभो खैराडो प २७६

कुंभो चाचा रो हू ११७

कुंभो जगमाल रो हू २८८, २६०, २६१,

२६२, २६३, २६४, २६५, २६६,

२६७, २६८

कुंभो देवीदास रो हू ८४

कुंभो नरसिंघ रो प १६६, १६७

कुंभो पतावत हू १७१

कुंभो मनोहरदासोत हू १६७

कुंभो राणो हू १५३, ३३६, ३४०

„ „ ती १, २, १३६, १४६,

१५०, १६१, १६२, २४८

कुंभो वीरसिंघोत हू. १७३

कुंभो वीसारो प १६६

कुवरपाळ ती ५२

कुवर मांडणोत प ३५४

कुवरो प. ३००

„ ती १६, १७

कुकर हू ३

कुतबतारखां सुलतान प. २६२

कुतबदीन ममारख सुलतान ती १६१

कुतबदीन ती ५३, ५४, १६०

कुतुबखान हू २२४

कुतुब तातारखां दे कुतबतारखा सुलतान

कुतुबदीन मुवारक सुलतान दे कुतबदीन

ममारख सुलतान

कुदाद सुलतान ती. १६१

कुमसी (कुमरसी) रावळ प. ७६

कुरथ-सुरथ प ७८

कुरमेर रावळ प १३

कुरशो ती. २१८

कुलखत प १२३

कुळसिंघ रावळ प ८७

कुवल्याश्व ती १७७

कुश ती १७८

कुस प ७८, २८८, २६२, २६३, २६५

कुसळचंद प ३१६

कुसळसिंघ प २०८, ३०५, ३०६, ३१०

३१७, ३२०

„ हू ६४

„ ती २२३, २३१, २३५

कुसळसिंघ रायसल रो प ३०६, ३२४

कुसळो हू १३३

कूतळ चूडावत प ६६

कूतळ सीसोदियो प. ६६, ६६

कूपो ती ८१, ८३, ८४, ८५, ८७, ८६

कूपो अखैराजोत प. २३७

कूपो ऊदावत प ३६०

कूपो मालावत हू. २८८

कूपो मेहराजोत प. २०, २०७, २१२

„ „ हू १७८, १८७, १६२

कूंभो प ३६१

कूंभो कछवाहो पुणसी रो प ३२६, ३३०

कूंभो गोपाळदेशोत प ३४८

कूंभो गोयद रो प. २३६

कूंभो चंद राजा रो प ३१३

कूंभो देवराज रो प ३५६

कूंभो राणो प ६, १५, १६, १७, ५१,

५३, ५४, ६१, ३४२

कूंभो रामसिंघ रो प. ३४३

कूंभो वीरमदे रो प. ३४१

कूंभो सीहड़ रो प. ३४१

कूभो सूजा रो प. १६७
 कूभो सेखा रो प ३२८
 कृतंजय ती १७६
 कृपाळदेव ती. २१६
 कृशाश्व ती. १७७
 कृष्णादित्य प. १०
 केलण प. २०५
 ,, ती. ७२, २२१
 केलण तेजसी रो प १६३, १६८
 केलण दुजणसाल रो प. ३५५
 केलण भाटी दू ३१५
 ,, ,, ती. २०, ३४
 केलण राव प. २०३, ३५३
 केलण रावळ दू. २, ३, १२, ७५, ७६,
 १००, १०६, ११२, ११३, ११४,
 ११५, १२६
 केलण बीसा रो प. १६८
 केलहण राव ती ३६
 केलहणराव केहर रो दू ११२, ११४,
 ११५, ११६, १२६, १३७, १४०,
 १४१
 केलहण बीकावत ती. २०५
 कलहो दू ११२, ११३
 केवळदास गोयदोत प. ६७
 केवांध प. २६२
 केसर मिलक दू. ४७, ४८, ४९, ५०, ५२
 केसरसिंघ प २०८
 केसरिदेव रावळ दू २८०
 केसरीसिंघ प २७, २८, २९, ४९, ११६,
 १६१, १६६, ३०१, ३०५, ३०६,
 ३०७, ३०९, ३१०, ३१३, ३२०,
 ३२८
 ,, दू ६५, ६७, १७६, २६४
 ,, ती २२६, २२७, २२८, २२९,
 २३०, २३१, २३५, २३६
 केसरीसिंघ अचळदासोत प ३५६
 ,, ,, दू. १५६

केसरीसिंघ करणसिंघोत ती २०८
 केसरीसिंघ ठाकुर ती. १७६
 केसरीसिंघ दयाळदासोत दू. १४७
 केसरीसिंघ दूदावत दू. १६३
 केसरीसिंघ भाटी सकतसिंघोत दू १०६
 केसरीसिंघ भोजराज रो प ३२३
 केसरीसिंघ राव ती. ३७
 केसरीसिंघ रावळ प ७६
 केसरीसिंघ लाडखान रो प ३२१
 केसरीसिंघ लूणकरण रो प. ३१७
 केसवदास ती. २३१
 केसवदास देईदास रो प. २३३
 केसवदास भैरव रो प. ३१३
 केसव सर्मा प. ६
 केसवादित प. ३, ७८
 केसवादित्य प. १०
 केसो प १६६, १६६
 ,, दू १४३
 केसो उपाधियो प ३४४, ३४५
 केसोदास प २६, २७, ६५, ६८, १२८,
 १६३, १६८, २१२, ३०४, ३१५
 केसोद स दू ८८ १२१, २६४
 केसोदास अखैराजोत दू १५२, १८८
 केसोदास ईसरदास रो प. १५२, ३५४
 केसोदास कीरतसिंघ रो प ३११, ३१४
 केसोदास खगारोत प. ३०६
 केसोदास जगमालोत दू १७७
 केसोदास जसवत रो प १२०
 केसोदास जोगीदासोत दू ११६
 केसोदास द्वारकादास रो प १६१
 केसोदास नाथावत प. ३११
 केसोदास नारणदास रो प. ३२७, ३३२
 केसोदास नारायणदासोत दू २५६
 केसोदास पंचाङ्ग रो प २३७
 केसोदास पतावत दू १७७
 केसोदास प्राणदासोत दू १८३
 केसोदास भाणोत प २११

केसोदास भाटी भारमल रो दू. ८४

केसोदास मान रो प. १०६

केसोदास मालदे रो प. ३१५

केसोदास रायसिधोत दू. १६३, १६७

केसोदाम राव प. ३१५

केसोदास वाघावत दू. ६०

केसोदास सहस्रमलोत दू. ६७

केसोदास सूरजमलोत दू. १८६

केसोदास हमीरोत दू. १७६

केसोदास हाडो प. ११७

केसो मुहतो दू. १५८

केसोराय प. १३१

केसो लाडखान रो प. ३२१

केसोसेन राजा ती. १८६

केहर दू. ४६, ५०, ११६, १५२

केहर राणो भालो दू. २६५

केहर रावळ दू. १, २, १०, १४, १५,
१७, ५०, ५३, ६३, ७३, ७४, ७५,

७६, ७७, ७८, ६२, ११२, ३२५

„ रावळ ती. ३४, २२१

कैकमरी लसकरी प. ३००

कैमास दाहिमो ती. २६

कैरव ती. १५३, १५४

कैवाट दू. २०२, २०७

कोजो चूडा रो प. ३५१

कोदो रावत ती. १७६

कोळीसिध प. १५१, १५२

कौरव दे कैरव

कोमल्य प. ७८

क्यामखान ती. २७३, २७४

कनराय प. २८६

कतागराज प. २८६

कन बानेसवर प. १६१, १६२

कन्न प. २७८

कमपाळ प. २८६

कन्न ती. १७६

कोमराल ती. ५०

कुद्रक ती. १८०

कुद्रकराय प. २८६

कुमध्वनि दे खेमधुनी

ख

खंगार प. १५, २७, ३६, ४७, ८६,

६२, १५०, १५५, ३१३

„ दू. ८१, १२३, १२४, १४०, २०६

२१५, २१६, २१८, २१९, २२०,

२२१, २२२, २२३, २४१

खंगार जगमालोत प. ३०४

खंगार तेजमाल रो दू. १२५

„ „ „ ती. ३७

खंगार जांभण रो प. २४०

खंगार देपा रो प. ३६३

खंगार भगा रो, भील प. ४७

खंगार भाटी नरसिध रो दू. १०७

खंगार राव दू. २०२, २३८, २३९, २५४

खंगार रावत रतनसीधोत प. ३६, ६६

खंगार राहिव रो प. ३५८

खंगारसिध ती. २३१, २३२

खंगारो हमीर रो प. १५

खंगारो प. ३५२

खंगारो थोरी ती. ५६

खटवांग ती. १७८

खडगल तुवर प. ३२०

खडगसिध ती. २३२

खडगसेन प. ३१२

„ ती. २२३, २२८

खरहय डूगरसी रो प. ३२६, ३५६

खरहय बाला रो प. ३२६

खलमल थोरी ती. ५६

खवासण घाई भाई प. ७१

खडिराव प. ३३१

खान दू. ३००, ३०१

खान खानो प. ३२५

खान दोगी ती. २७८

खान नापा रो प. ३३१
 . खानजिहां प. २६६, ३०५, ३२१
 ३२२, ३२६
 खान मिरजी ती ६६, ७०, ७१, ७२
 खान हबीब प ३०७
 खानजहा दे खानजिहां
 खापू थोरी ती ५६
 खाफरो चोर प. २७२, २७३, २७४, २७५
 खिजरखां लोदी ती. १६१
 खिलचखां ती. १६१
 खिलजी प ६, १४
 खींदो प. १६६
 ,, ती. १४५, १४६
 खींदो गोयव रो प. १६५
 खींदो बारहट हू ११८
 खींदो वेरा रो प ३४१, ३४३
 खीमरो वुजणसाल रो प. ३५५
 खींषकरण प ३२५, ३२८
 खींवरज प. १६३
 खींवरज खिड़ियो प २०, ४८, ६६
 खींवरज घघवाड़ियो प ६०, १८०
 खींवसी रांगो अणखसी रो प. ३४६, ३५२
 खींवसी सुरतांगोत प. ३४३
 खींवो प. १६, ६१, ६२, १०१, १४५,
 १५१, १५३, १६०, १६६, १७१,
 १६५, २०७
 ,, हू ८१, ८४, १२२, १२४, १४३,
 १६६
 खींवो करण रो प ३६०
 खींवो जसहट रो प ३४७
 खींवो जेठवो हू. २२१
 खींवो राव हू. १८४
 ,, ,, ती. ३७
 खींवो रावत सेखावत हू. १२१
 खींवो वरजांगोत हू. १६२
 खींवो सोढो प. ३६१
 खींवो सोनगरो हू- १२७

खीटवाळ हू. १, ६
 खीमपाळ ती. २१६
 खीमराज दे. खेमराज
 खीमरो प. ३५५
 खीमो ती. २३५
 खीमो ऊदावत ती. १००, १०१
 खीमो मुहतो ती. ६५, ६८, ६९
 खीमो राव पोकरणो ती १०३, १०४,
 १०७, ११०, १११, ११२, ११३,
 ११४
 खीर हू.
 खीरथुर प ७८
 खीरज प. ७८
 खुघु प. ७३
 खुमांणसिघ रावळ प. ७६
 खुरम प. २४, २६, २८, २९, ३०, ४८,
 ५३, ५६, ५८, ५९, ३०१
 खुरम साहजादो हू १४८, १५२, १५६,
 खुशरो दे. खुसरू सुलतांण
 खुसरू सुलतांण ती १६१
 खूंट (चारण) हू. २०२, २०३
 खूमांण रावळ बापा रो प. ४, १२, ५६,
 ७८
 खेकादित्य प १०
 खेढो वानर प २५०
 खेतसी प. १५, २३६, ३४३
 ,, हू ८५, १०४, १०५, १०६, १८५
 खेतसी अरडकमलोत ती १६, १७
 खेतसी ऊदा रो प. २४१
 ,, ,, हू १७३
 खेतसी किसनदासोत हू. १८७
 खेतसी जाड़ेचो हू २०६
 खेतसी जींसिघदे रो प. ३५२
 खेतसी तेजसी रो प ३५७
 खेतसी घांघू प. १५२
 खेतसी नेता रो प. ३५२
 खेतसी मडलीक रो हू. १२१

खेतसी महीरांघण रो प ३६०
 खेतसी मालदेओत हू ६, ६३, ६४, ६५,
 ६६, ६७
 खेतसी मालदेओत ती. ३५, २२०
 खेतसी रांणो प. १५
 खेतसी रांम रो हू १४१
 खेतसी राव हू १३२
 खेतसी साइळोत हू. १६८
 खेतसीह रतनसीहोत प ६७
 खेतसीह रतनसीहोत ती. ४१, ४२, ४३,
 ४४, ४५, ४६, ४७, ४८
 खेतो प. ६, १५, १६, ५६, २५०
 „ हू ७५, ७७, ८१, १४३
 खेतो कांपलियो प. २४६
 खेतो तेजा रो प ३५२
 खेतो परबत रो हू ८१
 खेतो भाटी हू ६६
 खेतो राणो प ६
 खेतो रांणो हू ३२५
 खेतो सहसमल रो प ३५२
 खेमघन प ७८
 खेमघुनी ती १७८
 खेमराज प २५६
 „ ती ४६
 खेम सर्मा प ६
 खेमादित्य प १०
 खेमो किनियो-चारण ती. ६१
 खेलूजी ती २७६
 खैराज खरहय बाला रो प ३२६
 खैराज राघत कीलणदे रो प. ३३१
 खोखर हू ३१०
 खोटीवाळ हू. ६
 खोहराव प १६५

ग

गंग ती १५३
 गग राणा चाह रो दे. घणसूर
 गगादास प ४३, ४६, ३५८
 „ हू ८०, १६८
 गगादास वैरसल रो प. ३५३
 गगादित्य प १०
 गगाधरादित्य प. १०
 गजमादित्य प. १०
 गद्रपसेन राजा ती. १७५
 गघपाळ प २६०
 गघर्वसेन दे. गंद्रपसेन राजा
 गध्रपसेन प ३३६, ३६८
 गजनीखान हू ६७
 „ ती. १२४, १२५
 गजनी पातसाह हू ३३
 गज सर्मा प ६
 गजसिध प १६, २६, २७, ६८, १३३,
 १६१, १६७, २२७, २३३, २४७,
 २६६, ३००, ३०१, ३०८, ३१५,
 ३२८, ३४२
 „ हू १३४, २५७
 „ ती २२१, २२५, २२६, २२७
 गजसिध केसोदासोत प ३१०, ३११
 गजसिध कुवर हू १५५, १६६, १६४
 गजसिध जोघा रो प ३५६
 गजसिध महाराजा (जोघपुर) हू ११०
 „ „ ती १८२, २१४
 गजसिध महाराजा (वीकानेर) ती ३२
 १८०, १८१, २०८
 गजसिध राजा प ३२५, ३४२
 गजसिध राजा हू ८१, ६८, १५६
 गजसिध हरनाथोत प ३२३
 गजू अक्ताखदे रो प ३५५, ३५६
 गर्जसी प ३४२
 गजो भांभा रो प. १६२

गजो रिणमल रो प १३६
 गहू प १६
 गणेशदास राव ती ३६
 गदाकर प २६२
 गयासुदीन तुगलक साह ती १६१
 गयासुदीन बलवंड ती १६१
 गयासुदीन बलवंड (बलवन) दे० गया-
 सुदीन बलवंड
 गरीबदास प ३१, १५८, ३२५, ३२८
 „ दू. ६२
 गरीबनाथ जोगी दू २०६, २१०, २११,
 २१२, २१४
 गहनपाळ प. १३०
 गहर राव दू. २०२
 गहरवार प. १२८
 गागो प ७६, १३७, १४१, १५६, ३४३
 „ दू ७५, ८१, ८८
 गांगो किसनावत दू १६७
 गांगो खोंवे रो दू. १२१, १२२
 गांगो गोयद रो प ३५६
 गांगो चांपा रो (चोपा रो ?) प ३५५,
 ३५८
 गांगो डूगरसीओत ती. ८४
 गांगो नरसिंघ रो प. ३४३
 गांगो नींबावत दू. १५४, १६१
 गांगो भाखरसी रो प ३६३
 गांगो भाटी धीरमवेओत दू १००
 गांगो भैरवदास रो प. २४१
 गांगो राव ती ८०, ८१, ८२, ८३, ८४,
 ८५, ८६, ८७, ८८, ८९, ९०, ९१,
 ९२, ९३, ९४, १८२, २१५
 गांगो रावळ प. ७६
 गांगो घरजाओत दू. १६२
 गांगो हमीर रो प. ३५८
 गाडण सहजपाळ प. २२५
 गात्रङ्ग प. ५, ७६
 गात्र रावळ प १२

गारियो दे० गाहरियो
 गालण राव प २५३
 गालवदेव सर्मा प. ६
 गालव सर्मा प ६
 गालवसुर सर्मा प ६
 गाहड दू २, ३३
 राजा गाहडदेव (गाहडवे) ती. ४६
 गाहर राव दे० गहर राव ।
 गाहरियो दू. २०२, २०६
 गिरघर प. २७, ४६, ७६, ३०७, ३०८,
 ३१६, ३२२, ३२५, ३२७, ३२८,
 ३४३
 „ दू ८८, ९५, ९७, १२२, १२३
 गिरघर अचळदास रो प. ३०७, ३२५,
 ३२७
 गिरघर कूभार प ३५३
 गिरघर चादावत ती. २४६
 गिरघरदास प ३२६, ३४३
 गिरघरदास दू १८५
 गिरघरदास नराहणदासोत प ३०५,
 ३२६
 गिरघरदास माधोदासोत दू. १४६
 गिरघरदास रायसलोत प ३२१, ४४३
 गिरघरदास सुरजनोत दू १८५
 गिरघर भाटी गोवरधनोत दू. १०६
 गिरघर राजा प ३२६
 गिरघर रावळ प. ७६
 गींदो प २५३
 गीगन राणो दू. २६५
 गुणरग मंडळीक प. १२३
 गुमार्नसिंघ ती २२७, २३१
 गुरुक्रिय ती. १७६
 गुरु गोरख दे० गोरखनाथ
 गुरुप्रिय दे० गुरुक्रिय ।
 गुलार्नसिंघ सिरवारसिंघ रो.प १२१
 गुहादित्य प. ३, ७
 गुहिल प. १

गूगो जगदेव रो प ३३७
 गूंडराज प २५६
 ,, ती. ४६
 गूडो प. १२७, १२८, १३१
 गूदळराघ खीची, प्रथीराज रो सांवत
 प २५१, २५२, २५३
 गूवडसिंध आणवसिंधोत ती. २०८
 गैचव प. ३३८, ३३९
 गैमल गजसिंधोत ती. ३०
 गैहलडो प. ३३७
 गोइवदास दे० गोयंददास ।
 गोकळ दू० १४०, १७४
 गोकळदास प २६, ६६, २०८, २०९,
 ३०९, ३१२, ३१६, ३२५
 ,, दू. ६७, १२०
 गोकळ पेंवार प. ३४३
 गोकळ पतावत दू. २००
 गोकळ रतनू दू. ६, ३१
 गोकळ सोढो प ३६१
 गोम रांगो दू २६५
 गोगादे ऊगमणोत ती. ३१
 गोगादेजी प. ३४७, ३४८, ३४९, ३५०
 गोगादे धीरमोत दू. ३०४, ३१२, ३१७,
 ३१८, ३१९, ३२०, ३२१, ३२२,
 ३२३
 गोगादे धीरमोत ती ३०
 गोगारांम प ३२३
 गोगो प १३५
 गोगोजी चहुवांण ती. ६२, ७२, ७३, ७४,
 ७५
 गोतम दू. ६
 गोतमादित्य प १०
 गोदभ प ३३६
 गोदसीदित्य प १०
 गोदसीस मर्मा प ६
 गोदो राजसिंधोत ती ३०
 गोपाळ प. १७, ३२६

गोपाळ दू. ७८
 गोपाळ फांन्हा रो प. ३५२
 गोपाळ खेतसी रो प. ३६०
 गोपाळदास प. २६, ६८, १६१, २३६,
 ३०१, ३१३, ३१७, ३४३, ३६२
 ,, दू. ८१, ६१, ६२, ६३, ६५,
 १०८, १२२, १२८, १६१, १६७
 ,, ती. २३०, २३१, २३२
 गोपाळदास आसावत दू. १४५, १४६
 गोपाळदास ऊहड प. २४३
 ,, ,, दू. ६६, १०० १०२,
 गोपाळदास कल्याणमलोत ती. २०६
 गोपाळदास किसनदासोत प १५२
 गोपाळदास गिरधर रो प. ३२२
 गोपाळदास गौड़ प. ३०१
 ,, ,, ती. २७२
 गोपाळदास जेसावत दू १४६
 गोपाळदास घनराजोत दू. १२२
 गोपाळदास नायावत प. २६०
 गोपाळदास प्रथीराज रो प. ३०६
 गोपाळदास भाटी आसावत प. १६१
 गोपाळदास भींवांत दू १६४
 गोपाळदास मांडणोत दू १६७
 गोपाळदास मेरावत दू. १८८
 गोपाळदास रांणावत दू. १६८
 गोपाळदास राठोड़ दू २०१
 गोपाळदास सहसमल रो प ३१४, ३१७
 गोपाळदास सांवतसीओत प. २३४
 गोपादासळ सु वरदासोत दू. १५२
 गोपाळदास सुरताणोत दू ६८
 गोपाळदास सूजावत ती २७४
 गोपाळदे प ३४६
 गोपाळदे सींघल प २५७
 गोपाळ राघ प. १५३, २५६
 गोपाळसिंध प ३०१
 गोपाळ सूजा रो प ३२५, ३२६
 गोपिंड प. ३३६

गोपीचंद राजा ती. १८६
 गोपीनाथ प. १२०, ३०५, ३१५, ३१६,
 ३२६
 गोपो प १६
 „ हू १२, १७४
 गोपो अखैराज रो प २३८
 गोपो गंगादास रो प. ३५३.
 गोपो देवडो हू १००
 गोपो रांमा रो प ३५७
 गोपो रावळ प. १६, ७६, ८६
 गोपो राव धीकूपुर ती. ३६
 गोपो रिणमलोत हू १४१
 गोयंद प. १२, १७, ७८, १६४, १६५,
 १६६, ३२६
 „ हू ७७, ८०
 „ ती. ११४
 गोयव ऊदा रो प. ३६०
 गोयव ऊहड हू १००
 गोयंद कूपावत ती. १२३
 गोयव खगार रो प ६६, ६२, ६३
 गोयवदास प. ६६, १६४, १६५, १६७,
 २३४, २३८, २३९, २४३, ३०८
 „ ८८, ६४, १२२ १२३, १२५,
 १८३, १८६, १८८
 गोयददास आसकरणीत हू. १३६
 गोयददास ईसरदास रो प ३५४
 „ ईसरदास रो हू. १०६]
 गोयददास उग्रसेनीत प २५६, ३२०
 गोयददास किसनावत हू. १६७
 गोयददास जेसावत हू. १५०
 गोयददास तेजसी रो प ३५४
 गोयददास देवडो देवीदास रो प. १४३
 गोयंददास पचाइणीत हू ११६
 गोयददास प्रताप रो प. १५६
 गोयंददास बलभद्रोत प ३०७
 गोयददास भाटी हू ८१, १००, १५०,

१५५, १५८, १६१, १६२, १६३,
 १६६, १७४, १८६, १८३, १८४,
 १८६
 गोयददास मानावत हू १५४
 गोयददास लखावत हू. १६१
 गोयददास सहसमल रो हू. ६६, १५६.
 गोयददास सूरजमलोत हू. १२८
 गोयददास हमीरोत हू. १८०
 गोयद देवडो हू १००
 गोयद राजधर रो प. ३५६
 गोयदराज सोळकी प. २८१
 गोयदराव प २५१
 गोयद रावळ प १२, ७८
 गोयद सवितासी रो हू ७८
 गोयद हमीर रो प. ३५८
 गोरखदान (कतर) ती २२७
 „ (गैडाप) ती. २२७
 गोरखनाथ हू. २११, ३२०
 „ ती. ७६
 गोरधन गिरधर रो प ३२२
 गोरधन रांमसिध रो प ३४३
 गोरो प २५२
 गोरो राधावत पडिहार प. १५२
 गोरो सोनगरो ती. २८०, २८६, २९०,
 २९१
 गोवद रावत खगार रो प ६२, ६३
 गोवरधन प ६८, १६०-
 „ हू. ६५, १२२, १२३, १८६
 गोवरधन कूभा रो प ३४१
 गोवरधनदास प ३१६
 गोवरधन सर्मा प ६
 गोवरधन सुंदरदासोत प ११७, १२५
 गोवरधन सोडो प. ३६१
 गोवरधनादित्य प १०
 गोविंद कधियो-चारण ती. २७०
 गोविंदचंद राजा ती १८६

गोविंददास प ३०४, ३०८, ३१६, ३२६

,, ती. २३१, २३२, २३४

गोविंददास उपसेणोत प. ३२०

गोविंददास बलभद्रोत प. ३१८

गोविंददास भाटी हू २५३

गोविंदपाल राजा ती १८८

गोविंद राजा ती. १८६

गोविंद सर्मा प. ६

गोविंदादित्य प १०

गोशील दे० गोशील राणो ।

गोशील राणो ती १७५

गौतम प २६३

ग्यांनसिंघ प ३००

ग्रहादित प ३, ७८

ग्रहादित्य प १०

घ

घडसी प २३१

घडसी रतनसीओत हू, २८८

घडसी रावळ हू १०, १३, ५२, ५३,

५४, ६६, ६७, ६८, ६९, ७०, ७१,

७२, ७३, ७४, ७५, ११२, ११३,

२८५

,, ती. ३४, २२१

घडसी रायमलोत हू १८६

घडसी घीकावत ती. २०५

घडसी सोढो प ३६१

घणर दे० घणसूर

घणसूर (रांणा चाहडरो बेटो) ती. १५३,

१६६

घनादित्य प १०

घाघडदे (राजा) ती ४६

घायडदे ती ४६

घोघो श्रवतारदे रो प. ३५५

च

चंडो प १६

चंद प २८७

चंद उधरण रो प. ३१३

चंदगिर प. २६०

,, ती. ५०

चंद रांणो परमार ती. १७५

चंदराज प ३५८

चंद राजा प ३१३

चंदराव हू. ७६

चंदेल घुंघमार रो ती. २१८

चंदो प. २६, १४२, १७३

चंदो राव ती. २४८

चंद्रपाल राजा ती. १८८

चंद्रभांण प. ३२७, ३२८

चंद्रभाण जेतसी रो प ३१५

चंद्रभाण दुरजणसाल रो प. ३०५

चंद्रभांण परसोतम रो प ३२३

चंद्रभांण रांमसिंघोत प. ३२०

चंद्रभांण सांवळदासोत प १०२

चंद्रभाण हिरदैरांम रो प ३२४

चंद्रमिण प १३०

चंद्र राजा प १३०

चंद्रराव प २५१

,, हू १६८

चंद्र रावळ प. २०४

चंद्रव रतनू-बारहठ हू ५४

चंद्रशेखर कवि ती. २६६

चंद्रसेण ती. २३०

चंद्रसेण राव प. २३, ७८, १६४, १६८,

२०८, २३७, २३९, २४३, २६०,

३५६

,, राव हू. ६७, ११६, १२७, १३२,

१४५, १६१, १६३, १६७, १६८,

१६९, १७५, १८६, १८४

,, ,, ती १२८, १८२

चंद्रसेण राजा उद्धरण रो प. २९७
 चंद्रसेण पता रो प. ३५५
 चंद्रसेन प. ७८, २९०
 चंद्रसेन दू. १३४
 चंद्रसेन भालो दू. २५६, २६३
 चंद्रसेन भालो मानसिध रो दू. २५६
 चंद्रसेन दुधसेन रो प. २६२
 चंद्रसेन भगवंतदासोत प. २६१
 चंद्रसेन भाटी दू. ८१
 चंद्रसेन राणो रायसिध रो दू. २५४,
 २५५, २५६
 चंप ती. १७८
 चंपक दे० चंप ।
 चंपतराय प. १३१
 चंपराय प. ११६
 चकतो भोपत रो ती. ३७
 चक्रसेन प. १२७
 चतुरंग प. २८६
 चतुरभुज जोगीदासोत दू. १८५
 चतुरभुज रायसिधोत दू. १६४
 चतुरसिध प. ३२१
 चतुरसिध भगवत रो प. ३२६
 चतुरसिध (रावतसर) ती. २२६
 चतुरसिध रूपसी रो प. ३०६, ३१२,
 ३२१, ३२३
 चतुरसिध हररामोत प. ३२४
 चतुर्भुज (रगाईसर) ती. २२६
 चत्रभुज प. २८, ६६, १३३, २६०, ३०८,
 ३१८, ३२५
 चत्रभुज दयाळदासोत ती. २१३
 चत्रभुज प्रथीराजोत प. ३११
 चत्रभुज मालदे रो प. ३१५
 चत्रसाल प. ३१५
 चरढी ती. १४०
 चरढो चंद्रावत दू. ३४२
 चहुवांण प. ११६

चहुवांण ती १५३, १६६
 चावण प. ३१५
 चांदण खिडियो दू. ३३३, ३३४
 चांदण सोढो प. ३६३
 चांदराज जोधावत ती. ११६, ११७, ११८
 चांदराव अरडकमलोत ती १४०
 चाद, राव जोधा रो प. ३५७
 चांदराव रतनसी रो प. ३५८
 चांदराव वाघोत दू. १४६
 चादरो भीमसी रो ती २३६, २४०, २४७
 चादसिध प. ३२३
 चादसिध (लाविया) ती. २५३
 चादसिध सूरसिध रो प. ३००
 चादसे (चद्रसेन) प. ७८
 चांदो प. १५४, १५५, १५६, १५७,
 १५६, १६४, १६८
 ,, दू. ६५, ६६, १४२, १६७
 चांदो खीची दू. १८६
 चांदो गांगा रो प. ३६३
 चांदो खूंडावत ती ३१
 चादो जगमाल रो दू. ६८
 चादो थोरी ती ५१, ६१, ६३, ६५,
 ६६, ६८, ६९, ७०, ७१, ७५, ७६,
 ७७, ७८, १२१
 चांदो नारण रो प. ३५८
 चांदो मांडण प. २४३
 चांदो मेहवचो दू. ६५
 चांदो रायमलोत दू. १२३
 चांदो रावत दू. १२२
 चांदो ब्रिहळ प. २२४
 चादो सूजा रो प. ३२५
 चानणदास (चांदण) दासा रो प. ३१४,
 ३१५
 चानण दास रो प. ३१५
 चांपो प. १६३, १६७
 ,, दू. १४४

चांपो गगादास रो प ३५३
 चांपो छेनो हू १६
 चांपो तेजसी रो प ३५७, ३५८
 चांपो पूना रो प २००
 चांपो बालो हू २०५
 चांपो भाखरसी रो प ३५६
 चांपो रांपो हू. ६
 चांपो सामोर-चारण ती १६८
 चामुडराय प २५२, २५६
 चांवडवे हू. ३२
 चाच प २६१, २८०, २८८
 चाच हू १५
 चाचग आसथान रो ती २६
 चाचगदे प ३६३
 चाचगदे करमसी रो, रावळ प २०३,
 २०४
 चाचगदे कालण रो, राखळ हू १०, ३८,
 ३६, ६२
 „ कालण रो, रावळ ती ३३. २२१
 चाचगदे वेंरसी रो हू ११, ४२, ४३
 चाचगदे सोडें रो प. ३५५
 चाचग वीरम रो प ३४०
 चाच राणो प १२३
 चाच सोळकी प. २६१, २८०, २८८
 चाचो प १५, १६
 चाचो हू ३३८, ३३६
 „ ती १३४, १३५, १३६, १३७,
 १३८, १४६
 चाचो काना रो प. ३५८
 चाचो केल्हण रो हू ११६, ११७, १२६,
 १३७
 चाचो पूना रो हू. ६६
 चाचो राव ती ११३
 चाचो राव (पूगळ) ती ३६
 चाचो रावळ ती. ३४, ३५
 चाचो रावळ वेंरसी रो हू ११, ८०,

८२, ८३, ६२
 चाचो सिवा रो प ३५१
 चाचो सीसोदियो ती. १३४, १३५, १३६
 चापोत्कट हू. २६६
 चामडराज प. २५६
 चामड राजा ती ४६
 चामुडराय ती ५०
 चामडराय दाहिमो प २५२
 चाय प ११६
 चालुक्य हू २६६
 चावडराज प. २६६
 चावडो प २०४, २६०
 चावोटक दे० चापोत्कट ।
 चासळ थोरी ती. ५६
 चाह चहुवाण रो ती. १५३, १६६
 चाहडवे प. १८६
 चाहवाण प ३६५
 चित्ररथ राजा ती. १८५
 चित्रसेन राजा ती १८७
 चित्रागद मोरी ती. २८
 चित्रागद राजा परमार ती. १७५
 चिराई बारहठ आसराव रो हू ७४
 चीगसखा हू २०२
 चीवो प. १६६
 चीर सर्मा प ६
 चूडराव प २५६, ३४३
 „ ती ४६
 चूडराव वेला रो प ३४१
 चूडो जसहड रो हू ३०४, ३०५, ३०६,
 ३०७
 चूडो राव प. १५, १६, ३४७, ३४८,
 ३५०, ३५३
 „ राव हू ६५, ८४, ११४, ११५,
 २८५, ३०८, ३०९, ३१०, ३११,
 ३१२, ३१३, ३१४, ३१५, ३१६,
 ३२४, ३२८, ३२९, ३३६

चूडो राव ती. ३०, १२६, १८०

चूडो लाखावत रांगो प. ६६

„ „ „ दू. ३३१, ३३२,

३३३, ३३४

चूडो हरभम रो प ३५१, ३५२

चूडासमो दू १, १६

चैनसिध (कुभाणो) ती २२८

चैनसिध (गैमल्यावास) ती. २३५

चैनसिध (भेळू) ती. २२५

चोथो रजपूत ती. १२६

चोरग राव प. २२६

चोरासी-मिलक प ८०, ८१, ८२

चोहथ प. २००

चोहिल सूत्रधार प ३५३

चोहथ ईंदो ती. १३३

च्यवन प. ७८

छ

छतरसिध दे० छत्रसिध (कतर) ।

छत्रपति शिवाजी प. १५

छत्रराज प. २८६

छत्रसिध प. ३२६

छत्रसिध कछवाहो प. ३१, ३०५

छत्रसिध (कतर) ती. २२७

छत्रसिध माधोसिध रो प. २६९

छाजू चंदावत ती. २४०, २४१, २४२,

२४३, २४७

छाडो राव ती. ३०, १८०

छाताळ प. ३१०

छाहड घरणीवराह रो प. ३५५, ३६३

छाहूर दू. २०६

छीकण दू. १, ११, १७

छीतर प ६२

छीतरदास प. ३०७, ३०८

छीतरदास दयाळदासोत दू १४६, १४७

छीतर नरा रो प. ३१३

छीतर पूरणमल रो प ३१३

छेनो दू. १, ११, १६

छोहिल राजपाळ रो प. ३३६, ३४०

ज

जगजीवणदास ती २२४

जगजोत जोसी प. १८०

जगतमिण प १३०

जगतसिध प. ६, १५, २२, २५, ३१,

३३, ३५, ४५, ६८, ६६, ११७,

१२१, २०६, २६१, ३१०

„ दू १२२, १५७

जगतसिध अचळदासोत दू. १५६

जगतसिध अमरसिधोत प. ३०३, ३१०

जगतसिध जसवतसिधोत दू. १०६

„ „ ती ३६, २२०

जगतसिध (जेसळमेर) ती. २२०

जगतसिध (नोंवां) ती. २२५

जगतसिध (नोंबोळ) ती. २३६

जगतसिध (मलकासर) ती २३०

जगतसिध मानंसिध रो प. २६१, २६७

जगतसिध (रावतसर) ती २२६

जगतसिध (साखू) ती २२४

जगतसिंह राजा ती २७२

जगतहर प १२७

जगदीशसिंह गहलोत ती. २६६

जगदे दू १२४

जगदेव प ३२२

जगदेव पवार (परमार) प ३३६, ३३७

„ „ „ ती. १७६

जगदेव राव आसकरण रो दू. १३६, १४०

जगदेव राव (पूगळ) ती. ३६

जगधर प. १२४

जगनाथ प. २७, ६७, ६६, ११३, १६५,

२३६, ३०६, ३१६, ३६२

„ दू. ६१-११६, १२३, १६५,

१७१, १६८

जगनाथ अमरा रो प. ३५६

जगनाथ ईसरदासोत हू ६४, १०६
 जगनाथ उर्देसिघोत प ३०८, ३१४
 जगनाथ कलावत हू १६२
 जगनाथ कल्याणदास रो प ३४३
 जगनाथ किसनदासोत हू. १८७
 जगनाथ गोइवदासोत प ३१७, ३२५,
 ३२७

जगनाथ जसवतोत प. २०६
 जगनाथ देवडो प. १६५
 जगनाथ नांदा रो प ३५८
 जगनाथ प्रणीराजोत हू १६३
 जगनाथ भाखरसीओत हू १६८
 जगनाथ भारमल रो प २६१, ३००,
 ३०१

जगनाथ भैरवदासोत हू. १६६
 जगनाथ माघोदासोत हू १६३
 जगनाथ मुंहतो हू १३१
 जगनाथ राघोदासोत हू. १४८
 जगनाथ राजा प २६१, ३१४
 जगनाथ राजा हू १५५
 जगनाथ राव हू १६७
 जगनाथ रूपसीओत हू १४७
 जगनाथ विजा रो हू १०४
 जगभाण प ३१०
 जगमाल प. १८६, २३२, ३४३, ३६२
 ,, हू ७७, ८४, ६४, १०७, १२१,
 १२२, १२६, १२८, १५६, १६६
 ,, ती. २३४

जगमाल कल्याणदास रो प ३४३
 जगमाल चद्रसेणोत प २६०
 जगमाल जैसिघदेवोत प २४२
 जगमाल देवडो प १३६, १६०
 जगमाल नेतसी रो प २४०
 जगमाल पचाइणोत हू १७७
 जगमाल प्रणीराज रो हू ६८
 जगमाल भाटी खीवावत हू १३२

जगमाल भारमल रो प ३१७
 जगमाल मालावत प. २४६, २५०
 ,, ,, हू. १३, १४, २४,
 ५४, ५५, ६८, १०३, २८५, २८६,
 २८८, २८९, २९०, २९१, २९७,
 २९६, ३००
 ,, मालावत त . ३, ४, २५२, २५३, २५४
 जगमाल रांणा उर्देसिघ रो प. २२, २३,
 २४, २८, १६६
 जगमाल रायमल रो प. ३२६
 जगमाल रावत प १४३
 जगमाल रावळ उर्देसिघ रो प ७०, ७१,
 ७२, ७३, ७४, ८७
 ,, रावळ उर्देसिघ रो ती २६६
 जगमाल राव लाखावत प. १११, १३५,
 १३६, १६०, १६१
 ,, राव लाखावत हू १६१
 ,, ,, ती २१५
 जगमाल रिणमलोत हू. १२, १४१
 जगमाल वरजांगोत प २३२
 ,, ,, हू १६१
 जगमाल वरसल रो हू. ११८, ११९,
 १२०, १२७
 जगमालसिघ (भनाई) ती. २२४
 जगमालसिघ (साडवो) ती २२४
 जगमाल सोसोदियो उर्देसिघ रो प १५०,
 १५१, १५२
 जगमाल सोसोदियो बाघावत प ६६
 जगमाल हाडो प ५०
 जगराम प ३०२
 जगराम जवणसीओत मोहिल ती १६५
 जगराम (जुणलो) ती २३६
 जगराम (नीबाज) ती २३५
 जगराम (नीबोळ) ती. २३६
 जगराम (रास) ती २३५
 जगरूप प. २६, ६८
 ,, हू १३४

जगरूप जगनाथ रो प. ३०१
 जगरूप प्रतापसिंघ रो प. ३१५
 जगरूपसिंघ ती. २२४
 जगरूपसिंघ परमार ती. १७६
 जग सर्मा प ६
 जगसी मुंघ रो दू. ३१
 जगसी सींधळ प. २२६
 जगहथ खेतसी रो प २४१
 जगहथ घूहडजी रो ती. २६
 जगहथ मेहाजळ रो प ३५१
 जगादित्य प १०
 जगो प ५१, ६७
 „ दू. ८८
 जगो आसल रो प ३४३
 जग मुंडावत ती ४७
 जगो लाडखान रो प. ३२१
 जगो सोळकी दू. १०७
 जगो हमीरोत दू. ८०
 जजात राजा दू. ६
 जतहर दे० जगतहर ।
 जट्ट राजा दू. ६, १६
 जनकादित्य प. १०
 जनकार सर्मा प. ६
 जनमेजय दे० जनमेज राजा ।
 जनमेज राजा प. ८ १०
 „ „ ती. १८५
 जन सर्मा प ६
 जनागर दू. २०६
 जन्हु प. ७८
 जबदू प १०१
 जबो सींगटोत मोहिल ती. १६५, १६६
 जमलो अहीर दू. २२६, २२७, २२८
 जयचंद ती. १८०
 जयदेव राजा परमार ती १७६
 जयवंत घुघमार रो ती २१८

जय सर्मा प. ६
 जयसिंघ (कूदसू) ती २२६
 जयसिंघ (केलणसर) ती २२६
 जयसिंघदेव लघु (अणहिलपुर) ती ५१
 जयसिंघ (पातळासर) ती २३३
 जयसिंघ महार्सिघोत प. २६१
 जयसिंघ राजा प. २६१, ३१७
 जयसिंघ (लखमणसर) ती २३३
 जयसिंहदेव (अणहिलपुर) ती. ५१
 जरसी, राव कीलणदे रो प. ३३१
 जरसी रावळ प. २६६
 जलादित्य प १०
 जलाल जळूकी ती ६६
 जलालदीन अकबर पातसाह ती. १६२
 जलालदी सुलतान प. २०३
 जलालदी सुलतान ती. १६१
 जलालुद्दीन दे० जलालदी सुलतान ।
 जलालुद्दीन अकबर दे० जलालदीन अक-
 बर पातसाह ।
 जलालुद्दीन सुलतान प २०३
 जवणसी कुतल रो प. २६०, २६५
 २६६, ३२६, ३३०
 जवणसी मोहिल ती १६५
 जयानसिंघ (रास) ती २३५
 जसकर प. ६
 जसकरण प १५, ३०६
 „ दू. ६४
 जसकरण (छिपियो) ती २३७
 जसकरण नरहरदास रो प ३०८
 जसकरण (बासो) ती २३७
 जसकरण भीम रो प. १२१
 जसचंद घुघमार रो ती. २१८
 जसपाल रांगो ती. १७६
 जसमाई प २६२
 जसराज (कल्याणसर) ती. २२७
 जसराज रावळ कल्याणदे रो प २६५

जसवंत प ६, २५, २७, २६, ६७, ७६,
१६३, १६५, १६८, १८७, २०८,
२१२, २८५, ३१३, ३२५
,, दू ७८, ८८, ६१, ६३, ११६,
१२२, १२४, १२८, १२६, १४०,
१७४, २५२, २६४

जसवत करमसी रो प १२०

जसवत केसोदास रो प ३१३

जसवत डूगरसीओत दू. १५१

जसवंत नारणदास रो प. ३५८

जसवंत फरसराम रो प. ३१६

जसवत भाटी दू ७६, १०८, ११६,
१२२

जसवत मदनसिध रो प. ३१७

जसवत मानसिधोत प २१२

जसवत रावत नरहरोत प ६६

जसवंत रावळ प ७६

जसवत-रूपसीओत दू १४८

जसवत लूणकरण रो दू. ८१

जसवत बीजड देवडा रो प १३४, १८१

जसवत (जसूत) बीरमदेओत दू ११७

जसवत वीरसलोत दू. ८०

जसवंत सादूळोत दू. १६१

जसवतसिध प २६, १३०, १७२, २११,
२३४, २७६

जसवतसिध (कलासर) ती. २३०

जसवतसिध (पल्लू) ती २२६

जसवतसिध (महाजन) ती २२८

जसवतसिध महाराजा प. २११

जसवतसिध महाराजा दू १०५, १०६,
१०८

जसवतसिध महाराजा प्रथम (जोधपुर)

ती १८२, २१४, २१६

जसवतसिध राजा दू. १५७, २०२

जसवतसिध रावळ ती. ३६, २२०

जसवतसिध रावळ अमरसिधोत, दू. १०६-

जसवंतसिध (सांडवो) ती. २३२

जसवंतसिह महाराजा प २३४

जसवत हरीदासोत दू १६२

जसवीर उदसी रो प २०३

जसहड प. ३६३

जसहड आसकरणोत दू. ७४

जसहड (जिसळमेर) ती २२१

जसहड जैमुख रो प. ३५५

जसहड पाल्हण रो दू. २, ३६, ४३, ५३,
५४, ५५, ६४, ६५

,, पाल्हण रो ती. ३४, २२१

जसूत नाथावत प ३०६, ३१०, ३१३

जसू प ६६

जसो प. ६६, १६७, २०१, २२६

,, दू ३३, ७६, १६६

जसो अमरा रो प ३५६

जसो कचरा रो प. १६६, १६७

जसो जगनाथ रो प ३०१

जसो त्रिभणा रो प २००

जसो नाथावत प ३२७

जसोब्रह्म रावळ प ७६

जसो सोढो दू १०३

जसो हरधवळोत जाडेचो दू. २३६, २४४,
२४५, २४६, २४७, २४८, २४९,
२५०, २५६

जहांगीर नूरवीन पातसाह ती. १६२

जहांगीर पातसाह प २४, २६, ३०,

५६, ६३, १३०, २५६, २७६,

२८३, २६८, ३०३, ३३१

,, पातसाह दू १५५, २५६

,, ती. २१४, २१७, २३८,

२७२, २७४, २७६, २७६

जाभूण दू ३८, १४३

जाभूण पूजा रो प ३५२

जाभूण वरसिध रो दू १२७

जाभूण साजनीत ती. २४७

जानडदे हणू रो प. २६६
 जानसाखान (जानिसारखा) प. २६
 जांभ वाघोडो प. ३५०
 जांमणीभाण (यामिनीभानु) प. १३३
 जांम राखळ दू २१०, २१३, २१५,
 २१७, २२०, २२१, २३६, २४७,
 २४६, २५०, २५४
 „ राखळ ती. २६
 जांमळसिघ (पडिहारो) ती. २३३
 जाटव ती १५६
 जाटो डूम ती १५
 जादम दू ६
 जादूराय ती. २७६
 जान कवि ती. २७४, २७५
 जानिसारखा फोजदार प ६६
 (दे० जानसाखान)
 जापाल (प्रजापाल) प. ७८
 जाय सर्मा प ७
 जालणसी राव (जोधपुर) ती. २६, ३०,
 १८०
 जाळप दू १४३
 जाळपदास (खूहडी) ती. २३१
 जाळपदास बैरावत मोहिल ती. १७१
 जाळप राणो दू २६५
 जाळप सिवदासोत दू १६७
 जालमसिघ (पडिहारो) ती. २३३
 जालमसिघ (वीदासर) ती. २३१
 जालमसिघ (सिधमुख) ती २२४
 जालमालादित्य प. १०
 जालाप प. ३५२
 जावदीखां ती २०७
 जिंदराव चहुवाण प. ११६, १३५,
 १८५, १८६
 जिंदराव हाडो प १०१
 जितमत्र प ७८
 जितसत्र (जितशत्रु) प. ७८
 जींदराव प १७२, १८७, २०२, २३०

जींदराव खीची प. २५०
 „ „ ती. ५६ ६४, ७५, ७६,
 ७७, ७८, ७९
 जींदराव बोडो प. २४७
 जींदो जोघा रो प ३५६
 जीतमल प. १०१, १११
 जीयो ई दो ती. १३३
 जीवन नारण रो प. ३५८
 जीवराज राजा ती. १८७
 जीवो प ६८, २४३, ३५३
 „ दू ७७, ७८, ६०, १४३, १५६,
 १६६
 जीवो गांगावत प २४१
 जीवो जगमाल रो दू. १२२
 जीवो जेसा रो प. १६६
 जीवो देवराज रो प १५७
 जीवो नरहरदास रो प. ३६१
 जीवो भोजराज रो प. ३५३
 जीवो रतनू घरमदासांणी दू. २५३
 जीवो लूणकरण रो दू ८१
 जुगराज प १२८, १३०, १३१
 जुगलो भांभी ती १२१
 जुणसी कुतल रो दे जवणसी कुतल रो।
 जुघसिघ प ३१०
 जुघिठिर राजा ती १८५
 जूभारसिघ प. २६, २१२, ३०७, ३२६
 „ ती २२०
 जूभारसिघ चत्रभुजोत प. ३११
 जूभारसिघ जगतसिघोत प २६१, २६८
 जूभारसिघ दळपतोत प. २३४, २३५
 जूभारसिघ परसोतम रो प. ३२३
 जूभारसिघ राजा परमार ती १७६
 जूभारसिघ (सेलो) ती. २३२
 जूभो चौधरी ती. २७४
 जेठी पाहू प ३४६, ३५०
 जेठो दू १६६

જેઠો ગંગાદાસ રો પ ૩૫૩
 જેઠો માંડળ રો પ. ૩૫૭
 જેસલ રાવલ દ્વ ૧૦, ૧૫, ૩૨, ૩૪,
 ૩૫, ૩૬, ૩૭, ૩૮, ૬૨
 „ „ તી ૨૬, ૩૩, ૨૨૨
 જેસાવર રાજા તી. ૧૮૭
 જેસો પ ૨૨૬
 જેસો કલિકરણ રો દ્વ ૧૫૨, ૧૫૩
 „ „ „ તી ૨૧૫
 જેસો જૈતા રો દ્વ ૨૬૪
 જેસો પતાવન દ્વ. ૨૦૦
 જેસો ખાટો દ્વ ૬૬, ૧૬૫, ૧૮૧, ૧૮૨,
 ૧૬૭
 „ „ તી ૭
 જેસો ખૈરવદાસોત દ્વ ૧૬૪
 „ „ તી ૨૬૬
 જેસો રાયપાલોત દ્વ ૧૪૬
 જેસો રાવ (પૂગલ) તી. ૩૬
 જેસો લાખા રો દ્વ ૨૨૪
 જેસો (લિલ્લમી રો ખાઈ) તી ૧૦૫
 જેસો વજીર દ્વ ૨૪૦
 જેસો સરવહિયો દ્વ. ૨૦૨, ૨૦૬, ૨૦૭,
 ૨૦૮
 જેહો ભારાવત દ્વ ૨૧૫, ૨૧૬
 જૈકિસન પ. ૩૦૮
 જૈકિસનસિંધ પ. ૨૬૮
 જૈચંદ દ્વ ૬૬, ૭૪
 „ તી. ૨૨૧
 જૈચંદ લલ્લમસી રો દ્વ ૨, ૩૬
 જૈત દ્વ ૪૫, ૫૩
 જૈતકરણ વેગુ રો પ. ૩૫૨
 જૈતકરણ સીહદ રો પ. ૩૪૦
 જૈત પવાર પ ૧૮૦, ૧૮૧
 જૈતમલ પ ૨૨, ૨૨૫
 જૈતમલ સીહાવત દ્વ. ૧૫૨
 જૈતમાલ પ ૬૧, ૨૪૬

„ દ્વ. ૮૧, ૧૬૫
 જૈતમાલ ગોયદોત તી ૧૧૪
 જૈતમાલ રાજધર રો દ્વ ૮૦
 જૈતમાલ સલલાવત દ્વ ૨૮૧, ૨૮૪
 „ „ તી. ૩૦
 જૈતમાલ સોઢો તી ૩૧
 જૈતરાવ પ ૧૦૧, ૧૮૫
 જૈતલ દ્વ ૧૪
 જૈતલ મલેસી રો પ. ૨૬૪
 જૈત લાલ્લણ રો પ ૨૦૨
 જૈતસિંધ પ. ૨૨, ૩૦૬, ૩૧૫, ૩૧૬,
 ૩૧૬, ૩૨૬
 „ તી ૨૨૫
 જૈતસિંધ અગ્રસેણ રો પ ૩૨૦
 જૈતસિંધ આસકરણ રો પ ૩૦૩
 જૈતસિંધ (કરણીસર) તી. ૨૨૪
 જૈતસિંધ (છિપિયો) તી. ૨૩૬
 જૈતસિંધ (ઢુસારણો) તી. ૨૩૬
 જૈતસિંધ દ્વારકાદાસ રો પ ૩૨૩, ૩૨૫,
 ૩૨૬
 જૈતસિંધ રાજાવત દ્વ ૮૧
 જૈતસિંધ રાવ તી ૧૫૨
 જૈતસિંધ રાવ મોહનદાસોત દ્વ. ૧૩૩
 જૈતસિંધ (સાલ્લવો) તી. ૨૩૨
 જૈતસી પ. ૨૩૫, ૨૪૩, ૩૨૭, ૩૪૧
 „ દ્વ. ૬૨, ૧૦૨, ૧૭૧, ૧૬૧
 જૈતસી અચલાવત દ્વ. ૧૮૬
 જૈતસી ઝડાવત પ. ૨૩૮
 „ „ તી. ૮૧, ૮૨, ૮૩, ૬૫,
 ૬૬, ૧૦૦, ૧૦૧
 જૈતસી કૂમા રો પ. ૩૨૮
 જૈતસી જગનાથ દેવડા રો પ ૧૬૫
 જૈતસી (જેસલમેર) તી. ૨૨૧
 જૈતસી નાગાવત પ. ૨૩૭
 જૈતસી પીયાવત દ્વ ૧૬૪
 જૈતસી, રાણા મોજરાજ રો પ. ૩૪૧

जैतसी रांगो प ६

जैतसी राव दू. ६३, २२१

,, ,, ती १६, १७, ३१, ८०, ६०,

६१, ६२, १८०, १८१

जैतसी रावत प. ६६

जैतसी राव भाणोत दू १०७, ११६, १२१
१३४

जैतसी रावळ प. १३, ७६

,, ,, दू. ११, ८४, ८५, ८६,

८७, ८८, ६२, १००, १२१

,, रावळ ती. ३३, ३४, ३५, २२१

जैतसी रावळ तेजराव रो दू. ४२, ४३

जैतसी रावळ वडो दू. १०, १४, ३६,
४४, ५१, ६२

,, रावळ वडो ती. २२१

जैतसी राव (वीकूपुर) ती. ३७

जैतसी वीरमदे रो प ३५६

जैतसी सिंघ रो प ३१५

जैत सीसोदियो प ६८

जैतसी हमीर रो प २३७

जैतसेन दू ६

जैतुग दू १०७, ११३, १३४

जैतुग कोल्हावत दू ७२, ७४, ११२,
११३

जैतुग तणु रो दू. १, १७

जैतो प १६४, ३६२

,, दू. ५३, ६६, ७७, २००, २६४

जैतो ऊदावत दे० जैतसी ऊदावत ।

जैतो खोवावत चौबो प. १५३, १७०

जैतो खेता रो प. ३५२, ३५३

जैतो जगमालोत दू. १२, १४१

जैतो जोगावत दू. १८७

जैतो जोधा रो ती. ३७

जैतो देवडो प. २२४

जैतो मेहाजळ रो प. १६१

जैतो रतनोत प. २४३

जैतो रायमल रो प ३६०

जैतो वाघेलो प. २२४

जैतो सावळदासोत दू १७६

जैतो सोढो प ३६२

जैनु जाट ती. २७३

जैपाळ प ८६

जैपाळ राजा ती. १८७

जैब्रह्म प ३६३

जैभाण प ३२४

जैमल प. १११, १६६, ३६२

,, दू ६६, १६६

जैमल अखैराजोत प. २०८, २१२

जैमल आसावत दू १७६

जैमल ऊहड़ दू १६७, २०२

जैमल किसना रो प. ३५२

जैमल कूभा रो प. ३२८

जैमल जेसावत मुंहतो प २२७

जैमल तिलोकसी रो दू १६२

जैमलदास ती २२७

जैमल दास रो प. ३१७

जैमल प्रथीराजोत प. १२५

जैमल भा० प. १५२

जैमल भाटी कलावत दू १३२

जैमल (भेळू) ती २२६

जैमल मुहती प २११, २२७

जैमल रतनावत प १६७, १६६

जैमल रांगो प. २८१, २८२, २८३

जैमल, राम सोढा रो प ३५८

जैमल राठोड़ ती १८३

जैमल रायमलोत प १७, १८

जैमल रासावत दू १०७

जैमल रूपसीओत प ३१२

जैमल वीरमदेओत प ३२, ११२

,, ,, ती. ११५, ११६

११७, ११८, ११६, १२१, १२२

जैमल वीरमदे सोढा रो प ३५८

જેમલ માંગાચન પ ૬૬
 જેમલ માહળી પ. ૧૩૮
 જેમલ સીસોદિયો પ ૨૧
 જેમલ હરરાજ રો પ ૧૬૩, ૧૬૪, ૧૬૮
 જેમલ પ. ૧૧૭
 જેમુલ રાજદે રો પ. ૩૫૫
 જેરામ પ. ૩૦૭
 જેરિલ પ ૧૨૨
 જેવરાવ પ ૧૩૫
 જેસા તી. ૧૮૭
 જેસિઘ પ ૧૨૪, ૨૭૭, ૨૭૮, ૩૨૧
 ૩૨૨
 „ દૂ. ૧૨૩, ૧૩૩, ૧૭૬, ૩૦૪,
 ૩૦૫
 „ તી. ૨૨૦
 જેમિય કરમચદ રો પ ૨૦૫
 જેમિયદે પ ૧૪૨
 જેમિયદે ઠવાવત પ. ૩૪૬, ૩૫૨
 જેમિયદે લોધા રો પ ૩૫૬
 જેમિયદે રાવલ દૂ. ૮૫, ૮૭, ૮૬
 જેમિયદે વરજાગ રાવ રો પ. ૨૩૨
 જેમિયદે મિથરાઘ પ. ૨૭૨, ૨૭૭, ૨૭૮
 „ „ દૂ. ૩૩
 „ „ તી. ૨૬
 જેમિયદે મુઠામિત્ર રો પ. ૨૬૭
 જેમિયદે મોનો પ. ૧૨૦
 જેમિયદે રાજા પ. ૨૫, ૩૦૬, ૩૦૮, ૩૧૦,
 ૩૧૧, ૩૧૨, ૩૧૩, ૩૧૬, ૩૩૦,
 ૩૩૧, ૩૩૨, ૩૫૬
 જેમિયદે રાવ પ. ૧૬૬, ૧૬૭
 જેમિયદે રાવ મોહનદાસોત દૂ. ૧૦૭
 જેમિયદે રાવ (મોહનપુર) તી. ૩૬, ૩૭
 જેમિયદે લીરનધી રો તી. ૩૦
 જેમિયદે તિલાર રો પ. ૧૬૪
 જેમો સીદા રો પ. ૧૬૫, ૧૬૬
 જેમો સુધાસીત પ. ૧૦૬

જેમો સુધાસીત પ. ૨૨, ૨૩
 „ „ દૂ. ૬૬
 જેમો સુધાસીત રો પ. ૩૩૩
 જેમો સુધાસીત રો પ. ૨૦૫
 જેમો રાવ દૂ. ૧૨૦, ૧૨૨, ૧૨૭
 જેમો રાવ વર્ગેચ રો દૂ. ૧૩૭, ૧૩૮,
 ૧૩૯
 જેમો સુધાસીત પ. ૩૬૦
 જોગરાજ પ. ૫, ૨૫૬
 „ તી. ૫૦
 જોગરાજ રાવલ પ. ૫, ૧૨, ૭૬
 જોગરાવ પ ૨૫૬
 જોગાદત દૂ. ૧૨૩, ૧૨૮
 જોગાદત વૈરસલ રો દૂ. ૧૧૮, ૧૨૦
 જોગાદત પ. ૭૮
 જોગી પ. ૩૫૩
 જોગી દૂ. ૧૬, ૨૦, ૨૩, ૨૪, ૨૫
 જોગીદાસ પ. ૧૬૬, ૩૧૮, ૩૫૬
 „ દૂ. ૮૦, ૮૮, ૧૨૩
 જોગીદાસ ઠવાવત પ. ૩૫૬
 જોગીદાસ કચરાવત દૂ. ૧૭૪
 જોગીદાસ કાંધલોત તી. ૧૮
 જોગીદાસ મોયવદાસોત દૂ. ૧૧૬
 જોગીદાસ ઠાકુરસી રો પ ૩૬૦
 જોગીદાસ મેવાવત દૂ. ૧૭૨
 જોગીદાસ વૈરસીઓત દૂ. ૧૮૫
 જોગીદાસ સીસોદિયો પ. ૬૨
 જોગી દૂહા રો પ ૩૫૩
 જોગી પ. ૧૨૪, ૧૬૦
 જોગી અલેરાજોત દૂ. ૧૮૭
 જોગી આસાવત દૂ. ૧૭૬
 જોગી ગોડ તી. ૨૬૭
 જોગી જોધાવત તી. ૧૬૪, ૧૬૫
 જોગી બારહ દૂ. ૭૪
 જોગી મુરુતોત દૂ. ૧૪૬
 જોગી માંદાસ રો પ. ૩૬૭

जोजड़ प २६३
जोजळ लाखण रो प. २०२
जोध प. १०१, २०६, १२
जोध गोपाळ रो प ६२, ६७
जोध गोयदोन प ६७
जोध मानसिघोत हू १८८
जोधरथ राजा ती १८६
जोध बिहारी रो ती ३७
जोधसिघ प ३०६
जोधसिघ (जीळी) ती. २३३
जोध सीसोदियो प २७, ६३, ६४, ६५
जोधो प ३५६
,, हू १७७
जोधो कवर राव रिणमल रो प १७
जोधो करमा रो हू ८०
जोधो कावळ रो प ३४१
जोधो तेजसी रो प ३५४
जोधो तारण रो प ३५८
जोधो भाटी हू १५३, १६४
जोधो मानसिघ रो प ३५६
जोधो मेहराज रो प. ३४८
जोधो मोकल रो ती ११६
जोधोजी राव ती. ५, ६, ७, १२, २१,
२२, २८, ३१, ३८, ४०, १४०,
१५८, १५९, १६०, १६१, १६२,
१६३, १६४, १६६, १६७, १८०,
१८१, १८२, २३१, २३५
जोधो राव प. २०७, ३४६ ३५१, ३५३
,, ,, हू ६६, ८८, ३३५, ३३६,
३४०, ३४२
जोधो लाडखान रो प. ३२१
जोधो लोलावत प २३८
जोधो सहसा रो प. ३५६
जोधो सागावत प. ३६०
जोधो सिधावत प. २४३
जोपसाह राठोड़ ती २८०

जोवनारथ प २८७
जोरावरसिघ ती २२०
जोरावरसिघ महाराजा (वीकानेर) ती. ३२,
१८०, १८१, २११
जोवनजीत राजा ती १८७
जोवनार्थ प. २८७
जोवनाव प. ७८
ज्ञानपति ती. १८०

झ

झरडो वृडावत ती ७६
झाभण पडिहार प. २२५
झाभण भडारी प २२५
झाभण भुणकमळ हू. २
झाभणसी चद्रावत ती २३६
झाभो प १६२, २००
झाभण वीठू-चारण प. ५५
झालक राजा ती १७६
झूटो आसियो ती. ८६
झूलो भाण प ८६, ८८
झूलो वद्रदास प ८६, ८८
झूलो सांइयो प ८६, ८८
झेरडियो खूम प. २२८

=

डॉड कर्नल ती. १६८, १६९
टोडरमल ती २७६

ठ

ठाकुर कवरा रो प १६६
ठाकुरजी प. २८६
ठाकुरसी प. १६७, १६४, २४८, ३२८
,, हू ७७
ठाकुरसी आसावत हू १४८
ठाकुरसी करण रो प. ३६०
ठाकुरसी करमसीओत हू. १८६
ठाकुरसी करमा रो हू ८०

ठाकुरसी जगनाथ देवडा रो प. १६५
 ठाकुरसी जगमालोत दू १६२
 ठाकुरसी जैतसिघोत ती १७, १८, १५२,
 २०५
 ठाकुरसी तेजमाल रो दू १२४
 ठाकुरसी घनराज रो दू. १२२, १२३
 ठाकुरसी राणावत दू १७२
 ठाकुर सेखा रो प. २००

ड

डडधर ती १८७
 डडपाल ती १८६
 डाबियो ती. ७५, ७६
 डावो थोरी ती. ७५, ७६
 डाभ रिष प ३३७
 डाहलराय प ५
 डाहलियो सिसपाळ रो ती १५४, १५५
 डाह्याभाई पीतांबरदास देरासरी ती २६३
 डूगर देवडो प १३६
 डूगर भील प ८२, ८३
 डूगर मांता रो प २०१
 डूगर रिणमल रो प १६२
 डूगर घीसा रो प २३१
 डूगर सिवा रो प ३५१
 डूगरसी प. ६८, ७०, १५६, १६७,
 १६६, ३२८, ३४२
 ,, दू. १६८
 डूंगरसी आसावत दू १४८, १७५
 डूंगरसी कल्याणमलोत ती २०६
 डूंगरसी जगनाथ देवडा रो प १६५
 डूंगरसी घनराज रो दू १२४
 डूंगरसी वाला रो प. ११६, १२०, १२१
 डूंगरसी मालदेओत दू. ६२
 डूंगरसी मेळा रो प. ३५६
 डूंगरसी राव डुरजणसल रो दू. १२८,
 १२६, १३०, १३३
 डूंगरसी रावळ प ७६

डूंगरसी (लखमणसर) ती. २३३
 डूंगरसी लूणा रो प ३६१
 डूंगरसी साकर रो प १६४, १६६, १६६
 डूंगरसी (सांखू) ती २२४
 डूंगरसी सूरवात दू. १७८
 डूंगरसी हरदासोत दू १६५
 डूंगरसीह ती ३६
 डूंगो प. २०५
 डेल्लो आसकरणोत दू ७४

ढ

ढाहर जाडेचो दू २०६
 ढील रवारी ती ७१
 ढेढियो मंगरियो दू ३२
 ढोलो नळ रो प २८६, २६३

त

तसक ती १७६
 तगो प २२३
 तणु केहर रो दू. १०, १५, १७, ७८
 तणुराव ती २२१
 ततारखांन प. ३२५
 ,, ती ५३
 ततारसिघ जगत्सिघ रो प. २६१
 तप प. ११६
 तपेसरी चहुवांण रो प ११६
 तपेसरी घुंघ रो प ११६
 तमाइची जांम रायसिघ रो दू २२४
 तमाइची जाडेचो रायघण रो दू २०६
 तमाइची वीरमदे रो प. ३६१
 ताजखांन रायसल रो प. ३२३, ३२४
 ताडजंघ प ७८
 तातारखां प ३२५
 तानसेन कलावत प १३३
 तारसिघ अणदसिघोत ती. २०८
 तिरमणराय रायसल रो प. ३२३
 तिलोकचद प. ३१६

तिलोकदास प ३०४
 तिलोकराम प ११७
 तिलोकसी प २३६
 „ दू ८६, १२२
 „ ती २२१
 तिलोकसी कलावत दू. १६२
 तिलोकसी जेतसिघोत ती. २०५
 तिलोकसी परबतोत दू १६२
 तिलोकसी फरसरांम रो प ३२३
 तिलोकसी भाटी दू. ३६, ४३, ५३, ५४,
 ५५, ५६, ५७, ५८, ६०, ६१, ६५
 तिलोकसी रूपसी रो प ३१२
 तिलोकसी वरजांगोत दू १८०
 „ „ ती १०१
 तिलोकसी वरसलोत दू. १२०
 तिलोकसी वरागर रो दू ११८
 तिलोकसीह ती १८४
 तिहुणपालदेव ती. ५१
 तिहुणपाळ रांणो ती ५२
 तीडो राव दू २८०
 „ „ ती २३, २४, ३०, १८०
 तीहुणराव बारहठ रतन रो दू ७४
 तुंगनाथ ती. १८०
 तुवर (दूलहदेव रो भांणेज) प. २६०
 तुगलकशाह ती. १६१
 तुगलसाह सुलतांण ती. १६१
 तुळछीदास प १०१, ३२३
 तुदसत प २८७
 तेजपाळ साह प १५६
 तेजमाल प ६१, १६३, १६६
 „ दू ६१, ६५, १२३
 तेजमाल श्रमरावत दू. १८६
 तेजमाल किसनावत दू १२४, १२५, १३२
 „ „ ती ३७
 तेजमाल गोयद रो प २४०
 तेजमाल घना रो प २३६

तेजमाल (रोहीणो) ती. २२६
 तेजमाल सूरजमलोत दू १२८
 तेजराव चाचगदे रो दू ३६, ४२, ४३,
 ६२
 „ चाचगदे रो ती ३३
 तेजल दू १४
 तेजसिघ जसवतसिघोत दू १०६
 „ „ ती ३६
 तेजसिघ (जैसलमेर) ती २२०
 तेजसिघ माघोसिघ रो प २६६, ३०५
 तेजसी प ६०, ६१, ६६, १६२, १६३,
 १६८, ३४१, ३४२, ३५८
 „ दू. ३८, ५३, ६६, ७३, ७४, ११२,
 १६७
 तेजसी केसोदास रो प ३१४
 तेजसी चहुवाण प. १८३, २२७
 तेजसी चूंडावत प ७०
 तेजसी झंगरसीओत प ६२
 तेजसी भाटी केहर रो दू. ७८
 तेजसी भोजा रो प. ३५४
 तेजसी रामावत दू १२०
 तेजसी रायमल रो प ३२६
 तेजसी रावळ प ७६
 तेजसी रावळ देवीदास रो ३५
 तेजसी राव वरजाग रो प २३२, २४१
 तेजसी लूणकरणोत ती २०५
 तेजसी धणवीरोत दू. १६२
 तेजसी विजड रो प १८१, १८३, १८४
 तेजसी सेखा रो प. २०१
 तेजसी सोढो वीसा रो प ३५५, ३५७
 तेजसीह प १८८
 „ ती १४०
 तेजसीह राव ती. ३७
 तेजस्वी विजड रो प. १३४
 तेजो प ६६, ६६, १०१, १६५
 तेजो जाळप रो प. ३५२

तेजो प्रतोप रो प १५६

तेजो भाटी हू ६६

तेजो रायमल रो प. ३६०

तेजो धानर हू ३२१, ३२२

तेलोचन हू. ५६

तैस्सितोरी डां० ती. १७३

तोगो प २००

“ हू ८४, १४३

तोगो कचरा रो प. १६५

तोगो कितनाधत हू १६७

तोगो दीघांण प २०६

तोगो सिवा रो प. ३५१

तोगो सूरामत प १५३, १६७, १७०

तोडरमल भोजराज रो प. ३२२

त्रभवणो प २८५

त्रसिध प. २६२, २६३

त्रिदस तो १७८

त्रिदस्यु दे० त्रिदस ।

त्रिधानव प. २८७

त्रिदधन तो १७८

त्रिभणो करण रो प १६६, २००

त्रिभुवणसी कान्होट तो. २४

त्रिभुवणसी, राव तीडा रो हू. २८०,

२८३, २८४, ३१४

त्रिपारोन प २८७

त्रिलोचन हू ५६

त्रिसकृ प ७८

त्रिसास प. २८७

थ

थान्तिसिध प. ३१३

थान्तिसिध पाठेगाव रो प ३३१

थाह प ६१

थाह मोदो माहूठ प ४६

थिरो हू ३८

थिरो दयतादे रो ३५४, ३६०

द

दडपाल ती. १८६

दत सर्मा प. ६

दधीच प १२३

दधीचि ऋषि प १२३

दधीचि ऋषि ती. १७३

दयाच हू २०२

दयाळ प ३२७

“ हू. ७७, ७८, १२४, २०२

दयाळ डोड ती. १३१

दयाळदास प २३६, ३०६, ३२७

“ हू. ६०, १२३, १२४, १६२,

१७०, १७५, १६७

दयाळदास खेतसीओत हू ६३, ६४, १०४,

१०६

“ खेतसीओत ती. ३५, २१७

दयाळदास गोपालदासोत हू १४६, १४७

दयाळदास (छिपियो) ती २३७

दयाळदास (जैमळमेर) ती २२०

दयाळदास तेजसी रो प. ३४२

दयाळदास देईदासोत हू १६६

दयाळदास बळभद्रोत प ३०७

दयाळदास भाटी प. १६१

दयाळदास (भादळो) ती. २२५

दयाळदास भील प. ४६

दयाळदास माधोदासोत हू १४६

दयाळदास (रायपुर) ती. २३६

दयाळदास रायसल रो प ३२४

दयाळदास राव हू. १२१, १३०

दयाळदास राव हू २६४

दयाळदास रावत (वरसलपुर) ती. ३७

दयाळदास लिखमीदासोत हू १८०

दयाळदास सिद्धायच ती २०६

दयाळदास सिलगावत प २३३

दयाळदास सूजा रो प २३१

दयाळ सोडो प. ३६१

$\frac{1}{\sqrt{2}}$

100

दिलीप ती. १७८
 दिवाकर प १६२
 दीत प. १०
 दीत ब्राह्मण प. १०
 दीपचंद नाराणदास रो प ३२६, ३२७
 दीपसिंघ प ३१४, ३१६
 दीपसिंघ (अजीतपुरी) ती. २२३
 दीपसिंघ (कणवारी) ती २३२
 दीपसिंघ (दुसारणो) ती. २३१
 दीरघवाहु प २८८, २६२
 दीर्घवाहु ती. १७८
 दुजण जोधावत हू. १६४, १७४
 दुजणसल प १६६, ३६३
 „ हू. ६३, ६५, ६६
 दुजणसल धारावरीस रो प ३५५
 दुजणमल राव वरसिंघोत हू. १२७, १२८,
 १२९
 दुरजणसल लूणकरणोत हू ८६, ६०
 दुरगदास दे० दुर्गादास (साहोर)
 दुरगदास भाटी हू ६०, ६६, १०८,
 १२२, १२३, १३१, १३२
 दुरगदास (भादलो) ती. २२५
 दुरगदास मेघराजोत हू १४५
 दुरगदास सहसमल रो प ३१४
 दुरगो प. ६२, ६५, १०१
 „ हू ८६, ६१, २००
 दुरगो राव ती २४०, २४६, २४८
 दुरगो सेखा रो प ३२७
 दुरगो हमीर रो प. ३४३
 दुरजणसाल राव (वीकूपुर) ती ३६
 दुरजणसाल प २८१, ३२५, ३२६
 „ ती० २२६
 दुरजणसाल नाराहणदासोत प ३०४
 दुरजणसाल बळभद्रोत प ३०७
 दुरजणसाल महिलू रो प. २८१
 दुरजणसिंघ प २०६, ३२४

दुरजणसिंघ मानसिंघोत प. २८१, २६८
 दुरजणसिंघ (साखू) ती. २२४
 दुरजणसिंघ प २१, २५
 दुरजो हू. ६५
 दुरजो ठाकुरसी रो प. ३६०
 दुरजोघन प १३३
 दुरवासा प. १२२
 दुरसदास प ४०
 दुरसो आढो प. १७०
 दुर्गादास राठोड ती. २१३, २२६
 दुर्गादास (वेणातो) ती. २३१
 दुर्गादास (साहोर) ती २३०
 दुर्जनमल राजा ती. १६०
 दुर्जनशाल दे० दुजणसल व दुरजणसल ।
 दुर्लभराज ती ५१
 दुलराज प. २६३
 दुलह प १६
 दुलहराम प १२६
 दुलेराय काराणी हू. २१४, २३७
 दुसाभ जैतकरण रो प. ३५२
 दुसाभ रावळ हू. १, १०, १५, ३१, ३२,
 ३३, ३४, ३५ -
 „ रावळ ती २२२
 दूगडजी ती ४६
 दूदो प १५०, १६६, ३१६, ३४३
 „ हू ८१, १२४, १६८
 दूदो अडवाल रो प ३६१
 दूदो आणदोत हू १५४, १५६, १६२
 दूदो कान्हावत हू १८१
 दूदो चीवो प. १५६
 दूदो जैमल रो प १६७
 दूदो जोधावत ती ३८, ३९, ४०
 दूदो नीवावत हू १६७
 दूदो प्रथीराजोत हू १६३
 दूदो प्रागदासोत हू १८३
 दूदो भांना रो प ३६०

दूदो भोंव रो प ३२७
 दूदो मांना रो प. २०१
 दूदो मेहरावत प १६८, १६९
 दूदो राजघर रो प २०५
 दूदो राव अखैराज रो प. १३५, १३७,
 १४०, १६१
 दूदो रावत प ५०, ६६
 दूदो रावत जगघर रो प १२४, १२५,
 १२६
 दूदो राव नगा रो ती २४९
 दूदो रावळ दू. ३९, ४३, ४४, ५१, ५३,
 ५४, ५५, ५६, ५७, ५९, ६०, ६१,
 ६२, ६३, ६४, ६५
 ,, रावळ ती. ३४, १८४, २२१
 दूदो राव सुरजन रो ती. २६६, २६७,
 २६८, २६९, २७०, २७१, २७२
 दूदो लकडखान रो प. १११, ११२
 दूदो बैरसल रो प. ३५३
 दूदो सकर्तसिधोत दू १६५
 दूदो सहसमल रो प ३१४
 दूदो सागावत प ६८
 दूदो सुरजन रो प ३१५, ३१६
 दे० दूदो राव सुरजन रो ।
 दूलहदेव प. २९०
 दूलहराव सोढल रो प २९५
 दूलैराव लूणकरण रो प ३१९
 दूसळ दू ५८
 देईदास प २४२, २४३
 ,, दू. १६६, १६८
 ,, ती २३४
 देईदास कानावत दू. १६५
 देईदास जैतावत दू १६२, १६३
 देईदास तेजा रो प ३५२
 देईदास पतावत मेहवचो दू. १७५
 देईदास भांतीदास रो दू १०४
 देईदास भायल प १९४, १९८, २४०,
 २४१

देईदास भोपत रो प ३१७
 देईदास मनोहरदासोत दू १७०
 देईदास महकरणीत प २३३
 देईदास माधोदासोत दू. १८८
 देईदास वीरावत दू १७७
 देईदास सहसमल रो प. ३१४
 देव दू. १५
 देवल दू १४
 देवो प. १६८
 देवो दू. १०७, १२४
 देवो चहुवांण वागडियो प ११९, १७२
 देवो भैरवदासोत दू. १७८, १९०
 देवो रतनू-वारहठ दू ७४
 देवो रावळ प ७९
 देवो वणवीरोत प २४२
 देवो सीहड घनराज रो दू. १०४
 देवो सोळंकी दू. १०७
 देवो हमीर रो प २३७
 देपाळ प. २३२, २६१, २८०
 देपाळ जोईयो दू ३०४
 देपो प ३६३
 देभो प २०५
 देलण काकिल रो प. २९४, ३३२
 देलो प. ३४१, ३४३
 देल्हो दे० देलो ।
 देवकरण दीवांण गोपाळ रो प ३१०
 देवकरण राजा ती १७५
 देवनीक ती १७८
 देवरांम वीदावत ती. १५७
 देवराज प १५७, १६८, २३९, २६१,
 २८५, ३६०, ३६१, ३६२
 ,, दू ५८, ९३, १०४, १९९,
 २०१, ३०४
 देवराज आसराव रो प ३६३
 देवराज कांघळ रो दू. १४५
 देवराज मूलराज रो दू. १०, ५३, ७३,
 ७५, ९२, १४४

देवराज मूळराज रो ती ३४, २२१
 देव राजघर रो प ३५६
 देवराज भोहा रो प ३३६
 देवराज मांडण रो प ३५६
 देवराज घाघेलो प २६१
 „ „ ती ५०
 देवराज विजैराव चूडाळा रो
 दे० देवराव विजैराव चूडाळा रो ।
 देवराज वीका रो ती० २०५
 देवराज वीरमोत ती ३०
 देवराज वीसा रो प १६६
 देवराज सांखलो प. ३५३
 देवराज सातळोत हू. ८४
 देवराज सीहड रो प. ३४०
 देवराजादित्य प १०
 देवराव विजैराव चूडाळा रो हू १०,
 १८, १६, २०, २१, २२, २३, २४,
 २५, २६, २७, २८, २९, ३०, ३१
 देव सर्मा प. ६
 देवसिंघ प ३०४
 देवानी प २६३
 देवाइत हू १६
 देवाणिक प ७८
 देवादित प ३, १०
 देवादित्य दे० देवादित ।
 देवानीक प २८८
 देवायर प १६२
 देवियो थोरी ती ५६
 देवीदांन हू १०८, १६८
 देवीदांन सोम-भाटी हू ७७
 देवीदान सांवतसी-भाटी हू. ७७
 देवीदास प १६, ३३, १४३, १६३, २११
 „ हू. ८२, १०२, १२३, १३०, १६७
 देवीदास (कणवारी) ती २३२
 देवीदास चाचा रावळ रो हू ११, ८३, ८४
 „ „ „ „ ती. ३५

देवीदास चूडासमा रो हू १
 देवीदास जेतावत प. ६१, ३५४, ३५७
 देवीदास (जंस०) ती २२१
 देवीदास भाटी हू ८५
 देवीदास सकतसिंघोत हू ६५
 देवीदास सूजावत राव प ५०, २५६
 देवीसाह प. १२६
 देवीसिंघ प ३०६
 देवीसिंघ (ऊडसर) ती. २२६
 देवीसिंघ करणसिंघोत ती २०८
 देवीसिंघ (जैतपुर) ती २३०
 देवीसिंघ (भनाई) ती २२४
 देवो ऊदावत प १५२
 देवो त्रिभणा रो प २००
 देवो विक्रमादीत रो हू १४४
 देवो हाडो (वांगा रो) प ६७, ६८, ६९,
 १००, १०१
 देवो हिमाळा रो प. २४४
 देसपाल ती. १८८
 देसळ हू १०, ३२
 देसावर राजा ती. १८६
 देसावळ माघो ती १६०
 देहड मडळीक प. १२३
 देहु राणो प १५
 देहुल विजैराव रावळ रो हू ३३
 देहो हू १२६
 दोदो सूमरो ती ६२, ६७, ६९, ७१,
 ७२, ७३
 दोराव राणो प १२३
 दोलतखान प १०१
 दोलतखान भाटी हू २, १०, १२२
 दोलतखान भोजू हू १८६
 दोलतखां कवि ती २७५
 दोलतखान ती ६०, ६१, ६३, २३०
 दोलतखान वहियो ती २६८, २६९,
 २७०, २७१

दीलतसिध प. ३२२
 दीलतसिध (कल्याणसर) ती. २३४
 दीलतसिध (खनावडी) ती. २३६
 दीलतसिध गजसिधोत भाटी ती २१३
 दीलतसिध (तिहाणवेसर) ती. २२७
 दीलतसिध (नोंवाज) ती. २३५
 दीलतसिध (वाप) ती. २२३
 दीलो गहलोत दू. ३१४
 द्यास दू. २०२
 द्रढहास प. २६२
 द्रढाश्व ती. १७७
 द्रोण दे० द्रोणाचार्य महर्षि ।
 द्रोणगिर प. २६०, २८०
 द्रोणाचारज दे० द्रोणाचार्य महर्षि ।
 द्रोणाचार्य महर्षि ती. १५३, १५४
 द्वारकादास प. ३०६, ३२२, ३२३, ३२७
 द्वारकादास गिरधरदास रो, राजा प.
 ३२१, ३२७
 द्वारकादास नरसिधदास रो प. ३२०
 द्वारकादास नाया नो प. ३११, ३१२
 द्वारकादास पतावत दू. १७१
 द्वारकादास भाटी दू. ६४, १०६, १३१,
 १३२, १६७, १८८, १९७
 द्वारकादास मनोहरदासोत दू. १२०
 द्वारकादास मेडतियो दू. १७७
 द्वारकादास मेहाजळ रो प. १६०

घ

घणसूर दे० घणसूर ।
 घनपालसेन ती. १८६
 घनकपाळ प. २८६
 घनराज प. १६७
 „ दू. ८१, ९३, १२१, १२२,
 १२४, १२८, १३८
 „ ती. २३१
 घनराज खेतसीश्रोत दू. ६६

घनराज गोयवदासोत दू. १८८
 घनराज जैतावत दू. २००
 घनराज नेतावत दू. १०७
 घनराज वीकावत दू. १७३
 घनराज सांवळदासोत दू. १८१, १८२,
 १८४
 घनराज सीहळ उधरणोत दू. १०३, १०४
 घनराज हरराज रो प. १६३, १६४
 घनालसेन ती. १८६
 घनुद्धर प. ७८
 घनो आसावत दू. १७७
 घनो गौड ती. २७०
 घनो जोगा रो प. ३५७
 घनो मांडणोत प. २३६
 घनो बीसा रो प. १६६
 घरण सा प. ३६
 घरणीवराह प. ३३७, ३३८, ३५५, ३६३
 „ ती. १७५
 घरमचंद प. ३२६
 घरमदेव प. ३३७
 घरमागव प. २७
 घरमो दू. १४३
 घरमो बीठू प. ३४७
 घरमोस प. २६२
 घरम सर्मा प. ६
 घरमांगद राजा ती. १७५ (दे० घरमांगद)
 घरमादि प. २८८
 घघळ जाडेचो दू. २२५
 घवळोजी राय ईंदो दू. ३१०
 घाघळ ती. २६, ५६
 घांघू प. ३३७
 घाऊ मेछळो दू. ६०, ६१
 घारगिर राजा ती. १७५
 धारदे दे० धीरदे जोईयो ।
 धारदे मदोत जोईयो ती. ३०
 धार घवळ दे० धीर घवळ ।

घारावरीस सोमेसर रो प ३५५, ३६३
घारु आनळोत प. २५३, २५४, २५५,
३४०

„ आनळोत ती २८६

घारो देवडो प १५६

घारो सोढो प २२५

घाहड़ राजा ती १७५

घिलनाइव प ७८

घिपताइव दे० घिलनाइव ।

घीरजदे दे० घीरदे जोईयो ।

घीरतसिघ (सांडघो) ती २३२

घीरतसिघ (सिरंगसर) ती २२४

घीरतसिघ (हरदेसर) ती. २३२

घीरदे जोईयो दू. ३१७, ३१८, ३१९,
३२०

घीरघवल ती. ५३

घीर राठोड़ ती २१९

घीरसेन राजा ती. १७५

घीरो जैसिघदेवोत प २३२, २३६

घीरो देवराज रो दू. २०१

घीरो मालक रो प. ३३१

धुआळक परमार ती १७६

धुघ प ११९

धुघमार प ७८, २८७, २९२

धुघळ प १७२

धुघळियो साहणी प. २२६

धुघुमार ती १७७, २१८ (दे० धुघुमार)

धुवसघ प २८८

धूघळीमल जोगी दू २०९, २१०, २१२

धूमरिख ती १७५

धूम्रऋषि दे० धूमरिख ।

धूम्रज्वालक दे० धुआळक ।

धूहड़जी राव ती २९, १८०

धृतस्पद ती. १८५

धोघादास दू ८१

धोघो दू ८०

घोम ऋषि प ३३७

घोमरिख प २८०

घोमरिष प. २६१, ३३७

घोमारिख प. ३५४

ध्रुवसघ ती. १७९

ध्रुवसघि ती १७९

ध्रुवसिन्धु ती १७९

न

नदराय प ४७

नदराय बालणोत प. २७९

नदियो प. १७४

नदो प. २७९

नकोदर पाडे रो ती. १४, १५

नगजी राव चंदे रो ती. २४८, २४९

नगराज खींदे रो प. ३४१

नगो प. १७, २२, २७, ६७, १६६,
१६८, २०५

„ दू ७७, ७८, २६४

नगो भारमलोत ती. ११७, ११८, ११९,
१२०, १२१

नगो सवरा रो प १६७

नदो सोढो दू. २२१, २२३

नयपाल राजा ती १८८

नरदेव प ५, २९०

नरनाथ सर्मा प. ९

नरपत जॉम दू २०९

नरपति रांणो प. ६

नरपाळ प. २८९

नरबद प ४९, ५०, १०९, ११०, १२५,
१२६

„ दू. १९७, १९९

नरबद मेघावत मोहिल ती. १६१, १६२,
१६३, १६४, १६६

नरबद सत्तावत दू ३३६

„ „ ती ३८, १३०, १३१, १३२,

१३३, १४०, १४२, १४३, १४४,
१४५, १४६, १४७, १४८, १५०

नरबिब रावळ प. १२

नरब्रम रावळ प. ७६

नरब्रह्म रावळ दे० नरब्रम रावळ ।

नरवाहण प. १२३

नरवाहण रावळ प. ७६

नरवाहन रावळ प. ५, १२

नरवीर रावळ प. ७६

नर सर्मा प. ६

नरसिंघ प. १२६, १६३, १६६, १६७,
२००

„ दू ६६, ८१, १०७, १२०, १६०,
२००

नरसिंघ उदैकरणोत प. २६०, २६५,
२६७

नरसिंघ ऊदावत दू १७३

नरसिंघ खीदावत ती १४१

नरसिंघ गोयददासोत दू १८०

नरसिंघदास प. २३६, ३०४, ३०५,
३२०, ३२४, ३२५

„ दू १८४

नरसिंघदास ईसरदास रो प. ३५४

„ „ „ दू १६१

नरसिंघदास कल्याणदासोत दू १५८

नरसिंघदास छीतरदास रो प. ३०८

नरसिंघदास जाट ती १४, १५

नरसिंघदास बेबीदासोत दू ८५, ८७, ८६

नरसिंघदास (नींबोळ) ती २३६

नरसिंघदास फरसराय रो प. ३१६, ३२४

नरसिंघदास भाखरसीओत दू १५२

नरसिंघदास (भेळू) ती. २२५

नरसिंघदास मानसिंघ रो प. ३२६

नरसिंघदास मुहत्तो जैमलोत प. ७७

नरसिंघदास रावत प. ४६, ६५, ६६

नरसिंघदास (रोणवी) ती २२६

नरसिंघदास लूणकरण रो प. ३१६, ३२०
नरसिंघदास सावळदासोत दू. १७४,

१८२

नरसिंघदास सींघळ ती ३८, १४१,

१४३, १४४, १४५, १४६

नरसिंघ देवडो तेजा रो प. १६५

नरसिंघ वापा रो प. ३४३

नरसिंघ भाणोत दू १५१

नरसिंघ राजा ती १६०

नरसिंघ घाघावत दू १६२

नरसिंघ सींघळ प. २२६ (दे० नरसिंघ-
दास सींघळ)

नरसिंघ सोढो प. ३६१

नरहर प. १२, १३३

„ दू ८८, ९०, ९४, १२३, २००

नरहरदास प. २७, ६७, १०२, १११,

१२५, १५६, १६१, १६५, १७८,

२१२, २३४, २३८, ३०८, ३१६,

३२५

„ दू १७४, २६४

नरहरदास ईसरदासोत दू १५५, १५६

नरहरदास केसोदासोत दू १७

नरहरदास गोयददासोत दू १५०, १५५

नरहरदास डुरगावत प. ३४३

नरहरदास पंचाइन रो प. ३०७

नरहरदास भांणीदासोत दू १६६

नरहरदास भैरवदासोत दू १६६

नरहरदास रामोत दू. १२०, १२२

नरहरदास रायसिंघोत दू १६४

नरहरदास सांघळदासोत दू १७६

नरहरदास सोढो प. ३६१

नरहर रावळ प. १२

नराइन जोधावत दू १७३

नराइनदास प. ६७, ६६, २१०, २११,

३२०

नराइनदास आसावत दू १४७

नराइणदास खगारोत प. ३०४

नराइणदास हाडो प. १०४

नरु प १५, ३१८

नरु मेहराज रो प ३१३

नरो प २०५, ३५७

„ दू ८१

नरो अजावत दू. १४४

नरो राजा चंद रो प. ३१३

नरो बीकावत ती. २०५

नरो सजावत ती १०३, १०५, १०६,

१०७, १०८, ११०, १११, ११२,

११३, ११४

नळ प २८६, २६३

„ ती. १७८

नलनाम प. २८८

नवखड रावळ प १३

नवघण प २४६, २४७

„ दू २०२

नवब्रह्म प. ११७

नवलमिघ (खूहडी) ती. २३१

नवलमिघ (गोरीसर) ती २३१

नवलमिघ (सांखू) ती २२४

नवसहसो दे० मालदेव राव ।

नवसेरीखान प २५७

„ दू २६२

नस्ना (नरु) रावळ प ७६

नागड दुजणमाल रो प. ३५५

नादण दू. ६६

नादो घिजा रो प. ३५८

नानग चावडो दू. ३११

नांगदे प १३०

नागदे प १२६

नागपाळ राणो प ६, १५

नागादित्त प ३, १०

नागादिन्य दे० नागादित्त ।

नागारजन मूट रो दू २०२, २०३

नागार्जुन दे० नागारजन ।

नागोरीखान ती. १२६, १३२

नाटो प १५६

नाडीजघ प ७८

नाथ ती १०८

नाथू प २०५

नाथू माला रो दू १७८

नाथू रतनसी रो प. ६७

नाथू रिडमलोत दू ११६ १४३

नाथो प १२१, २३६, ३१६, ३२१

„ दू ७५, ७६, ८८, ९०, १२३,

१२५, १८४, १८७, १६१, १६६,

२६४

नाथो खगारोत ती ३७

नाथो गोपाळदास रो प ३१०

नाथो घाय-भाई दू १८०

नाथो पतावत दू १७१

नाथो भाटी किसनावत दू. ७८

नाथो रूपसी रो दू. १६६, १६७, १६८,

१६९

नाथो लिखमीदासोत दू १६६

नाथो लूणा रो प ३२७

नाथो वीरम रो प १६७

नाथो सिध रो प ३१५

नादो दू १४३

नादो रायचंदोत भाटी दू. ६६, १००

नापो प. १०१

„ दू. १४३

नापो घीरा रो प. ३३१

नापो माणकराव रो प ३४६, ३५३,

३५४

नापो रिणघोरोत ती. १३०

नापो वरजाग रो दू १६८

नापो सांखली ती. ५, ८, ९, ११, १६,

२०, २१

नाभगराय प. २८८

नाभ प. ७८
 ,, ती १७८
 नाभमुख (नाभमुख) प ७८
 नारण प. १०१, २३५
 ,, दू. १४३, २६४
 नारण जोधावत दू. १६४
 नारणदास प. २७, ६३, १६५, ३२७
 ,, दू. ८१, ६६, १६२, १७६
 नारणदास अखैराजोत दू. १८८
 नारणदास ईसरदासोत दू. १८६
 नारणदास पातावत प. ३१
 नारणदास भांडा रो प १०२
 नारणदास भानीदास रो प. ३४३
 नारणदास मानसिध रो प ३२६
 नारणदास माघोदास रो प. ३५८
 नारणदास मालदेशोत दू. ६२
 नारणदास रायसिधोत दू. २५५, २५६
 नारणदास रावळ जैतसी रो दू. ८५
 नारणदास साईदास रो दू. १७६
 नारणदास सांवळदासोत दू. १७६
 नारणदास सूजावन दू. १६०
 नारसिध ती २२८
 नाराइण गोयद रो प ३५८
 नाराइणदास प ३२०
 नाराइणदास जैमलोत प ६६
 नाराइणदास पचाइणोत प. ३०६
 नाराइणदास भाणोत प २१०
 नाराइणादित्य प. १०
 नाराणदास बोडो प. २४६, २४७
 नाराणदास घाघावत प २४७
 नारायण प. १६७, १६६, २३७, २४२,
 ३३१
 नारायण ती २२०
 नारायणदास आसकरणोत दू. १३६
 नारायणदास (करेभडो) ती २२७
 नारायणदास (तिहाणवेसर) ती २२७

नारायणदास (भेळू) ती. २२५
 नारायणदास भैरवदास रो प २४१
 नारायण मुहणोत प १६६
 नारायणदास (मेदसर) ती २२८
 नारायणदास रावत प ६२, ६४, ६५
 नारायण रायमलोत दू. १२३
 नारायणसेन राजा ती १८६
 नाल प २८८
 नाल्हो सीहड रो प. ३४१
 नासरदीन सुलताण ती. १६१
 नासर सैद ती २७३, २७५
 नासिर सैयद दे० नासर सैद ।
 नासिख्दीन दे० नासरदीन सुलताण ।
 नाहडराव पडिहार ती. २८
 नाहर दू. ६५
 नाहरखान प २७, ६५, ६६, ११७,
 १४२, १५४, १५५, १५८, ३२५
 नाहरखान दू. १०८, १३०, १५६,
 १८८, २६३
 नाहरखान गोकळदास रो प २०६
 नाहरखान नाराणदास रो प ३५८
 नाहरखान राघोदास रो प २८३
 नाहरसिध (जाकरी) ती. २३३
 नाहरसिध (रावतसर) ती. २२६
 निकुभ प १२२
 ,, ती. १७३, १७७
 निकुभ ऋषि दे. निकुभ ।
 निखष प ७८
 निगम राजा ती १८६
 निर्जाम साह ती २७६
 नित्यानंद सर्मा प ६
 निरघोस प. ६
 निषगराह प. २८८
 निषध ती. १७८
 नींबो प. ७०
 नींबो आणदोत दू. १५४, १६०

नीबो कांघळोत ती. १६, २१
 नीबो जैसिघवे रो प. २३२
 नीबो जोधावत ती. ३१
 नीबो मुहतो दू. १३५
 नीबो राव महेसोत दू. १८२
 नीबो सिवदास रो दू. १६७
 नीबो सीमाळोत दू. ४१, ४२
 नीभड़ पोहड दू. १३
 नीतपाळ प. २८६
 नीत राजा ती. १८६
 नील प. ७८
 नूरदीन जहांगीर बादशाह दे० जहागीर
 नूरदीन पातसहि ।
 नेतसी प. १६६
 „ दू. १६२, १७४
 नेतसी अजावत दू. ८०
 नेतसी कुजणोत दू. १७५
 नेतसी भा० प. १५२
 नेतसी मालदेओत दू. ६६
 नेतसी मेहरावण रो प. ३६१
 नेतसी रामोत दू. १२०
 नेतमी राव दू. १२१
 नेतसी बीरमोत प. २४०
 नेतसीह राव (वरसलपुर) ती. ३७
 नेतो दू. १६८
 नेतो चाचा रो प. ३५१
 नेतो जैमलोत दू. ६६, १६६
 नेतो परबत रो दू. ८२
 नेतो षिजा रो दू. ११७
 नेमकादिरय प. १०
 नेणमी मुहतो प. ८८, १७२, २७६
 नेणसी मुहतो ती. ४६, १६८, १७३,
 १७४, १७७, २१४, २१६, २६४
 नेणसी सिवराज रो प. ३५६
 नौघण रा' दू. २०२
 न्यामतळां कवि ती. २७४

प

पंच दे० चप ।
 पचाइण प. २२, २५, १०६, १६५, ३०६
 „ दू. ६६, १२०, १४२, १५१
 „ ती ६६, ६७, २२०
 पचाइण कचरा रो प. १६५
 पंचाइण खेतसी रो दू. ६३, ६५
 पंचाइण जैतसीओत दू. १६६
 पंचाइण जोधावत दू. १६४, १७७
 पंचाइण पंवार प. १४१
 पचाइण प्रधीराजोत प. २६०, ३०७,
 ३०६
 पंचाइण भगवानदासोत दू. १५२
 पंचाइण मूळावत दू. १६०
 पंचाइण मेहाजळ रो प. १६१
 पचाइण राणा भोजराज रो प. १७२
 पचाइण रूपसी रो प. ६७
 „ „ „ दू. १४८
 पंचाइण हमीर रो प. २३७
 पंचायण दे० पचाइण ।
 पचायण रावत ती १७६
 पजुन सामत प. २६०
 पंजू प. २२०, २२१
 पंजू पायक दू. ४१, ४२, ६१
 पडरिष्य प. २८८
 पंडवो प. १६
 पंवार प. ३३६
 पतार्ई राविळ ती २५, २६
 पताळसिघ दे० पातळसिघ राजा ।
 पतो प. २७, ११६, १६८, १६८, ३३०,
 ३५८, ३६२
 पतो दू. ८१, ८८, १३२, १३३, १४४,
 १६७
 पतो गांगा रो प. ३५५, ३५६
 पतो चारण प. १३६
 पतो चौबी प. १४८

पत्तो जैमल रो दू. १४५
 पत्तो जोगीदास रो दू. १६६
 पत्तो दहियो प २२६
 पत्तो देवडो सांवतसीओत प १५३
 पत्तो नगावत दू. १८१
 पत्तो नींवावत दू. १५४, १६०
 पत्तो मदा रो प. १६७
 पत्तो महणसी रो प १३५
 पत्तो महिपा रो प. ११६
 पत्तो मूळावत दू. १६०
 पत्तो राणावत दू. १५१, १७१
 पत्तो राणो प ३५८
 पत्तो राजघर रो दू. १७७
 पत्तो रायमल रो प. १६
 पत्तो राव कला रो प. १६०
 पत्तो रूपसी रो दू. १६६, १६७
 पत्तो सिधावत प २४३
 पत्तो सिखरा रो प. १६५
 पत्तो सींघळ प. २२५
 पत्तो सीसोदियो प. ३२, ६७, १११,
 ११२
 ,, ,, ती. १८३
 पत्तो सुरताणोत दू. ६६, १०८
 पत्तो सूजा रो प २३६
 पत्तो सूरा देवडा रो प. १७०
 पत्रनेत्र प. ७८
 पदमपाळ प. २८६
 पदम राणो दू. २६५
 पदम रिख दू. ६
 पदमसिंघ दू. ६३
 पदमसिंघ करणसिंघोत ती २०८
 पदमसिंघ (जीळी) ती. २३३
 पदमसिंघ (जैसलमेर) ती २२०
 पदमसिंघ (जैतपुर) ती २३०
 पदमसिंघ भाटी दू ११०
 पदमसिंघ (भादळो) ती २२५

पदमसी प. १६३
 पदमसी कानड़देओत दू २८३, २८४
 पदमसी रावळ प ७६
 पदमसी धिजैसी रो प. २३०, २३१
 पदमादित्य प. १०
 पदमो सेठ ती. २१५
 पदारथ ती. १८०
 पद्म ऋषि दू ६
 पद्मनाभ कवि प. २०४, २१५
 ,, ,, ती. २६३
 पदो जाड़ेचो दू २५३, २५४
 पमार डाहळियो ती. १५४
 पमो घोरघार ती. ५८, ६०, ७८, ७९
 परताप प. ११७
 परतापसिंघ मानसिंघोत दू. १६३
 परतापसी लूणकरणोत ती. २०५
 परपाळ राजा ती १८५
 परवत प ३६१, ३६२
 परवत आणंदोत दू १५४, १६२
 परवत केहर रो दू ७८
 परवत गांगा रो दू ८१, ८२
 परवत रावत प ७१, ७२
 परवतसिंघ प. ४०, १७४
 परवतसिंघ मेहाजळ रो प. १६१
 परवतसिंघ सीसोदियो प १५५, १५६,
 १५७
 परवत सेखा रो प १६८
 परमपथ राजा ती. १८६
 परमार प ४
 परवेज साहिजादो प ३२१
 परसराम प. ६८
 परसराम भारमलोत प. २६१
 परसराम रायसलोत प. ३२३
 परसराम (हरदेसर) प २३२
 परसोतम प ३२३
 परसोतमसिंघ प. २६८, ३२२, ३२३

पराछित ती १८६
 परिपाल ती १८५
 परियत्रराइ प २८८
 परीश्राइत हू. ६
 परीक्षित ती. १८५
 परीखत प ८, १०
 परीत्यत राजा प. १०
 पत्पत प. २८७
 पहरव पेंवार रो प. ३३६
 पकराई ती. १७५
 पवन्य प ७८
 पसायत गाडण हू ११८
 पसो प. २१
 पहपलकराज प २८८
 पहलादसिघ प ३११
 पहाडसिघ ती. २२४
 पहाडो ती २३४
 पहोड हू १७ दे० पाहोड
 पाचो हू ८१, १६६
 पाचो नगा रो प १६७
 पांचो माना रो प. १६८
 पांचो वीसा रो प. १६६
 पांडव ती १५३, १५४
 पाडो गोदा रो ती. १३, १४
 पांणराज प. २८८
 पातळ किमनाघत हू. १६४
 पातळ तोगाघत हू. ८४
 पातळ वरसिघ रो हू १२७
 पातळसिघ राजा ती १७६
 पातो चीचो प १४६
 पातो अभवणा रो प. २८५
 पातो फरास प १४५
 पातो भरमा रो प १७२
 पातो रावत हू ६७
 पातो वीकमसी रो प. २३१
 पातो सांगा रो प. १७२

पावुजी ती. ४०, ५८, ५९, ६०, ६१,
 ६२, ६३, ६४, ६५, ६६, ६७, ६८,
 ६९, ७०, ७१, ७२, ७३, ७४, ७५,
 ७६, ७७, ७८, ७९
 पायक प. २८८
 पारजात प ७८
 पारारिख प १२२
 पारियात्र ती १७६
 पाल उदैचंद राजा रो प ३३६
 पालण काल्हणोत दे० पाल्हण काल्हणोत
 पालण पवार प १८१
 पालणसी छोहिल रो प ३४०
 पालदेव सर्मा प ६
 पाल्हण काल्हणोत हू २, ३६, ५४
 ,, ,, ती ३४, २२१
 पासेनजित प. २८७
 पाहडसिघ प १३०
 पाहुण ती २२१
 पाहु बापा राव रो हू १, १०, ३३
 पाहु जेठी प. ३४६, ३५०
 पाहोड हू १ दे० पहोड
 पियुराव हू. ७७
 पिथोरो राजा ती १६०
 पिराग जाभणोत प. २३८
 पिरागदास प ३२३
 ,, हू. १३३
 पिरागदास घोरमदेवोत हू १७१
 पिराग भाटी हू ६६
 पिरोनशाह दे० पीरोसाह ।
 पीच सर्मा प ६
 पीत सर्मा प ६
 पीताम्बरदास देरासरी ती २६३
 पीथड घूहड रो ती २६
 पीथम राव प ३६२
 पीथमराव तेजसीयोत प २३२, २४१
 पीथळ दे० प्रिथीराज कल्याणमलोत ।

पीयळसिघ दे० पातळसिघ राजा
 पीथो प. १६४, १६६, १६९, ३१६,
 ३२९, ३३०
 पीथो हू. ६६, ७७, ९०, ९२, ९५,
 १२८, १७५, १९८
 पीथो आणंदोत हू. १५४, १६३
 पीथो कान्हावत हू. १८१
 पीथो जसंतोत हू. १७०
 पीथो देदावत हू. १९०
 पीथो वीसावत हू. १९४
 पीथो सीसोदियो बाघावत प. ६४, ६६
 पीरजादो हू. ४५
 पीर ब्रह्मान चिसती प. ३१८
 पीरो आसियो हू. १०१
 पीरोज हू. ३४२
 „ ती १८
 पीरोजशाह पातसाह हू. १
 „ „ ती १८४
 पीरोसाह पातसाह हू. १, १०, ५०
 पीरोसाह सुलताण ती. १९१
 पुजन राजा प. २६३, २६४, २६६
 पुज राजा ती १८०
 पुंडरीक प. ७८
 „ ती. १७८
 पुनपाल रांणो प. १५
 पुण्यपाल दे० पुनपाळ ।
 पुधन्वा (सुधन्वा) प. ७८
 पुनपाळ ऊदा रो प. ३४६
 पुनपाळ जागळवो प. ३५४
 पुनपाळ रांणो प. ६
 पुनपाळ रावळ लखणसेन रो हू. ४२,
 ४३, ११४
 पुनपाळ रावळ लखणसेन रो ती. ३३
 पुनराज हू. ३२
 पुतसी हू. ८९
 पुनसी, रावळ जैतसी रो हू. ८५

पुरस बहादर प. ३२२
 पुरुकुत्स ती. १७८
 पुररवा हू. ९
 पुरुखा दे० पुरराई और पुररवा ।
 पुरुषोत्तमसिंह प. ३२३
 पुष्कर ती. १७९
 पुष्पसेन दे० पोहपसेन ।
 पुष्य ती. १७९
 पूजो हू. ८९
 पूजो चूडा रो प. ३५१
 पूजो पाता रो प. १७२
 पूजो राजा रो प. ३५२
 पूजो रावळ प. ७७, ७९, ८७
 पूनो प. १९९, २००
 पूनो हंडो हू. ३४२
 पूनो चवडे रो हू. ३१०
 पूनो दोला गहिलोत रो हू. ३१४, ३१५
 पूनो भाटी रांणावत हू. ६६
 पूरणमल प. १०४, १०८
 „ हू. १२५
 पूरणमल कावळोत ती १६
 पूरणमल गोपाळदासोत हू. १८९
 पूरणमल जैतसिघोत ती २०५
 पूरणमल दासा रो प. ३१८
 पूरणमल प्रताप रो प. २८
 पूरणमल प्रथीराजोत प. २९०, ३१३
 पूरणमल मांडणोत हू. १८६
 पूरणमल मालदेश्रोत हू. ९२
 पूरणमल राजा हू. ३३५, ३३६
 पूरो प. १०९, ११९, ३१६, ३४२
 „ हू. १२९, १३०, २६२
 पूरो जैमलोत प. ६९
 पूरो भाणोत प. २६
 पूरो रांणावत हू. १७२
 पूरो सिघ रो हू. २६४
 पूथीप प. ६

पृथुश्रवा प. २८८

पृथ्वीराज कुवर ती. २४७

पृथ्वीराज चौहान प. २६६

पृथ्वीसिंघ (लोवो) ती. २३२

पेयङ्ग प. ६, १४, १५

„ दू. १००

पेमलो घोरी ती. ५६

पेमासिंघ प. ३०८

पेमासिंघ छत्रसिंघ रो प. २६६

पेमासिंघ (नीवा) ती. २२५

पेमासिंघ (लाबिया) ती. २३५

पेमासिंघ (घाप) ती. २२३

पेरजखान जोगा रो प. १२४

पेरोसा सुरताण दू. ५०

पैजारखान प. ४६

पैरोज प. ३२८

पैह्लाव प. ३२१

पोलस्त अगस्त रो प. १२२

पोलियो नाई ती. २१४

पोहड दू. ११, १२, १३, १४

पोहपसेन प. १२४

„ ती. १७५

प्रछेमधन्वा पी. २८८

प्रजापाल प. ७८

प्रणव ती. १७८

प्रतफ प्रवेस प. २८६

प्रतिबिब प. २८६

प्रताप (चढावो) ती. २३४

प्रतापचव प. ३१६

प्रतापमल रांम रो प. ३१४

प्रताप रांणो प. ६, १५, २१, २८, ३०,

३६, ३६, ४८, ७४, १०६, २०८

प्रताप रावळ प. ७३

प्रताप रिणधीर रो प. १४२, १५६

प्रतापरुद्र प. १२६, १३०

प्रतापसिंघ प. ६८, ३०५, ३११

प्रतापसिंघ कछवाहो दू. १५२

प्रतापसिंघ कल्याणमलोत दू. २७६

प्रतापसिंघ कुवर ती. १५२

प्रतापसिंघ (गोरीसर) ती. २३१

प्रतापसिंघ (छिपियो) ती. २३७

प्रतापसिंघ जसकरण रो प. १२१

प्रतापसिंघ भगवतदासोत प. २६१

प्रतापसिंघ भगवानदास रो प. ३००

प्रतापसिंघ भाटी सुरताणोत दू. १००

प्रतापसिंघ मनोहरदासोत प. ३०५, ३११

प्रतापसिंघ (महाजन) ती. २२८

प्रतापसिंघ मालवे रो प. ३१५

प्रतापसिंघ राजा (किशनगढ) ती. २१७

प्रतापसिंघ रावत प. ६६

प्रतापसिंघ (सिधमुख) ती. २२४

प्रतापसी प. १११

„ दू. ८८, २५६

प्रतापसी चहुवाण, राव ती. १८३

प्रतापसी रावत दू. २६४

प्रतापादीत प. १३३

प्रतापी रावळ प. ७६

प्रतिव्योम ती. १७६

प्रतीक प. २८६

„ ती. १७६

प्रथम राणो प. ६

प्रथसवा प. २८८

प्रथीचद मनोहर रो प. ३१६

प्रथीदीप भारमल राजा रो प. २६१

प्रथीमल प. १८५, १८६

प्रथीमाल प. १८६

प्रथीराज प. १७, १६, ५५, ५६, ६६,

१२५, १२६, १३०, १४४, २०६,

२४१, २५२, २८६, ३०७, ३११,

३१३, ३२४, ३२८, ३४१, ३४४

प्रथीराज दू. ८६, ६२, ६५, ६७, ६८,

१२३, १२४, १४७, १६१, १६५,

१८२, १९७, २०२, २६४
 प्रथीराज ती. ११६, ११७, ११८, ११९,
 १२०, १२१, १४०
 प्रथीराज उडणी-प्रणो प. १७, १९
 प्रथीराज कचरावत दू. १७४
 प्रथीराज करमचव रो प. ३१५
 प्रथीराज राघ, कल्याणमलोत बीकानेरियो
 प. २५६
 प्रथीराज कान्हावत दू. १९३
 प्रथीराज गोयददासोत दू. ११५, १५६,
 १५७
 प्रथीराज चव्रसेणोत प. २९०, २९७
 प्रथीराज चहुवाण राजा प. १८०, १८१,
 २९६, ३३९, ३४४
 प्रथीराज जूभारसिध रो प. २९८
 प्रथीराज जैतावत दू. २०१
 प्रथीराज झालो मानसिध रो दू. २५६
 प्रथीराज देवडो सूजावत प. १५४, १५५,
 १५६, १५७, १६१, १६२, १६५,
 १६६
 प्रथीराज (भूकरी) ती. २२३
 प्रथीराज पातावत दू. १४९
 प्रथीराज बल्लभोत दू. १७३
 प्रथीराज भोजराजोत दू. १२२, १३८
 प्रथीराज राजा कछवाहो ती. १५२
 प्रथीराज रायमल रो प. ९१, ९२,
 २८१, २८४
 प्रथीराज रावत, जैतावत प. ६०, ६६
 प्रथीराज राघ दलपतोत दू. १३१, १३२,
 १४४
 प्रथीराज रावळ प. ७०, ७१, ७२, ७३,
 ७९
 प्रथीराज रावळ उदैसिधोत प. ८७
 प्रथीराज राघ (वरसलपुर) दू. १२१
 प्रथीराज हरराजोत प. २५६
 प्रथीराज हाडो केसोदास रो प. ११७

प्रथीसिधजी कवर प. ३२२
 प्रथीसिध परसोतम रो प. ३२३
 प्रथु प. २८७
 प्रदमन दे० प्रदुमन ।
 प्रदुमन प. ७८
 ,, दू. १, १५, १६, २०९
 प्रद्युम्न दू. ९, १५, २०९
 प्रयागदास ती. ११९, १२०
 प्रशस्तनु दे० प्रसयतु ।
 प्रसयतु ती. १७९
 प्रसेनजित प. २८७, २९२
 ,, ती. १७९, १८०
 प्रसेनधन्वा प. २८८
 प्राग दू. ९
 प्रागदान ती. २३३
 प्रागदास प. २१२
 ,, दू. १३०
 प्रागदास करमसीधोत दू. १६३
 प्रागदास कलावत दू. १६२
 प्रागदास दयाळदास रो दू. ९४
 प्रागदास सांघळदासोत दू. १८३
 प्राछित राजा ती. १८६
 प्रासेनजीत प. २८९ (दे० प्रसेनजित)
 प्रिचीचव प. ३१९
 प्रिथीराज कल्याणमलोत ती. २०६, २०७
 (दे० प्रथीराज कल्याणमलोत)
 प्रिथीराज वरसलपुर राघ ती. ३७
 प्रिथु प. ७८
 प्रेतारथ दू. ९
 प्रेमचंद प. ३१९
 प्रेम मुगल प. २४४
 प्रेमसाह प. १३१
 प्रेमसिध प. ३२१, ३२८
 फ
 फतेसाह ती. २७६

फतैसिघ प २५, १३३, ३०६, ३११,

३१८

„ हू. ६५

„ ती. २२३, २२४, २२५, २३१,

२३२, २३३, २३४, २३५

फतैसिघ किसोरदासोत प ३०७

फतैसिघ लाडखान रो प ३१८

फतैसिघ विर्जसिघोत हू. ११०

फतैसिघ हररामोत प ३२४, ३३५

फदनखा ती. २७५

फरसरांम प. ६६, ३०७, ३२३

फरसरांम उर्वसिघोत प. २१, ३०८

फरसरांम कचरावत प ३१६

फरसरांम त्रिदावन रो प. ३०७

फरसो प १२१

फरसो सूजा रो प. ११६

फरीद शेख ती. २७६

फरेखान (फरेवान) प. २६२

फावंस ती. १७३

फिरोजशाह बादशाह हू. १०

„ „ ती. १८४

फूदो कांचड़ प २०३

फूल हू २२२, २३३

फूल जाड़ेचो छाहर रो हू. २०६

फूल जाड़ेचो घवळ रो हू. २२५, २२६,

२२७, २२८, २२९, २३०, २३१,

२३३

फूलांगी हू २३३

व

वघ प ३३८

वघ राजा प. ३३६

वघाइट प. ३३८

वम हू. २१५

„ ती. १८०

वभणियो जांम हू २२४

वंभ राजा (मारवणी रो बाप) प. २६३

वभेसर हू २१५

वडुवै राजा ती. १८६

वद्री तिरमणोत प. ३२३

वद्रीदास प. ३०६

वळ प ११६, १३५, २४७

वळकरण प १०१

„ ती. २२१

वळकरण जगनाथ रो प. ३०२

वळकरण नरहरदास रो प. ३०८

वळकरण पूरा रो प. ३४२

वळभद्र प. २१२, ३१०, ३१८, ३२७,

३२९, ३५६

„ हू. ६०, २६४

„ ती. २२८

वळभद्र नरसिघदास रो प. ३२०

वळभद्र नारायणदासोत प ३२४, ३२६,

३२७

वळरांम प. २८, ३०६

„ ती २३६, २३७

वलराज प. १००

वलराज तेजसी रो प ३५७

वळ राजा प. १६०

वळ लाखण रो प २५०

वळवीर प. १२६

वळसोही राव लाखण रो प १७२, २०२

वलाहक राजा ती. १८७

वळिकरन पुरोवत हू. १७२

वळिपाळ प. २८६

वळिभद्र प्रधीराज रो प २६०

वळिभद्र वांकड़ो राजा प्रधीराज रो

प ३०७

वलिरांम फरसरांमोत प. ३१६, ३२३

वलिरांम भगवंतदासोत प. ३००

वलि राजा प. १६०

बाहदर प. ३२८ दे० बहादर
 बाहुक ती १७८
 बाहेली गूजर हू ५५
 बिबपसाव रावळ प. १२
 बिजड प १३५
 बीका राव } दे० बीकी राव ।
 बीकाजी राव }
 बीज प. २५८, २६३ २६४, २६७,
 २६८, २६९
 बीज राजा ती १८५
 बीबी प १२४
 बीभी जाम हू. २५४
 बीरसीह रावळ प. १२
 बुकण भाटी-अभोहरियो हू. ३०२
 बुद्धसेन राजा ती १७५
 बुध हू १, ६, ११, १५, १६, १४०
 बुध ईच (बुधईस) ती. १७६
 बुधराम प. ३०८
 बुधसिघ प. ३०८
 ,, ती २३२
 बुधसिघ जगतसिघ रो हू १०६
 ,, ,, ती ३६, २२०
 बुधसेन प २६२
 बुलाकी प २६८
 बूजो बारहठ हू. ३८, ७४
 बूडो घाघळोत ती. ५६, ६२, ६४, ६५,
 ६६, ७५, ७६, ७७, ७८, ७९
 बूवनो हू. २५४, २५५
 बूहड़ मडळीक प १२३
 बोजो चूडा रो प. ३५१
 बोटी हू ६
 बोडो भाखरोत प २४५, २४७
 बोबी राणो ती. १५८, १७१
 बोहड बीठू हू ६३
 बोहड सोलकी प. २८०
 ब्रह्मदेव राणो हू. २६४
 ब्रह्मरिष प २६१

ब्रह्मान्य प. ७८
 ब्रह्मदस (बूहदस्व) प २८७
 ब्रह्मानखां ती. ५७
 भ
 भईया हू. १, ११
 भगवंतदास प. ३२६
 ,, ती. २२६
 भगवतदास राजा भारमलोत प ११२,
 २६१
 भगवत राय प. १३१
 भगवतसिघ प १४, १५
 भगवतसिघ ती. २२५, २३३
 भगवान प २६
 ,, हू. ७७, ८१, ८६, १२२, १२८,
 १७७
 भगवान किसनावत हू १६१
 भगवान मेघराज रो प. ३५६
 भगवान सोढो प ३६१
 भगवानदास प १३०, १६०, १६३,
 १६७, २३८, ३२१, ३२७, ३२९
 भगवानदास हू. ६८, १२६
 भगवानदास अखैराजोत हू. १५२
 भगवानदास कल्याणमलोत ती २०६
 भगवानदास गोपाळदासोत हू. १८६
 भगवानदास दयाळदासोत हू १४७
 भगवानदास नारणदासोत हू १८७
 भगवानदास फरसरांम रो प ३१६
 भगवानदास (भूकरी) ती. २२३
 भगवानदास रांमचदोत हू १५६
 भगवानदास राजा कछवाही हू १४५
 भगवानदास राजा भारमलोत प २६१,
 २६७, ३०२
 भगवानदास रायसिघोत हू १२५, २५५,
 २५६
 भगवानदास लूणकरणोत प ३२०
 भगवानदास धीरमदेओत हू. १६६

भगवानदास सीहावत दू. १२४
 भगवान सकतावत प. २७
 भगवान हरराजोत दू. ६६
 भगीरथ प. २८८
 भड लखमसी राणो प. १५
 भडसी कुतल रो, कछवाहो प. २६५,
 २६६, ३३०
 भडसूर रावळ प. ७६
 भदो पंचायणोत प. २१, २०७
 भदो सावतसी रो प. २००
 भरत ती. १८०
 भरथरी प. ३३६
 भरमो आढो दू. २४२
 भरमो चहुवांण प. १७२
 भरह राणो प. १२३
 भरक ती. १७८
 भव ती. १७६
 भवणसी जांभण रो दू. ३८
 भवणसी भूवर रो प. १६
 भवणसी (भीमसी) राणो प. १५
 भवणसी राणो ती. २३६, २४७
 भवनो रतनू दू. १४
 भवसी राणो प. १५
 भवानीसिध ती. २२३, २३२, २३७
 भांडो जंतावत दू. ६६
 भांडो वीरा रो प. १०२, १०६
 भाण प. २२, १२०, १४१ १८६, २३५,
 २३७, ३६०
 „ दू. १२२, १४३
 „ ती. ८७, ८८
 भांण अखराज रो प. २०७, २०६, २१०
 भांण अभावत पडिहार प. १५२
 भाण कल्याणमलोत ती. २०६
 भांण लोवा रो प. ३६०
 भांण जेसावत दू. १५०, १५१
 भांण भूतो-चारण प. ८६, ८८

भाण तेजमालोत दू. १२४
 भांण दुजणसाल रो प. ३५५
 भांण दूदा रो प. ३६१
 भांण नारणोत दू. ६६
 भांण (भेळू) ती. २२६
 भाण मनोहरदासोत दू. १६७
 भांण मोटल रो प. ३४१
 भांण रायमलोत दू. १८६
 भाण रायसिधोत दू. १६४
 भाणराव भोजराजोत दू. १३७
 भाण रिणधीर रो प. १४२, १५८
 भाणल दू. ६१
 भाण वाढेल दू. २२०
 भांण सकतावत प. २६
 भाण सहसावत दू. १८६
 भांण साईदासोत दू. १७६
 भांण सिधोत दू. १६३
 भांण सीहावत दू. १२४
 भाणो घावळ प. २२५
 भाणो मीतण-चारण प. १०५, १०६
 भांणो सीसोदियो प. १११
 भांन प्रतविद्य रो प. २८६
 भानीदास प. २७६
 „ दू. ११, ८०, ६२, ६३,
 १३६, १६३
 „ ती. २२०
 भानीदास कांन्ह रो दू. ८८
 भानीदास दुजणसलोत दू. १२८, १२६,
 १३२
 भानीदास घरजांगोत दू. १६१
 भानीदास घोरमदेघोत दू. १६८
 भानीदास (भवानीदास) तैरमनपुर-राव
 ती. ३७
 भानीदास हरराजोत ती. ३५
 भानीदास हमीर रो प. ३४३
 भानीसिध ती. २२३, २२८, २३७

भानो दू १६६
 भानो खेतसी रो प. ३६०
 भानो जोगा रो प ३५७
 भानो रावत प २७, ६४, ६५
 भानो सोनगरो ती ४१, ४२, ४३, ४४,
 ४५, ४६
 भामो साह ती १२३
 भाखर प २४१, २४७
 ,, दू ७६, १६८
 भाखर राणो प १५, २३१
 भाखरसिंघ ती. २३६
 भाखरसी प. २७, १५६, १६६, ३६१,
 ३६३
 ,, दू. ११, १७८, १६६
 ,, ती २३६, २४०, २४१
 भाखरसी कल्याणमलोत ती. २०६
 भाखरसी खगारोत प. ३०६
 भाखरसी जसवत रो प २०८
 भाखरसी दासावत प. १६३, १६६, २३७
 भाखरसी दूदावत दू १६७
 भाखरसी भानीदास रो दू. १६८
 भाखरसी महिकरन रो प. ३५६
 भाखरसी रायपाळोत दू. १५२
 भाखरसी वरसल रो प. ३६३
 भाखरसी सादूळोत दू १६६
 भाखरसी हरराज रो दू ६८
 भागचंद दू ८०, १२४, १४२, २०१
 ,, ती २२८
 भागचंद जैतावत दू २००
 भागचंद हाडो प १०१
 भागस सकता रो प. १६८
 भागादित्य प १०
 भागीरथ प ७८, २६२
 ,, ती. १७८
 भाटी व ६, १६
 भाटी सालबाहन रो ती. ३७

भादू रावळ प. ५, १२
 भादो नारणदासोत दू. १८८
 भादो भोजा रो प. ३५४
 भादो मोकळ रो ती. ११६
 भादो रावळ प ७८
 भाद्रावळ जोगी दू २१६
 भानु ती. १७६
 भानुमान ती. १७६
 भामाशाह दे० भामो साह ।
 भायसिंह ती. २२६, २२८, २३०
 भारतसिंघ ती. २२६, २३५
 भारथचंद्र राजा प १२६
 भारथसाह प. १२६
 भारथसिंघ प. २६८
 भारथी प ३०७
 भारद्वाज ती. १५४
 भारमल प १५६, १६६, १७१, २०५,
 ३०६
 भारमल दू. ६६, ८४, ६१, १५६
 भारमल जगमालोत ती ३, ४
 भारमल जोगावत ती. ३१
 भारमल प्रथीराजोत प. २६०, २६१,
 २६७
 भारमल भैरु रो प ३२५
 भारमल राजा ती. २१७
 भारमल राजा प्रथीराज रो प २६१
 भारमल रावळ प ३५६
 भारमल वीकावत प. २००
 भारमल सागावत प ३६०
 भारमल सेखा रो प ३२८
 भारमल सोम रो प १६६
 भारो दू. २०६, २१५
 भारो साहिब रो दू. २५३, २५५
 भालो रावळ प ७६
 भावसिंघ प. २७, १०२, ११३, १६०,
 ३०४, ३२४

भावसिध दू. ६३, १६६, २६३
 ,, ती २३७
 भावसिध कान्होत दू. १५०, १८४
 भावसिध मानसिध राजा रो प. २६१,
 २६७, २६८, ३१०
 भावसिध राजा दू. १४७
 भावसिध सेखा रो प. ३१७
 भासादित प. ७८
 भीवो प. १६२
 भीव प. २६, २७, ३२६, ३४१, ३४३
 ,, दू. १, ७७, ८१, ६६, ११६, १५१
 भीव करणोत प. २३५
 भीव करमा रो प. १६५
 भीव कल्याणदासोत दू. १६६
 भीव कूभाघत प. २३६
 भीव जगमाल रो प. ३२६
 भीवड पुजन रो प. २६४, २६६, ३३२
 भीव डोडियो प. ६२
 भीव दूदावत दू. १६३
 भीव देवडो प. १६६
 भीव पचाइण रो दू. २५५
 भीव प्रथीराज रो प. ३१५
 भीव प्रागदासोत दू. १८३
 भीव भगवतदासोत प. २६१
 भीव राणावत प. १६६
 भीवराज दू. १२४, १२८, १७८
 भीवराज प्रथीराज रो प. ३०२
 भीवराज मेळावत दू. १६६
 भीवराज सादा रो प. ३६२
 भीवराय प. १३१
 भीव रावळ दे० भीम रावळ ।
 भीव रुघनाथोत दू. १६०
 भीव वाघ रो प. २०८
 भीव सावतसीश्रोत प. २३४
 भीवसिध परसोतम रो प. ३२३
 भीवसी प. २६०

भीवसी रांगो दे० भवणसी रांगो ।
 भीव सीहड रो प. ३४३
 भीव सुरताणोत दू. १७१
 भीव हमीरोत दू. २०६, २११, २१२,
 २१३, २१४, २१५, २१६, २१७
 भीवो दू. ७८, १६६
 भीवो साडावत प. २४३
 भीवो साहणी दू. १६६
 भीखो प. २०५, २६०
 भीम प. ५७, ५८, ५९, १०६, १५६,
 २६०
 ,, दू. २११
 भीम ईसर रो प. १२१
 भीम खगार रो प. ३६३
 भीमचद राजा ती. १८८
 भीम चवडोत (चूडावत) दू. ३१०, ३४२
 ,, ,, ती ३१
 भीम जसहडोत दू. ७३
 भीम जेठवो दू. २२०
 भीमदे प. २६१
 ,, ती २२१
 भीमदे आसकरणोत दू. ५७, ५९, ६०
 भीमदे नानग सुत प. २६०
 भीमदेव लघु ती. ५१
 भीमदेव वृद्ध ती ५१
 भीमपाल प. २६०
 भीमपाळ छत्रमणोत ती. २१३
 भीम मेघराज रो प. ३५६
 भीम रांगो भालो दू. २६४
 भीमराज ती. २२५
 भीम राजा प. ३०
 ,, ,, ती. ५२
 भीमराव जैनसिधोत ती २०५
 भीम रावळ हरराजोत दू. १, ६, ११,
 १४, १५, ६४, ६८, ६९, १००,
 १०१, १०२

भीम रावळ हरराजोत ती ३५
 भीम वडो हू २०६
 भीमसिंघ ती. २२५, २२८
 भीमसिंघ महाराजा ती २१३
 भीमसिंघ रावळ प ८७
 भीमसी राणो दे० भवणसी राणो ।
 भीमसोळकी प २८०

भीमो हू. ३४२
 भीमो रावत हू. ८६३, ८७
 भुहसाजळ साहजी प १५
 भुजबळ रतना रो प १६४, १६५
 भुजो सढायच हू. ३३६
 भुटो हू २१, २२
 भुणगसी राणो प ६
 भुणकमळ हू. २, ३८, ३९
 भुवनसिंघ प. ६
 भूधर हू १६८
 भूपमीच प. २८६
 भूमान प. २८६
 भूवड राय ती ५१
 भूवर प १६
 भेटो हू. ८१
 भैरव प २३२, ३१३
 भैरव हू. ६६, ६७
 भैरव कवि प ७
 भैरवदास प. २१, १११
 „ हू ८८, १२४, १८२, २००
 भैरवदास जेतावत हू १५३, १७८, १६२
 भैरवदास देवडो प १५३ १५४, १५५
 भैरवदास मरोटवाळो हू १२०
 भैरवदास मेळावत हू १६६
 भैरवदास राणो हू. ६४, ६८, ६९
 भैरवदास वेणीदासोत हू १६८
 भैरवदास सोळकी नाथावत प. ५०
 भैरव देवडो प १६६
 भैरव भाना रो प. ३६०

भैरव राव प. २३२
 भैरु प ३१३
 भैरुदास जैसिंघदेवोत प. २३८
 भैरुं सूजा रो प. ३२५
 भोसला शाहजी दे० भुहसाजळ साहजी ।
 भोग्रो नाई प २४८, २४९
 भोगादित प ३, १०, ७८
 भोगादित्य दे० भोगावित ।
 भोज प. २८, ७६, १११, ११२, ११६,
 १५३, १६०, २०५, ३६२
 भोज हू. १, ३
 „ ती. २२१
 भोजदे प २३१
 „ हू. ८२, ८३
 भोजदे गागा रो प ३५६
 भोजदे रावळ विजैराव रो हू ३३, ३४,
 ३५
 भोज पंवार प. २६३
 „ „ ती २८, १७५
 भोज पवार सिंघळसेन रो प ३३६
 भोजराज प २१, १६३, ३०६, ३२३
 „ हू १३८, १८६, १६६, २०६,
 २१५, २५६
 „ ती. २२५, २२६
 भोजराज अखैराजोत प २०८, २१२
 भोजराज उदैसिंघ रो प २१
 भोजराज कांन्ह रो प. ३५३
 भोजराज चद्रसेन रो प ३५५, ३५६
 भोजराज जगनाथोत प २०६
 भोजराज जसूतोत हू १७०
 भोजराज जीवा रो प २४१
 भोजराज जैतसिंघोत ती २०५
 भोजराज नींवावत हू १५४, १६२
 भोजराज पचाइण रो प २३७
 भोजराज मालदेओत हू १७८, १६३
 भोजराज राजदे रो प. २६४, २६६,
 ३३२

भोजराज घाघोत दू १७६
 भोजराज रांणो प. १७२
 भोजराज रायसलोत प ३२१, ३२२
 भोजराज रूपसी रो प. ३०५, ३१२
 भोजराज सांवळदासोत दू १७४, १७६
 भोजराज साला रो प ३४१
 भोजराज सिघोत दू १६४
 भोज राव दू १७१
 भोज विजैराव लंजा रो ती २२२
 भोज सुरजन रो ती २६६, २६७, २६८,
 २६९, २७२
 भोजावित प ३, ७८
 भोजा दत्त प. १२
 भोजो प ११६, २४०
 ,, दू. ८०, ६६, १६४
 भोजो कूभा कांपळिया रो प. २४६, २५०
 भोजो जोघावत दू १७७
 भोजो देवावत प २८४, २८५
 भोजो सांडा रो प ३५४
 भोजो सोढो प. ३६१
 भोपत प २७, २८, ६६, १४२, १५६,
 १६४, २३७, २३८, २४२, २६१
 ,, दू. ८१, ८२, १२३, १६६, २६४
 भोपत ऊहड गोपाळदासोत दू. ६६
 भोपत कचरावत प. ३१६, ३१७
 ,, ,, दू १८५
 भोपत चकतो ती ३७
 भोपत जसवत रो (जसूतोत) दू ८०, १७०
 भोपत पतावत दू १६०
 भोपत भारनल रो प २६१, ३०२
 भोपत माडणोत प. ३५४
 भोपत मानावत दू १७६
 भोपत रांम रो प ३५८, ३६०
 भोपत राघोदासोत प. ३२७, ३२८
 भोपत रायसिघोत दू १०७
 ,, ,, ती. २०७

भोपन राहडोत दू ३२
 भोपत लिखमीदासोत दू १६६
 भोपत सहसावत दू १७६
 भोपत सांवळदासोत दू. १७४
 भोपतसिघ प. ३२२
 ,, , ती २२७, २३०
 भोपत सिघोत दू. १६३
 भोपत सोढो प ३६१
 भोपाळ प ६८
 भोपाळ दू ६१
 भोमपाळ राजा ती १८८
 भोमसिघ ती. २२५, २२६, २३२
 भोमसिघ सादूळसिघोत ती. २१३
 भोवड प २५६
 भोवडराज प २५६
 ,, ती. ४६
 भोवो नाई प २४८, २४९
 भोहो तेजपाळ रो प. ३३६
 म
 मंगळराव मभूमराव रो दू ६, ११, १५,
 १६, ३१
 मंगळराव, रावळ वछु रो दू १४०
 मभूमराव दू १, ६, ११, १५, १६,
 १४०
 मडलीक दू ८८, २६३
 मडलीक चहुवांण ती ३
 मडलीक जगमालोत ती ३, ४
 मडलीक राव (वैरसलपुर) दू १२१,
 १२६, १३०
 मडलीक राव (वैरसलपुर) ती. ३७
 मडलीक सरवहियो दू २०२, २०३,
 २०४, २०५, २०६
 मक रांणो दू. २६५
 मजाहिखला प १३६
 मथुरादास प. ३०८
 मदनपाळ राजा ती. १८८
 मदनसिघ प २४, ३१०

મહિરાવણ દૂ ૮૮ (વેં મહરાંવણ)
 મહિરાવણ ઘાઘા રો દૂ ૧૧૭
 મહિરાવણ ઘાઘેલો પ. ૨૨૬
 મહિલૂ પ ૨૮૧
 મહીકરણ નારણ રો પ ૩૫૮
 મહીદાસ પ ૭૮
 મહીપાલ પ. ૨૮૬
 મહીપાલ રાજપાલ રો પ ૩૩૬
 મહીપિંડ પ. ૩૩૬
 મહીરાવ પ ૧૩૫
 મહીરાવણ વૈરસલ રો પ. ૩૬૦
 મહેંદર પ. ૪
 મહેંદરાવ પ ૧૮૬ (વેં મહિંદરાવ)
 મહેંદ્રાદિત્ય પ. ૧૦
 મહેસ પ ૮, ૨૨, ૧૬૪, ૨૦૧, ૨૩૫,
 ૨૪૦, ૩૬૦, ૩૬૧, ૩૬૨
 મહેસ દૂ ૮૪, ૧૦૦, ૧૦૪, ૧૮૩, ૧૬૭,
 ૧૬૬
 મહેસ કરમા રો દૂ. ૮૦
 મહેસ કલાવત પ. ૩૫૪
 મહેસ ઘડસી રો દૂ. ૧૮૬
 મહેસ જીવા રો પ. ૨૪૧
 મહેસ ઠાકુરસી રો પ. ૩૬૦
 મહેસદાસ પ. ૧૩૫, ૧૭૬
 „ દૂ ૬૫, ૧૮૪, ૨૬૩,
 મહેસદાસ અચ્છદાસોત દૂ ૧૫૬
 મહેસદાસ આઢો કિસનાવત દૂ. ૧૫, ૨૬૫
 મહેસદાસ કલાવત દૂ ૧૮૪
 મહેસદાસ લેતસી રો દૂ ૧૨૩
 મહેસદાસ ગોયવદાસોત દૂ ૧૫૦
 મહેસદાસ જગવેવોત દૂ ૧૪૦
 મહેસદાસ વલ્લપતોત પ. ૨૩૪, ૨૪૬
 „ „ દૂ. ૧૭૭
 મહેસદાસ પીયા રો પ ૩૩૦
 મહેસદાસ રાવ સુરજમલોત દૂ. ૬૦
 મહેસદાસ રૂપસીઓત દૂ. ૧૪૮

મહેસદાસ લલાવત દૂ. ૧૬૧
 મહેસદાસ લૂંનકરણોત દૂ ૬૦
 મહેસ પ્રતાપસિધોત તો. ૧૫૨
 મહેસ ભંરવ રો પ. ૧૬૬
 મહેસ માંનસિધોત પ. ૩૫૬
 મહેસ સાર્દદાસોત દૂ ૧૭૬
 મહેસ સેલાવત દૂ ૧૭૩
 માંલણ સંવ પ. ૨૭, ૬૫
 માંગલ પ. ૨૬૩
 માંગલરાય પ. ૨૮૬
 માજો ચૂઢાવત પ. ૬૬, ૭૦
 માંડણ પ. ૨૪૩, ૩૬૧, ૩૬૨
 „ દૂ ૧૪૩, ૧૭૦, ૧૭૨, ૧૮૨,
 ૧૮૪
 માંડણ ઝહડ પ ૨૪૩
 માંડણ ઝહડ ગોપાલદાસોત દૂ. ૬૬
 માંડણ કૂપાવત દૂ ૧૮૧, ૧૮૭, ૧૮૬
 „ „ તો ૧૨૩, ૧૨૪, ૧૨૫,
 ૧૨૬, ૧૨૮, ૨૭૪
 માંડણ લાંટ તો. ૫૬
 માંડણ જોધા રો પ. ૩૫૭
 માંડણ રાણાવત પ. ૨૩૬
 માંડણ રૂનાવત સાંલો તો. ૩૧
 માંડણ વૈરસી રો પ. ૩૫૬
 માંડણ સકતાવત પ. ૨૭
 માંડણ સીહડ રો પ ૩૪૧
 માંડણ સોઢો દૂ. ૮૨, ૮૩, ૨૬૨, ૨૬૩
 „ „ તો. ૩૪, ૩૫
 માંડો પ ૬૬
 માંડો જૈતસી રો, રાંણો પ. ૩૪૧
 માંડો મુહતો દૂ. ૧૩૫
 માંડો હરભમ રો પ. ૩૫૨
 માંજકરાવ આસરાવ રો પ. ૧૦૧, ૧૭૨,
 ૨૦૩, ૨૩૦, ૨૫૦, ૨૫૧
 માંજકરાવ પુનપાલ રો પ. ૩૪૬, ૩૪૭,
 ૩૫૩

माणकराव रांगो मोहिल दू ३२२, ३२३,
३२५

„ रांगो मोहिल ती १५८, १७१

माणकराव सिवराज रो प. ३५६

माणकराव सोढो प. ३६३

माणल देवाइत दू १६

मांघाता चक्रवै ती १७८

मांघाता चक्रवर्ती ती. १७८

मांन प. १०१

मांन खोमावत दू ६, १३६, १६१

मांन चहुवांण प ७४, ७५, ७६, ७७

मान तुवर, राजा ती. १८३

मानघाता प ७८, २८७

मांन पूरा रो प. १०६

मांन राणो प. २३१

मांन लणवायो प. २२४

मान वीरभांण रो प १२०

मान सांवळदासोत प. ७३

मांनसिध प. १६०, ३१६, ३२८, ३२९

„ दू. ८८, ६५, १२२, १२६, १७०,
१६२, १६४

„ ती २३०, २३१, २३२

मांनसिध अखैराजोत प २०७, २०८

मांनसिध ऊदावत दू १७३

मानसिध कछवाहो प ३०, ३६, ४०,
४८, १३३, २५५, २५६, ३०८,
३१३

मांनसिध करणोत प ६५

मांनसिध कान्ह रो दू. १३६

मानसिध गागावत प. ३५८, ३५९

मांनसिध जेतसिधोत ती. २०५

मांनसिध जैमलोत प ६६

मांनसिध झालो दू २४५, २५६, २५९

मांनसिध तेजसी रो प ३२६, ३५४

मांनसिध दुरगावत प. ३२७

मांनसिध भगवतदासोत प २५५, २५६,
२६१, २६७

मांनसिध भांणोत प २६

मांनसिध भाखरसी रो प. ३५६

मानसिध मेहकरणोत दू. १६३

मानसिध राजा प. २६१, ३०८, ३१३,
३४२

„ „ दू. १४७

„ „ ती २१७

मांनसिध राव प. १४२, १४३, १४४,
१५०, १६१, १६५, १६६

मांनसिध रावत, सीसोदियो प. ६६, ६७,
६८

मांनसिध राव दूदा रो प. १३५, १३७,
१३८, १३९, १४०, १४१

मांनसिध रावळ प. ७३, ७४, ७५, ७६,
७७

मांनसिध राव (वेरसलपुर) ती ३७

मांनसिध राव सीरोही प० २२, २३, २४

मानसिध लखावत दू १६१

मानसिध सावळदासोत दू. १७४

मांनसिध हाडो प. ११७

मांनो प. २६, १४६, १५६, १६३,
२३८, ३६२

„ दू ६६, ७७, १४३, २६४

मांनो केसोदासोत दू. १८८

मांनो जोगा रो प ३५७

मांनो डूगरसीओत दू १७६

मांनो देवराज रो दू. २०१

मानो नरखव रो प २४८

मानो नोवावत दू १५४

मानो मदा रो प १६८, १६९

मानो महियह दू. ६२

मांनो राव प १४३

मांनो रूपावत ती. ८४

मांनो लखमण रो प ३४१

मांनो घीसळ रो प. २००, २०१

मांनो साईदासोत दू १७६

मांनो सिखरा रो प १६५

„ ती २२३

मदनसिध करणसिधोत ती. २०८

मदनसिध फरसरांम रो प ३२३

मदनसिध लेखा रो प. ३१७

मदनो प १४६

मदफरखान ती. ५३

मदो रामदास रो प. १६७, १६८

मधु हू ३

मधुकरसाह प्रतापकर रो प १२६, १३०

मधुकीटभ प. ४७

मधुकंटभ दैत्य दे० मधु कीटभ

मधु राणो परमार ती १७५

मधु राजा परमार ती १७६

मधुवनदास प. ३१०

मधुसूदन प १३३

मनदेव प २८६

मनभोलियो डूम हू २३२, २३३, २३४

मनरदास ती २२३

मनरांम (खनावडी) ती २३६

मनरूप जगनाथ रो प. ३०१, ३०६

मनरूपसिध प. ३००

मनरूप (हरदेसर) ती २३२

मनहरदास (कल्याणसर) ती २३४

मनहरदास (जीळी) ती २३३

मनहरदास (जैतपुर) ती २३०

मनहरदास (लखमणसर) ती. २३३

मनहरदास (सांडघो) ती. २३२

मनु प २८७

मनोरदास नरहरदासोत प. २३८

मनोहर प २३, २७६, ३१६, ३४३

„ हू ७८, ८५, ८८, ९०, ९६,
१२२, १७६, १७८

मनोहरदास प. ६, १६५, ३१८, ३२७,
३४२

मनोहरदास हू १२०, १२६, १६१,
१६७ १८६, १८४

मनोहरदास ती. २२३

मनोहरदास अखैराजोत हू १५२

मनोहरदास उदैसिधोत हू. १८८

मनोहरदास कलावत हू ६, ११, ६३,

१०२, १०३, १०४, १८२, १८४

मनोहरदास खंगारोत प. ३०५

मनोहरदाम जसूतोत हू. १७०

मनोहरदास नाथावत प. ३१०

मनोहरदास पातळोत हू १६४

मनोहरदास पिरागदासोत हू. १७१

मनोहरदास रावळ प ३५६

„ „ ती ३५

मनोहरदाम रुद्र रो प ३१६

मनोहरदास सांवळदास रो प ३४२

मनोहर राव प २७६, ३१६

मनोहर रावळ हू ७७, ८०

मनोहर रूपती रो प ३४३

मनोहर (सिधराव-भाटी) हू १०७

मनोहर सोढो प. ३६१

मनोहर प. २३७

ममारखसाह सुलतान ती. १६१

ममूसाह अमराव प २१८, २१६

मयणसी रावळ प ७६

मरीच प ७७, २८७, २६२

मरीच रांणो हू २६५

मरीचि ती १७५

मरु राजा ती १७६, १८५

मरुदेव ती १७६

मर्दनादित्य प. १०

मलकवर ती २७६, २७८, २७९

मलिक हू ४८

मलिक अवर दे० मलकवर ।

मलीनाथ रावळ ती २७, ३०, २५१,

२५२, २५५, २५६

मलूकचव राजा ती १८८

मलूखा राजा प १३०

मलेसी डोडियो ती १३४, १३५

मलेसी पुजनराव रो प २६०, २६४,
२६६, ३३२
मलो सोळकी प. ३४२
मलो सोळकी दू. १५३
मल्लिनाथ दे० मलीनाथ रावळ ।
मल्लीनाथ राव दू. २४८, २८१, २८२,
२८३, २८४, २८५, २८७, २८८,
२८९, २९०, २९१, २९६, ३००,
३०७, ३०८, ३०९
मल्लीनाथ रावळ दू. १३० (दे० मली-
नाथ रावळ)
महंदराव प १७२, २३०, २४७, २५०
महकरण रणावत प. २३३
महडू दू. २१५
महडू ऊनडू दू. २३८
महणसी प १३४, १३५, १६६, १८७
महवराव प. १०१
महदसी प ३४३
महपाळ राणो (परमार) ती १७५
महपो पमार (परमार) दू. ३३८, ३३९,
३४०, ३४१ (दे० महिपो पवार)
महपो पमार (परमार) ती. १७६
(दे० महिपो पवार)
महमद प. २६२
" दू. ३४३
" ती ५४, ५५, ५७
महमंद झालो दू. २५८
महमद पातसाह ती १, २, २८
महमद बेगडो प. २६२
" दू. २०२, २०३, २०४, २०५
" ती २५, ५६
महमदमली सुलताण ती १६२
महमदखान ती ५३
महमदसाह ती. १६१
महमदी आदल सुलताण ती. १६१
महमंद प. २६२
महमूद बेगडा वावशाह-दे० महमद बेगडो

महर जाडेचो दू. २०६
महरावण प ३६१ (दे० महिरावण)
महरावण तिलोकसी रो दू. १६२
महाजोध राजा ती. १८७
महानद प ७८
महावळ राजा ती. १८७
महामति प ७८
महायश ती. १७८
महारिख रिखेस्वर प १६३
महासिध प. २८, ६६, ६६, १२५, ३२३,
३२८, ३२९
" दू. ६३, २६३
" ती २२०, २३६
महासिध ईसरदासोत दू. ६५
महासिध उपसेण रो प ३१६, ३२२,
३२४
महासिध कछवाहो मानसिधोत दू. १३३
महासिध जगतसिधोत प २६१, २६७
महासिध राजसिधोत प २०६
महासिध राव प २८१
महिंदराव प २०२ (दे० महेंद्रराव)
महिकरण प. ३५७
महिकरण कूभा रो प ३५६
महिपाळदे ती ५२
महिपाळ राजपाळ रो प ३४४
महिपाळ राजा ती १८८
महिपाळदे बोडो लखा रो प २४७
महिपो केल्हा रो दू. ११२
महिपो केहर रो दू. ७७, ७८
महिपो चहुवाण प ११६
(दे० महियो चहुवाण ?)
महिपो पवार प १६, १७
(दे० महपो पमार)
" " दू. ३३८, ३३९, ३४०, ३४१
(दे० महपो पमार)
" " ती १, २, १३४, १३५, १३८,
१३९, १४०, १७६ (दे० महपो पमार)
महिपो भूवर रो प. १६
महिमडल-पालक ती १८०
महियो चहुवाण प. १७२
(दे० महियो चहुवाण ?)
महियो सीसोदियो प. ६२
(दे० महियो सीसोदियो ?)

मानो सिवदासोत हू. १४४
 मानो हमीर रो प. ३५८
 माखनखा सैयद दे० माखण सैद ।
 माघ राजा परमार ती. १७६
 माधुर हू ३
 माघवदास केसवदासोत प २११
 (दे० माघोदास केसोदासोत)
 माघवदे प. ३३६
 माघव ब्राह्मण प. २६२, २७७
 „ „ ती. ५०, ५१, ५३,
 १८४
 माघव माघो राजा ती १६०
 माघवसेन ती. १८६
 माघवादित्य प १०
 माघू भाटी हू ५८
 माघो प. १६६, १६७, २४२, ३४३
 माघो काना रो प. ३६०
 माघो गिरधर रो प. ३४३
 माघोदास प ३१३, ३२५
 „ हू. ६०, ६२, ६६, १२२,
 १२३, १२५, १७०, १८४, १६१,
 २६३
 माघोदास कलावत हू १६२, १८४
 माघोदास कान रो प ३१४
 माघोदास केसोदासोत हू. १६३
 (दे० माघवदास केसवदासोत)
 माघोदास गोपाळदामोत हू. १४६
 माघोदास छीतरदास रो प ३०८
 माघोदास नारणदासोत हू १८८
 माघोदास राघोदास रो प ३२८
 माघोदास बांकीदास रो प ३५८
 माघोदास सुरतांगोत हू. १७२
 माघो रिणमलोत हू. १६१
 माघो लाढखान रो प ३२१
 माघोसिध पे. २२, २५, ६८, ३०६,
 ३२६

माघोसिध ती. १७६, २२८, २३३
 माघोसिध कछवाहो हू १५१
 माघोसिध जसवत रो प. २०८
 माघोसिध जोधा रो प. ३५६
 माघोसिध भगवतदासोत प. २६१, २६६
 माघोसिध मालदे रो प. ३१५
 माघोसिध सीसोदियो हू. २६३
 माघोसेन राजा ती १८६
 मारु राणा रावळ रो प १६६
 माल प ३४३
 माल हू. २१५
 मालक खैराज रो प. ३३१
 मालण कचरावत प ३५७
 मालण जेसा रो हू १८१
 मालदे दे० मालदेव राव
 मालदे कचरावत प. ३१५, ३१६
 मालदे जैतसिधोत ती २०५
 मालदे नाराइणदासोत प. २११
 मालदे (जीली) ती. २३३
 मालदे पमार ती १८३
 मालदे (पल्लू) ती २२६
 मालदे भाटी हू ६०, ६२, १०२, १३३
 मालदे मूछाळो सावतसी रो प २०४, २०५
 मालदे राव (राव मालदे राठोड़) प
 ६०, ६२, १६८, २०७, २३३,
 २३८, २६७, ३१६
 „ राघ (राव मालदे राठोड़) हू. १३, १४,
 ५३, ५४, ६८, ६८, १४५, १६१,
 १६२, १६३, १६४, १७४, १७७,
 १८०, १६०, १६२, १६४
 „ राव (राव मालदे राठोड़) ती २८, ८६,
 ८७, ८३, ८४, ८५, ८७, ८८,
 ८९, १०१, १०२, ११४, ११५,
 ११६, ११७, ११८, ११९, १२०,
 १२१, १२२, २१५
 मालदे रावळ लूणकरणीत हू ११, १३,
 १४, ८६, ८१, ८७, १०६

मालदे रावळ लूणकरणोत ती ३५
 मालदे राव (वैरसलपुर) दू १२१, १२२
 १५४
 ,, राव (वैरसलपुर) ती ३७
 मालदेव राजा परमार ती १७६
 मालदेव राव गांगावत दू १३७, १३८,
 १५४
 मालदे सोढो प ३६१
 माल पंवार प २८०
 मालीदास करणसिधोत ती २०८
 मालूजी ती २७६
 मालो प. २७, ५०, १६८, १६९
 ,, दू. १४, ७७, ७८, ८६, १४२
 मालो किसनावत दू १२४, १२५
 मालो चारण प १८४
 मालोजी रावळ दे० मलीनाथ रावळ
 मालो जोधावत दू १७७
 मालो देवराज रो दू १०४
 मालो रतनू-चारहठ दू ५४
 मालो रावत दूवा रो प १२४
 मालो रावत हांमा रो प. १४६
 मालो रावळ दे० मल्लीनाथ रावळ
 मालो सिध'रो दू २६२, २६४
 मालो सिलार रो प. १६५
 मालो सूजावत प १४४
 मालो सेखा रो प १६५
 माल्हण सूर दू १५३
 मावल घरसडो दू २३२, २३३
 माहंगराव गोंदा रो प. २५३
 माहप प. ५, १३, १४, ७०, ६०
 माहिसिध प ११६
 मित्राघरण प १२२
 मिरजो खांन दे० खांन मिरजो
 मिलक केसर दे० केसर मिलक
 मिलक खांन प १४६, १४७
 मिलक खांन हेतावत प. २४६

मिलक वेग दू. २६०
 मिलक मीर प. २३१
 मीया प. १०१
 मीर गाभरू प. २१८, २१९
 मीर मलिक प २३१
 मुंगदराय प १३३
 मुंजपाळ हेमराजोत ती. ३०
 मुघ प ११६
 मुघपाळ प. ११६
 मुघ रांणो दू. २६५
 मुघ रावळ देवराज रो दू १०, १५,
 ३१, ३२
 मुकुद प. १६, २०
 ,, दू ६६, १२३, १८०, १६६
 मुकुंद ईसरदासोत दू ६४
 मुकुददास प. १२५, २११, २१२, २३३
 ३०८, ३२०
 ,, दू ८८, १७०, १६०
 ,, ती २३५, २३६
 मुकुददास कधरावत दू, १७४
 मुकुंददास जंतसिध रो प. ३०३
 मुकुददास नरसिधोत दू १८३
 मुकुंददास भोपत रो प ३१७
 मुकुददास माघोदासोत दू. १४६
 मुकुददास सांघळदासोत दू. १७४
 मुकुददास सीसोवियो प १४८
 मुकुददास सुरतांणोत दू १६०
 मुकुंददास हरदासोत दू १६५
 मुकरवखां ती २७७
 मुकुर्दसिध प. ११५
 मुकुंद सुरतांण रो प ३५६
 मुक्तपाळ प २६०
 मुगटमिण ताजखांन रो प ३२४
 मुगलखान इसमाइलखां रो दू. १०४
 मुथरादास प २५, ३१०
 मुथरो दू. १३२, १४२

मुथरो रांणा रो दू १०४
 मुथरो रायमसोत दू १४४
 मुथरो हरावत दू १४४, १४५
 मुवफर प. २६२
 मुवफरखान प. २२३
 मुद्राफर प. ११६, २६२, ३०२
 „ दू २४१
 „ ती. ५५
 मुराद प. ३०५
 मुरादवगस प ३१
 मुरारदास प ३०६
 „ दू १४६
 मुहमुद्दीन आदिल ती १६१
 मुहम्मदशाह ती १६१
 मूजो प ३४६, ३४७, ३५२
 मूलक ती १७८
 मूलदेव प २६१, २६०
 मूलदेव लघु ती ५२
 मूलपसाव दू. २, ३६ ४३
 „ ती २२२
 मूलराज दू. ६२, १०६, १४४
 मूलराज चालुक्य दू २६६
 मूलराज चावडो दू २६७, २६८
 मूलराज रावळ दू १०, १४, ३६, ४३,
 ४४, ४५, ४६, ४७, ४८, ४९, ५१,
 ५२, ५३, ५४, ५५, ६६, ६७, ६८,
 ७३, ७५, १०२, ११०, ११२
 मूलराज रावळ ती ३३, ३४, १८३,
 २२०, २२१
 मूलराज लघु ती ५१
 मूलराज वाघनाथोत नी. २६
 मूलराज वृद्ध ती ५१
 मूलराज सोलकी प २६०, २६१, २६५,
 २६७, २६८, २६९, २७१, २७८,
 २८०
 मूलराज सोलकी दू २५८

„ „ (मूलदेव) ती. ४६
 मूलवो दू २१५
 मूलू सांगमरावोत ती. २८५, २८६,
 २८७, २८८, २८९, २९०, २९१,
 २९२, २९३
 मूलू सेपटो प २२६
 मूलो दू. १६८. २०१
 मूलो नींबावत दू. १५४, १६२
 मूलो प्रोहित ती. ६७
 मूलो रावत रिणघोर रो दू. ११७
 मूलो वेंणावत दू. १६०
 मूसाखान दू. २५३
 मेघ दू २०६, २६४
 मेघनाद प. १०५, १०६
 मेघराज प. १५६, ३५६, ३६०
 „ दू १२०, १६७, १७०, १८८
 १८९, २०१
 मेघराज अखैराजोत दू. १६२
 मेघराज गांगावत प. ३५८, ३५९
 (दे० मेघो गांगावत)
 मेघराज भालो-मकवांणी दू. २५६
 मेघराज बूदावत दू. १६२
 मेघराज राणो दू २५७
 मेघराज रावळ दू ६७
 मेघराज वीरदासोत दू. १४५
 मेघराज हमीरोत दू १७६
 मेघ रावत दे० मेघो रावत ।
 मेघवोसो ती २०५
 मेघादित्य प. १०
 मेघो प २०५
 मेघो कचरा रो प. १६६
 मेघो गांगावत दू १००
 (दे० मेघराज गांगावत)
 मेघो नरसिंहदासोत ती. ३८, ३९, ४०
 मेघो भैरवदास रो प. २४१
 मेघो महेस रो दू १०४
 मेघो रांणा रो दू. १०४, १७२
 मेघो रावत प. ६२, ६३, ६४, ६५, ६६

मेघो राव षष्ठु रो ती. १६१, १६६, १७१
 मेड कछवाहो प. २६४
 मेढारि राजा ती १८५
 मेदनीमल प १२६, १३०
 मेर प. १७२
 मेरादित्य प १०
 मेरो प १५, १६, १६७, १८३, २२५,
 ३५७
 „ दू ३३८, ३३९
 „ ती १३५, १३६, १३८, १४६
 मेरो अचलावत दू. १८७, १८९
 मेळो दू ८०
 मेळो गजु रो प ३५६
 मेळो सांगावत दू १६६
 मेळो सेपटो ती. २५८, २५९, २६०,
 २६१, २६२, २६३, २६४, २६५
 मेवादित्य प. १०
 मेहकरण प ३२०
 मेहकरण तेजसीओत दू १६३
 मेहदो पालनसी रो प. ३४०
 मेहर तुरक दू ३१
 मेहराज प. २०
 मेहराज अखैराजोत दू. १७८
 मेहराज गोपळदेओत प ३४७, ३४८,
 ३४९, ३५०
 मेहराज सांगलियांणी रो प. ३४७
 मेहराज बरसिघ रो प ३१३
 मेहराज सांखलो दू ३१२, ३२६, ३२७
 मेहराज सोढो प. ३६१
 मेहरो प. १६६, २००
 मेहाजळ प. १४५, ३६०
 मेहाजळ केहर रो दू. २, ६, ३८, ७८,
 ८१, १०७
 मेहाजळ जगमाल रो प. १६०, १६१
 मेहाजळ नारणोत दू १७४
 मेहाजळ रायपाळ रो प. ३५१

मेहो प. ३४१, ३४२, ३५३
 मेहो तेजसीओत दू. १६४
 मेहो भागस रो प १६८
 मंगळ प १६८
 मंगळदे देवडो दू ६७, ६८
 मंगळदे भाटी दू. ५२
 मंदो वीदा रो प ३४२
 महदअली (महदअली) दू. १५१
 महपो रांणो ती २३६
 महारांण कांन्हावत प २३६
 महारांण साईदासोत दू. १७६
 मोकळ प १०६, २०३
 मोकळ (जेसळमेर) ती २२१
 मोकळ वाल रो प. ३१८, ३१९
 मोकळ रांणो प. ६, १५, १६, ६१, ६२,
 ३४२
 „ रांणो ती १२६, १३०, १३४,
 १४१, १४६
 मोकळ लाखा राणा रो दू ३३४, ३३५,
 ३३७
 मोकळसी जाडेचो दू २०६
 मोकळ सोभ्रम रो दू १००
 मोखरो राजा प. ३३३
 मोजदीन सुलतांण ती. १६१
 मोलदे जैसिघदे रो प. ३५२
 मोटल प. ३४१
 मोटो राजा प
 मोटो राजा दू ६०, ६३, ६६, १२४,
 १२६, १३०, १३२, १४५, १४६,
 १५४, १५५, १५७, १६३, १६४,
 १६५, १६६, १७६, १७६, १८०,
 १८१, १८२, १८४, २५६
 (वे० उर्वेसिघ महाराजा)
 मोटो दू. ६६, १२३
 मोड जाम दू २१४
 मोडो रावत कुंतल रो प १२४

मोढी मूळवांणी ती. ५, ६
 मोवर्तसिघ ती २२७
 मोरी प ८, १२
 मोहकर्मसिघ प. २४, २६, २६६, ३०५,
 ३०७, ३१०, ३१६, ३२२, ३२४
 ,, ती २३०, २३२, २३३
 मोहण प २७, १६५
 ,, दू ८८, ८९
 मोहण जोगा रो प ३५७
 मोहण बहियो ती २७०, २७१
 मोहणदास प ६६, १२५, १६७, ३०७,
 ३१६, ३२५, ३२७
 ,, दू ६१, १२०, १३३, १६८,
 १७४, १७५, १७७, १६८
 ,, ती ३६
 मोहणदास ईसरदासोत वू ६४, १०६
 मोहणदास कल्याणदास रो प. ३१२
 मोहणदास गोयददासोत वू १५५
 मोहणदास चतुरभुजोत दू. १८५
 मोहणदास जैतसी रो दू १६४
 मोहणदास नरहरदास रो प ३०८
 मोहणदास भगवानदास रो प. ३०२
 मोहणदास राजावत दू ८२
 मोहणदास रूपसीश्रोत वू १४८
 मोहणदास सुरताणोत प ३०४
 मोहणसिघ प २५, २८, ६७
 मोहणसिघ करणसिघोत ती २०८
 मोहणसिघ सुरते रो प ३१
 मोहनरांम प. ३१०, ३२०, ३२६
 मोहवतर्पान (मोहवतर्पान) प २५, ३१,
 २३४, २४३, ३१०, ३११, ३१४,
 ३२१, ३२५
 ,, दू ८०, ११६, १३१
 ,, ती. २४६, २७७, २७६
 मोहित रावळ प. ७८
 मोहिल प ४५, ८६

,, ती. २५०
 मोहिल सुरजनोत ती १५३, १५५, १५८
 मोजुद्दीन सुलतान दे० मोजुद्दीन सुलतान

य

यमादित्य प. १०
 ययळ दू १२४-
 ययाति दू. ६
 यशपाल रांणो परमार ती. १७६
 याकूतखां ती २७६, २७६
 यादव दू. ६
 यामिनीभानु प. १३३ (दे० जांमणी भांण)
 युधिष्ठिर प १६०
 ,, ती. १८५
 युवनाश्व प. ७८
 युवनाश्व ती. १७७
 ,, द्वितीय ती १७७
 योगराज ती. ४६
 योगी दू. २४

र

रघु प. ७८, २८८, २६२
 ,, ती १७८
 रघोस प. २६२
 रजमाई प २६२
 रजा बहादुर प ३०४
 रठ रांवण इंद्रराव ती. १६६
 रणजय ती १७६
 रणजीतसिघ ती. २३२
 रणधीर प १४२
 ,, दू १७७, १६६
 रणधीर गाजणियो दू २२१, २२२
 रणधीर चवडे रो दू. ३०६
 रणधीर चाचा रो दू. ११७
 रणधीर नाथू रो दू. १६८
 रणधीर मूळावत दू. १३६
 रणमल जाम दू २२४

रणमल नींबा रो दू. १६१
 रणमल बाघेलो दू. २५३
 रणसिंघ राजा ती. १६०
 रणसिंह दे० रंणसी राणो ।
 रणसीह दे० रंणसी रांणो ।
 रतन प. ११२, ३०५, ३१६, ३२१,
 ३२३, ३२६
 ,, दू. १४, ६०, ६५, ६७, १५७,
 १६६
 रतन चारण दू. ३८, ७४
 रतन जैसिंघदे रो प. २३२
 रतन दासे रो प. ३१५, ३१७
 रतन महेसदासोत प २४६
 रतन राव प. ११३, २४६, २५६, २८३
 ,, ,, दू. १५८, १५९
 रतन लूणोत बांभण दू. १६, २५, २६
 रतन सांखलो सीहड़ रो प. ३४२
 रतनसिंघ ती १८३, २२०, २२८, २३५
 रतनसिंघ भाटी दू. ११०
 रतनसिंघ महाराजा ती. १८०
 रतनसी प. २७, १६५, १६६, १७२
 ,, दू. ८०, ६३, ६८, १२४,
 १२६, १८५, १८८, २६३
 ,, ती २२१
 रतनसी अर्खराज रो प. २०८, २१२
 रतनसी अर्जसी रो प १४, १६, २०
 रतनसी आसावत दू १७६
 रतनसी कमा रो प ३५६
 रतनसी गांगा रो प. ३५६
 रतनसी चहुवाण ती १८३
 रतनसी जंतसी रो दू. १८६
 रतनसी नरहरदासोत दू १५०
 रतनसी नाढावत सींघल ती. ४१
 रतनसी भीवरराज रो प. ३०३
 रतनसी भीवसी रो प. २६०
 रतनसी भीवोत दू १८३

रतनसी महकरणोत प. २३५
 रतनसी माला रो दू. १७८
 रतनसी रांणो प १६, २०, २१, १०४,
 १०५
 रतनसी रांणो ती ३४
 रतनसी रांणो अमरा रो प. ३१
 रतनसी रांणो जंतसी रो दू. ३, १०,
 ३६, ४३, ४४, ४५, ४७, ४८, ५१,
 ५३, ५४ ५५, ६६, ६७, ६८
 रतनसी राजा प २६०
 रतनसी राव प ६२, २६७
 रतनसी राव काधळोत प ६६, ६७
 रतनसी रावळ प ७६
 रतनसी रावळ पदमणीवाळो प. १३
 रतनसी राव लाखण रो पोतरो प. १७२
 रतनसी लूणकरणोत ती. २०५
 रतनसी बीजा रो प ३५८
 रतनसी सांगावत प. १०२, १०३
 रतनसी सिवरराज रो प. ३५६
 रतनसी सीसोदियो प. ५०, ७४
 रतनसी सीहड़ रो प ३४०
 रतनसी सेखा रो प. ३२७
 रतनसी सोढो प ३६१
 रतनसेन प. १२६
 रतनसेन रांणो ती १८४
 रतन हमीरोत प. ३०५
 रतनो दू १४५, १६६
 रतनो गांगा रो प ३४३
 रतनो पीयावत दू १६३
 रतनो धीरम रो प. १६४
 रतनो बीसा रो प. १६६
 रतनो बैणा रो प. १६६, १६७
 रतनो संकरोत प २४३
 रतनो सांखलो प १८, २८२, २८३
 रतो दू १४३
 रतो थिरा रो प. ३५६

रत्नसिंघ महाराणा प. ६, १४
 रत्नसिंह रावल प ६
 रत्नादित्य ती. ४६
 रनजीत प १२६
 रनधीर प. १२६
 रनादित्य प १०
 रलादित्य ती ४६
 रवदंत प २६२
 रवो सुरताणियो वारहठ दू. २०२
 रसखडवीज राजा ती. १८७
 रांणगदे राव दू ११४, ११५, १३८,
 ३१२, ३१३, ३१८, ३१९, ३२०,
 ३२४, ३२७
 राणक राय प. २८६
 रांणगदे प ३४८, ३४९, ३५०
 राण घरजांगीत ती ३०
 रांणादित्य ती ४६, ५०
 रांणो प २४०
 ,, दू. ६४, १०४, १२८, २५६
 ,, ती २२१
 रांणो झखैराजीत प. २१
 रांणो तेजमालीत दू. १२४
 रांणो दूदावत दू ६५
 राणो नरवद रो दू १६७
 राणो नीवावत प. २३३
 राणो नेता रो प ३५२
 रांणो भीवावत प. २४३
 रांणो रांमावत दू १६४, १७१
 राणो रायमालीत दू १५१
 राणो रायल रो प. १६६
 रांणो राहडोत राहड-घोघो दू ३२
 रांणो सहसावत दू. १७६
 रांम प १३०, १४२, १५४, १५५,
 १५६, १७२, २३७, ३६४
 ,, दू ७७, ८६, १४१, १६०
 रांम उदैसिंघ रो प. ३१३

रांम उरजण रो प. ११०
 रांम कवर प. ३१५
 रांम कंधरावत ती. २१५
 रांम कूंभावत दू. १७६
 रांम खैराडो प. २७६
 रांमचंद प. २७, ६३, १११, ३०७,
 ३०८, ३०९, ३२८
 ,, दू ७७, ८८, ६२, १०५, १२१,
 १२२, १२४, १२८, २००
 ,, ती २२५
 रांमचंद ईं वो ती. २८२, २८३, २८४,
 २८५
 रांमचंद करमसी रो प. ३२५, ३२६
 रांमचंद गोपालदासीत दू. १०६
 रांमचंद गोयंददासीत दू १७५
 रांमचंद जसवत रो प २०६
 रांमचंद नरहरदासीत दू. १६६
 रांमचंद फरसरांम रो प. ३१६
 रांमचंदर प. २६८
 रांमचंद राजा वीरभाण रो प १३३
 रांमचंद राय प १०१
 रांमचंद राय जगनाथीत प ११३
 रांमचंद रावल दू २००
 रांमचंद रूपसी रो प ३१२
 रांमचंद बाघावत दू. १६२
 रांमचंद वेणावत मोहिल ती. १७२
 रांमचंद सिंघोत रावल दू. ६३, १०३,
 १०४, १०५, १०८
 ,, ,, रावल ती. ३५
 रांमचंद सुरतांणीत दू. १५८
 रांमचंद्र दसरथजी रा प ७८, १२६
 (दे० श्रीरांमचंद्रजी श्रवतार)
 रांमचंद्र राजा ती. १८८
 रांमचंद्र रायमलीत प. ३१८
 रांम चवंडें रो दू. ३१०
 रांम जगमालीत दू. १६१

रांमो प १६, २४२

„ दू. ६६, १२६, १६७

रांमो चारण प १११

रांमो जाभण रो प २३६

रांमो जोधावत दू १६४

रांमो देवडो प. १५५, १५६, १५७,
१६५, १७६

रांमो नाथू रो दू. १६६

रांमो नारण रो प. ३५८

रांमो भाखरसी रो प. ३५६

रांमो मांडण रो प ३५७

रांमो माघा रो प ३६०

रांमो लूणावत प. २३५

रांमो सोहड ती १०६, ११०

रांमो हाडो प ११८

रांमण प. ४७, ११६, १६० (दे० रांमण)

रा' दयास दू २०२

रा' नौघण दू. २०२

राइसी (रांसी) रावळ प. ७६

राखाइच दे० राखायच सोळकी ।

राखाइत दू. २६६, २६६, २७०, २७१,
२७२, २७३, २७४

राखायच सोळकी प २६५, २६६,
२६६, २७०, २७१

राखो दू. १०४

राघवदास प. ११७

राघवदास दू. १२८

राघवदास कल्याणमलोत ती. २०६

राघवदे प १६

„ दू. २६४

राघवदे घरजाग रो प. २३२

राघवदे सोसोदियां-लाखावत प ५३, ५४

• राघो प २०५

„ दू ८५, १६०, १६७, १६६, २१५

राघो किसना रो प. ३५२

राघोदाम प १६०, १६७, २३३, ३२७,
३२८

राघोदास दू ८६, १२२, १७७, १८८

„ ती २२६

राघोदास अखैराजोत दू १५२

राघोदास उर्देसिघ रो प ३१२

राघोदास खगारोत प. ३०५

राघोदास डूंगरसीओत दू. १४८

राघोदास तिलोकसी रो दू. १६२

राघोदास देवडो जोगावत प. १५७

राघोदास घीरावत दू २०१

राघोदास फरसरांम रो प. ३१६

राघोदास महेसोत प. २०१

राघोदास राम रो प. ३१४

„ „ „ दू. १६१

राघोदास धीठळदास रो प. ३०८

राघोदास धीरमदेओत दू. १७१

राघोदास सादूळोत प २८३

राघो नाथू रो दू १६८

राघो वाली ती. १२६

राघो भाखरसी रो प ३६१

राज प २५८, २६१, २६३, २६४,
२६५, २६७, २८०

राजकुळ प. २६०

राजचंद्र प. १२६

राजडियो सूर-माल्हण रो दू. ४२

राजदे प. ३३२

राजदे चाचगदे रो प. ३५५, ३६३

राजदेव प. २६०

राजघर प. १६६

„ दू. २

„ ती २२१

राजघर धवडे रो दू ३१०

राजघर जोधा रो प ३५६

राजघर भोजावत दू. १७७

राजघर मानिसघोत प. ३५६

राजघर रिणधीर रो प. २०५

राजघर लखमण रो दू. ७६, ८०

राजघर वैरसी रो प. ३५६
 राजपांण भाट प. २८७
 राजपाळ प. २६०
 ,, ती. २२१
 राजपाळ रांणो वछु रो दू. १४०
 राजपाळ रांणो सांगा रो दू. १, ११,
 १२, १३, १६
 राजपाळ वैरसी रो प. ३३६, ३४२, ३४४
 राजमल उर्वेसिध रो प. ३१३
 राज रावळ दू. ३
 राजरिख प. १२२
 राज समर्मा प. ६
 राजसिध प ३१, ३२, ४६, ५२, ५३,
 ३०६, ३१६, ३१७
 ,, दू. ८८, ९३, १२२, १४०,
 १६५, १७६, १८१, १८४, १८५,
 २६४
 ,, ती. १८१, २२६, २३६, २३७
 राजसिध आसकरण रो प. ३०३
 राजसिध करनोत प ६८, ७०
 राजसिध खींवावत दू. १८२, १८४
 राजसिध गोपाळदासोत दू. १०६
 राजसिध जसवतोत दू. १४६
 राजसिध दयाळदासोत दू. १४७
 राजसिध म० कुवार दू. ११०
 राजसिध रांणो प ६, १५, ३१, ३२,
 ४६, ५२, ५३
 राजसिध रामसिधोत प ३२६
 राजसिध राघोदास रो प ३१४
 राजसिध राजा ती. २१७
 राजसिध रावत प. ६६
 राजसिध राव सुरतांण रो प १३६,
 १५३, १५४, १५८, १६१, १६३,
 १६४
 राजसिध सखावत दू. १६१
 राजसिध वेणीदासोत दू. १५७, १६८,
 १६९

राजसिध हमीरोत प ३०५
 राजसिध हररामोत प. ३२४
 राजसी प. १६५, १६८, ३४३
 ,, ती २२२, २३६
 राजसी कवरसी रो, रांणो प. ३४६
 राजसी तेजसी रो प ३४२
 राजसी देवढो प. १५७
 राजसी नाथा रो प. १६७
 राजसी भैरवदासोत दू. १६६
 राजसी राधावत प. १५३
 राजसी ह्रींगोळ रो प. १७२
 राज सोळकी प २६१, २६५, २८०
 राजादित प २५६
 ,, ती. ४६
 राजादे वीजळदे रो प २६४, २६५,
 २६६
 राजा समर्मा प ६
 राजो प ३०८, ३०९, ३१०, ३११
 राजो ती. २२६
 राजो ऊगमणावत ती. २५२
 राजो करण रो प. ३५२, ३५३
 राजो कांधळोत ती. २१
 राजो (बाहड़मेरी रो) दू. ८८
 राजो रांणो दू. २६२, २६५
 राजो वीकाजी रो ती. २०५
 राज्यसिध राजा ती. १६०
 रामनारायण वृगढ प. १३४
 रामशाह वे० रामसा ।
 रामादित्य प. १०
 रायकवर प. ३१५, ३१७
 रायकरन दू. १२३
 रायचंद भाटी दू. ९६, १००
 रायचंद मनोहर रो प ३१६
 रायघण दू. १; २०६, २१५, २१६,
 २५४
 रायघण हमीर रो २०६, २११

रायघवल ऊगमणावत ती. २५२
 रायपाळ तेजसी रो प. ३४१
 रायपाळ नापा रो प. ३५४
 रायपाळ राव ती. २६, १८०
 रायपाळ साहणी ती. ८४
 रायपाळ सिवा रो प. ३५१
 रायपाळ सीहावत हू १४५
 रायभांण हाडो रायसिंघ रो प. ११७
 राय भूवड ती. ५१
 रायमल प. १११, २०५, २८५, ३१३,
 ३२६, ३२७
 ,, हू ७८, ८१, १२८, १४३,
 १४५, २००, २६३
 ,, ती. ८०, ८१, ८२, ८३, ८४,
 ८५, ८६, ८७, ८८
 रायमल अचळावत हू. १८५
 रायमल उर्दीसघोत हू १४६
 रायमल कछवाहो ती. १५१, १५२
 रायमल करमा रो प. १६५, १६६
 रायमल किसनावत हू १२४, १२५
 रायमल गोयददासोत हू. १७५
 रायमल दासा रो प. ३१८
 रायमल दुरजणसलोत हू ६६
 रायमल देवावत हू ७६
 रायमल धनराजोत हू. १२२, १२३
 रायमल महकरणोत प. २३५
 रायमल मालदेघोत ती. १५२
 रायमल राणावत हू १५१
 रायमल राणो प १५, १७, १८, १९,
 ५१, ५२, ५५, ६१, ६२, २४१,
 २८१, २८४, ३५२, ३५६
 रायमल राव ती २४६, २४७, २४८
 रायमल सिवराज रो प. ३५६
 रायमल सूरु रो प. ३६०
 रायमल सेलावत प. ३१६
 रायसल प ३२२, ३२३, ३२४, ३५८
 ,, हू. ६६

रायसल खीची प २५५, २५६
 रायसल दूदावत ती ६४, ६७, ६८
 रायसल राजा परमार ती. १७६
 रायसल सूजा रो प. ३२०, ३२४
 रायसिंघ प. २२, २३, २५, ३१, ४७,
 ७४, १०१, ११७, १४२, १४६,
 १५१, १५२, १५४, १५५, १५६,
 १५७, १५८, १८६, १८१, १८२,
 १८४, १८६, २३७, ३५६
 ,, हू ६५, ७७, १२४, १४३
 ,, ती २३३, २३६
 रायसिंघ कछवाहो ती. ३२
 रायसिंघ कल्याणदास रो प ३१२
 रायसिंघ किसनावत हू. १२५
 रायसिंघ गोयददासोत हू १५५, १५६,
 १५७
 रायसिंघ चद्रसेनोत (चद्रसेणोत) प १५१
 १५२
 ,, ,, हू. १७५, १८६
 रायसिंघ जांम लाखा रो हू. २२४
 रायसिंघ जालपोत हू. १६७
 रायसिंघ जेसावत हू १५०
 रायसिंघ भालो हू २४४, २४५, २४६,
 २४७, २४८, २४९, २५०, २५१,
 २५२, २५३, २५४, २५५, २५६,
 २५६
 रायसिंघ ठाकुरसी रो प ३६०
 रायसिंघ पवार हू. २६०
 रायसिंघ पोयावत हू. १६३
 रायसिंघ भीमावत हू. १०३
 रायसिंघ भैरवदासोत हू. १६६
 रायसिंघ महाराजा ती १८, ३१, १८०,
 १८१, २०६, २१०, २२४
 रायसिंघ मांडण रो हू २६३, २६४, २६५
 २६७
 रायसिंघ मालडे रो प ३१५

रायसिंघ राजा दू. ६४, १२८, १३२,
 १३६, १४६
 रायसिंघ राव श्रवैराज रो प. १३५,
 १३६, १३७, १४१, १६१
 रायसिंघ वणवीरोत य. २४२
 रायसिंघ वीसावत दू. १६४
 रायसिंघ सूजावत प. २४२
 रायसिंघ हरदास रो दू. २६३
 रायसी राणो महिपाळ रो प. ३४४,
 ३४५, ३४६
 रालण काकिल रो प. २६४, ३३२
 रावत प. ६५, ६६
 ,, दू. ६१, १४३
 रावत देवढो सेखावत प. १४३, १५८,
 १६३, १६४
 रावत महकरणोत प. २३५
 रावतसिंघ प. ६३, ६५, ६६
 रावत हामावत प. १४६
 रावळ धूमांण वापा रो प. ४, १२,
 ५६, ७८
 रावळ वापो प. ३, ४, ७, ८, ११, १२,
 ७८
 रावळो रांणो, सजन रो प. १६३, १६४
 रासो दू. ८६, १६२, २००
 रासो उदैसिंघ रो दू. १३०
 रासो घनराजोत दू. १००
 रासो नरसिंघदास रो दू. १८३
 राहड रावळ विजैराव रो दू. २, ३२,
 ३३
 राहप रांणो, रावळ करण रो प. ५, ६,
 १३, १५, १६, ७०
 राहप रावळ प. ७६
 राहिव दू. २०६, २३६
 राहिव हमीर रो प. ३५८
 राहुड राजसी रो ती. २२२
 रिखीश्वर प. १०

रिखी सर्मा प. ६
 रिडमल सारंगोत दू. १७४
 रिणछोड गंगादासोत ती. २२०
 रिणघवळ प. ३३६
 रिणधीर प. २०, १५८, १५९, २०५,
 २०७, ३४८
 रिणधीर चूडावत ती. १२६, १३०,
 १३२, १४०
 रिणधीर सूरदास ती. १४०
 रिणमल प. ३५७
 रिणमल केलणोत दू. १२, ११६, १४०,
 १४१
 रिणमल चहुवाण प. १२१
 रिणमल देवढा सलखा रो प. १३५,
 १३६, १६२, १८८
 रिणमल नीवावत दू. १५४
 रिणमल भाटी दू. ३, ७७
 रिणमल राव राठोड (राव रिडमल)
 प. १५, १६, १७, २१, ५३, ५४,
 २०६
 ,, राव राठोड (राव रिडमल)
 दू. ३८, ६६, ८४, १४५, ३०६,
 ३१२, ३१३, ३१४, ३१५, ३१६,
 ३२६, ३३१, ३३२, ३३३, ३३४,
 ३३५, ३३६, ३३७, ३३८, ३४०,
 ३४१, ३४२, ३४३
 ,, राव राठोड (राव रिडमल)
 ती. १, २, ३, ४, ६, ८, ३१, ८४,
 ६०, १२६, १३०, १३२, १३३,
 १३४, १३५, १३६, १३७, १३८,
 १३९, १४०, १४१, १४६, १८०,
 २२६, २२६
 रिणमल लाला रो प. ३५२
 रिणसिंघ प. ३१८
 रिणसी प. १६६
 रिष राजा ती. १८५

रिसाळू राजा सालवाहन रो दू ६
 ,, ,, ,, ,, ती. ३७
 रुकनदीन सुलताण ती. १६०, १६१
 रुकनुदीन दे० रुकनदीन सुलतांण ।
 रुक्मागदजी चद्रावत दे० रुक्मांगदजी
 चद्रावत ।
 रुक्मागद चादावत ती २४६
 रुक्मागदजी चद्रावत ती ३२
 रुघनाथ प ६६, ३२३, ३२५
 ,, दू ६०, ६२, ६६, ६७, १०५.
 ११६, १२३, १२८, १३०, १६८,
 १८५, १८८
 रुघनाथ ईसरदासोत दू. ६४, १०७,
 १३१, १३२
 रुघनाथदास प २५
 रुघनाथ पतावत दू १७१
 रुघनाथ भांणोत दू १०४, १०८
 रुघनाथ भोजराज रो प ३२३
 रुघनाथ राव दू १२१
 रुघनाथसिध प ३०६, ३१४
 ,, ती. २२३, २२४, २२५, २२६,
 २२८ २२९
 रुघनाथसिध उग्रसेण रो प. ३२०
 रुघनाथ सुरतांणोत दू. १६०
 रुघनाथ सेखावत दू १७३
 रुणक ती १८०
 रुणकराय प २८८
 रुदो प १७२
 रुदो घवडे रो ती ३१
 रुदो देवडो तेजसी रो प. १६२, १६३,
 १६४
 रुदो राणा लाखा रो प, १६
 रुद्रकवर प ३१६
 रुद्रदास झूलो-चारण भांण रो प ८६,
 ८८
 रुद्रनाथ प १६०

रुद्रसिध प. २१, २३
 रुद्र ती १७८
 रुद्रक प. २६२
 रुद्रक ती. १७८
 रूपचंद भारमलोत प. २६१, ३१४
 रूपडो रांणो पडिहार दू. १२, ५३, ७३,
 १४०, १४२
 रूप राघोदास रो प ३१६
 रूपसिध प २३, १०१, ३२०
 ,, ती. २२४, २३०
 रूपसिध भारमलोत प २७६
 रूपसिध राजा (किशनगढ) ती. २१७
 रूपसिध राव भारमलोत दू. १०४, १०५,
 १०६
 रूपसिध रुक्मांगदोत ती २४६
 रूपसी प. ३१२, ३१३, ३१८, ३१९,
 ३२६
 ,, दू ११६, १७६, १८२, १८७
 ,, ती. २२१
 रूपसी आसावत प ३४३
 ,, ,, दू. १४७
 रूपसी जसवत रो प. ३१७ ३१८
 रूपसी जोधा रो प. ३५६
 रूपसी प्रथोराज रो प ६७, १११, १६५
 ३१२
 रूपसी रायमल रो दू १४५
 रूपसी रायसिधोत दू. १६८
 रूपसी लखमण रो दू. ७६, १६६
 रूपसी लूणकरणोत ती २०५
 रूपसी जैरागी प ३१३
 रूपसी सोमोत दू. ७५, ७६, ७७
 रूपो प १६७, २०१
 ,, दू. १४३
 रूपीखां करमसीओत ती २१४
 रेडो धायभाई ती ८३
 रेवकाहीन प. २६०

रैणसी राणो ती. १५८, १७०
 रोमीखान ती. ५५
 रोह राणो प. १२३
 रोहिताश्व ती. १७८
 रोहितास प ७८
 रोहितास राजा हरिचद रो प. २८७,
 २६२, २६३

ल

लकडखान प १११
 लक्ष्मणसिंह प. ६
 लक्ष्मीदास ती २२८, २३१
 लखण दू २१५
 लखणसेन दू २, ३६, ४०, ४१, ४२,
 ४३
 लखणसेन राव ती १५८
 लखणसेन रावळ दू ११४
 „ „ ती ३३
 लखधीर प १८६
 „ दू २४१
 „ ती ३७
 लखधीरसिंह ती. २२६
 लखमण प. ११७, १६१ २२६
 „ दू १४, ५२, १८८
 लखमण ईसरदासोत दू १७६
 लखमण केहर रो दू २, १०, ११, ७५,
 ७६, ७८, ७९, ८०, ८२, ११२
 „ ती ३४, २२१
 लखमण(लछ्मण)ढोला रो प २८६, २६३
 लखमण नारणोत दू १६०
 लखमण भादावत प ६१
 लखमण रावत रिणधीरोत दू ११७
 लखमण रावळ दू १६६
 लखमण सातळ रो प. ३४१
 लखमणसी भट्ट प १४
 „ „ ती १८४
 लखमणसेन रायपाळजी रो ती. २६
 लखमसी कालण रो दू २, ३६

लखमसी राणो प. ६, १४, १५
 „ „ ती. १७६
 लखमसेन प्रेमसेनोत चहुवाण ती. २६
 लखमीदास दू १२८, १३०, १६१,
 १७०, १८३, १८५, २००
 लखमीदास धनराजोत दू. १२४
 लखसेन राजा ती. १७५
 लखो प १८७
 लखो दू १८७
 लखो श्रमरा रो दू. १२२
 लखो खेतसी रो प
 लखो जगनाथोत दू १६६
 लखो नरवद रो प १२५
 लखो बोडो प. २४७
 लखो मुहतो दू. ६
 लखो बीजङ्ग रो प. १३४
 लखो बीरमदेवोत दू. १६१
 लछ्मपाल राजा ती १८८
 लछ्मणसेन राजा ती १८६
 लछ्मपाळ राजा ती. १८८
 लपोड दू १, ११, १७
 ललाखान प. ५६
 लल्ल भाट प २७७, २७८
 लव रामचंद्रजी रो प २६३
 लसकरी कामरा प. ३००
 लहुवो दू १, ११, १६
 लागल ती. १८०
 लाघा-वलाय प ६१
 दे० पृथ्वीराज उडणो ।
 लाप बाभण दू १६, २५, २६
 लाखण पुजन रो प २६६
 लाखण राणो परमार ती १७६
 लाखण राव प. ६७, १००, ११६,
 १३४, १३५, १७२, १८६, २०२,
 २३०, २४५, २४७, २५०, २५१
 लाखणसी दू. १२४
 „ ती. २३२

लाखणसी मलेसी रो प २६४
 लाखाइत प २६६
 लाखो प. १८६, ३६१
 लाखो भ्रजा रो दू. २२४, २२५, २४१
 लाखो ऊगमणावत ती. २५२
 लाखो गोपावत प २३८
 लाखो जमला रो दू. २२८, २२९, २३०
 २३१, २३२, २३३, २३४, २३५
 लाखो जाडेचो प २६४, २६५, २६६,
 २६६, २७०, २७१
 " " दू. २५८
 लाखो जाम दू. २१७, २१८
 लाखो जाम मारु दू. २६६, २६७
 लाखो डूगरसी रो प. १२१
 लाखो फूलाणी दू. २०६, २१६, २१७,
 २१८, २३६, २६८, २६९, २७०,
 २७१, २७२, २७३, २७४
 लाखो राणो प ६, १५, १६, ३४
 " " दू. ३३१
 लाखो राव प १३५, १३६, १४२,
 १४४, १५८, १६०, २८४
 लाडक घनीर दू. २१६
 लाडखान प. २७, ३६१
 " दू. १२४, १७४, १८३, २०१
 " ती. ३७, २२७
 लाडखान ऊदा रो प. ३१८
 लाडखान किसनावत प ६६
 लाडखान जेमल रो प ३१७
 लाडखान भैरवदासोत दू. १६६
 लाडखान रायसल रो प ३२१
 लाडखान रायसिधोत दू. १६४
 लाडखान घाघावत दू. १६२
 लाडखान म्यामदासोत प ३०६
 लापो प १६८
 लासचंद दू. ६२
 लास डूगरमी रो प. १२०
 लासुरग प २८६

लालसिध प ५६, ११६
 ,, ती. २२३, २२४
 लालो प १०१, २२६
 लालो चवडैजी रो दू. ३१०
 लालो जेमल रो प. ३५२
 लालो नछ रो, राव प. ३१८
 लालो नाथा रो दू. ७५
 लालो साहणी दू. १६६, १६८
 लिखमण सोभत (-सोभावंत ?)
 प २२४
 लिखमसी दू. ८८
 लिखमीदास गोयददासोत दू. १८०
 लिखमीदास देईदासोत दू. १६६
 लिखमीदास वाघोत दू. १६१, १६२
 लिखमीदास सेखावत प २३६
 लिखमीदास हाडो मानसिधोत प ११७
 लिलाट सर्मा प ६
 लीलामाघो राजा ती १६०
 लूको ती १०८, ११३
 लूढो सेलोत प. २२५
 लूभो प. १८७, १८८, ३४८
 लूभो चवडैजी रो दू. ३१०
 लूभो पता रो प १३५
 लूभो खिजड रो प १३४, १६२, १८१
 लूणकरण प २२४, ३०२
 " दू. ८१, ८६, ९१, ९२,
 १०३, ११०
 " ती २२०, २२७
 लूणकरण मदनसिध रो प ३१७
 लूणकरण राव दू. ८५
 लूणकरण ,, ती. ३१, १८०, १८१,
 २०५, २२८
 लूणकरण रावळ प. २२
 " " दू. ११, ८७, ८८, ८९
 " " ती ३५, १५१, १५२
 लूणकरण राव सुरतांणोत प १५२
 लूणकरण राव सूजा रो प ३१६

लूणकरण राव हमीर रो दू १४५
 लूणकरण सीहड़ रो प ३४०
 लूणग भाटी अदल रो दू. ६६, ७०, ७१,
 ७४

लूणराव दू. २, ३६, ४३
 लूणो प. १५, ६६, १४६, १६१, १८३,
 १८७, ३१६

लूणो अज्जा रो दू २६२
 लूणो उर्देसिध रो प २२
 लूणो दहियो प २२६
 लूणो प्रोहित दू १८, १६
 लूणो मांणकराव रो प. ३६३
 लूणो मेहरावण रो प ३६१
 लूणो राणावत प. २३५
 लूणो रांम रो प ३१३
 लूणो रायसिधोत दू १६८
 लूणो रावत ती ७, ८
 लूणो राव भोजा रो प ३५४
 लूणो राहिव रो प. ३५८
 लूणो विजड़ रो प १३४, १८१, १८२,
 १८३

लूणो विजा रो प. १६३
 लूणो साईदास रो प ३२७
 लूणो सीसोदियो प ६६
 लूणो सूजावत दू १५१
 लूणो हरराज रो प. १६४
 लेख सर्मा प. ६
 लोहचंद ती १८६
 लोहचंद ती १८६
 लोदी जनागर रो दू. २०६
 लोलो गोपावत प २३८
 लोलो चवडंजी रो दू ३१०
 लोलो राणा रो प २०६, २०७
 लोलो सोनगरो ती १३३
 लोहचंद राजा ती १८६
 लोहट प १०१

लोहट रांणो मोहिल ती. १५८, १७०,
 १७१
 लोसल्य प ७८

व

वंसीदास प ३०८
 वखतसिध ती २२५, २२८, २३२, २३५
 वखतसिध परमार ती. १७६
 वखतसिध महाराजा ती २१३
 वच्छो प ३५३
 वछराज राणो मोहिल ती. १५६, १६०,
 १७१
 वछराव दू ६
 कछवधराज प २८६
 वछु, रांणा सीहड़ रो प ३४३
 दे० वछो सीहड़ रो ।
 वछु राव ती १६१
 वछु रावळ सुध रो दू १, १०, १५,
 ३१, ३२, १४०
 वछो जवदू रो प. १०१, १०२
 वछो माला रो दू १७८
 वछो सीहड़ रो प ३४०, ३४१
 दे० वछु, रांणा सीहड़ रो ।
 वजरदीप दे० वज्रद्वीप
 वज्रद्वीप प. २६३
 वज्रधर प ७८
 वज्रधाम बालरथ रो प २८८
 वज्रधाम लखमन रो प २८६
 वज्रनाभ प ७८
 वज्रनाभ ती १७६
 वज्रनाभ प्रदुमन रो दू १, ६, १६
 वडगच्छो जती ती १६
 वडसीस रावळ प. १२
 वणराज चावडो ती २६, ४६, ५०
 वणवीर प १७, २०, २१, १६३, २७६,
 २६०, ३१३, ३३१
 „ दू १६
 वणवीर उधरण रो प ३१३
 वणवीर कांन्हा रो प. ३५८

वणवीर जेसा रो दू १५३, १६२
 वणवीर भानोदास रो प २७६
 वणवीर मालदे रो प २०५, २०६, २२२
 वणवीर मेर रो प १७२
 वणवीर राव सांकर रो प १६४
 वणवीर वरसी रो दू ८१
 वणवीर सिंघावत प.
 वणवीर हरराज रो प. १६४
 वणसूर ती १५३
 वत्स ती १७५
 वत्स वृद्ध ती. १७६
 वनमाळीदास भगवतदास राजा रो
 प २६१
 वनराज चावडो प २५८, २५९
 „ „ दू २६६
 (दे० वणराज चावडो)
 वनसर्मा प ६
 वनसिंघ ती २३५, २३६, २३७
 वनो प ३६१
 वनो गौड ती. २७०, २७१
 वनो भाटी दू ६६
 वयरसीह चावडो ती ५०
 वरजाग प १६८, २४४, ३६२
 „ दू ८६, १७२, १७७, १७८, १८८
 वरजांग चूडावत ती ३१
 वतजांगदे प २४४
 वरजाग पोकरणो ती ११३
 वरजांग भीमावत दू. ३४२
 वरजाग भैरु दासोत दू १६०, १६२
 वरजांग राव दू. ११७
 वरजाग राव पाता रो प २३१, २३२
 वरजाग हमीर रो प. ३५६
 वरदायीसेन ती १८०, १६३, २०४
 वरदेव सर्मा प. ६
 वरसिंघ प १०१, १२७, १२८, १६५,
 २५६
 „ दू ७६, ७७, १४३, १६१, १७७

„ ती. ३६, २२७
 वरसिंघ उदैकरणोत प २६५, ३१३
 वरसिंघ खेतसीओत दू १७३
 वरसिंघ जोधावत ती २८
 वरसिंघदे द्वारकादास रो प ३२२
 वरसिंघदे घीरावत प २३६
 वरसिंघदे मधुकरसाह रो प १३०
 वरसिंघदे वाघेलो प. १३२, १३३
 वरसिंघदे वीसळदे रो प ११६
 वरसिंघ राणो दू. २६५
 वरसिंघ रावळ प. ७६
 वरसिंघ राव हरा रो दू १२१, १२६,
 १२७, १२८, १३७
 वरसो खाट ती ५६
 वरसो हरदास रो दू. २६३
 वरही प. २८६
 वर्त तेजस राजा ती. १८५
 वर्ही ती. १७६
 वलभराज सोळकी प २६०
 „ „ ती ५१
 वल्लभराम ती. २३६
 वल्लभराज प २८०
 वशिष्ठ ऋषि (दे० वसिष्ठ रिखीस्वर)
 वसिष्ठ रिखीस्वर प १३४, ३३६
 „ „ ती १७५
 वसुदांन राजा ती १८६
 वसुदेव दू ६
 वसुदेव वाभण लूणोत दू १६
 वसु सर्मा प. ६
 वस्तपाळ इद्रपाळ रो प २६०
 वस्तो दू. १३०
 वस्तो लाला रो प ३५२
 वह ती १७६
 वाकीदास दू २०१
 „ ती २२०
 वांकीदास जसावत दू. १०३
 वांकीदास जैमल रो प. ३५८

वाकीबेग मोहबतखा रो प ३०१
 वाको दू. ६०
 वांदर ती २२१
 वांनग देव दू १४
 वानर दू २
 वाक्पतिराज प. १००
 वाक्य सर्मा प ६
 वाघ प. २८ ६४, ६७, १४२, १५६,
 १६५, १६७, १६८, ३४४
 ,, दू ८६, ९१, ९३, १२१, १२२,
 १३१, २६४
 ,, ती २३०, २३१
 वाघ अमरा रांणा रो प ३१
 वाघ कान्हावत दू १६३
 वाघ खीची प २५६
 वाघ छाहड़ रो प ३६३
 वाघ जसवत रो प २०८
 वाघजी प ३०८
 वाघ ठाकरसीश्रोत ती १८
 वाघ तिलोकसीश्रोत दू १६२
 वाघ पवार प ३३८
 वाघ प्रथीराज रो प. ३१२
 वाघ फरसरांन रो प ३१६
 वाघ भारमल रो प ३२८
 वाघमार घूहड़जी रो ती २६
 वाघ रतनसीश्रोत दू १७६
 वाघ रांणो दू २६५
 वाघ राजा परमार ती. १७६
 वाघ रावत प ९१, ९२, ९३, ९४
 वाघ रिणमलोत दू १६१
 वाघ बीदा रो दू. २६३
 वाघ साखलो प ३३८, ३४४
 वाघ सांवलदासोत दू १६६
 वाघ सिरग रो दू. १२२
 वाघ सुरतांणोत प ३०४
 वाघो प. १६, २०, ५१, २४१, ३५६
 ,, दू ६०, २०१

वाघो काषळोत राठोड़ ती २१, १६२,
 १६३
 वाघो कान्हा रो प ३५८
 वाघो जीवा रो प २४१
 वाघो प्रथीराज रो प २४२
 वाघो राठोड़ सूजावत ती ८६, १०५
 वाघो राघ दू ११६
 ,, ,, ती. २१५
 वाघो रावत सूरमचद रो प ५०
 वाघो विजा रो प २४७
 वाघो सूजावत प. ३२०
 वाघो सेखावत दू ११६, १२०, १२१,
 १२४
 ,, ,, ती ३७
 वाद्सन ती १७३
 वादळ सोनगरो ती २८०, २८६, २९०,
 २९१
 वाय सर्मा प ६
 वाळद ती. ३७
 वाळग प २८०
 वालहर राणो ती. १५८
 वाळावघ ती ३७
 वालो (दे० वालो)
 वाळो प. १२१
 वासत सर्मा प ६
 वाहड़ प्रोहित ती. २४
 वाहनीपति ती १७६
 विकुक्षि प ७८
 विकुष प. ७८
 विक्रम प १६०
 विक्रमचद राजा ती १८८
 विक्रम चरित राजा ती १७५
 विक्रमपाल राजा ती. १८८
 विक्रमाजीत प. १३०, १३१, १३३
 विक्रमादित्य प २०, ५०, १०३, १०४,
 १०८, १०९, ३०३, ३३६
 विक्रमादित्य प. १०, ३१९

विक्रमादित्य राजा ती. १८८
 विक्रमादित्य सांगा रो, रांगो प. ४६
 विक्रमादीत राव केलहण रो दू ११६,
 १४३, १४४
 विक्रमादीत राव मालदेओत दू. ६०
 विक्रमायत भालो ती ११
 विक्रमायत राजा प. ३१६
 विक्रसाज प २८८
 विजड प १८३
 विजड प्रोहित ती. २४
 विजपाळ दू १५
 विजय ती. १७८
 विजयमल राजा ती. १६०
 विजय राजा ती. १८६
 विजयसिंघ महाराजा ती २१३, २१५
 दे० विजसिंघ महाराजा ।
 विजयादित्य प १०
 विजलादित्य प १०
 विजै प ७८
 विजैचंद ती. १८०
 विजैदत्त प. २, ३
 विजैनित्य प ७८
 विजैपान प. ६
 विजैपाळ प १०१
 ,, ती. २६
 विजैपाळ राणो दू. २६५
 विजैरथ प ७८
 विजैराम प ३२३, ३२६
 ,, ती २३५, २३६
 विजैराम अखैराज रो प ३०२
 विजैराम उदैसिघोत प ३०८
 विजैराज दहियो प. २२६
 विजैराय प २८८
 विजैराव दू ६, ११
 विजैराव चूडाळो दू १. १०, १७, १८
 विजैराव रावळ घट्ट रो दू १४०
 विजैराव सांजो (—लजो) दू २, ३१,
 ३२, ३३, ३४
 ,, ,, ती २२२

विजैराव लूणकरण रो दू ६१
 विजैराव बीरमोत ती. ३०
 विजैवाह प. १२३
 विजै सर्मा प. ६
 विजैसिंघ प. ३२४
 ,, ती ३६, २२०, २२६
 विजैसिंघ गिरधर रो प. ३२२
 विजैसिंघ महाराजा दू ११०
 दे० विजयसिंघ महाराजा ।
 विजैसी प. २२५, २३१
 विजैसी आल्हण रो प २२६, २३०
 विजैसेन राजा ती. १८६
 विजो प २२, २३, २७, २८, ३०,
 १६३, २००
 ,, दू. ७७ ७६, १०४, २००, २०८
 ,, ती २२१
 विजो हुंदो (कस्तूरियो मृग) दू ३४२
 विजो ऊदावत ती ११
 विजो करमा रो प. २४७
 विजो पूजा रो प. १७२
 विजो भांनोदास रो दू. १६१
 विजो भाटी दू ३४२
 विजो रूपसी रो दू १६६
 विजो बीरमवे रो दू ११७, १२०
 विजो सोहड रो प ३४१
 विट्ठलनाथजी गोस्वामी ती. २०६,
 २७५
 विथक दे० विडवक ।
 विदूरथ ती १८१
 विद्रुथ राजा ती. १८६
 विनिजैघि प ७८
 विमळ राजा प. १२३
 विरदसिंघ राजा ती २१७
 विरसेह (बीरसेन) रावळ प ७६
 विराज सर्मा प ६
 विराट सर्मा प. ६
 विराम साह ती. १६१

धिलापानस प ७८
 विल्हण प. १२२, १२४
 विवसत प. २६२
 विवसान प. २६२
 विवस्वत दे० विवसत ।
 विवस्वानं दे० विवसान ।
 विशक दे० विश्वक ।
 विश्व प २८६
 विश्वक ती. १७६
 विश्वनि (विश्वाजित) प ७८
 विश्वसक्त ती. १७६
 विश्व सर्मा प. ६
 विश्वसह ती. १७८
 विश्वसिक्त ती १७६
 विश्वस्त ती १७६
 विश्वस्तक ती १७६
 विश्वावसु प ७८
 विष्णु द्व. ३
 विसनदास प. ३१७
 ,, द्व १६४
 ,, ती. २८१, २८२, २८५
 विसनदास राम रो प ३१४
 विसर्गसिध रामचंदोत द्व. १५६
 विसनो द्व ८०
 विसरजन द्व ३
 विसोढो चारण ती २८६, २८७, २८८,
 २८९, २९०
 विस्वसेन प २८८
 विस्वावसु प. ७८
 विहारी प. १२५, २३५, २४६, ३२७
 ,, द्व १२३
 विहारी कुर्भ रो ती ३७
 विहारीदास प २०८, ३०५
 ,, ती. २२०
 विहारीदास उग्रसेन रो प ३२०
 विहारीदास दयाळदासोत द्व ६४, १०६
 विहारीदास नाथावत प ३१०

,, ,, द्व. १६६
 विहारीदास रायसल रो प ३२४
 विहारीदास सूरसिध रो द्व १३३
 ,, ,, ती. ३६, ३७
 विहारी प्रागदासोत द्व. १८४
 वींजो वेणीदासोत द्व. १६८
 वीकम प. १६०
 वीकमचित्र प. ३३६
 वीकमसी प. २३१
 वीकमसी केलहणोत द्व २, ३६
 वीकमसी सोहड़ द्व ४३, ४४, ४५, ५०
 वीकाजी जोधावत प. ३५३
 वीकादित्य प १०
 वीको प ३२७
 ,, द्व ७६, १७०, १७४, १७८, १६२
 वीको ईडरियो द्व २५४
 वीको कल्याणदास रो द्व ६३
 वीको खेतसीधोत द्व १७३
 वीको जयसिध रो प १६४
 वीको दहियो प. २२६
 वीको भदा रो प. २००
 वीको राव द्व ८५, ८६, ६४, १२०,
 १४५
 ,, ,, ती १३, १४, १५, २०,
 २१, २२, २८, ३१, १६५, १८०,
 १८१, २०५
 वीको रावत प. ६२, ६३
 वीको वरसिध रो प २३६
 वीजळ प. १३४, १६२, १८१, १८३,
 १८७, १८८
 वीजळ प २६०
 वीजळ जगनाथ रो प. ३०१
 वीजळदे मचेंसी रो प. २६४, २६६
 वीजळ राव ती २२१
 वीज सोळकी प. २६३, २६४, २६५,
 २६७, २६८, २६९
 वीजो प. २४०

वीजो गोयंद रो प ३५८
 वीठळ प. १६५
 „ हू ७८, १६६
 वीठळ गोयंदोत हू ७६
 वीठळदास प. २५, ३१४, ३१६, ३१७,
 ३२३, ३२७
 „ हू ३, ८८, १०८
 वीठळदास केसोदासोत हू १६३
 वीठळदास गोपाळदासोत हू १५०
 वीठळदास गौड प ३०४
 वीठळदास नारणदासोत हू १८८
 वीठळदास पंचाङ्गणोत प ३०८
 वीठळदास प्रागदासोत हू. १७१
 वीठळदास राजा प ३०४, ३०६
 वीठळदास राठोड जैमलोत प ३२१
 वीठळदास लखावत हू १६१
 वीठळदास सहसमलोत हू ६६
 वीठळदास सांवळदासोत हू १८४
 वीठळदास हरदासोत हू. १६५
 वीणो जाळपदासोत मोहिल ती १७२
 वीदो प १६८, २४१, ३४१
 „ हू १४३, २६३
 वीदो खालत हू १०७
 वीदो भालो प ४०
 „ „ हू २६३
 वीदो तेजती रो प. ३५७
 वीदो भारमलोत ती. ६५, १००
 वीदो राव ती २८, ३१, १६५, १६६,
 १६७, २३१
 वीदो रावत हू. १२१
 वीदो राहड हू. १०७
 वीदो वीसळ रो प २०१
 वीदो साहू हू ११३
 वीदो हरावत हू १२६
 वीर ती १७६
 वीरघन ती. १८७
 वीरचरित प २६२

वीरड रावळ प. ७६
 वीरदास हू ७८ ८०, ८१, ८८, ६१
 वीरदास नौसळोत हू. ७६
 वीरदास मांनो रो हू. २०१
 वीरदास रांमा रो प ३५७
 वीरघन राजा ती १८७
 वीरघवळ श्रवतारदे रो प. ३५५
 वीरघवळ चारण लांगडियो हू २०६,
 २०७ २०८
 वीरघवळ (रांजा) ती ५३
 वीरनरसिंघ राणो प ३४१
 वीरनाथ राजा ती १८७
 वीरनारायण प १८७
 वीरनारायण पवार प २०३
 वीरनारायण भोज पवार रो ती. २८
 वीरबलसेन राजा ती. १८६
 वीरभद्र प १३३
 वीरभाण प ११६, १२०, १३३
 „ ती २३१
 वीरम प १५, १६, १६६
 „ हू १७०
 वीरम ऊदावत प. २४०
 वीरम कूभा रो प १६७, १६८
 वीरम खावडियांणी रो प ३४७
 वीरमजी राव ती. ३०, २१५
 वीरमदे प १६७, २६१ २८५, ३४१
 „ हू. ३२, ८८, ६४, ६६, १००,
 १२१
 „ ती. २२८
 वीरमदे श्रवतारदे रो प ३५६, ३६१
 वीरमदे उर्दसिंघ रांणा रो प. २२
 वीरमदे कवरांगुर, कान्हडदे रावळ रो
 प. २०४, २०६, २२१, २२२,
 २२३, २२४, २२५
 „ „ „ „ हू ४०
 „ „ „ „ ती २८,
 १८४

वीरमदे गोकलदास रो प. २६
 वीरमदे घाघा रो प. ३५८
 वीरमदे जसवंत रो प. २०८
 वीरमदे दूदावत ती १०४
 वीरमदे देवराज रो प. २८५
 वीरमदे, राणा जैसिघदे रो प. ३५६
 वीरमदे रांमावत दू. १६४, १६७
 वीरमदे राय ती. ८०, ८१, ८२, ८३,
 ८४, ८५, ८६, ८७, ८८, ८९, ९०,
 ९१, ९२, ९३, ९४, ९५, ९६, ९७, ९८, ९९, १००,
 १०२, ११५, १८०
 वीरमदे रायसिघोत दू. १२५
 वीरमदे रावत रिणवीरोत दू. ११७
 वीरमदे वरजांगोत दू. १६१
 वीरमदे घाघेलो प. २६१
 वीरमदे सहसमल रो प. ३१४
 वीरमदे सूरजमल रो प. ३०
 वीरमदे हरदास रो दू. २६३
 वीरमपाळ राजा ती १८८
 वीरम माला रो प. १६६
 वीरम वीका रो प. १६४
 वीरम वेगू रो प. ३५२
 वीरम सलखावत दू. २८१, २८४, २८५,
 २८६, ३००, ३०१, ३०२, ३०३,
 ३०४, ३०६, ३१७, ३२०
 वीरम सोढल रो प. ३४०
 वीरम हमीर रो प. २३७
 वीर विक्रमादित्य राजा ती. १७५
 वीर सर्मा प. ६
 वीरसिघ राजा ती १६०
 वीरसीह रावळ प. १२, ७६
 वीरसेह (वीरसेन) प. ७८
 वीरसेन राजा ती १८६
 वीरू राजा गहरवार रो प. १२८, १३०
 वीरो दू. ८५
 वीरो भोजावत दू. १७७

वीर्यपाल ती. १८८
 वीरण सोभत प. २२६
 वीवर प. २८८
 वीसम रांणो दू. २६५
 वीसळ प. २६१
 वीसळ दू. २०३
 वीसळ ठाकुर रो प. २००, २०१
 वीसळदे दूदावत दू. ६५
 वीसळदे मुषपाळ रो प. ११६
 वीसळदे राघ प. २६१
 वीसळदेव ती ५१, ५३
 वीसळदे सोळंकी ती. २८०, २८५, २८६,
 २८७, २८८, २९०, २९१
 वीसळ लाखण रो प. २०२
 वीसळ सांखलो ती. ३०
 वीसो प. २०५
 ,, दू. १००, २०६
 वीसो आपमल रो प. २००
 वीसो उघरण रो प. २३१
 वीसो जोधावत प. २४३
 वीसो पूना रो प. १६६
 वीसो वणवीरोत दू. १६४
 वीसो वीका रो ती. २०५
 वीसो वीरम रो प. १६८
 वीसो हमीर रो प. ३५५, ३५६, ३५७
 वृद्ध मेघराजोत ती २६
 वृक ती १७८
 वृद्धपाल ती. १८८
 वृहत् ती १७६
 वृहद्वय प. २८६
 वृहद्वल ती १७६
 वृहद्वभानु ती. १७६
 वृहद्वृण ती १७६
 वृहद्वृण ती १७६
 वृहद्वय प. २८६
 वृहद्वय ती १७७, १७८

वृहसत प २८७
 वृहस्थल ती १७६
 वेगड़ राणो दू. २६५
 वेगड़ो भील प. ३३५
 वेग सर्मा प ६
 वेगू भोजदे रो प ३५२
 वेगो राणो मोहिल ती १५८, १७१
 वेण राजा प. २८७
 वेणादित्य प १०
 वेणीदास प. ६७, ३०७, ३०८, ३१३,
 ३२७, ३३०
 „ दू. ६२, १२०, १४६, १८३,
 १६६, १६६
 वेणीदास केसोदासोत दू १६८
 वेणीदास गोयददासोत दू. १५५, १५७
 वेणीदास जोगावत दू. १७७
 वेणीदास ठाकुरसीओत दू. १४८
 वेणीदास दूदा रो प ३६१
 वेणीदास पूरणमलोत दू. १५१, १६०
 वेणीदास बलुओत प. २३४
 वेणीदास सहसमल रो प ३१४
 वेणीदास सिंघ रो प. ३१५
 वेणो देदावत दू १६०
 वेणो रायमलोत दू १२३
 वेद सर्मा प ६
 वेन प. ७८
 वेरड़ दू ११८
 वेळावळ प. १२१
 वेलो प १६६
 वेहाद्रभाज प. २८६
 वंजल रावळ ती ३३
 वंजल सालवाहन रो दू ३७, ३८
 वंणो प १६६
 वंणो अमरा रो प ३५६
 वंणो मोहण रो प ३५७
 वंणो राजधर रो प. १६६
 वंरड रावळ प ५, ६

वंरसल प २४३
 „ दू ८८, ११८, १२०, ३४२
 वंरसल कूपा रो प. ३६०
 वंरसल खगारोत प ३०५
 वंरसल गागा रो प ३५६
 वंरसल गोपाळ रो प. ३१०
 वंरसल जसा रो दू ३३
 वंरसल जैता रो प ३५२, ३५३
 वंरसल प्रथीराजोत दू १६७
 वंरसल बलू रो प. ३४१
 वंरसल भीम रो प ३६३
 वंरसल भोजावत दू. १७७
 वंरसल मारु रो प १६६
 वंरसल राणावत दू १५२
 वंरसल राणो ती. १५८, १६१, १६२,
 १६३, १६४, १६६, १७०, १७१
 वंरसल राठोड प्रथीराजोत प. १५३
 वंरसल राव चाचा रो दू. ११७, ११८,
 ११६, १२०, १२६, १३७
 वंरसल राव (पूगळ) ती. ३६, ३७
 वंरसल रूपसी रो प ३१२
 वंरसल सांकोत दू. १८०
 वंरसल हमीर रो प १५
 वंरसिंघ राजा ती ४६
 वंरसी प ३१८
 „ दू ८२, ६२
 „ ती २२७, २२८
 वंरसी नारणोत प ३५८
 वंरसी राणो प. १२३
 वंरसी रायमलोत दू १८२, १८५
 वंरसी रावळ प ५
 „ „ दू २, ८१
 „ „ ती ३४, २२१
 वंरसी लखमण रो दू ११, १४, ७६, ८०
 वंरसी लूणकरणोत ती १५२, २०५
 वंरसी वाघावत प ३३८, ३३६, ३४४
 वंरसी हमीरोत प ३५६

चैरागर दू. ११८

चैरागी प ३१३

चैरीसाल प. २५

॥ दू २२८, २३२, २३६

चैरी प. १०१, १०२, १०६, २८१,

३४३

चैरी भीव रो प ३४१

चैवस्वत प. ११६

चैवस्वत मनु प. ७८

चोटी दू १

चोढो-रावण, दोदो दे० दोदो सूमरो ।

चद्रीत प २८८

चहदा प २८६

चहान चिसती पीर प. ३१८

चहान्य (ब्रह्मान्य) प ७८

चिदावनदास प ३०७

श

शभुपाल राजा ती. १८८

शत्रुजय राजा ती १८६

शत्रुघ्न राजा ती- १८७

शत्रुजित दे० सलाजीत ।

शम्सखां दे० समसखा ।

शम्सुद्दीन दे० समसदीन सुलताण ।

शलादित्य ती ४६

शहरयार दे० साहयार पातसाह ।

शहरयार शाहजादा दे० सहुरियाल
साहिजादो ।

शादमा प. ३००

शालिवाहन दे० सालवाहन ।

शालिवाहन परमार राजा ती १०५

शावस्त ती १७७

शाह आलम प ५६

शाहजहां दे० साहजहा पातसाह ।

शाहजहां शहाबुद्दीन दे० साहजहां
सायबदीन ।

शाहजी भोंसला दे० भुहसाजळ साहजी ।

शाहबुद्दीन बादशाह दे० साहिबदी

पातसाह ।

शिवधन प २६२

शिवब्रह्म कछवाहा प ३२६

शिवाजी छत्रपति प १५

शिविर राजा ती. १७५

शिशुपाल ती. १५४

शीघ्र ती १७६

शुद्धोद ती. १७६

शुद्धोदन ती १७६

शेख पीर बुरहान चिसती प ३१८

शेख फरीद ती. २७६

शेरशाह सूर बादशाह दू १५४

श्यामदास प. १४४, १५६

श्राव ती. १७६

श्रावस्त दे० शावस्त ।

श्रीकरण रावळ ती २३६

श्रीपाल प २८६

श्रीपुज रावळ प. ५

श्रीमोर ती. १५५

श्रीय ती. १७६

श्रीवछ प. २६२

श्रीवत्स ती. १७७

श्रुत ती. १७८

ष

षट्ग प २८८

षट्वांग प २८८

॥ ती. १७८

स

सकर दू ८४, ८८

संकरदास प १२१

सकरदास रांमोत दू. ८४, १२०

सकर माधो ती १६०

सकर लावा रो प. १३६

संकर सिंघावत प. २४३
 „ „ दू. १००
 सकर हींगोळ रो प. २३५
 सक्रमाघो ती १६०
 सग्रामसाह प. १२६
 सग्रामसिंघ ती. २२६
 सग्रामसिंघ हररामोत प. ३२४
 सग्रामसो दुरजणसाल रो प. ३५५
 सघदीप प. २८८
 सजय ती १७६
 संबोव राजा ती १८६
 सतन घोहरो ती १५७
 सतोष प. २६२
 संभरांण प. १०१
 सभूसिंघ ती २३५, २३६, २३७
 समत प. ७८
 संसाद प. २८७
 ससारचंद प. २०५
 „ ती २३१
 ससारचंद अचळावत दू. १८१, १८२,
 १८४, १८५
 सइयो वांकलियो ती २५, २६
 सकत प. ७८
 सकतकुमार रावळ प. ५, १२
 सकतसिंघ प. १११, १३१, २११, २३४,
 ३०३, ३११, ३१४, ३२०
 सकतसिंघ दू. १६६
 सकतसिंघ घासकरण रो प. ३०४
 सकतसिंघ उदैसिंघोत प. २१२
 सकतसिंघ खेतसीओत दू. ६३, ६५
 सकतसिंघ तेजसी रो प. ३२६
 सकतसिंघ मानसिंघोत प. २६१, २६८
 सकतसिंघ राव दू. १६४
 सकतसिंघ घेणीदासोत प. २३४
 सकतसिंघ जिदावन रो प. ३०७
 सकतसिंघ सुरताणोत प. ३०४

सकतसिंघ हमीरोत प. ३०५
 सकतसिंघ हरदासोत दू. १६५
 सकतो प. २६, ६२, १६७, २३८
 „ दू. १७४, २६४
 सकतो गोयद रो प. १६६
 सकतो रायमलोत दू. १४५
 सकतो वीरमदेशोत दू. १७०
 सकतो वीरसल रो दू. ८०
 सवितकुमार रावळ प. ७८
 सगण ती १७६
 सगतसिंघ ती २२०, २३२
 सगतो दू. १८०
 सगर प. ३०, ७८, २८८, २६२
 „ ती १७८
 सगर रांणो प. ६२, ६५
 सगर राणो उदैसिंघ रो प. २२, २३,
 २४, २५, २७
 सगरांसिंघ प. २६८
 „ ती. २२३
 सगरो बालीसो प. ६७
 „ „ ती. ४१, ४३, ४७, ४८
 सजन भायल प. १६३
 सजो राजा रो दू. २६२
 „ „ „ ती २१४
 सजोसराय (सुजसराय) प. २८६
 सभो राजावत दे० सजो राजा रो ।
 सत राजा परमार ती. १७५
 सतीदान रूपावत ती. २२५
 सतो प. ६६
 „ दू. २, ५३
 „ ती २२१
 सतो खीमराज रो प. ३५५
 सतो चूडावत दू. ३००, ३०६, ३१०,
 ३३६, ३३७
 सतो चूडावत ती ३०, १२६, १३०,
 १३२, १३३

सतो जांम द्व. २०५, २३७, २४०, २४१,
२४२, २४३

सतो जोधावत प. २४३

सतो तमाइची रो प. ३६१

सतो देवराज रो प. ३६२

सतो भाटी लूणकरणोत ती. १४०

सतो रांगो द्व. २६५

सतो रांमावत प. १६६

सतो राव प. १५, १६

सतो रावत रतनसी रो प. ५०

सतो रिणमलोत द्व. २२३, ३४२

सतो लूणकरणोत द्व. १४५

सतो लोला रो प. २०७

सत्यव्रत ती १७८

सत्यव्रत हरिश्चन्द्र ती १७८ दे०

हरिश्चन्द्र ।

सत्रजीत प. १२६

सत्रसाल (शत्रुशाल्य) प. १२०, २०६

„ „ द्व. १५६, १६५,

२६४

सत्रसाल नराइणदासोत प. ३०५

सत्रसाल राव द्व. १२३

सत्रसाल सूरसिघोत ती. २०८

सत्रसिघ द्व. ६६

सत्राजित दे० सलाजीत

सत्वात द्व. ३

सदरथराज प. २८८

सन्न राजा ती. १८५

सबळसिघ प. २५, ३१, ६८, ६९, ७०,

२३५, ३०५, ३०६, ३१६, ३२०,

३२५, ३२८,

सबळसिघ द्व. १, १२०, १३१, २००

„ ती. २३०

सबळसिघ ईसरदासोत द्व. १८६

सबळसिघ कवर प. ३०८

सबळसिघ किसनसिघ रो प. ३०६

सबळसिघ चतुरमुजोत पूरबिघो प. ६६

सबळसिघ पूरावत प. २६

सबळसिघ प्रथीराजोत द्व. १५७

सबळसिघ प्रागदासोत द्व. १८३

सबळसिघ फरसरांम रो प. ३२३

सबळसिघ मांनसिघोत प. २६१, २६८

सबळसिघ राजावत द्व. १५०, १७०

सबळसिघ रावळ दयाळदासोत द्व. ६३,

६७, १०४, १०५, १०६, १०७,

१०८, १०९

सबळसिघ रावळ दयाळदासोत ती ३५,

३६, २२०

सबळसिघ त्रिदावनदास रो प. ३०७

सबळो प. १५८, २०६

„ द्व. ८८, १२१, १६६, १७१, २६४

सबळो सावळोत प. ३६०

समपू प. २८६

समरसी प. १०१

समरसी कीतू रो प. १६६, २४७

समरसी रावळ प. १३, ७६, ८०, ८१,

८२, ८७, २०३

समरो प. १३४, १६५, १८७

समरो देवडो प. १४४, १४५, १४६, १४७,

१५१, १८१

समरो नरसिघ रो प. १६६

समसखा ती. २७४

समसदी द्व. ६६, ७१

समसदीन सुलतांण ती. १६०

समसुद्दीन दे० समसदी ।

समुद्रपाळ राजा ती १८८

समो बलोच द्व. १३०, १३६

सरखेलजां ती. ८५, ८८, ९०, ९१

सरदारसिघ ती २२०, २३१

सरदारसिघ महाराजा (वोकानेर) ती. १८०

सरफराजजां ती २७७

सरवासु प. २८७

सराजदी दू ४८, ४९

सराजुद्दीन दे० सराजदी ।

सरूपसिंघ प. १३३

„ ती. २२८, २३०

सरूपसिंघ अनोपसिंघोत ती २०८

सर्वकाम ती. १७८

सलखो प. १६

„ दू. २८०, २८१, २८४

सलखो देवराज रो प. ३६३

सलखो राव तीड रो ती. २३, २४, २६,

२७, ३०, १८०

सलखो लूभावत देवडो ती. २९

सलराज प. २८८

सलाजीत (सत्राजित = शत्रुजित) प ७८

सलूणो प २२५

सलेमखां दू. ११५

सलेमसाह पातसाह ती. १९२

सलेहदी राजा भारमल रो प. ३०२

सलंदी सुरतांणोत दू. १५२

सलो राठोड़ प २२५

सलो सेपटो प २२५

सलहेदी प २९१, ३३१

सलहेदी गिरघर रो प ३२२

सलहेदी रत्नसी रो प. ३५६

सलहेदी राजावत प. ३२१

सलहेदी सागा रो प ३२५

सवरो प १६६, १६७

सवीर प ७८

सवाईसिंघ ती. २२३, २२४, २२५, २२६,
२२९

सवाईसिंघ रावळ दू १०९

सहस राजा प ३३६

सहजईंद्र राजा प १२८

सहजग प. १३०

सहजपाळ राजा प. १२८

सहजपाळ गाढण प २२५

सहजसेन दू ९

सहणपाळ ती. २९

सहदेव प. २८९

„ ती. १७९

सहदेव सकतावत प ३०४

सहरियाळ साहिजादो दू १५६

सहबाजखां प. २१०

सहवण (सहवर्ण) प. ७८

सहसमल प. ६७, ६९, १३६, १७४,

१८८, १८९, २३१, ३६१

„ दू ६२, १४३

सहसमल चवडे रो दू. ३१०

सहसमल चानण रो प. ३१४

सहसमल चूडावत ती ३१

सहसमल दुसाभ रो प. ३५२

सहसमल देवडो ती २९, ३१

सहसमल मालदेवोत दू. ९६, ९७

सहसमल रायमल रो प. ३२५

सहसमल रायसिंघोत दू. १२५

सहसमल राव प. १३५, १३६

सहसमल रावळ प. ७४, ७९

„ „ ती २६६

सहसमल वीसळ रो प. २०१

सहसमल सोम रो दू ७६, ७७. ११६,

११९

सहसमल हाडो प ११०

सहसमान प. २८९

सहसो प २४३, ३६१

„ दू. १२०, १३०, १७०, १९८,
२००

„ ती. २२०

सहसो ऊदाधत दू. १७९

सहसो खरहथ रो प. ३५६

सहसो ठाकुरसीओत दू. १८९

सहसो दयाळदासोत दू. १६६

सहसो प्रताप रो प २८

सहसो मोकल रो प ६२
 सहसो सूजा रो दू. १६१, १६२
 सहस्रार्जुन दू. ६
 सहस्वान ती. १७६
 सहावुद्दीन गौरी प १८०
 सहिसो ती. ६५
 साइयो भूलो-चारण प ८६, ८८
 साईदास प १११, १४२, २७६, ३२५
 साईदास अभा रो प ३२७
 साईदास तिलोकसी रो दू १६२
 साईदास प्रथीराज रो प २६०
 साईदास भाटी दू ६६
 साईदास राजसीओत दू. १७६
 साईदास रावत प ६६
 साईदास हरदासोत दू. १६०
 सांकर चांपा रो प. २००
 सांकर पीथावत दू १६३
 सांकर प्रथीराजोत दू १६३
 साकर भुजबल रो प. १६४
 साकर सूरवत दू १८०
 सांखलो प १८, ३३७, ३६३
 सांगण प १६६
 „ दू. ३६, ४३, ५४, ८४
 „ ती २२१
 सांगम मंगलराव रो दू १६
 सांगमराव खीची प. २५१
 सांगमराव राठोड़ ती. २८०, २८१,
 २८२, २८३, २८४, २८५, २८०
 सागी रमारी दू. १६, २०
 सांगो प. २८०
 सागो दू. ८१, ८८, १४४
 „ ती. २३१
 सांगो ऊदावत प ३६०
 सागो करमा रो प. १६५
 „ „ „ दू ८०

सांगो खडेर दू. १०३
 सांगो खींवा रो दू १२१
 सांगो गोयदोत दू १७६
 सांगो पीथावत दू १६०
 सागो प्रथीराजोत प २६०, ३०७, ३१४
 सागो वोहड़ सोळंकी रो प. २८०
 सांगो भाटी ती १७
 सांगो भैरव रो प. १६६, ३२५
 सांगो मभूमराव रो दू. १, ११
 सांगो रांगो प. ४६, २८६
 „ „ दू २६२, २६४
 „ „ ती. २४८
 सांगो रांगो माणकराव रो ती. १५८,
 १७१
 सांगो रांगो रायमल रो प. ६, १५, १८,
 १६, २०, २१, २३, १०२, १०३,
 १०४, ११६ १५०
 सांगो रावल वल्लु रो दू १४०
 सांगो बडवज प १५६
 सांगो धणवीर रो प. १७२
 सांगो बिजावत दू १६६
 सांगो सिधोत प ६८
 सांगो सुलताण राजा ती १६०
 सांगो सेलार प २२५
 सांगो हिमाळा रो प. २४४
 साधण रावत ती १७६
 सांडो डोडियो प ३६
 सांडो पुनपाळ रो प ३५४
 सांडो रायपाळोत ती २६
 सांडो साखलो ती ८४
 सांडो सिधावत प २४३
 सांदू प. १११
 सामंतसिध ती. २२६
 साम दू १, ६, १६
 साम उर्वसिधोत प २२
 सामतसी रावल प ७६

सांमदास दू ७८, ९०, १२६
 सांमदास श्रमरा रो दू १२२
 सांमदास खेतसीश्रोत दू ६५
 सांमदास गोपालदासोत दू. १०७
 सांमदास जोगा रो प ३५७
 सामदास जोगीदासोत दू १८५
 सांमदास नाथावत प. ३११
 सांमदास भाणोत दू. १६४
 सांमदास मेघराज रो प ३५६
 सांमपत जांम दू. २०६
 सांमसिध प. २६, ३२४, ३२७
 सांमो प. ३६१
 सांमो दू ८०, २००
 सांम्ब दे० सांम ।
 सांवत प. २४७
 सावत करमचव रो प. २०५
 सावतसिध प ३२८
 सांवतसिध ती २२६, २३२, २३५,
 २३७
 सांवतसिध चावडो दू. २६७
 सावतसिध सेखावत ती ३२
 सांवतसिध सोनगरो ती २६१, २६२,
 २६३
 सांवत सिढायच-चारण ती २८०, २८१
 सांवतसी प १६७, १८७, २१३, २८५
 ,, दू २, ४, ७७, ७८, १०३
 सांवतसी केहर रो दू ७७
 सांवतसी चीवो प. १३८, १३९
 सांवतसी महकरणोत प. २३३
 सांवतसी राणो ती. १५८
 सावतसी रायमल रो प. २८४, २८५
 सांवतसी रावळ चाचगदे रो प. २०४
 सांवतसी वीकावत दू १७३
 सांवतसी धीसा रो प. २००
 सावतसी सादूळ रो प. १६४
 सांवतसी सुरा देवडा रो प. १७०

सांवतसी सोनगरो रायळ ती. २३
 सावळ प २६, १६५, ३३६
 ,, दू. ७७, ८४, १६६
 सांवळदास प. २७, ६७, ७०, १०१,
 १०२, ११५, ११७, १२०, १२५,
 १६८, २०८, ३०६
 ,, दू. १२५, १२६, १६१, १६१,
 २६४
 ,, ती २२७
 सांवळदास फलावत दू. १६२, १७४
 सावळदास डूंगरसीश्रोत दू. १७५, १७६
 सांवळदास देवकरण रो प. ३१०
 सावळदास नारणदास रो प. ३५८
 सांवळदास पचाहणोत प ३०६
 सांवळदास बळकरण रो प. ३४२
 सांवळदास भानीवासोत दू. १६६
 सांवळदास भाटी गोपालदासोत दू. १०७
 सांवळदास मेहकरणोत दू. १६३
 सांवळदास रायमल रो दू १२३
 सांवळदास रावळ प ७०
 सांवळदास लूणकरण रो प. ३१६, ३२२
 सांवळदास संसारचंद रो दू. १८१, १८२
 सांवळदास हमीरोत प. ३४३
 सांवळ माडणोत प. २३६
 सांवळ माधवदे रो प ३३६
 सांवळमुघ रोहड़ियो-चारण दू २३६, २३८
 सांवळो प १६४
 सांसतव प २८७
 सागण ती. २२१
 सागर राणो दू १५८
 साजन ती. २३६, २४७
 साड जाम दू. २१४
 सातळ प. १६३, २२५
 ,, ती १८४
 सातळ झला रो प ३४१

सातळ केहर रो दू. ७७
 सातळ चहुवांण दू. ५८
 सातळ भाटी दू. ८४
 सातळ रांणो दू. २६५
 सातळ राव जोधावत ती. ३१, १०४,
 १८२
 सातळ वरसिघ रो दू. १२७
 सादमत प. ३००
 सादमो सुलतान प. ३००
 सादूळ प. २२, २७, ११७, १६४, ३०६,
 ३१३, ३२८, ३४३
 ,, दू. ७८, १६८, २००, ३२७, ३२८
 सादूळ कचरावत दू. १८४
 सादूळ किसनावत दू. १६४
 सादूळ खेतसी रो प. ३६०
 सादूळ गोपाळदासोत दू. १०५
 सादूळ गोयदोत दू. १७५
 सादूळ जगहय रो प. २४१
 सादूळ जांझण रो प. २४०
 सादूळ डुजणसल रो दू. ६०
 सादूळ दूदावत दू. १६७
 सादूळ नरहरोत प. ६६
 सादूळ भानोदास रो दू. १२८
 सादूळ भाखरमीओत दू. १६६
 सादूळ भारमलोत प. २६१, ३०२
 सादूळ मनोहर रो प. ३४३
 सादूळ मांनावत दू. १६०
 सादूळ मालवे रो प. ३१५
 सादूळ राणावत दू. १५२
 सादूळ राणो सूजा रो प. २३१
 सादूळ रांमावत प. १६६
 सादूळ रावत परमार ती. १७६
 सादूळ राध महेसोत प. १५२
 सादूळ वीठळदासोत प. ३०६
 सादूळ साकर रो प. १६४
 सादूळ सांवतसीओत प. २३४
 सादूळसिघ ती. २२५, २२६

सादूळ सिधोत दू. १७६
 सादो दू. ३२७, ३२८
 सादो कुवर दू. ३१२, ३२५, ३२६, ३२७,
 ३२८
 सादो देवराज रो प. ३६१, ३६२
 सादो राणगदेवोत ओडीट प. ३४८,
 ३४९
 सावर ती २७८
 सायवसिघ ती २२३, २२८, २३०
 सायव हमीरोत दू. २४४, २५०, २५१,
 २५२, २५३, २५४, २५५, २५६
 सायर प. ३६२
 सारंग ईसर रो प. ३५१
 सारगखान ती. २१, २२, १६३, १६४
 सारगदे जैमल रो प. २१२
 सारगदेव वाघेलो ती ५१
 सारग नारणोत दू. १७४
 साल काल्हण रो दू. २
 सालवाहण प. ६६
 ,, दू. १५, ३८
 सालवाहण राजा परमार ती १७५
 सालवाहण रावळ प. ७८
 सालवाहन प. १२३, १३५, २५६, ३३६
 ,, दू. २, ३६, ३७
 सालवाहन अरधविब रो ती ३७
 सालवाहन चपतराय रो प. १३१
 सालवाहन राजा प. २५६
 सालवाहन राजा दू. ६
 सालिवाहन रावळ प. ५, १२
 ,, ,, दू. १०
 ,, ,, ती ३३, २२१
 सालो सीहड़ रो प. ३४०, ३४१
 साल्ह दू. ३६
 साल्हो सोभ्रम रो प. २३०, २३१
 सावंत हाडो प. ११७

साधू भाटी हू ३१६

सावर प १२२

साहजहां पातसाह प ४८

„ „ हू. १०५

„ „ ती १८, १६२, २३८,

२४६, २७७, २७८

साहजहां सायबदीन पातसाह ती १६२

साहजी ती. २७७

साहणपाळ राणो मोहिल ती १५८, १७०

साहणमल दे० साहणपाळ राणो मोहिल ।

साहबखान प. २२

„ हू १३४

„ ती २७७

साहयार पातसाह ती १६२

साहरण जाट ती. १३

साहरण बछ्छा रो प १०१, ३३८

साह, राणा उदैसिध रो प २२, २५

साहिजहा पातसाह दे० साहजहां पातसाह

साहिब प. २७

„ हू २०६, २१६, २२२, २२३

साहिबखान प १५७, २७६

साहिबखान वेणीदास रो प. ३३०

साहिब गांगा रो प० ३५८

साहिबदी पातसाह ती० १८३

साहिल प ११६

साहुर अमरा रो प १६५

सिध प २३, १६०, २१२, २५६, ३०४,
३२८

„ हू ११, ६०, १००, १०३, १०४

सिध भालो, अजा रो प. ५१

„ „ „ „ हू. २६२, २६३,
२६४

सिध करमचंद रो प ३१५

सिध कांधळोत प. ६७

सिध कांन्हापत हू १६३

सिध खेतसीओत हू ६५

सिध जंतमालोत हू. १८७

सिध ठाकुरसीओत हू. १८६

सिध देवकरण रो प. ३१०

सिध भानीदासोत हू ६३

सिध रतनसिधोत हू. १७६

सिध राय प ११६

सिध राव प. १३५

„ हू १, १०

„ ती २२२

सिध राघत प ६५

सिध रूपसीओत हू १४७

सिधलसेन राजा परमार प. ३३६

„ „ „ ती १७५

सिधसेन राजा दे० सीहोजी राव ।

सिधो बाघावत प. २४२

सिधराज प २८६

सिध राजा ती १७६

सिधु ती १७६

सिधु प्रसयतु का पुत्र ती १७६

सिहवल राजा ती १८५

सिहल कवि हू ७५

सिकदर प. २६२

„ ती. ५५, १७१

सिकदर लोदी ती १६२

सिखर प. १६

सिखरो हू. ३०७

सिखरो ऊगमणावत हू ३१४, ३१५, ३१६

„ „ ती. २५०, २५२,

२५३, २५४, २५५, २५७, २६०,

२६१, २६२, २६३, २६४, २६५

सिखरो बोडो प. २४७

सिखरो भुजवल रो प. १६५

सिखरो महकरण रो प २३३

सिखरो रतना रो प १६७

सिद्धराज सोळकी प. २७८

सिद्धराव प ४, २७२, २७८, ३३६

सिद्धराव जैसिधदे ती २६, ५१
 सिधगराय प २८८
 सिधराज प २८६
 सिधराव प. २७५, २७६, २८०
 (दे० सिद्धराव)
 सिधराव जैसिधदे प. २६०, २७४, २७७
 (दे० सिद्धराव जैसिधदे)
 सिधराव सोळकी करन रो प २८०
 सिरग खेतसीओत हू १२२, १२३
 सिरगजी ती. २२३
 सिरग जैतसिधोत ती २०५
 सिरंग डूगरसीओत हू १०७
 सिरदारसिध प १२०
 सिरदारसिध प्रतापसिध रो प १२१
 सिरपुज रावळ प १३
 सिरधान भाटी ती. ५७
 सिलादत प ३
 सिलार रावळा रो प. १६४, १६५, १६७
 सिवदांसिध ती २२३, २२८
 सिवदास हू ८०, १५१
 सिवदास नाथू रो हू. १६७, १६६
 सिवधान प २६२
 सिवब्रह्म प २६५, २६६
 सिवब्रह्म कछवाहो राजा उदैकरण रो
 प ३२६
 सिवर प. १२३
 सिवर राजा परमार ती. १७५
 सिवरांम प. २६, ३०७
 सिवरांम उदैमिधोत प ३०८
 सिधराज हू ३४२
 सिधराज राजा प २६२
 सिधसिध प २६८
 ,, ती २३७
 सिवसेन राजा ती. १८६
 सिवो प १५, १६०, १७२, १६७, १६८,
 २००

सिवो हू १४३
 सिवो कैलवेचो हू. १००
 सिवो गोहिल प. ३३५
 सिवो पूजा रो प. ३५१
 सिवो राव छाजू रो ती. २४१, २४२,
 २४३, २४४, २४५, २४६, २४७
 सिसपाळ प. २८६
 सोंगट मोहिल जगरामोत ती. १६५
 सोंधळ नीवावत प २०७
 सोंधो प. ३२७
 सोंधो नाथा रो प. ३२७
 सोगळ कव दे० सिंहल कवि
 सोमाळ हू ४१, ४२
 सोयळ पवार हू. ६
 सोल प ७८
 सोहड हू ३६, ४३
 सोहड काल्हण रो हू २
 सोहड चाचग रो राणो प. ३४०, ३४२,
 ३४३
 सोहडदे रावळ प ७६
 सोहड भाटी हू ६४
 सोहड रावळ प १२
 सोहड साखलो प २५३
 ,, ,, ती. १४०, १४२, १४३
 सोहपातळो प. २१७
 सोहमाल ती. १२५
 सोहा राठीड प ३३३
 सोहेंद्र रावळ प १२
 सोहो प १, २४८
 ,, हू १०८, १२२, १८६
 सोहो गोविंद रो हू ७७, ७८, १०६, १०७
 सोहो जगमाल रो हू ८४
 सोहोजी राव हू २५८, २६६, २६७,
 २६८, २६९, २७१, २७२, २७३,
 २७४, २७५, २७६
 ,, ,, ती २६, १७३, १८०
 सोहो घनराज रो हू १२३

सीहो रांमदासोत हू १६६
 सीहो राजादे रो प २६४
 सीहो रायमल रो प. ३२७
 सीहो रावळ प ५, ७८
 सीहो रुदा रो प १७२
 सीहो सींयळ हू १८७
 „ „ ती १२३, १२४, १२५,
 १२६, १२७, १२८
 सुंदर प ३४३
 „ हू ८६, ८५, १२३, १७७, १६६,
 २००
 सुंदर कचरावत प ३५७
 सुंदरचंद राजा ती १८८
 सुंदरदास प २६, ६६, १२५, १७३,
 १६७, १६८, ३०६, ३२७, ३३१,
 ३४३
 सुंदरदास हू ८१, ८८, ६०, ६३, १२६,
 १५८, १५९, १६४, १८३, १६२
 सुंदरदास ती ३७, २२५, २२६, २२७
 सुंदरदास गोयददासोत हू १५०
 सुंदरदास गोड प ११७
 सुंदरदास देवराज रो हू. १०४
 सुंदरदास भगवानदासोत हू १५२
 सुंदरदास भारमल रो प. ३०२
 सुंदरदास भींवोत हू. १७२
 सुंदरदास मुहणोत प १६७
 सुंदरदास लाडखान रो प. ३२१, ३२५,
 ३२७
 सुंदरदास सुरतांग रो प. ३०४, ३१२
 „ „ „ हू १५६
 सुंदरदास सूरजमलोत हू. १८६
 सुंदर भारमलोत प २६१
 सुंदर सहभावात हू १७६
 सुंदरसी मुहणोती ती २१४
 सुंदर सोढो प. ३६१
 सुकर सोळफी प. २६१, २८०

सुकव प. ७८
 सुकायत राजा ती. १८७, १८८
 सूकृत दे० सुकव ।
 सुकृत सर्मा प ६
 सुखचंद माघो ती. १६०
 सुखरांमदास ती. २२६
 सुखसिंघ ती २२४
 सुखसिंघ सूरजमलोत ती २१७
 सुखसेन राजा ती १८६
 सुगणो मुहणो प ३३८
 सुचंद माघो ती १६०
 सुजत प. ७८
 सुजन अर्जुनोत मोहिल ती १६६, १७०
 सुजय प ७८
 सुजाण प २७
 „ हू ६२, १२३
 सुजाणराय प. १३१, २७८
 सुजाणसिंघ प २२, ३०, ६७, १३०,
 २०६, ३०१, ३०४, ३०६, ३०८,
 ३१०, ३२८
 सुजाणसिंघ हू. ६५, ६६, २६४
 „ ती. २२४
 सुजाणसिंघ परसोतम रो प ३२३
 सुजाणसिंघ महाराजा (बीकानेर) ती ३२,
 १८०, १८१, १११
 सुजाणसिंघ माघोसिंघ रो प २६६
 सुजित प. ७८
 सुंदरसन प ३२७
 „ हू ८८
 „ ती. ३६
 सुंदरसन भाटी मानसिंघोत हू १३२
 सुंदरसन राव जगदेव रो हू १३६
 सुदर्थराज प. २८८
 सुदर्शन प ७८
 सुदर्शन ती १७६
 सुदर्शन प. २८८, ३२७

सुदास ती १७८
 सुदेव ती १७८
 सुद्रसेन ती २३०
 सुधन राजा ती. १८६
 सुधन्व प २८८
 सुधन्वा दे० पुधन्वा ।
 सुधानेव प. २८७
 सुधिव्रह्मा प. २६३
 सुधोम प. २८६
 सुनगराय प. २८८
 सुप्रतिकाम दे० सुप्रतिकाश ।
 सुप्रतिकाश ती १७६
 सुबाहु प २८८
 सुबुद्ध सर्मा प ६
 सुभकरण प. १२७, १३१
 सुभराम ती २३५
 सुभाह्य सर्मा प. ६
 सुमत दे० संमत ।
 सुमल प. १२३
 सुमित्र ती. १८०
 सुमित्र मंगल रो प २६३
 सुमेधा प ७८
 सुरचंद माधो ती. १६०
 सुरजण प. ११०, १११, ११२
 सुरजन प. ३०६, ३१५, ३२८
 सुरजन आसाधत हू १४६
 सुरजन ऊगा रो हू ८१
 सुरजन कधरावत हू १८४
 सुरजन जंतसिधोत ती २०५
 सुरजन रांगो ती १५३, १५५, १५८
 सुरजन रायपाळ रो प ३५४
 सुरजन राव ती. २६६, २६८
 सुरजन सीहड़ रो प ३४०
 सुरतराज प. २८६
 सुरतसिध प. ३०८
 सुरताण प. १७, १८, २२, २३, ७०,

१०६, ११०, १३५, १३६, १४१,
 १४२, १४३, १४५, १४६, १४७,
 १४८, १४९, १५०, १५१, १५२,
 १५३, १५८, १६०, १६६, १६७,
 १६९, १७१, २००, २१०, २३६,
 २८१, २८३

,, हू. ११, ८०, ८५, ८८, ८९, ९८
 ९९, १०४, १०८, ११६, १२४,
 १३६, १४३, १५८, १५९, १६१,
 १६५, १६७, १६८, २००

,, ती. २८७

सुरताण कल्याणमलोत ती २०६
 सुरताण कोटडियो हू. १००
 सुरताण गांगा रो प. ३५६, ३५८
 सुरताण चवडे रो हू ३१०
 सुरताण जाभण रो प २४०
 सुरताण जैमलोत ती १२०
 सुरताण भालो प्रथीराजोत हू. २५६
 सुरताण भालो सिध रो हू. २६२, २६३
 सुरताण ठाकुरसी रो हू १६२
 सुरताण डुरगावत प ३४३
 सुरताण प्रथीराजोत प ३०४
 सुरताण भाखरसीओत हू १५२
 सुरताण मानावत हू १५४, १५७, १७६
 सुरताण रतनसीओत हू १८६
 सुरताण राणावत हू. १७१
 सुरताण रायमल रो प ३२७
 सुरताण रायसिधोत हू १५०
 सुरताण राव प २८१
 सुरताण राव भाणोत प. २४६
 सुरताणसिध प ३२३
 ,, ती २२४, २२७, २३५
 सुरताणसिध ठाकुर परमार ती. १७६
 सुरतो प. ३१
 सूरय प ७८
 ,, ती. १८०

सुरपुन रावळ प ७६

सुवचद ती. १६०

सुविधि राजा ती. १८५

सुसिध प २६२

सुस्तराज प. २८६

सूग्रो प १६

सूजो प ५०, ६०, ६१, ६२, १०१,

१०२, ११६, १२१, १२४, १६१

२४२, ३२०, ३२५, ३२६, ३६२

,, हू. १६६

सूजो आसावत प ३४३

सूजो करणोत प १६८

सूजो खेतसी रो प. ३६०

सूजो जगमालोत हू १६१

सूजो जसूतोत हू. १७०

सूजो जैसा रो प १६६

सूजो देईदास रो प ३१७

सूजो देवडो प १५६, १६४

सूजो पतावत हू १५१

सूजो पूरणमल रो प ३१३

सूजो प्रागदासोत हू. १८३

सूजो भाटी हू ६६

सूजो भारमलोत प २००

सूजो भुजवळ रो प १६५

सूजो मढीकरण रो प ३५६

सूजो माडणोत प २३६

सूजो राणो प २३१, २३५

सूजो रामावत हू १६१

सूजो रायमलोत प. ३१६

,, ,, हू २००

सूजो राय प ३६१

,, ,, हू १५३, १७८

सूजो राय, जोषावत ती. ३१, ८१, १०५

११४, १८२, २१५, २१६, २३५

सूजो रिणधीर रो प १४२, १४३, १५८

सूजो षणवीर रो प २४२

सूजो बीजा रो प ३५८

सूजो वेणावत हू १६०

सूजो सिलार रो प. १६७

सूमरो हू २३८

सूर प १७८, १८८, १६०, २६२

(दे० सूर मालण)

सूरज प ७८, १२५, २६२

सूरजमल प ५०, ५६, ६८, ६९, ७३,

७४, ७५, ७६, ७७, ६१, ६२, १०२,

१०३, १०४, १०५, १०६, १०७,

१०८, १०९, ११०, १२०, २०६,

२११, २१२

सूरजमल हू ७८, ८०, ६०, ६४, १२३,

१२४, १२८, १३६, १५६

सूरजमल ती. २२७

सूरजमल अमरा रो प. ३०, ३५६

सूरजमल किसनावत हू. १६६

सूरजमल केसोदास रो प. ३१४

सूरजमल गोपाळदासोत हू १८६

सूरजमल चांपा रो प ३५६

सूरजमल बालासो ती. ४१

सूरजमल लूणकरणोत हू ६०

सूरजमल हाडो प. २०

सूरजसिध प. ५३, २४७

सूरजसिध राजा हू. ८१, ६६, ११६,

१५५, १५८

सूरजसिध राय हू १३१, १३२

सूरतसिध प १२०, २६६, ३०७, ३०८

,, ती २२१, २२४, २२६, २२६

सूरतसिध महाराजा (बीकानेर) ती ३२,

१७७, १८०, १८१, २०८

सूरदास प. २३२

,, हू. १६४

सूरदेव ती. २१६

सूर नरसिधोत प १५३

सूर नाहरखान रो प. ११७

सूर पातसाहू द्व १७७, १८०, १९०,
 १९२
 सूरपाळ प. २८६
 सूरमचद प. ५०
 सूर माधवदे रो प ३३६
 सूरमालण (सूरमाल्हण) द्व ४०, ४१,
 ४२, १५३, १७८
 सूर राणो द्व २६५
 सूरसिंघ प २५, २६, २८, १५३, १६१,
 ३०३, ३०५, ३०६, ३०९, ३११,
 ३२०, ३२२, ३२६, ३२८
 सूरसिंघ द्व १५८
 सूरसिंह ती २३०
 सूरसिंघजी राजा प. ३२३
 सूरसिंघ फरसराय रो प ३२३
 सूरसिंघ भगवतदास रो प २६१, ३००
 सूरसिंघ महाराजा (जोधपुर) ती. १८२,
 २१४
 सूरसिंघ महाराजा (बीकानेर) द्व १११
 सूरसिंघ भानसिंघोत प ३२७
 सूरसिंघ रायसिंघोत महाराजा (बीकानेर)
 ती ३१, १८०, १८१, २०७, २०८,
 २१० (दे० सूरसिंघ महाराजा
 बीकानेर)
 सूरसिंघ राव द्व १३०, १३१, १३२,
 १३३, १३६, १४४
 सूरसिंघ रुद्र रो प ३१६
 सूरसिंघ वीकूपुर राव ती ३६
 सूर सुरताण रो प १५८
 सूरसेन द्व. ३, ६
 „ ती. २३१
 सूरसेन उग्रसेन रो प २६२
 सूरसेन राजा ती. १८६
 सूर रो प. ७०
 „ द्व ८४, ८८, १७८, १८६
 सूर कलावत प. १६६

सूर कांधळोत ती. २१
 सूर काना रो प ३६०
 सूर डूगरसी रो प. १२०
 सूर देवडो प. १४५, १४६, १४७, १५४,
 १७०
 सूर नरबद रो प. २४८
 सूर नरसिंघ देवडा रो प १६५, १६६,
 १६७
 सूर भैरवदासोत द्व. १७८
 सूर माधा रो प. ३२१
 सूर लोलावत प २३८
 सूर वेंगू रो प. ३५२
 सूर सोढो प ३६२
 सूर्यपाळ पदमपाळ रो प २८६
 सूर्यपाळ भीमपाळ रो प. २६०
 सेख फरीद ती २७६
 सेखो प ६७ ३२७
 „ द्व. १४२, १४३, १६८
 सेखो खारवारा रो राव ती ३७
 सेखो खेतसीश्रोत द्व १७३
 सेखो चहुवाण भाऊणोत प. १५२, २३६
 सेखो प्रताप रो प २८
 सेखो मोकळ रो प. ३१८, ३१९
 सेखो रतना रो प ३१७
 सेखो राणो दोला रो द्व २६५
 सेखो रामावत प १६८
 सेखो राव द्व. ११०, ११८, ११९, १२०,
 १२४, १२६, १३७
 „ „ ती १६, ३१, ३६
 सेखो रुदा रो प १६३
 सेखो सावत रो प २००, २०१
 सेखो सूजावत प २४१, २४२, ३६०
 „ „ ती ८६, ८८, ८९, ९०,
 ९१, ९२
 सेतरांम द्व २६८

सेतराम वरदायीसेनोत ती १८०, १८३,
 १८४, १८५, १८६, १८७, १८८,
 २०१, २०२, २०३, २०४
 सेनजित ती. १७७
 सेन राजा ती १८५
 सेरखान रतनसी रो प. ३५६
 सेरमर्दन राजा ती. १८७
 सेरसाह पठाण पातसाह ती. १८२
 सेरसिंघ ती २२६, २२८, २२९
 सेवो साखलो दू २६१
 सेहराव देवा रो प ११९
 संहसो चानणदास रो प. ३१४
 संहसो प्रथीराज रो प. २९०
 सैसमल रावळ प ३९
 सोढ उसै राजा रो प २९३
 सोढ देव प २९०
 सोढल राजा प २९५
 सोढो छाहड़ रो प ३६३
 सोढो बाहड़ रो प ३३७, ३३८, ३५१
 सोनग सीहोजी रो ती २९
 सोभत सलखा रो दू. २८१, २८४, २८५
 ,, ,, ,, ती ३०
 सोभ हरभम रो प ३५३
 सोभो रामा रो प. ३५७
 सोभो रावत प १९६
 सोभो राव लाखा रो प. १५८
 सोभो रिणमल रो प १३५, १३६
 सोभो हीमाळा रो प २४४, २४५
 सोभ्रम प १६९, २३०, २३१
 सोम प ११९, १६९, १९३
 ,, ती. १८४
 सोम केहर रो भाई दू ११६
 सोमचंद व्यास प. २२५
 सोम घट्टवाण दू
 सोम घट्टावत प. ३४१, ३४३
 सोमदत्त प. ३
 सोम भाटी दू ७५, ७६, ७७

सोम रावळ केहर रो ती. ३४, २२१
 सोमसी दू ३
 सोमस प. २८९
 सोमसर जसहड़ रो प. ३५५, ३६३
 सोमो प. ३४३
 सोमो राकसियो दू ३१२
 सोहड़ प. ११९
 सोहड़ सालू सूरवात ती ३०
 सोहित प. १००, १०१
 सोही प. ११९, १३५, १८६, २३०,
 २४७, २५०
 सौहर जाट ती १५
 स्याम प २७, १२५, १२६
 स्याम कूभावत दू. १७९
 स्याम जगावत दू. २६३
 स्यामदत्त ती २२५
 स्यामदास प. ३०७, ३२५, ३२७, ३२८
 ,, द. ९२, ९३, १८८, १९०,
 १९७, १९८, २६४, २६८
 ,, ती २२५
 स्यामदास भगवानदासोत दू १५२
 स्यामदास रावळ प. ७९
 स्यामदास बीठळदासोत प ३०९
 स्यामदास सीसोदियो प १४८
 स्याम देवा रो दू. २६३
 स्यामराम प ३२३
 स्यामराम अखैराज रो प. ३०२
 स्यामसिंघ प २३, १९७, ३०६, ३०८,
 ३१६, ३२२
 स्यामसिंघ दू ९३, १७०
 ,, ती २३२
 स्यामसिंघ जसवत रो प २०९
 स्यामसिंघ पता रो प. ३३०
 स्यामसिंघ परसोतम रो प. ३२३
 स्यामसिंघ मनोहरदास रो प. ३४२
 स्यामसिंघ मानसियोत प. २९१, २९९

स्यामसिध मानसिधोत दू. १६३

स्यामसिध राजा रो प. ३०८

स्यामसिध राव प. २८१

स्वतनख प ३३६

ह

हंवायळ दे हंदाळ ।

हंवाळ प. ३००

हसन वसु प. ७८

हसपाळ पडिहार प ३३३, ३३४

हंसपाळ मेहदा रो प ३४०

हंस राजा परमार ती. १७६

हस रावळ प ५, १२, ७६

हसो सीहड़ रो प. ३४०

हईहय प ७८

हठीसिध ती. २२६, २२७

हठीसिध राव ती. २४६

हणुमान प. २६०

हणूतसिध ती २३१

हणू राजा, प २६३, २६४, २६६

हणू राजा, काकिल रो प ३३२

हदनेत्र प ७८

हदो दू १७८

हदो गांगा रो प ३५६

हदो मानारो प. ३४१

हनु प ७८

हवीवखान प. ३०७

हवीव पठाण दू. २५४

हमाळ पातसाह प २०, ३००

” ” दू ८०

” ” ती. १६, १८३, १६२

हमीर प ६६, १८६, २२१, ३५६

” दू ३, ८०, २१५, २१७, २१८

हमीर श्रवतारदे रो प. ३६०

हमीर आसावत दू १७६

हमीर एको दू १३१, १३२

हमीर करमा रो प. १६५

हमीर कुंतल रो प. २६५, २६६, ३३०

हमीर खंगारोत प. ३०५

हमीर खोंदावत प. ३४१, ३४३

हमीर गोयदरो ती ११४

हमीर गोहिल प ३३५

हमीर थिरा रो प ३५६

हमीर दहियो प ११७, १२५

” ” ती. २६७, २६८, २६९,

२७०, २७१, २७२

हमीरदे चहुवाण प. २२०

” ” दू ५८

” ” ती. १८४

हमीर देवराजोत दू. ५३, १४४, १४५

हमीर बीजो दू २०६

हमीर भीम रो प ३३५

हमीर, रतनसी राणा रो दू ३६

हमीर राणो प. ६, १४, १५

हमीर राव ती. २८

हमीर रावत, परमार ती. १७६

हमीर लाखारो प. १३६, १६१

हमीर बडो दू. २०६, २१३

हमीर वणवीरोत प. ३५८

हमीर वीकावत प. २३७

हमीर सांकोत दू १८०

हमीर सोढो प ३३८

हमीर हरा रो दू. १२१, १२६

हयनर राजा ती १८६

हर प. ११

हरकरण प ३१६

हर करमसीओत प ३५१

हरख सर्मा प ६

हरचंद दे० हरिश्चंद्र

हरचंद रायमलोत दू. १४५

हरजस प. २८७, २६२

हरणनाभ प. २८८

हरदत्त राणो, मोहिल ती १५८, १७०

हरदास प. २२, २०५, ३२५, ३४१

„ दू. ७७, ७६, १०७, १२३,
१६२, १६६, २६३

हरदास अजा रो दू. ८०

हरदास ऊहड, मोकळोत ती. ८५, ८७,
८८, ८९, ९०, ९२

हरदास कांनावत दू. १६५

हरदास डूंगरसीओत दू. १७८

हरदास पतावत दू. १६७

हरदास भगवतदासोत प. २६१

हरदास भाटी दू. १७६

हरदास महेसोत प. २३७, ३४१

हरदास लूणकरणोत दू. ९०

हरदेव प. ३२२

हरधवळ प. १२२

„ दू. २२०, २३६

हरनाम प. २६२

हरनाथ प. ३०८, ३२०, ३२२

„ दू. ६०, ६६, ११६

„ ती. ३७

हरनार्थसिध ती. २३२

हरनार्थसिध तोडरमलोत प. ३२२

हरपाळ प. २६०

हरपाळ रांणो दू. २६५

हरभम दू. १५३

हरभम केल्हणरो दू. ११६, १४३

हरभम राव दू. ११६

हरभम सांखलो मेहराज रो प. ३५०,
३५१

हरभांण प. ३२२, ३२४

हरभीम राजा ती. १८६

हरभू पीर प. ३४८

हरभो मेहराजोत सांखलो ती. ७, १०३,
१०४, १०५ (दे० हरभम सांखलो
मेहराज रो)

हरराम प. २७, ३०६, ३०८, ३१२,
३२०, ३२७

„ दू. १२२, १५१, १८७

हररांम जसवंत रो प. ३१७

हररांम रायसल रो प. ३२४

हररामसिध ती. २२५

हरराज प. २२, ६६, १००, १६३, १६४,
२८१

„ दू. १७८

„ ती. २२०

हरराज करमसी रो दू. १६०

हरराज जैतसी रो प. ३१५

हरराज ठाकुरसी रो प. ३६०

हरराज देवडो प. १४५

हरराज नरवद रो प. १०६

हरराज नारण रो प. ३५८

हरराज मालवेवीत, रावळ दू. ६२, ६७,
१०२

हरराज रावळ दू. ११, ६२, ६७, ६८,
६९, १०२

„ „ ती. ३१, ३५

हरराज समरसी रो प. १०१

हरराज सोळंकी, डुरजणसाल रो प. २८१

हरसर्मा प. ६

हरसिधदे प. १२६

हरसिध राव (पूगळ) ती. ३६

हरसूर रांणो प. १५

हरहारीत प. ११

हरिअश्व ती. १७७

हरि कांन्हा रो प. ३५२

हरिचंद (हरीचंद, हरिस्चंद्र) दे०

हरिचन्द्र राजा ।

हरिजस प. ३१६

हरित प. २८८

हरिताश्व दे० हरिअश्व, हरियश

हरिदास प. १६६, २३३, ३२६

हरिदास अमरा रो प. ३५६

हरिदास फरसरांम रो प. ३१६

हरिदास धीठळदास रो प. ३०८

हरिदास सिलखावत प. २३३
 हरियश ती. १७७
 हरियो थोरी ती ६२, ६३, ६७, ६८,
 ६९, ७०, ७५
 हरिवश राजा ती. १७६, १८७
 हरिचंद्र राजा प. ४२, ४७, १६०,
 २८७, २९२, २९३
 „ „ ती. १७८
 हरिसिंघ प २११, ३१५, ३२०, ३२५
 „ दू ६५, ६६, ११६, १२४
 हरिसिंघ अमरसिंघोत दू १०६
 हरिसिंघ किसनसिंघोत दू. १७५
 हरिसिंघ गिरधर रो प. ३२२
 हरिसिंघ चांदावत ती २४६
 हरिसिंघ नारणदासोत दू ६२
 हरिसिंघ परसोतम रो प ३२३
 हरिसिंघ भीमसिंघोत दू १०७
 हरिसिंघ रतनसीओत दू १८३
 हरिसिंघ राजा ती १६०
 हरिसिंघ राव प. ३०६
 हरिसिंघ सकतसिंघोत दू १०६
 हरिसेन राजा ती. १८६
 हरिहर प. ७८
 हरीदास प. १६१
 „ दू १०५
 हरीदास कलावत दू १६१
 हरीदास गोपाळदासोत दू. १६८
 हरीदास जोगीदासोत दू. १८५
 हरीदास दलावत दू ३०४
 हरीदास पता रो प १६०
 हरीदास पेरजखान रो प. १२४
 हरीदास भगवानोत दू १६१
 हरीदास भांणोत दू. १६४
 हरीदास माधोदासोत दू. १७२
 हरीदास मोहण रो प. ३५७
 हरीदास रतनसी रो प ३५६

हरीदास रामचवोत दू. १८३
 हरीदास रायमलोत दू. १७५
 हरीदास बाघोत दू. १७६
 हरीदास सुरताणोत दू १६०
 हरीदास सोढो प. ३६२
 हरी नाथा रो दू ७५
 हरीपाळ राजा ती १८८
 हरी भाखरसी रो दू. १६७
 हरी रांणो दू २६५
 हरीराम प २५
 हरीराम रायमलोत ती. २१७
 हरीसिंघ प २४, ३०२
 „ ती. २२१, २३६
 हरीसिंघ जसवतसिंघोत ती. २१७
 हरीसिंघ राघवदास रो प. ११७
 हरीसिंघ रावत प ६४, ६६, ६७
 हरीसिंघ वीरमदे रो प २०८
 हरो दू १५, ८१
 हरो राठोड दू ५८
 हरो सेखा रो दू १२०, १२१, १२४,
 १२६, १२७, १३७, १४१
 हर्षमादित्य प १०
 हर्जनकार सर्मा प ६
 हर्जनर सर्मा प ६
 हर्यश्व ती १७८
 हांमो प. १०१
 हांमो काठीलो दू. २४०
 हांमो रतनावत प. १६५
 हांस रावळ प. ७६
 हांसू ती २२१
 हांसू पडोहियो दू ३१७
 हाजीखान प ६०, ६१, ६२
 हाजो प. २४७
 हाजो काठी दू २२०, २३६
 हाडो प १०१
 हाथी प. २६, १०१

हाथी अभा रो दू. १४१
 हाथी ईसरवास रो दू. १३०
 हाथी भाटी दू. ६६, ११६
 हाथी वाळा रो प. १२१
 हाथी सुरताण रो दू. २६३
 हापो प. ११६, २३१
 हापो रावत परमार ती. १७६
 हापो रावळ दू. ८४
 हारस चारण दू. २३७
 हारीत ऋत्नीश्वर प. ३
 हारीत ऋषि दे हारीत रिख ।
 हारीत रिख प. ३, ७, ११, १२
 हालो हमीर रो दू. २०६, २१५, २१६
 हावसिद्ध प ७८
 हिगोळो आहाडो प १११
 हिदाल प ३००
 हिडुसिध प. ३०६
 हिडुसिध माघा रो प ३२१
 हिमर्तसिध प. ३०६, ३११, ३१७, ३२६
 हिमर्तसिध कथवाहो ती. ३१
 हिमर्तसिध परसोतम रो प. ३२३
 हिमर्तसिध मानसिधोत प २६१, २६६
 हिरण्यनाभ प २८८
 हिरण्यनाभ ती. १७६
 हिरदैनारायण प ३०४, ३१०
 हिरदैराम प. ३०८, ३२४
 हिरदैराम अखैराज रो प. ३०२
 हिरन प ७८

हींगोळ प. १७२, २३५
 हींगोळवास दू. ८१, १०४
 हींगोळवास सुरताणोत दू. १७२
 हींगोळो पीपाडो ती. १२०
 हीमर्तसिध ती. २२४, २२६, २३०, २३३
 हीमतो दू. ६५
 हीमाळो, राव धरजांग रो प. २३२, २४४
 हीरसिध ती. २३६
 हुमायू वादशाह दे० हमाऊ पातसाह ।
 हुमायू पातसाह प. १६ (दे० हमाऊ
 पातसाह)

हुरड बनो दू २०
 हुसग गीरी पातसाह ती. २४३, २४७
 हुन राजा प २५५
 हुंफो सांडू दू. ६२
 हुदैनारायण ती. २३६
 हुदै सर्मा प ६
 हेडाऊ दू २१६
 हेमराज दू. १२३, १६६
 हेमराज खीदावत प १६६
 हेमराज पडिहार दू १४०, १४२
 हेमवर्ण सर्मा प. ६
 हेमादित्य प. १०
 हेमो सीमाळोत दू. २८५, २८६, २८७,
 २८८, २८९, २९०, २९१, २९२,
 २९३, २९५, २९६, २९७, २९८
 हीहय प. ७८
 होरसराउ प. १२६

[२] स्त्री - नामावली

[स्त्री नामावली में पुल्लिङ्ग-रूप स्त्री नाम तथा स्त्री नामों के साथ पुल्लिङ्ग जैसे विशेषण रूप, मध्यकालीन राजस्थानी संस्कृति और स्त्री-समाज की प्रतिष्ठा के प्रतीक रहे हैं। उनकी स्त्रीलिङ्ग-रूप विलक्षण व्यंजना के, राजस्थानी भाषा के कुछ स्त्री-परक प्रत्ययादि और कुछ अन्य विशिष्ट शब्द, नाम ढूँढने के पूर्व सहज परिचय के लिये, अर्थ सहित यहाँ दिये जा रहे हैं।]

आंणी — कतिपय प्रदेश और जाति आदि नामों के अन्त में लगने से स्त्री नाम बनाने वाला एक प्रत्यय। जैसे—खावडियाणी, जोईयाणी इत्यादि। पुरुष नामों के अन्त में यह प्रत्यय 'आत्मज' अर्थ में बदल जाता है। जैसे लाखो फूलाणी।

ओळगण, ओळगाणी — १. गायिका। यह प्रायः ढाढी जाति की होती है। राजस्थान के साचोरी प्रदेश में और उत्तर गुजरात में महतरानी को 'ओळगाणी' और महतर को 'ओळगाणो' कहते हैं।

कंवराणी — कुवरानी।

कंवर, कुवर — कुवरि, कुवरी। जैसे—आसकवरबाई, उमेदकुवर इत्यादि।

खवास — १. राजा की दासी २. रखेल ३. सेविका।

खवास-विणियांणी — बनिया जाति की स्त्री जो खवास बन गई हो।

खालसा — १. राजा की एक विशेष दासी २. एक रखेल।

खीचण — खीची-क्षत्री वंश में उत्पन्न स्त्री।

चहुआण, चहुवाण (-जी) — चौहान-क्षत्री कुल में उत्पन्न कन्या के ससुराल का उपनाम तथा संबोधन।

चारण — चारण-स्त्री, चारण जाति की स्त्री। चारणी भी कहा जाता है।

ची — कतिपय नगर या प्रदेश नामों के अन्त में लगने से स्त्री नाम बनाने वाली एक विभक्ति।
जैसे—ईडरची, कोटेची इत्यादि।

चूडावत (-जी) — चूडा के वंश में उत्पन्न कन्या के ससुराल का उपनाम और संबोधन।

छोकरी — दासी।

जोगण, जोगणी — १. योगिनी २. योगी (जोगी) की स्त्री।

ठकराणी — ठाकुरानी।

झंमणी — ढाढिन, गायिका।

दे — देवी का संक्षिप्त रूप। जैसे—अंतरगदे, उछरगदे इत्यादि में। पुरुष नामों के अन्त में यह 'देव' शब्द के संक्षिप्त रूप में भी प्रयुक्त होता है। जैसे—कान्हड़दे, गोगादे इत्यादि में।

नाचण — नाचने वाली, नृत्यकी।

पंवार (-जी) - पंवार (परमार) क्षत्री कुल मे उत्पन्न कन्या के ससुराल का उपनाम या संबोधन ।

पासवान - राजा की एक पदयित दासी ।

पूतळ छोकरी (-छोरी) - दासी ।

वा - १. माता. २. राजरानी. ३. राजमाता ।

वाई - १. स्त्री नामान्त प्रत्यय रूप एक शब्द । जैसे—इंद्रावतीवाई, रामीवाई इत्यादि ।

२. पुत्री. ३. वहिन. ४. वन्ची, कन्या ।

घेर - १. पत्नी. २. स्त्री ।

भुआ (-वा) - फूफी ।

माजी - १. राजमाता. २. माता. ३. वृद्धा । (प्रायः विधवा स्त्री)

राठोड़ (-जी) - राठोड़ क्षत्री कुलोत्पन्न कन्या का ससुराल पक्षीय संबोधन और उपनाम ।

राठोड़णीजी, राठोड़णीजी, राठोड़णीजी (राठोड़िनजी) नाम भी कहे जाते हैं ।

राय - १. स्त्री नामान्त एक प्रत्यय रूप शब्द । जैसे—गुमानराय पातर, गुलाबराय खवास इत्यादि । पुरुष नामो के अंत में भी इसका प्रयोग होता है । जैसे—चामुडराय, रामराय इत्यादि ।

वजीरण - १. वजीर (गोले) की स्त्री । २. ठाकुर की दासी । राजस्थान में जागीरदार के दास को वजीर भी कहते हैं ।

घडारण - ठाकुर की एक दासी ।

सगत, सगती - १. शक्ति, देवी. २. देव्याशी स्त्री. ३. करामात वाली स्त्री. ४. भोपी ।

सहेली - १. साधिन. २. दासी ।

सेखावत (-जी) - १. सेखावत कुलोत्पन्न क्षत्री कन्या का ससुराल पक्षीय उपनाम तथा संबोधन ।

स्त्री - नामानुक्रमणिका

अ

अंतरंगदे तुंवर ती. २०६
 अतरंगदेजी पवार ती. २०६
 अखैकुंवर देरावरी ती. २११
 अजबदे घनराजोत-भटियांणी ती. २१०
 अजादे दहियांणी प. ३४४
 अजैदे दहियांणी प. २५२
 अजैमाळा पातर ती. २१०
 अतभागदे रांणी (ब्रजवरजी) ती. ३२
 अनारकळी पातर ती. २०६
 अर्भकुंवरजी ती. २११
 अमोलकदे भटियांणी ती. २१०

आ

आचानण ती २८१, २८२, २८३, २८४,
 २८५
 आछी शाहजादी ती. १६१
 आसकवर बाई, (राजा भावसिंघ री रांणी)
 प. २६६
 आसकवर बाई, (राजा मानसिंघ री रांणी)
 प. २६७
 आसारण प. ६३

इ

इंद्रकुंवर (कस्तूरदे राणी) ती. ३२
 इंद्रावती बाई, (आसकरण री रांणी)
 प. ३०३

ई

ईंदी ती. १०७ १०८
 ईंदरची दू. ८७
 ईहडदे ती २५८

उ

उछरंगदे ईंदी ती. २६
 उदैकुंवर चहुवाण ती. २१५
 उमादेवी भटियांणी ती. २१५
 उमेदकुंवर तुंवर, राणी ती. २११, २१२

ऊ

ऊघळ (कांनडदे री वेंटी) दू. ४१
 ऊमादे (कांनडदे री राणी) प. २२५

ओ

ओळगाणी दू. ३३६
 ,, ती. २५८

क

ककाळी प. ३३६
 कंवळदे रांणी प. २२५
 कंवळावतीबाई, (गोरघन री पत्नी) प. ३०३
 कवळावती, (घोवा री वेंर) प. १२४
 कनकावतीबाई, रांणी प. २६७
 कनकावती (राव भोज री पत्नी) प. १११
 कपूरकळी खालसा ती. २०६, २१२
 कमोदकळा खवास ती. २११
 कमोदी खवास ती. २०६
 करणा री मा प. १६२
 करमां खवास प. ३१२
 करमेती बाई (मेहराज री पत्नी)
 दू. १७८
 करमेती हाडी रांणी प. २०, ४६, ५०,
 ६६, ६७, ६१, १०२, १०३, १०४,
 १०८, १०९
 करमेती हाडी रांणी दू. २६२
 ,, ,, ,, ती. ५५

कल्याणदे (राजा गजसिंघ री रांणी)

प. ३०१

कल्याणदे देवड़ी ती. २६

कसतूरदे रांणी (इंद्रकुवर) ती. ३२

कसमीरदे रांणी ती. ३१

कांमरेखा पातर ती. २१०

कांमसेना पातर ती. २१०

किसनवाई प. १६७

किसनराय ती. २११

किसनाई खवास ती. २११

किसनावती बाई प. ३१२

कुजकळी पातर ती. २११

कुमरदे दू. २८०

कूभारी दू. २६६

केर वा दू. २१६

केसर इंदी ती. ३१

केसरदे कछवाही ती. २१४

केसरदे नळकी प. ३१५

कोटेची ती. २५०, २५१, २५२

कोडमदे धीकूपुरी ती. २११

ख

खवास (गोकळदास री मा) प. ३१६

खातण (मेरा री मा) प. १५, १६

खावडियांणी प. ३४७

खेतूवाई (राव सून्या री वेटी) प. १०२

खेतू राठोड, माजी प. १०७

ग

गगाजी रांणी (सोभागदे) ती. ३१

गरुडराय पातर ती. २११

गघरा ती. २११

गांगे री मा ती. ८०

गायडदेवी सोसोदणी ती. २१४

गाहिडदे राणी ती. ३२

गोंदोली दू. २८७

गुणकळी पातर ती. २१०

गुणजोत वडारण ती. २१२

गुणजोत सहेली ती. २०६

गुणमाळा खवास ती. २११

गुमानराय पातर ती. २११

गुमांनी पातर ती. २१२

गुलाबराय खवास ती. २०६

गुलाबराय पासवान ती. २१३

गुलाबां पातर ती. २११

गोकळदासरी मा, खवास प. ३१६

गोड रांणी प. २६८

गोपाळदे सोंघळ प. २५७

गोरज्या गोहिलांणी ती. ३०

गोरां पातर ती. २११

च

चंद्रकुवर, रांणी (जोधपुर) दू. ११०

चंद्रकुवर, रांणी (बीकानेर) ती. ३२

चपाकळी ती. २११

चपावती पातर ती. २११

चतुरसिंघरी मा मैणी प. ३१२

चहुआणजी ती. ६३

चहुवाण } ती. ३

चहुवांणी }

चांदजी प. १३३

चांदण ती. ३०

चाद बा सोही दू. २०६

चांद बीबी ती. २७२

चापा बाई प. १३७, १४१, १६३, १६७

चांपादे, (राठोड पृथ्वीराज री पत्नी)

ती. २०६

चावडी राणी दू. २७४, २७५, २७६

चावोडी (मूळराज री मा) प. २६४,

२६५

चैनसुखराय खालसा ती. २११

चोधरण ती. १४, १५

चोहान रानी ती. ३

ज

जसमादे, (महाराजा रायसिंह की रानी)

ती. २०७

जसमादे हाडी (राव जोधा री रांणी)

प १०१

जसमादे हाडी (राव जोधा री रांणी)

ती. ३१

जसमादे हाडी ती. २१६

जसवंतदे राणी ती. ३१

जसहड़बाई मांगलियांणी हू. ३०४, ३०६

जसोदा (जैसा भैरवदास री बेटी) प. १११

जसोदाबाई (मोटा राजा री बेटी) प. ३००

जसोदा (भाटी भानीदास री बेटी)

हू १३२

जाणदे राणी ती ३०

जाणादे हुलणी ती. ३१

जाटणी (बाबूराम री मा) प ३२४

जाड़ेची (राखाइच री मा) प २६५,

२६६

जीऊ पातर ती २१०

जीवी, जीवू ती. २१०

जेळू प. १२४

जेसलमेरी रांणी, रतन कंवरजी ती २०६

जेतलदे, कान्हूदे री रांणी प २२५

जैमाळा पातर ती. २०६, २१०

जोईयांणी, (सलखेजी री राणी) ती. ३०

झ

झाली कवराणी, (कुं जोगे री बहू)

ती १६५

ड

डगली खवास ती. २०६

डाही डूमणी हू. २३०, २३१

डाही घाय हू. १८

डोकरी ती. १०१, १२६

डोड गेहली ती. ६४, ६५, ६६, ६७, ७६

त

तनतरंग पातर ती. २११

ताज बीबी ती. २७५

तारावे राणी, चहुवाण (तीडे री अत्तेवर)

ती ३०

तारावे, (राव सुरताण री बेटी। प्रथीराज-

उडण री अत्तेवर) प. १७, २८१

तारावे (हरिचंद री रांणी) प. २६३

तुवरजी अंतरंगदे ती. २०६

तुरकणी ती. २७८

द

दमयंतीबाई प. ३१२

दमेतीवाई (मोटा राजा री बेटी)

प ३१२

दुरगावती बाई (राजा भगवानदास री

राणी) प. २६७

दूडी नाचण प. ६६

देवड़ी (चांपा सींघळ री वैर) प. १६३

देवी सोनगरी प. १५

द्रोपदा चहुवाण ती. २६

द्रोपदा तुंवर ती. २१०

घ

घण (जाड़ेचा फूल री राणी) हू २२८,

२२९, २३०

घनाई राठोड (राणा सांगा री रांणी)

प. १६, २०, १०२

घायजी ती. ६६

घाहू पातर ती. २१६

घाहू री मा प. २५४

घीरवाई प. २२

न

नधरंगदे साखली, राणी ती. ३१, १६५

नाई री वैर प ३२१

नागही चारण हू २०२, २०३, २०४

नारगी पातर ती. २०६

नैणजवा पातर ती. २१०

नैणजीवा दे० नैणजवा पातर ।

नैणसुखराय पातर ती. २११

प

पगळी वेंटी प. ३४०

पवार राणी प. १०७, १०८

पत्ती, (जंतमाल री वेंटी) प. २४६

पदमणी प. १३, १४

” दू. ४२, २०२, २०३, २०४,
२६६

पदमणी ती. २५८

पदमां देवड़ी (मालदेवजी री मा) ती. २१५

पदमां विणियाणी, खवास प. ७३

पदमा (भांनीदास री मा) दू. ६२

पदमावती पातर ती. २१०

पदमावती राणी दे. परमावती रांणी ।

पदमावती राणी, (राणा सागा री कन्या)
ती २१५

परमावती राणी ती. १८६

पागळी वेंटी प. २५३, ३४०

पातसाह री सहेली दू. ७०

पारबती भटियाणी दू. ६६

पुष्पकुंवरि दे. पोहपकंधर माजी

पूतळ छोकरी प. २०

पूराबाई सहेवची दू. १५६, १५७

पेमाबाई ती. ५६

पेमावती पातर ती. २११

पोहपकंधर. (अजीतसिंघजी री माजी)
ती, २१३

पोहपराय श्रोळगण ती. २१०

पोहपावती, (मोटा राजा री राणी)
दू. १२८

प्रतापदे सेखावत, राणी ती. २११

प्रेमकळी ती २११

प्रेमकुवर भटियाणी, राणी ती. २१०

प्रेमलबे दू. १२७

फ

फत्तू पातर ती. २११

फत्तू सहली ती. २१२

ब

बहुळी जोगणी प. २०४

बाबूरांम री मा जाटणी प. ३२४

बालबाई बीकानेरी प. २६०

बाहडमेरी प. १४३, १४८

बाहडमेरी दू. ८६, ८८

बिरवड़ी, चारण-काछेली ती. ७६, ७७

बुधराय पातर ती. २१०

बूट पदमणी (राजा मोखरा री वेंटी)

प. ३३३, ३३४

भ

भगतादे रांणी ती. ३१

भटियाणी (जोधाजी री रांणी) ती. १५८

भटियांणी राणी ती. ३१

भांणवती ती २१०

भांणवदे ती. २१०

भांणीबाई (भाण जेसावत) दू. १५१

भाटियांणी (रावळ केहर री वेंटी) दू. ३२

भानुदेवी ती २१०

भानुमती ती. २१०

भारमल आंधी प. ३४६

भारमली प. ३४६

भाषळदे, (कांन्हडदे री रांणी) प. २२५

म

मनरगदे भटियांणी, रांणी ती. २१०

मनसुखदे धोकूपुरी, रांणी ती. २११

मलकी वंहेणीवाळ ती १३, १४

महताव पातर ती. २१२

महेवची दू. ८४

मागळियांणी, (ऊर्वे की वेंर) प. ३४७

मांगळियांणी (वीरमजी की स्त्री)

दू. ३०३, ३०४

माणल देवाइत दू. १६

मांणवती पातर ती. २१०

माणवदे सोढी, रांणी ती. २१०
 मारवणी प. २६३
 मालवणी प. २६३
 मीराबाई प. २१
 मृदंगराय पातर ती. २११
 मेघमाळा खवास ती. २११
 मेलनदे रांणी, खीचण प. २६४
 मैणी, चतुरसिंघ री मा पे. ३१२
 मोतीराय सहेली ती. २०६
 मोहनी पातर दू. ८१
 मोहिल कुंवरांनी दे० मोहिल रांणी ।
 मोहिल राणी दू. ३१२, ३१३, ३१४,
 ३२५, ३२८, ३२९
 मोहिलाणी (घोडे री ठकराणी) ती. १६६
 मोहिलानी दे० मोहिल राणी ।
 म्हावतीबाई (राजा जैसिंघ री रांणी)
 प. २६७

य

यशोदा (राजा रायसिंह की रानी)
 दू. १३२

र

रगनिरत पातर ती. २११
 रंगमाळा पातर ती. २१०
 रगराय पातर प. ६१
 " " ती २०६, २१०, २११
 रंगादे भटियांणी ती. ३१
 रभा दू. ३७
 रभावती (मोटा राजा री बेटो) दू. ६३
 रतनकवर जेसळमेरी ती. २०६
 रतनकुवर रांणी ती ३२
 रतनादे (किसनदास री बेटो) दू. ६०
 रतनादे भटियांणी, रांणी ती २६
 रतनावत राणी ती. ३१०
 रतनावती (पोहपसेन री पत्नी) प. १२४
 रघाय दू. १६, २०, २३, २५
 रांगादे, जसहट्ट-भटियांणी ती. ३०

रांणीबाई (राघ मालवे री रांणी) दू. ६१
 रामकंवर (कला री बेटो) दू. ६८
 रायकंवर भटियांणी, रांणी ती. २०६
 रामजोत खालसा ती. २१२
 रामीबाई ती. १३३, १३४
 रामोती खवास ती. २११
 राईकंवरबाई (राजसिंघ री रांणी)

प. ३०३

राजकंवर, मोटा राजा री बेटो प. २६
 राजबाई दू. ७२, ८५
 राजबाई भटियांणी प. २६
 राजा पातर ती. २१२
 राठवड दे० राठोड सती ।
 राठोड (राठोडजी) ती. ६३
 राठोड सती दू. ३२४, ३२५
 रायकवरबाई (सबळसिंघ री वैर) प. २६८
 राही ब्राह्मणी ती. २१२
 राही सहेली ती. २१२
 रखमावती बाई, राजा महारसिंघ री रांणी
 प. २६७

रुठी रांणी दे० उमादेवी भटियांणी
 रूपकळी खालसा ती. २०६, २११
 रूपमजरी पातर ती. २१०
 रूपरेखा सहेली ती २०६, २१०
 रूपादे रांणी दू. १३०, २८४

ल

लक्ष्मीदेवी ती २१५
 लखा मांगळियांणी रांणी, दू. ६१
 लजसी (तेजसी री वैर) प. १८३
 लवगकवरजी ती. २१०
 लाग सगती ती २२२
 लाख सगती ती २२२
 लाछाई ई दी ती. ३०
 लाछां देवडी दू. ७५, ७६, ७७, ७८
 लाडां भटियांणी, रांणी ती. ३०
 लालादे ती. २०६

लाला देवडी, राणी ती. ३१
 लाला मागळियाणी, राणी ती. ३०
 लिखमादे भटियाणी ती. २१५
 लिखमी ती. १०४, १०५
 लिखमी राणी प. ३६१
 „ „ दू. १५३
 लीलादे मेहवची दू. ७५, ७८
 लूंगकंवर, राणी ती. २१०

व

वडकवार बेटी दू. २२७, २२८
 वडकुंवार ती. २५०
 वनां पातर ती. २११
 व्हूजी ती ८०
 वाघेली ती ६३, ६६
 वारू पातर प. २१६
 विजनां ती. २१२
 विजी पातर ती. २१२
 विर्जेकुवर दू. ११०
 विर्जेकुवर दू. ११०
 विमळादे राणी दू. ५३, ७३, ७४, ७५,
 २८५
 वीरां वुलणी, राणी ती. ३०
 वेणीबाई दू. १५१
 वजवर (राणी अतभागदे) ती. ३२

श

शेखावतली ती. ६३
 शेखावत रानी प. ३२३

स

सकांमी सहेली ती २१२
 सजन भटियाणी दू. ६०, ६८
 सजनांबाई दू. ६८
 सजनां (राव मालदेव री बेटी) दू. ६२
 सतभामाबाई दू. २५६
 सदां खवास ती. २११
 सबामी ती २१२

सदाकंवर ती. २७०, २७१
 सरकसळी ती. २०६
 सरसकळी पातर ती. २०६
 सरूपवे (कद्यवाही) ती. ३१
 सरूपवे गोहिलाणी, राणी ती. ३०
 सरूपवे भाली ती. २१४
 सरूपवे राणी दू. २६४
 सरूपा पातर ती. २११
 सांखली, सांखळवास री वंर दू. १८१
 सांखली ती. १४५
 सांखली, आना री यह प. २५४
 सांखली, सुरतांग री वंर प. २८२
 साहमती कद्यवाही ती २१४
 साहिवदे तुंवर, राणी ती. २११
 साहिवदे (दलपत री मा) दू. १३४
 सिणगारवे जेसळमेरी, राणी ती. २१०
 सींघळ, खीची वाघ री मा प. २५६, २५७
 सींघलियाणी प. २५६
 सीताई प. २२१
 सीताबाई बाहळमेरी दू. ८६, ८८
 सीसोदणी ती. ८०, ८३, ८६
 सीसोदणी (राव मडळोक री वंर) दू. २०३
 सीहा री डीकरी ती. १२७
 सुंदर भुवा (गेंचंद री भुवा) प. ३३८
 सुखविलास पातर ती. २११
 सुगणांवे सोडी, राणी ती २११
 सुघडराय खवास ती. २०६
 सुजांणवे (राजा सूरसिंघ री राणी) दू. ११६
 सुपियारवे ती ३८, १४१, १४२, १४३,
 १४४, १४५, १४६, १४७, १४८
 सुभविलास ती २११
 सुरतांणवे वेरावरी राणी ती २११
 सुवळी सीसोदणी ती. २३
 सुहववे जोईयाणी प. २५१, २५२
 सुहागण राणी प. १३
 सूरजवे (राजा गजसिंघ री राणी) प. २६६

सूरमदे सोखली ती. ३०
 सेखावत प. ३२३
 सेखावत मोहल दू. ११०
 सैणी चारणी देवी प. २०४
 सोढी दू. ५८, ५९
 सोढ (कूभा री बैर) दू. २६७
 सोढी, पावुनी री ठकराणी ती. ७२, ७६,
 ७९
 सोढी रांणी दू. ६०
 सोढी (रावळ लखणसेन री रांणी) दू. ४०
 सोढी (लाखा री बैर) दू. २३२, २३३,
 २३४, २३५
 सोनगरी प. २०६
 सोनगरी ती. ७, ८
 सोनगरी (कांन्हडदे सोनगरा री बेटो)
 दू. ४०, ४१, ४२
 सोनाबाई ती. ५८, ५९, ६३, ६९
 सोना (मोहिल ईसरवास री बेटो)
 ती. ३१
 सोभागदे चावड़ी (सीहोजी री अतेवर)
 ती. २९
 सोभागदे भटियाणी, राणी (गगाजी)
 ती. ३१
 सोभागदे (दुरजनसाल री राणी)
 प. ३२५
 सोळकणी (ऊवै री बैर) ती. २५८,
 २५९, २६१

सोळकणी (जगमालजी री बैर)
 दू. २८७, २८८
 सोळकणी (सांवर्तसिघ सोनगरा री बैर)
 ती. २६१, २६२
 सोळकणी (सीहोजी री अतेवर) ती. २९
 सोहड़ रजपूताणी दू. १४२
 सोहद्री भटियाणी, रांणी दू. ११९
 स्वाळख री जाटणी प. ३२४

ह

हंसबाई, (रांणा लाखा री रांणी) प. १५,
 १६
 हंसबाई (राघ लूणकरण री पत्नी)
 प. ३१९
 हंसावळी रांणी प. १२३
 हरखरेखा ती. २०९
 हरखा (मोटा राजा री रांणी) दू. १३२
 हरजोतराय बडारण ती. २११
 हरमाळा सहेली ती. २०९
 हररेखा ती. २०९
 हसती (हसणी, हंसणी) खालसा ती. २११
 हासांजी गहलोत, रांणी ती. २०९
 हाडी करमेती प. ५०
 हाडी, कला जगमालोत री बेटो प. ५०
 हाडीजी रांणी ती. १३५
 हाडी ठाकरांणी प. ७५
 हरड़ दू. १९, २०, २४, २५

[३] अश्वादि पशु नाम



अमोलक घोड़ो दू. २०३
 अरवी घोड़ो प. ६६
 उचासरो घोड़ो (उच्चैश्वा) दू. २०३
 उजाळो-वछेरो प. २४६
 एकलगिङ्ग-बाराह प. १७०
 एकलवाडचर प. १७०
 एकल-सूकर प. १७०
 ऐराकी घोड़ो प. ६६, १०४
 " " दू. ७०
 " " ती. ४४, ११६
 कच्छी घोड़ी दू. २५७, २५६
 करहो-झीणो दू. २३३
 काछण-घोड़ी ती. २५७, २५६
 काछी खानाजाद (घोड़ी) ती. २५६
 काछी घोड़ो दू. २६४
 काळवीं घोड़ी ती. ६४
 कोड़ीघज घोड़ो प. २७२, २७३, २७४,
 २७५
 " ती. ११०, १११
 खानाजाद काछी दे० काछी खानाजाद ।
 खासो ऊंट ती. १०६
 छुरीकार घोड़ो ती. ६६
 जूह वाकरो ती. २६०
 जेठी घोड़ो दू. ३१४, ३१५, ३३५
 झाम्भो-घोड़ो प. २०६
 झीणो करहो दे० करहो झीणो ।

तेजल-घोड़ो ती. ६४
 दरियाई घोड़ो ती. २८०, २८१
 दरिया-जोइस हाथी ती. ६१
 नीली घोड़ी प. २६३
 नीलो (घोड़ो) ती. १२०
 पटे-हसती दू. ४८
 पट्टाभरण दू. ५०
 पडोहियो घोड़ो दू. ३१८
 पाणीपंथो-घोड़ो दू. ५५
 पाटहड़ो-महुषो (घोड़ो) प. २७१, २७२
 बच्चियां रो घोड़ो प. २८१
 बाडो ऊंट ती. ७१, ७२
 बोर घोड़ी ती. २८१, २८३, २८४
 भुंवर घोड़ो ती. १५
 मृग घोड़ो (अग घोड़ो) ती. २६६, २७१
 मेघनाद हाथी प. १०४, १०५, १०६
 मोर घोड़ो प. ३४६
 " " दू. ३२५, ३२७
 लाप घोड़ी प. ३५०
 लाछ घोड़ी दू. २०३
 लाल लसकर घोड़ो प. १०४, १०५, १०६
 लिखमी घोड़ो दू. २०३
 घडी घोड़ी प. २६३
 वेल भंस दू. १३
 साहुलो भंसो प. २१८
 सुपेद हाथी दू. ७०

२. भौगोलिक नामावली

[१] ग्राम, नगर, देश, आदि

अ

अंजार द्व. २५५
 अतरगढी दे० आंतरगढी ।
 अतरवेष्ट प ३३२
 अमली रो टूक प. ६६
 अबाव प. ४६
 अकेली प. १७६
 अलासर द्व. १११
 अचलगढ प. १७७
 अजमेर प. २४, ३७, ३८, ५२, १८६,
 १८८, २५२, २८०, २८६, ३०३,
 ३६२
 " द्व. १०२, १५१, १५५, १६२,
 १६३, १६७, १७१, १७४, १८०,
 १८८, १८९, १९३
 " ती. ६५, ६६, ६७, १७४, १८४,
 २१५
 अजमेरगढ ती. १७४
 अजमेरपुर प. १८६
 अजीतपुर दे० अजीतपुरी ।
 अजीतपुरी ती २२३
 अजैपुर ती. २१६
 अजोव्या प. २६२
 अटक प. ३००, ३१४
 " द्व. १६८
 अटबडो द्व. १४५
 अटरोह प. ११६
 अटाळ चारणां री प. १७६
 अटाळ-भाटां री प. १७६
 अटाळी प. १८, २८२
 अणखलो (सिवाने का गढ) प

अणदोर प. १६२, १७७
 अणधार प. १७६
 अणवांणो द्व. १५७
 अणहलनगर प. २६१
 अणहलनगर दे० अणहलपुर-पाटण ।
 अणहलपुर पाटण प. २५८, २५९, २६०,
 २६१, २७१
 " द्व २६६
 " ती. २६, ४६, ५०, ५१,
 ५२, १७३
 अणहलवाडो दे० अणहलपुर पाटण ।
 अणहलवाडो-पाटण दे० अणहलपुर पाटण ।
 अणहिलपुर पट्टन दे० अणहलपुर पाटण ।
 अणहिलपुर पाटण दे० अणहलपुर पाटण ।
 अभैपुर ती २१८
 अभोहर द्व. १०
 अभणेर प ३४०
 अभरकोट दे० ऊभरकोट ।
 अभरपुर प. ३१६
 अभरसर प २८७, ३१८, ३१९, ३३२
 अभरा अहीर री ढांणी प. ३१८, ३१९
 अरजणियारो द्व ४
 अरजणी द्व० ३६
 अरजियांणी प. १६५, ३३५
 अरटवाडो प. १६२, १७७
 अरटियो द्व. १६३
 अरणो प. ५२
 अरणोव प. १२८
 अरबद्द प. १८७, १८८, १८९
 अरोड द्व २८
 अरुंद प. १८७

અવાહનો પ. ૧૨૮

અવાહ હૂ. ૧૪૨

અવેલ પ. ૧૭૭

અહનલા દે. એહનલા ।

અહમદાવાદ દે. અહમદાવાદ ।

અહમદનગર પ. ૩૨૬

„ હૂ. ૧૮૪

„ તા. ૨૭૨

અહમદપુરો હૂ. ૨૪૧

અહમદાવાદ પ. ૩૭, ૬૭, ૨૦૮, ૨૬૨

„ હૂ. ૨૦૨, ૨૦૩, ૨૦૭, ૨૦૮,
૨૫૩, ૨૬૦, ૨૬૧

„ તી. ૫૩, ૫૬

અહવા હૂ. ૧૨

અહાડ પ. ૩૩

અહિચાવો પ. ૧૭૬

અહિચાવો-જુરદ પ. ૧૮૦

અહિલાળી હૂ. ૧૫૩

અદુર પ. ૨૪૦

આ

આંતરગદો હૂ. ૧૨, ૧૪૨

આંતરદો પ. ૧૧૦

આંતરી પ. ૪૨

„ તી. ૨૩૬, ૨૪૦, ૨૪૧, ૨૪૨,
૨૪૩, ૨૪૫, ૨૪૬, ૨૪૭,
૨૪૮

આનાપુર પ. ૧૭૬

આનાવાસ હૂ. ૧૬૭

આંનો પ. ૨૮૫

આંવળો પ. ૧૭૪

આવરી પ. ૩૨

આંવલો હૂ. ૧૭૬

આંવાર હૂ. ૧૮૫

આંવાવ પ. ૪૬, ૧૫૬

આંવેર દે. આમેર ।

આવેરી પ. ૪૪

આંવેનો પ. ૧૭૭

આંવો હૂ. ૮૪

આંમરણ હૂ. ૨૪૦

આંઝો પ. ૧૭૮

„ હૂ. ૮૬

„ તી. ૨૧૫

આંઝર નયર પ. ૫

આંઝવો દે. આંઝો ।

આઝઝ કોઢ-વંભળવાઢ હૂ. ૨૩૬

આઝઝ કોઢ સાંમઈ હૂ. ૨૩૮

આઝઝ લાલ સાંમઈ હૂ. ૨૩૭

આકઢસાવો પ. ૨૮૨, ૨૮૩

આકઢાવાસ હૂ. ૧૮૦

આકઢ હૂ. ૪

આકુવાઈ હૂ. ૪

આકેલી પ. ૧૭૬

આકેવલો હૂ. ૧૧૧

આકોલો પ. ૪૭, ૫૬

આજૂના પ. ૧૭૬

આગરિયો પ. ૨૮૫

આગરો પ. ૧૮, ૧૧૨, ૩૩૭

„ હૂ. ૧૪૭

„ તી. ૨૮, ૧૬૨

આઘાટ દે. આહાડ ।

આઘાટપુર દે. આહાડ ।

આઘીળો હૂ. ૧૭૨

આજોર હૂ. ૨૫૪

આઝારી પ. ૧૭૬

આઝારી-વાંભળાં રી પ. ૧૭૪

આઝકોટ પ. ૨૭૧

આઝાળો પ. ૬૬

આઝંદપુર પ. ૭

આઘીસર પ. ૩૪૬

આપુરી પ. ૧૭૭

આજૂ પ. ૧૩૪, ૧૩૫, ૧૪૧, ૧૪૪, ૧૫૧,

૧૭૩, ૧૭૭, ૧૮૦, ૧૮૧, ૧૮૨,

૧૮૩, ૧૮૪, ૧૮૭, ૨૫૮, ૨૭૩,

૨૭૪, ૩૩૬

„ हू. ३४, ३८, ६८
 „ ती १७४, १७५
 आमंढ ती. २४०, २४५
 आमेर प. २८७, २६०, २६३, २६४,
 २६५, २६६, २६७, २६८, २६९,
 ३२६, ३३०, ३३१, ३५६
 „ ती. २७२
 आरखी प. १७६
 आरम हू. ६
 आलमपुर-रो-मैंडो प. १२८
 आलवाडो प. १७५, २४८
 आलासण प. २४८
 आळियो प. १७७
 आलोपो प. १६२
 आवठ कोड दे० आऊठ-कोड-सांमई ।
 आवड-सावड प. ३६
 आवळ प. १५८
 आसणीकोट हू. ४, ८, ९, १०, ३८,
 ११२, ११३
 आसणीकोनीट हू. ४
 आसपुर प. ३८
 आसरानडो हू. १६०
 आसलकोट प. २०२
 आसलवासी ती. ५३
 आसलोई हू. ४
 आसादस प. १८०
 आसा-रो-नाडो दे० आसरानडो ।
 आसावाडो प. १८०
 आतेरगढ ती. १७३
 आसो हू. ४
 आसोप प. २४०,
 हू. १५५, १५६, १५७, १७०
 आहप हू. ४
 आहाड प. ९, ३२, ३३, ४३, ८०, ८१
 „ ती. १७३
 आहाळो हू. ४
 आहुर प. २४०

आहोर प. ५, ७, ३६, ४२, २४०

आहोरगढ ती. २१८

इ

इच्छापुर हू. १७२
 इंद्रवडो हू. १७८
 इद्राणो प. २३६
 इकुवरडा प. १७८
 इटाघो (मेड़ता रो) हू. १८६
 इणगार प. ३३१
 इसलामपुर-कोसीयळ प. ५२
 इसलामपुर-मोही प. ५२

ई

ईदावाटी हू. ३०८
 ईकड हू. ४
 ईडर प. १, ३७, ३८, ३९, ४३, ४७,
 ५१, ८६, १४५, १४६, १५६, २४८,
 २८४
 ईडर हू. ५०, ८६, ९२, १७०, १७२,
 २५६, २७६
 ईडरगढ प. ३७
 ईडवो हू. १७६
 „ ती. ११५
 ईसवाळ प. ४१

उ

उटाळो प. २७
 उडवाडियो प. १७५
 उडवाडो प. २४७
 उगरावण प. ६५, ६६
 उगरास ती. ११०
 उजीण दे० उजेण ।
 उजेण प. ३७, ६७, २०६, २११, ३४३,
 -३६०
 „ हू. ६०, १५६, १६०, १६१,
 १६३, १६७, १८०, १८३, १८१

उज्जैन दे० उजेण ।

उड प. १७४, १७३

उडछो प १२७, १२८, १२९

उतोसा प १७७

उत्तर-गुजरात दू. २६६

,, ती. २९

उत्तर प्रदेश प २१०

उदयपुर दे० उदैपुर ।

उदरा प. १७३

उदळियावास दू. ३९

उदीवस दू. १७०, १७१

उदैपुर प १, ५, ८, ११, १४, २१,

२४, २८, ३०, ३१, ३२, ३४, ३५,

३६, ३७, ३९, ४०, ४१, ४२, ४३,

४४, ४५, ४६, ४७, ४८, ५२, ५६,

५७, ६१, ६३, ६४, ८६, ९१, ९४,

९६, १०७, १५४, ३२२

,, दू. ९५

,, ती. १७३

उदैही प २८७, ३०२, ३०९, ३११,

३२०

उनावो प ४, १५

उनो दू. ८

उपमणो प १७७

उमर प. ३३६

उमरकोट दे० ऊमरकोट ।

उमरणो प १७८, २७२

उमरलाई दू. १८८

उरमाळकोट दू. २६२

ऊ

ऊच-देरीवर दू. १८

ऊढाला दे० उढाळो ।

ऊढाळाय प. ५६

ऊढाळो प ६६

ऊढाळाय प. ३७

ऊढाळा दे० ऊढालाव ।

ऊढसर ती. २२६

ऊढारो प. २४०

ऊढावतां-री देवळी ती. २३७

ऊपरमाळ परगनो प. ४४, ५२

ऊमरकोट प ३३६, ३३८, ३५५, ३५८,

३५९, ३६०, ३६१, ३६३,

३६४

,, दू. ६, ११, ३१, ३२, ३८,

४०, ७८, ७९, ८२, ८३,

८४, २२१, २९२, २९३

,, ती. ३४, ३५, ७२, ७५, ११०,

१११, २५०

ऋ-

ऋषिकेश (आवू, राजस्थान) प १७८

ए

एकलिंगजी प १, ७, ८, ११, १२, ३४,

३५, ४४

एलछ प १२७

एवा-रो-परगनो प. ११५

एहनळा प २१०

ऐ

ऐवढी-भाटा-री प १८०

ऐहमदावाद दे० अहमदावाद ।

ऐहमदनगर दे० अहमदनगर ।

ओ

ओईसा प २३३

,, दू. ९६, ९७, १५९, १७०,

१७१, १७४, १८८

ओगरास ती. १०८

ओगो-भीम-रो प ३९

ओटवाडियो-चारणा-गे प १८०

ओढवाडो दू. ९१

ओडीट दू. ३२५

ओडोमो प. ८

ओडू प १७७

ओडो डू. ६

ओयसां दे० ओईसा ।

ओरीसो प. १७८

ओरुं प. ४१

ओळवी डू १४६, १४६

ओळो डू ६, ६७

ओसियां प ३३७, ३३६

ओह्लाणी-हद्वडो डू. १७८

क

कयकोट दे० कांयडकोट ।

कयडकोट दे० कांयडकोट ।

कंधार प १८७, ३११

„ डू २, १०२

कवळपुर ती. २१६

ककु ती. २३३

कच्छ प. ३६१, ३६४, ३६५

„ डू. ३७, २०२, २०६, २१२,

२१४, २१७, २३०, २३७, २४२,

२४३, २५२, २६६

„ ती. १७४

कछ दे० कच्छ ।

कछडवो प. १२७

कटक प १८७, २२७

कटखडो प. ११०

कटहड प ३०६

कठाड प ४७

कणवण-देवडावाळो डू. ३

कणवार डू. १८७

कणवारी ती २३२

कणवारो ती. २३२

कणवीर प. ५३

कणावद प २४७

कणियागिर (जालोर) प. १८७

कतर ती. २२७

कनकगिरि (जालोर) प. १८७

कनड ती २७६

कनवज प ८

„ डू. २६६, २६७, २६६, २७४

„ ती. १७३, १६३, २०३

कनवजगढ दे० कनवज ।

कनोडियो प. ३५७

कझीज दे० कनवज ।

कपडवज दे० कपडविणज ।

कपडविणज ती. १७४

कपासण प. ३७, ५३

कपासियो प. १७५

कपिलकोट प. २६६ (दे० केलाकोट)

„ डू २१६

कपूरियो डू १५१

कमळपुर ती. २१६

कमळां-पावा ती १२३

कमळो डू. १२

कमा-रो-वाडो डू. १८७

कमोल प. ४२

करडो-सत्तां-रो डू. ३३

करणाट प. २२१

करणावटी ती. १५४

करणीसर ती २२४

करणू डू. १३८

करनवास प. २८५

करनेचगढ ती. १७४

करमसीसर प. २३६

„ डू. १६४

करमावस प. २८, १६६

करलो (?) प १०६

करहर प. १२८

करहुटी प. १७५

करहेडो प. ३७

करहेडोगढ ती २१८

कराडो डू. १६७

करेभटो ती २०७
 करोली हू १, १६
 कर्णाटक प २२१
 कलटवा प. ३२
 कलमकी हू १११
 कलहटगढ ती १७४
 कलाघी प. १७६
 कला-री-कोटही हू १२७
 कलासर ती. २३०
 कलूको प. ४२
 कल्याणसर ती २२७, २३४
 कवरला प १७८
 कवळो हू १५६
 कवीयो प ३२
 कसमीर प. ८ दे० कसमीर ।
 कमूवी ती. १५७
 कागडो प ३१६
 कागणी प ३४६
 कांगळ हू. १७६
 कांभरी हू १८८
 काणाळ हू ४
 काणाणो ती. ०२६
 काणाघद हू ४
 कायलकोट हू २१४
 कांतागर हू. ६, १२
 कांप हू १
 कांपली प. २४८
 कागो ती २१७
 कांभडो हू. १६२, १६६
 कामनकराही प ४७
 कामा-पट्टाही रो-सुबो प ३१८
 कामरघो प ४२
 कारा हू ३२
 कासागोही हू २०१
 कात दे० कच्य ।
 कात-कातगर हू. २४२

काछो हू २, ४, ७६, १८६, १६८,
 १६६
 काछोली प १७४
 काठसी हू १६६
 काठासी हू १६३
 काठियावाड हू. २०२, २६६
 काठीवाड हू २६०, २६१
 काठो हू ३०७
 काणाणा ती. २२६
 कावल दे० कावुल ।
 काविल दे० कावुल ।
 कावुल प. १३०, १६५, ३१०, ३३०
 " हू. १५८, १६४, १६८
 काभडो हू १७४, १६२, १६६
 कायलांणो ती १४८, १४६
 कारोली-भाटां-री प. १८०
 कार्लजर प १३२
 काळद्री प १३६, १४३, १४७, १५८,
 १६७, २४६
 काळघरी दे० काळद्री ।
 कालवर हू २४३
 काळधरी दे० काळद्री ।
 काळवात ती २२८
 कालाणो हू. १२५
 काळाळ हू ३०६
 काळिया-ठडो हू. १७६
 काळो-डुंगर हू ४, १३, २७
 काशी प २१६
 " ती २६६
 काशमीर दे० कासमीर ।
 कासघरा प १८०
 काममीर हू १५६ दे० कसमीर ।
 कामी दे० काशी ।
 काहनी हू ३१४
 " ती. ४
 किटांणो हू. १३६

किणसरियो प. १२३
 किणसरियो ती. १७३
 किरडो द्व. ६८, ११४, १२७, १५२
 किरतावटी ती १५४
 किरवाड़ ती २६८
 किराडू प. ३३७
 किलाकोट दे० केलाकोट ।
 किवाजणो प. २०
 किसनगढ द्व १७०, १७१, १७२
 „ ती. २१७
 कीभरी द्व. १७४
 कीठणोद (कीटणोद) द्व. १८२, १८३
 कीसेर प. ४२
 कुंकण प ८
 कुंच प. १२८
 कुड द्व २३८
 कुंडणो प २११
 कुंडळ प १६६, २००
 „ द्व १०६, १२१, १२६, १५४,
 १६४
 „ ती ७८, २८१, २८३, २८४,
 २८५
 कुचीरोह प. ३४६
 कुंभळमेर प १६, २०, ३२, ३५, ३६,
 ३७, ४१, ५१, ५३, ५५, ५६,
 १३८, २०७, २१०, २८४
 „ द्व १६६, १६४
 „ ती ४७
 कुभांणो ती. २२८
 कुभाछत प. २४८
 कुभार-रो-कोट द्व ५
 कुछाऊ द्व ४
 कुडकी प. ३०३
 „ द्व १४७
 कुडळ-गुळाई द्व २३८
 कुरडो प. २५

कुराज प ४७
 कुळथाणो प. १६३
 कुळदडो प १७६
 कुळधर द्व. ८
 कुसमळो द्व. १०४
 कुहड द्व १५१
 कुहाडियो प. ४२
 कुंछडी द्व. ३६, ४३
 कुजावाडो प. १७६
 कुडळ दे० कुडळ ।
 कूडाणो द्व. १८३
 कूडाळ प. ४५
 कूडोरो द्व २६३
 कुंपडावास द्व १५०
 कूपावास द्व. १८२, १८३, १८४
 कूपासर द्व. ७६, १३६
 कुंभळमेर दे० कुभळमेर ।
 कुंवोरो प. ३४६
 कुचमो प. १७६
 कुडणो प २०६
 कुडी प. ११६
 „ द्व १६५
 कुवसू ती २२६
 केकडी प. २७६
 केदार प ८
 केदार (केदारनाथ) द्व २०४
 केरभड दे० करेभडो ।
 केरभडो दे० करेभडो ।
 केरडू ती. ११०
 केराकोट प. २६६ (दे० केलाकोट)
 „ द्व. २१६
 केलणसर ती २२६
 केलवाडो प ४२
 केलवो द्व. २२०
 केलाकोट द्व. २१६, २२५, २२६, २२८,
 २२९, २३१, २३३, २६६

केलावो दू. १५७, १५८, १५९

केवडो प. ३५

केसूली प. २८५

केहरोर दू. १०, १७, ११५, ११७,
१२०

कैर प. १७४

कैरलो प. २३५

कैरु दू. १४२

कैलवो प. ६, ४०, ६६

„ दू. २२०

कैलावो दू. ८० दे० कैलावो ।

कैलाहकोट प. २६६

कोजडो प. १७६

कोटडी दू. ४, ७७

कोटडो प. ३२, १७८, ३३४

„ दू. ५, ६, ८, ११, १३, ६७, ६८,
६९, १२६

„ ती. ३, ४

कोटहडो दू. ११

कोटा दे० कोटो ।

कोटो प. ४४, १०१, ११०, ११४,
११५, २५३

कोठारियो प. ३७, ४४, ४७

कोटमदेसर ती. १६, १८१

कोटियावास दू. ८

कोटियासर दू. ६८

कोडोवास दू. ६

कोठणावाटी प. २४२

कोठणो प. २४२

„ दू. ६६ १००, १०२

„ ती. ८७, २५६, २६१

कोवमियो प. १०५

कोरटो प. १६२, १७७

कोरमो प. २३६

कोलर दू. ३३०

कोळियासर दू. १३६

कोळीसिध प. १५१

कोळू दू. ४

„ ती. ५८, ६६, ७५, ७६, ७७

कोसीथळ प. ५२

कोसीथुर प. १००

कोहर दू. ३२

„ ती. २२१

कोरपुर दे० खेड ।

ख

खडरगढ प. ४७

खडेलो प. ३२०, ३२१, ३२२, ३२३,
३२७

„ ती. २१७

खडेलो-रैवासो प. ३२०

खडोखळी दू. १३६

खवार दे० कवार ।

खभणोर दे० खमणोर

खखर-भखर प. २६, ४६

खजवाणो दू. १२२

खजूरी प. ११७

खटखट प. ११३

खटोडो दू. ६६, १६३

खडबळोवो प. १८०

खडाळ दे० खाडाळ ।

खडीण दू. ४, ५

खडोरां-रो-गांध दू. ४

खत्रियावाळो दू. ४

खनावडो ती. २३६

खमण प. ४१

खमणोर प. १५, ३५, ४०, ४७, ४८

खरगो दू. ८

खरह दू. ३, ११, १२, १६, ११३,
११६, १४०, १४१, १४३

खरह-केल्हणां-री दू. १६, १४२, १४३

खरह-मुधरो दू. ११, १६

खरडी दू. ६०

खरदेवळो-भाट-रो प ६१
 खवास-रो-गांव द्व. ४
 खाडिप द्व. १८७
 खांडावत-वाभणां-रो प १८०
 खांडार द्व. ८
 खाण प. १३६
 खांणां प १८०
 खाभळ प. १७६
 खाखरवाडो प. १७४
 खावहडो द्व. ३१
 खाद्व प २५१
 खाडाळ द्व. ३, ४, ८, १७, १८, २६,
 २७, ३१, ३२, १०३, २६१
 खाडाळो प. १६४
 खाडाहळ दे० खाडाळ ।
 खाताखेडी प. ११५, २५२
 खावढ द्व. १२६
 खारडी प २४२
 खारवारो द्व. १११
 ,, ती. ३७
 खारवो द्व. १२५
 खारियो प. ३६१
 ,, ती २३६
 खारींग द्व. ८६, ८७
 खारी प २४८
 ,, द्व. ४, ३१, १७४, १८६
 खारी-खावड प ३३७
 खारो द्व. १०८, १४८
 खिणियो प. ६०
 खिराळ प. २३६
 खोदासर द्व. ३६, १२३
 खोवससर द्व. ४
 खोवलो द्व. ८४
 खोवसर प. ३४१, ३४७
 ,, द्व. ६२, १४५, १४८, १६०
 खोवो द्व. ५

खीचवंद द्व. ७७
 खीचीवाडो प. ६०, २५२, २५३, २५५
 खीनावडी द्व. ८१
 खीमत प १७५
 खीरड द्व. ४
 खीरवारो द्व. ११
 खीरवो (खीरवो) द्व. १२, ११६, १४२,
 १४३
 खीरोहरी प २४०
 खुंधु प. ७३, ८८
 खुटहर-रो-मैडो प. १२८
 खुडियाळो द्व. १७१
 खुडियो ती १६
 खुरसाण प ६, ८ १८५ १८६, १६१,
 ३३३
 ,, ती. ५५
 खुराडी-भाटां-रो प. १८०
 खुरासाण दे० खुरसाण ।
 खुरासान दे० खुरसाण ।
 खुहियो द्व. ३१, ३२
 खूटलो द्व. १७१
 खूहडा, द्व. ४
 ,, ती. २२२, २३१
 खेजडली प २३३
 खेजडलो द्व. १४५, १४७, १४६
 खेजडियो प. १६२
 खेड प ३३३, ३३४
 ,, द्व. ३८, १३०, २७८, २७९, २८०,
 २६०, २६१
 ,, ती १७३
 खेड-पट्टन दे० खेड ।
 खेड-पाटण दे० खेड ।
 खेतपाळियां-रो-गांव द्व. ६
 खेतसी-रो गुढो द्व. १७३
 खेतासर द्व. १५६, १७६
 खेरडी द्व. २२६, २२७, २३०
 खेरबरो प. ४४

खैरवो दू. १६२, २६४

खैराबद प. ११०, ११४

खैराबाद ती. २१६

खैरीगढ प. २१०

खोखराणो दू. १११

खोखरियो प. ६०

खोखरो दू. ६५

खोगडी प. १७६

खोटोलो प. १२७

खोड प. २१०

खोडादरो प. १८०

खोडाबल दू. ६८

खोह प. ३०७, ३०६, ३२३

खोहरी प. ३२३

ग

गंगादास-री-सादडी प. ४३, ४६

गगारडो ती. ११६, ११८

गगावाळी दू. १६०, १६१

गजनी दू. १५, ३४, ३५, ६७

" ती. १८३

गजसिधपुरो दू. १५१

गजियो दू. ४

गढ आहोर प. ४२ दे० आहोरगढ ।

गढ बघव प. १३२

गढ रिणधभोर प. ३७

गढिया दू. ८६

गढी दू. १६६

गणकी-भाटां-री प. १८०

गणोडो ती. १६०

गमण प. ४१

गरभवास दू. २६१

गरवो प. २१

गलणियो प. २११

गळयळू प. १७६

गलापडी दू. ५

गळियोकोट प. ८४, ८५

गागरडो प. ३०४

गागाहो दू. १००

गांगुरण दे० गांगुरण ।

गांगेरी प. ७०

गाघडवास दू. १७२

गांथी प. २८५

गागडाणो दू. १५१

गागरोनगढ ती. २०६

गागुरण प. ११३, ११५, २५२, २५६

गागूरुण प. २५२

गादेरी (सवेरा री) प. २३८, २३९, २४०

गाहिडवाळो दू. २, ३३

गिरनार प. २२

" दू. १, २०२, २०४, २०५, २०६, २२०, २४०

गिरराजसर दू. १३६

गिरवर प. १५८, १७४

गिरवार प. ३२

गिरवो प. २१, ३६, ६१, ६२

गिरसोन (जालोर) दे० सोनगिर

गींगोळ प. १७६

गीघाळो दू. १७६

गुडवाण -प. ११३, ११५

गुजरात प. १, ५, ३५, ३६, ४८, ६२, ८६, १०६, १३२, १३६, १४२, १७२, १८५, २१३, २१५, २२७, २३६, २४४, २६२, २७६, २७८, ३००, ३०२, ३३१

" दू. २६, ३८, १४६, १५८, १६३, १७६, १८२, १८८, २०२, २०४, २०५, २२०, २४०, २५७, २५८, २६६, २७६, २८७, २८८, ३०७

" ती. २३, २४, २५, ४६, ५३, ५५, ५७, १३६, १७४, १८४, २८०, २८१

गुजरात (पजाम) प. ३००

गुज्जर बू. ३८
 गुढो ती. २२२
 गुढो प. ४२, २०६
 „ बू. ६४, १४७, २८५, ३००
 गुनोर प. १२७
 गुलाई बू. २३८
 गुलियो बू. ८
 गुहीली प. १७६
 गुगोर प. ११५, २५२
 गुड प. १२८, १३१
 गुडसवाडो प. १७५, १७६
 गुडो दे० गुड ।
 गुंदवच दे० गुनोच ।
 गुवाचरो प. १७८
 गुवाळी प. ४२
 गुदोच प. २११
 „ बू. १६३, २६३
 गुजर प. २७८
 गुजरखंड प. १८७
 गुजरघरा प. २६०, २६१
 गुढो प. १६६, २५३, ३४४
 „ बू. १४७, १६०, १८६, २८०, २८५
 २६६, ३००
 „ ती. १८
 गंडाप ती. २२६
 गैमलियावास बू. २६४
 गैमल्यावास ती. २३५
 गैहलोतावाळी बू. १३५
 गोमोद प. १२८
 गोखम प. १६०
 गोकर्ण दे० सांस्कृतिक नामावली में ।
 गोगलीसर बू. १३५
 गोघेळाव बू. १६३
 गोठियो प. ६१
 गोठोळाव प. ६४
 गोठवाड-दे० गोठवाड ।
 गोढो-भीम-रो प. ३६

गोठलो प. २८५
 गोठवाड प. ५३, ५५, २८५
 „ बू. १५३, १६८
 „ ती. १७३
 गोषावस बू. १६३
 गोपडी (सिर्वाणा रो) प. २३८
 गोपलदे प. ११५
 गोपीसरियो बू. १६०
 गोयंद बू. ४
 गोयंदपुर प. १७६
 गोयंद-रो-वाडो प. २३३
 गोरहर बू. १२६
 गोरहरो बू. ६, ७७
 गोरीसर ती. २३१
 गोरोटी बू. १६
 गोलाहसनी (गोलावासणी) बू. १६८
 गोवल प. ३६०, ३६१
 गोवील प. १८०
 गोहिल ढोळो प. ३३५
 गोही बू. ४
 गोहुवाळ ती. १३५
 गोकदेश ती. २६६
 ग्यासपुर प. ६०, ६१
 ग्रावडी बू. ७६, ७७, १३६
 ग्वालिपूर प. १२८, १३१, २८६, २६०,
 २६३, ३०३
 „ बू. २५६
 „ ती. १८३
 ग्वालेर दे० ग्वालिपूर ।

घ

घटियाळी बू. ४, १२, १४२
 घणोली बू. ७६, ६७
 घांघाणी ती. ६०
 घांणत प. १७४
 घांभेर प. ३६

घांणेराव दे० घांणेरोरे ।

घांणेरो प. ४१

घांणा प १७८

घांणेरा ती ४२

घांमट दू ५

घांसेर प. ४१, ४७

घाघेडो प. १२८

घाटो प ११४

घाटो प ४०

घाटोली प ११४

घीघालियो दू १८०

घूघरोट (घूघरोट) प १६४, १६५,
१६६

” दू. २६०, २६१,
२६४

घोघूद प ४२

घोघूदो प २६, ३०, ३५, ३७, ४२,
४६, ४८

घोडाहडू दू. १४८

घोडाहडो दू ४

घोसमन प. ५३

च

चग दू ६६

चंगावडो दू १७२

चंडाळियो दू. १७०, १७२, १७३

चंडावळ प. २६

” दू १४६

चडावो ती. २३४

चदावसो प. ३६

चदेरिया-रो-गांव दू. ८

चदेरी प २०

” ती. २१८

चंद्रावती प १३५

चंवरगढ प. १२७, १२८, १३१

चनार प. १७४

चरहाडो प. १७७

चवदे-चाळ प २८७

” ती. १७०, १७१

चवदे-चाळ-ढूढाहडू प २८७

चवदे-चेढी प. ३६४

चवरासी दे० चोरासी ।

चवरो प. २३४

चवाडी प २३३

चांदण प. २४७

चादरस दू. ११६

चांघण दू ३६, ४३

चाघणो दू ७४

चांपानेर ती २५, ५५, १८३

चांमासर दू ४, १४६, १६३, १७५

चांपोल प १७५

चांवडियाळ दू १६६

चांमू दू ६७, ६२, १२५, १६०, १६७,
१७५

चाखू प. ३५०

चाखू दू १२३

चाचरडी प १७४

चाचरणी प. २५२, २५६, २५७

चाटलो प ३५४

चाटसू प. २८७, २६२

चाडी दू १२२, १३८, १४२

चारण-खेडी प. ६१

चारणवाळो दू ३६

चारणां-वांभणां-रो-सांसण प्रदेश प. १७३

चावड प ३५, ३७, ४३, ५७

चावडेरो प. २८५

चावळो दू १८१

चाहडू दू ४

चाहिल ती. १७

चित्तोड दे० चीतोड ।

चित्तोडगढ़ दे० चीतोड ।

चित्रकोट प ८

चित्रांगलस दू. २५

चिनडी दू. १७२
 चिहू दू. १३६
 चीखलवो प. ३२
 चीताखेडो प. ६५, ६६
 चीतोड़ प. ३, ५, ६, ८, ९,
 १२, १३, १४, १५,
 १६, १७, १८, २०,
 २१, २४, २६, ३०,
 ३२, ३७, ३८, ४४,
 ४८, ४९, ५०, ५१,
 ५२, ५३, ५४, ५६,
 ६२, ६६, ६७, ७०,
 ७६, ८०, ८१, ८१,
 ८२, ८८, १०२, १०३,
 १०४, १०५, १०६, १०७,
 १०८, ११०, १११, १२०,
 १२५, १५६, १८६, २०५,
 २४३, २७६, २८०, २८१,
 २८२
 ,, दू. १४५, १५३, १५८, १८१,
 २६२, ३३१, ३३३, ३३४,
 ३३५, ३३७, ३३८, ३३९
 ,, ती. ५, २८, ५५, १३६,
 १४६, १७३, १८३, २४१,
 २८१

चीतोड़गढ प. १८६
 चीत्रोड़ दे० चीतोड़ ।
 चीत्रोड़गढ दे० चीतोड़ ।
 चीनडी प. २४०
 चीन्हो दू. ३१
 चीवागांव प. १७७
 चीमणवो ती. २३३
 चीरवो प. ४४
 चीवळी प. १७७
 चीहरडा प. १७८
 चीहळी प. ४७

चुडियाळो प. १७६
 चूडासर प. ३४७
 ,, ती. १८१
 चूडो-राणपुर दू. २५६, २६०
 चूनाणी प. १७४
 चूनी दू. १२
 चूहडसर दू. १११, १२५
 चेढी दे० चवदे-चेढी ।
 चेलावस प. १७६
 चैराई दू. ६५, १६८, १७०
 चोकीगढ प. १२७
 चोखावसणी दू. १४८
 चोचरो दू. ६
 चोटीलो दू. १३८
 चोपडा दू. १५३
 ,, ती. ८४
 चोपडो दू. १४८, १६७, १७८, १८१
 चोरवाड दू. २०२
 चोळी-महेसर प. ७६
 चोलेर प. ४७
 चोहटण प. ३६४, ३६५
 ,, दू. ५, १२६
 चोहटन दे० चोहटण ।
 चोहडां दू. १६४
 चौकड़ी दू. १४८
 चौरासी प. २५०
 चौरासी भाद्राजण री ती. २५६, २६२
 चौरासी-मिलक-री प. ८०, ८१, ८२
 चौरासी रतनपुर-री प. ४४
 च्यार-छपन प. ३६
 छ
 छडाणो दू. १८२
 छतोस-पवन प. १२४
 छपन प. ४३
 छपन-चावड (छपन-चावड) प. ४३
 छपन-रागांव प. ३६
 छमीछो ती. ५६

છાહોટળ દે૦ ઘોહટળ ।

છાદ્યો દૂ ૨૨૧

છાકરલો પ ૪૭

છાછોઢાઈ દૂ. ૧૮૭

છાપર દૂ. ૩૨૪, ૩૨૫

„ તી ૧૫૩, ૧૫૪, ૧૫૬, ૧૫૬,
૧૬૧, ૧૬૨, ૧૬૩, ૧૬૫,
૧૬૬, ૧૬૭, ૧૭૧

છાપરોલી પ ૩૨

છાપુર દે છાપર ।

છારૂ દૂ ૧૨

છાઢી-પૂતઢી પ ૩૮, ૩૯, ૪૩, ૪૭

છાઢી-પૂતઢી-રાણાં-રી પ. ૩૮, ૩૯

છાઢી-પૂતઢી-રા-મગરા પ. ૪૩

છાહોટળ દે ઘોહટળ ।

છિપિયો તી. ૨૩૬

છીલો દૂ ૧૬૩

છેલપુર પ. ૨૫૩

છોડો દૂ. ૪

છોહલો પ. ૩૪૬

જ

જગઢપર તી. ૨૦૭

જગઢવાસ પ ૩૨૮

જગતહર-રો-પરગનો પ ૧૨૭

જગદેવાઢો દૂ. ૧૧૧

જગનેર પ ૪૩, ૪૭, ૧૧૦

જગિયો દૂ ૪, ૫

જઘ્ન દે૦ ઝઘ્ન ।

ઝડિયો પ. ૧૭૬

ઝતહર દે૦ જગતહર-રો-પરગનો

ઝપતો પ. ૬૫

ઝમરૂવ તી ૨૧૪

ઝપપુર દે૦ ઝેપુર ।

ઝરગો પ ૪૨, ૪૩, ૧૧૬

ઝઢસેઢ-પાટળ તી. ૨૧૮

ઝવનપુર પ ૧૮

ઝવાસ દે૦ ઝવાણ ।

ઝવાણ પ. ૩૮, ૪૩, ૪૭

ઝસલેઢ-પાટળ દે૦ ઝઢલેઢ-પાટળ ।

ઝસરાસર પ. ૩૪૬

ઝસવતપુરો પ ૨૦૪

ઝસૂવેરો દૂ. ૧૩૬

ઝસોદર પ ૧૭૬

ઝસોલ તી. ૨૨૦, ૨૨૧

ઝસોઢાવ પ. ૧૭૬

ઝહાજપુર પ ૩૮, ૪૭, ૨૭૬, ૨૮૦

„ દૂ ૨૬૩

ઝહાંનાવાવ દૂ. ૧૦૫

ઝાગઢૂ પ. ૩૪૪, ૩૪૫, ૩૪૬, ૩૪૭,
૩૫૨, ૩૫૩

„ દૂ. ૩૦૦, ૩૦૧

„ તી. ૨૮

ઝાંઢોરો દૂ. ૬

ઝાંણાં તી ૨૨૩

ઝાંણાવાઢો પ. ૧૭૮

ઝાંનઢૂ દૂ. ૬

ઝાંનરો દૂ. ૬

ઝાંનો પ ૪૩

ઝાંઢ-રો-ગુઢો પ. ૩૫૦

ઝાંઢ ઘાઢોઢ-રો-ગુઢો પ ૩૫૦

ઝાંમેઢાવ દૂ ૧૨૩

ઝાકરી તી. ૨૩૩

ઝાલ્લપર પ. ૧૮૦

ઝાલ્લોરો તી. ૪૧

ઝાજપુર પ. ૨૭૬, ૨૮૦

„ દૂ ૨૬૩

ઝાજીવાઢ દૂ ૧૮૫

ઝાટીવાસ દૂ. ૧૭૩

ઝાઢો દૂ. ૨૫૦

ઝાવઘસપઢ દૂ. ૩

ઝામનગર તી ૨૬

ઝામોતર પ. ૧૭૭

ઝાયલ પ ૧૮૦, ૨૫૦, ૨૫૧, ૨૫૨,
૨૫૩

जायलवाडो ती १७४

जारोडो प. ३८

जालधर प. ८

जालना दू. १६३

जाळसू ती ११६

जाळियो दू. ५

जाळीवाडो प. ३५७

जाळेती दू. ६, १६३

जाळोर प. १४, १७, २५, ३७,
६०, ६१, १३५, १३६,
१४६, १४७, १६१, १६२,
१७२, १७३, १७८, १८१,
१८७, १६४, १६५, १६६,
१६८, १६९, २०३, २०४,
२१२, २१३, २१६, २१७,
२१८, २२०, २२२, २२४,
२२६, २३०, २३१, २३४,
२३५, २३६, २३९, २४०,
२४१, २४५, ३३६, ३६१
,, दू. ३६, ४२, ६१, ६७,
१४६, १४८, १५०, २६०
,, ती. २८, १२४, १८४, २१४,
२८०, २६१, २६२, २६३,
२६४

जाल्हकडो प. १७६

जाल्हणी दू. १६३

जावध प. ४७

जावद-नवराय प. ४७

जावध प. ३५, ४३

जावाळ प. १७६, १७७

जासासर ती. २३२

जाहङ्गदेतो प. १७६

जीजियाकी दू. ४

जीरण प. ५३

जीरावळ प. १७५

जीरोतरो प. ४७

जीलगरी प. ६०

जीलवाडो प. ३६, ४०, ४१, ११६

जीळी ती. २३३

जीहरण प. २७, २९, ४८, ५३,
६२, ६३, ६४, ६५

जुट दू. ६६

जुडली दू. १५०

जुडियो-सेवडो दू. १३६

जुणलो ती. २३६

जुवावरो प. १८०

जूभणू ती. १६२, १६३, २७३

जूम्को दू. १६६

जूडो प. ४६

जूढ दू. १५६, १६६

जूनागढ दू. १६

,, ती. १७४

जूनो प. ३३७

जेबांध दू. ३६

जेराइत दू. ४

जेसळगिर वे जेसळमेर ।

जेसळमेर प. २२, १४७, २०६, २०७,
२३२, ३३४, ३३५, ३४६,
३५२, ३५५

,, दू. १, २, ३, ४,
५, ६, ८, ९,
१०, ११, १२, १३,
१४, १५, १६, २७,
२८, ३१, ३२, ३४,
३५, ३६, ३८, ३९,
४२, ४३, ४४, ४५,
४६, ४७, ५०, ५३,
५५, ५७, ५८, ६२,
६३, ६४, ६५, ६७,
७२, ७३, ७४, ७५,
७६, ७७, ७८, ७९,
८०, ८१, ८२, ८३,
८४, ८५, ८७, ८९,

૬૧, ૬૩, ૬૪, ૬૫,
૬૭, ૬૮, ૬૯, ૧૦૦,
૧૦૨, ૧૦૩, ૧૦૪, ૧૦૫,
૧૦૬, ૧૦૭, ૧૦૮, ૧૦૯,
૧૧૦, ૧૧૧, ૧૧૨, ૧૧૪,
૧૧૮, ૧૨૬, ૧૩૨, ૧૪૭,
૧૫૨, ૧૬૨, ૧૬૬, ૧૬૭,
૧૬૮, ૧૬૯, ૨૦૦, ૨૬૦,
૩૦૦

, તી. ૨૬, ૩૩, ૩૪, ૧૮૩,
૧૮૪, ૨૦૬, ૨૧૫, ૨૧૭,
૨૨૦, ૨૨૧

જેસઢાં (જેસલાં) ઢૂ. ૧૬૦

જેમાળ, જેસાંળો દે જેસઢમેર ।

જેસાવસ ઢૂ ૧૭૩, ૧૮૭

જેસુરાંળો ઢૂ ૪, ૮, ૧૩, ૧૪૪

જેતકોટ પ ૨૦૨

જેતપુર તી ૧૭, ૧૮, ૨૩૦

જેતપુરો તી ૧૭

જેતવાહો પ. ૧૫૮, ૧૭૫

જેતારણ પ. ૬૨, ૮૬, ૮૮, ૩૬૪

, ઢૂ ૧૪૮

,, તી ૩૬, ૧૪૧, ૧૪૫, ૨૩૫,
૨૩૬

જેતીવાસ ઢૂ. ૧૫૦

જેપુર પ. ૧૭, ૩૧૧

જેવાષ દે જેવાષ ।

જેરાદત ઢૂ ૪, ૧૦૦

જોગણપુર ઢૂ ૬૫

જોગાઢ ઢૂ. ૬૧

જોગાવર પ. ૩૭, ૫૨, ૨૦૨

જોનપુર પ ૧૭૫

જોધપુર પ. ૨૫, ૨૬, ૨૭, ૨૮,
૩૭, ૮૬, ૧૦૧, ૧૧૪,
૧૩૦, ૧૩૬, ૧૪૨, ૧૪૪,
૧૪૭, ૧૫૩, ૧૫૮, ૧૬૦,

૧૬૧, ૧૬૩, ૧૬૪ ૧૬૫,
૧૬૬, ૧૭૦, ૨૦૭, ૨૦૮,
૨૦૯, ૨૩૩, ૨૩૭, ૨૪૦,
૩૦૬, ૩૦૯, ૩૧૦, ૩૧૧
૩૧૪, ૩૧૬, ૩૧૭, ૩૧૮,
૩૨૦, ૩૨૨, ૩૨૩, ૩૨૪,
૩૨૮, ૩૪૨, ૩૪૬, ૩૫૬

,, ઢૂ. ૩૩, ૩૮, ૩૯, ૫૩,
૬૬, ૭૭, ૭૯, ૮૦,
૮૧, ૮૪, ૮૬, ૯૦,
૯૧, ૯૪, ૯૭, ૧૦૦,
૧૦૫, ૧૦૬, ૧૧૦ ૧૧૬,
૧૨૨, ૧૨૩, ૧૨૫, ૧૨૮,
૧૩૮, ૧૪૫, ૧૪૬ ૧૪૭,
૧૫૧, ૧૫૬, ૧૬૧, ૧૬૪,
૧૬૫, ૧૭૩, ૧૭૫, ૧૭૬,
૧૭૯, ૧૮૦, ૧૮૨, ૧૮૬,
૧૯૦, ૧૯૪, ૧૯૬, ૨૬૩,
૨૬૪, ૨૭૭

,, તી. ૧૨, ૨૮, ૩૪, ૮૦,
૮૧, ૮૩, ૮૪, ૮૬,
૯૦, ૯૨, ૧૦૦, ૧૦૧,
૧૦૨, ૧૦૪, ૧૧૫, ૧૧૮,
૧૨૧, ૧૨૨, ૧૮૦, ૧૮૧,
૨૧૩, ૨૧૪, ૨૧૫, ૨૧૬,
૨૧૭, ૨૩૫, ૨૩૭

જોધઢાવાસ ઢૂ ૧૭૩

જોધનેર પ. ૩૩૦, ૩૩૧

જોઢપો પ ૧૧૬

જ્યાકરી તી ૨૩૩

ઋ

ઋઋ ઢૂ ૩૬, ૧૭૭, ૧૭૮

ઋઢધો ઢૂ. ૩૨

ઋરહર પ ૩૦૭

ઋરો ઢૂ. ૪

ઋઘર-ઘાઢાં-રો પ ૧૭૬

भांभण द्व २
 भांभमो प. ३३७
 भांवठो प १७६
 भासनालो प. ४१
 भाडखड द्व ३८
 भाडहर द्व १२, १४२
 भाडोल प ३६, ४२
 " द्व २६३
 भाडोली प ४६, १७३, १७७
 भात प. १७६
 भालांवाली-सादडी प ५
 भालांवालो-देलवाडो प. ४४
 भालावाड़ द्व. २५८, २६२
 भालावाड़-छोटी द्व. २६२
 भासल ती २२
 भौंयडो प. २२३
 भुभूवाडो द्व २६०
 भूपडाखेडो प. ४७
 भूठाड़ियो द्व. १८१
 भूरो द्व ३६
 भेरडियो प २२८ -
 भोरा-मगरा-पट्टी प १७६
 भोरो प १७३, १७६
 ट
 टगरावती प ४२, ४६
 टमटमो प १७६, १७६
 टाकरो प. १७५
 टावरियांवालो द्व. १३५
 टोकली प. ३२
 टोबडी द्व १७३
 टोबी -द्व ६
 टोवरियालो द्व. ४
 टूक प. ४७
 टेइयो दे. टेहिया ।
 टेहियो द्व ४, ६, १०३
 टोकला प. १५८
 टोडो प १७, ४७, ६१

ठ

ठरडो वू. ८४

ड

डमाणी प १७५
 डांगरां प. २४०
 डांगरी द्व ६
 डाघर द्व ४, १५५, १६०, २६१
 डाक प १७५
 डाबर प. ४७
 डामडी द्व. १५६
 डामलो द्व. २, ४, १०
 डाहळ प. ५
 डीघाडी प. १७७
 डीडलोद्र प १७७
 डीडवांणो प. ३२४
 " द्व. ६, ३०८, ३२८
 " ती. ६५
 डीडवाना वे. डीडवांणा ।
 डीवनाळ द्व. १११
 डूंगरपुर प. १४, २६, ३५, ३७,
 ३८, ३९, ४३, ४६,
 ५३, ७०, ७१, ७४,
 ७७, ८०, ८१, ८२,
 ८४, ८५, ८६, ८७,
 ८८, ११६, १२१
 " द्व. १६३
 " ती २२६
 डूंगरी प १७६
 डूंगरो-देस प. ४३
 डेडुवा प. १७६
 डेह द्व १५७
 डोगरी द्व. ६७
 डोडवाडो प २५३
 डोडियाळ प १४७, १६०
 " ती. १२४, १२५

ढ

| | |
|---------|-----------------------|
| ढाकसरी | प. ३४७ |
| ढाको | ती. १४ |
| ढाहो | प. २८, ३२३ |
| ढिलडी | प. १८ |
| ढिली | दे दिल्ली । |
| ढीकली | डू. ६६ |
| ढीगसरी | ती. २२५ |
| ढीकाई | डू. १६१, १६७, १७१ |
| ढूढाडू | प. १८७, २६३, २६५, ३४२ |
| " | डू. ३१५, ३३५, ३३६ |
| ढूढार | दे ढूढाडू । |
| ढूढाहडू | प. २८७ |
| ढोल | प. ४२ |
| ढोलांणो | प. २८५ |
| ढोहो | प. ३२३ |

त

| | |
|----------------------|-------------------|
| तई-घईतरो | डू. ४ |
| तडूगो | प. १७४ |
| तणणो | डू. ११६ |
| तणूकोट | डू. ३ |
| तणूसर | डू. ४ |
| तणोट | डू. ४, १० |
| तणोटकोट | डू. १७ |
| तलवाडो | ती. ३ |
| तलावस | प. ११७ |
| तांणांणो | डू. १४२, १४३ |
| तांणो | प. ३७ |
| " | डू. १५३, १८१ |
| तांणो-सोळकी-मला वाळो | प. ३४२ |
| तांतूवास | प. २३३ |
| तानूवास | प. २३८ |
| तांबडियो | डू. १६६, १८२, १६४ |
| ताडतोली-बांभणां-रो | प. १८० |
| तालियांणो | प. २४० |

| | |
|------------------------------|---|
| ताळो | प. ३१८ |
| तिघरी | डू. १८६ |
| तिथमी | प. १८० |
| तिमरणी | प. १६७, २३३, २३६ |
| " | डू. १४८ |
| तिमरली | दे. तिमरणी । |
| तिलगांण | प. ८ |
| तिलवाडा | दे. तलवाडो । |
| तिलवाडा-फेयर | डू. २८४, २८५ |
| तिलवाडो (मालांणी) | डू. १३०, २८४, २८५ |
| " | " ती. ३ |
| तिलायली | प. ३४० |
| तिलांणस | डू. १५६ |
| तिसींगडी | डू. ४१ |
| तिहाणवेसर | ती. २२७ |
| तीतरडी | प. ३२ |
| तीतररी | प. १७६ |
| तीस-रा बागडियां-देवडी-रो-उतन | प. १७३, १७८ |
| तुंड | प. २४७ |
| तुवरां | डू. १४८ |
| तेजसी-रो-गांव | डू. ४ |
| तेलपुरो | प. १७३ |
| तेलियांणो | प. २४० |
| तोडडी | प. २८०, २८१ |
| तोडो | प. ४७, ५६, २६०, २६३, २६४, २८०, २८१, २८३, ३००, ३०१ |
| " | डू. १५५ |
| तोडो-नागरवाळ-रो | प. २८०, २८१, २८३ |
| तोडो-भीव-रो | प. ३०१ |
| तोसीणो | प. ३४३ |
| त्रंबक | प. १, १२२ |

त्रिकुट द्व. २४२
त्रिकोणगढ (लका) द्व. ३६
त्रिगठी द्व. १६६
त्र्यम्बक दे. त्र्यंबक ।

थ

थटो प. ६०, २६२
,, द्व. ३२, ८०, ८२
,, ती. २८०, २८१
थट्टा दे. थटो ।
थवूकडो द्व. १६०
थळ द्व. २, ३१, २८५
,, ती. ६५, ६६, १०३
थळवट द्व. ३२०
थळी प. १७५
,, द्व. ३२३
थळडो प. १६४
थहीघायत द्व. ४
थान गांव द्व. २८४, २८५
थालनेर प. १२२
थावर प. १७८
थाहर-वासणी द्व. १८७
थाहरी द्व. १६८
थिराद प. १७२
थूर प. ३२
थुळायो द्व. ५
थोम द्व. ६०
थोहरगढ ती. १७३, १७४

द

दंतारखो प. १७८
दतीवाडो प. ३६२
दक्षिण (प्रदेश) प. १८५
दत्तांणी प. २३, १५२, १६६, १७५
ददरेरो ती. ७२, २७३
ददरेवो दे. ददरेरो ।
दभोड प. १२८

दमोई प. १२७
दमोदर द्व. ४
दलोल प. ३८
दलोल-कलोल प. ३८, ३९, ४३, ४७
दसाडो द्व. २६१
दसोर प. ३७, ३८, ६४
दहबारी प. ३२, ४३
दहियावत प. १८७, २४८
दहियावतरी दे. दहियावत ।
दहीपडो प. २३३
,, द्व. १८२, १८३
दहीपुडो दे. दहीपडो ।
दहीगांव प. २४७
दहोसतोय द्व. ६
दांतणियो प. २४१
दांतीवाडो प. १५१, १५२, ३६२
,, द्व. १४६
दांमण प. २१२
दागजाळ द्व. ६
दिखण (देश) प. २३४
दिलडी प. १८
दिली दे. दिल्ली ।
दिल्ली प. १८, ५८, ५९, ७०,
८२, १८०, १८५, २०४,
२२४, २६२
,, द्व. १५, १६, ५६, ६५,
६६, ७४, ७५, २८२,
२८३, २८५, ३०२, ३०८
,, ती. ५३, ५५, १०२, १५१,
१६२, १७४, १८३, १८५,
१९२, २३८, २४३
दिहायलो प. १२८
दीव वंदर ती. ५६
डुकोल प. २५३
डुजासर द्व. ४
डुजासी द्व. ४
डुणियासर ती. २३०

हुणोत्र प. १७६
 हुंरगगढ ती. १७३
 हुंसारणो ती २३१
 हुंणपुर ह. ६३, ३२५
 ,, ती. १०१, १५१
 हुंघवड़ प. ३१
 ,, ह १४६
 हुंघोड प. ३१
 हुंनाडो प २३३
 हुंछू प २११, ३६२
 हुंवपुर प १५८
 हुंदापुर प १७५
 हुंदाहर ह १११
 हुंपारो ह १३६
 हुंपारो प. १२४
 हुंरावर प १२२, १२३, २५३
 ,, ह. १०, १८, २१, २२,
 २३, २५, २६, ३०,
 ७६, ६३, ६६, १०८,
 ११४, ११५, ११६, ११७,
 ११८
 ,, ती. ३४, १७४
 हुंरासर ह ४
 हुंलवाडो प. ३४, ४४, १५८, १७७
 हुंलांणो-भाटां-रो प. १८०
 हुंलोद्र प १७७
 हुंव प. ४३
 हुंव-गदाघर प ४३
 हुंवको-पाटण वे देव-रो-पाटण ।
 हुंवखेत प १७६
 हुंवडी प ३२
 हुंवडो प २४७
 हुंवत ह. २६१
 हुंवतकही ह २६१
 हुंव-पट्टन दे. देव-रो-पाटण ।
 हुंव-रो-पाटण (देवको-पाटण) प. २१३,
 २१४, ३३५

देवळियां-रो-मेरवाडो प. ४५
 देवळियो प. १६, २७, २६, ३७,
 ३८, ४५, ४८, ५०,
 ८६, ८८, ९०, ९२,
 ९३, ९४, ९५, ९६,
 ९७, १६४
 ,, ती २१७
 देवळी प. ४७
 ,, ती २३७
 देवळी ऊदावतों की ती. २३७
 देवसीवास प. २४८
 देवहर प ४३
 देवाइत ह १६, ११३
 देवीखेडो प ११५, २०८
 देवो ह. ४, ६, १०३
 देसूरी प. ४१, २८४, २८५
 देसेहरो-देस प ४२
 देहेर-भाचाहर ह. १२६
 दोढोळाई ह. १४७
 दोसा प. २८७
 दोनतावाद प १३१, २३४
 ,, ह १२२
 ,, ती. १८३, २४६, २७६, २७७
 द्योसा प २६७
 द्रम ह ३१
 द्रावड़ प. ८
 द्रूणपुर वे द्रोणपुर ।
 द्रोग प ३५७
 ,, ह. १३, ३६
 द्रोणपुर ह ६३, ३२५
 ,, ती. १०१, १५१, १५३, १५४,
 १५६, १६१, १६२, १६४,
 १६५, १६६, १६७
 द्रोणागिर वे द्रोणपुर ।
 द्वारकाजी प १११, २६३, २६४, २८६,
 ३३७

द्वारकाजी हू. २२५, २६६, २६७, २६८
 ,, ती. २६६
 द्वारामती दे द्वारकाजी ।

घ

घघूको दे. घांघूको ।
 घणलो हू. ८४, ३२६
 घनवाडो प. ६०
 घनवो प. २४८
 ,, हू. ६, ८
 घनारी प. १७४
 घनियावाडो प. १७५
 घनेरियो प. ६०
 घनेरी प. १५८, १७६
 घमांणी प. १२७
 घमोतर प. ६६
 घरियावद प. ३८, ४३, ४५, ६४, ६६
 घवळको हू. २६०
 घवळपुर प. ३१
 घवळहर हू. २१५, २४०, २४६
 घवळासर हू. १११
 घवळरो हू. १७८
 घवो हू. १५०, १५६
 घांघणियो हू. ७६
 घांघपुर प. १७५, १७६
 घांघूको हू. १, १६, २६०
 घांघूसर ती. २२६
 घानेरा प. १७८
 घांमणियो प. २८५
 घांमणी प. १२७
 घाचरियो प. १७६
 घाट ती. ७५, १७४
 घाघोळाव हू. १६८
 घार प. ४, ३२, ४३, ३३६
 ,, हू. २६, २६, ३०, ३१
 घारणघाय हू. १४८

घारता प. ६१
 घारनगर ती. १७३
 घारवा प. १७८
 घीगांणो हू. १७०
 घीणोद हू. २१०, २१२, २१४, २२१
 घीरावद प. ४५
 घीरावादगढ ती. २१६
 घीवली प. १७५
 घुबावस प. १८०
 घूळकोट प. ११३
 घूळोप प. ११६
 धोव प. ३३५
 धोघुको प. ३३५
 धोरीनमो प. २४८
 धोलपुर प. २०६, २३४
 धोळहर दे. धोळहरो ।
 धोळहरो प. २५
 ,, हू. १, २४०, २४४, २४७, २४८
 ,, ती. ८४
 धोळेरो प. २५
 धोलपुर दे. धोलपुर ।

न

नदराय प. ४७
 नदियो प. १७४
 नगरकोट प. ३००
 नगरगांव हू. १३६
 नगरथट्टा प. ८, ६०
 नगर-सामई हू. २३७
 नगराजसर हू. १११, १३६
 नड्डियाद ती. १७४
 ननेउ हू. ६१, १२८, १३३, १३४
 नरवर प. १२८
 नरवरगढ ती. १७४, २१७
 नरसांणो हू. १४८
 नरांणो प. ३०४, ३०५, ३३०, ३३१, ३५६

नराइणो दे नराणो ।

नरायणो दे. नराणो ।

नरावस प. २३८

नळवर प. २६३, २६४, ३०३

नळवरगढ प. २८६, २६३, २६५, ३०३

नवकोट दू. १४

नवदीप दू. ३८

नवलकली प. १८६

नवलखी-सिध दू. २३७

नवलाख-डहर प. १३२

नवसर प. २१०

„ दू. ६२

नवसरो प. १६०, १६५, २११

नवानगर दू. १५, १६, २०५, २२०,

२२१, २२३, २२४, २३६,

२४०, २४१, २४४, २४७,

२४६, २६०, २६१

„ ती. २६

नवोसहर प. २८०

नहवर दू. ३२

नांदणो प. ११७

„ दू. १३

नांदियो दू. १५०, १६६, १६७

नांदीती प. ३०६

नांताउओ प. १७८

नांमी प. १६२, १७७

नाई प. ३२

नाउओ-वाघरेडो प. ६६

नाकोडो प. ३३३, ३३४

नागंजो कोट दू. २२

नागडी दू. १६०

नागण प. २४७

नागवहो प. १, २, ८, ११, ३५

नागरवाळ प. २८०

नागांणी प. १७७

नागांणी दे. नागोर

नागो-जोगीकोट (देरावर) दू. २२

नागोर प. २४, १२५, २३४, २५०,

२५३, २६७, ३२४, ३४२,

३४७, ३४८, ३४९, ३५८

„ दू. ५४, ६५, ६७, ११०,

११५, १३१, १३६, १४६,

१५३, १५६, १५८, १७४,

३००, ३०१, ३१०, ३११,

३१२, ३१३, ३१५, ३१६,

३२४, ३२६, ३२८, ३३६,

३३७

„ ती. २६, ८५, ६०, ६५,

६७, १५४, १८२, २१३

नागोर-री-पट्टी प. २५०

नाचणो दू. ८, १२, ११६, १४२,

१४३

नाडूल प. ५३, १००, १३४, १३५,

१८१, १८६, १८७, १८८,

२०२, २०६

„ दू. ३२६, ३३०, ३३१

„ ती. ४८, १३३, १७३

नाडूलगढ दे. नाडूल ।

नाडूलाई ती. १३४

नाडोल दे. नाडूल ।

नाडोलगढ ते. नाडूल ।

नायवांणी ती. २२८

नाथूसर दू. ७५, १२३

नादियो दे. नांदियो ।

नापावस दू. १६३

नाभासर दू. १२३

नारगगढ ती. १७४

नारणसर दू. १३५

नारदणो प. १६२

नारदरो प. १७७

नारनोळ ती. १५१

नारायसो प. २६०

नाळ हू १२८
 नासिक प. १, १२२
 नाहरळाव प. १७८
 माहवार हू. १३
 नाहेसर प ४२
 निरवांणो प ३२०
 निवाई प ३१४
 नीवडी हू २११
 नीवली प १६५
 ,, हू. १२, १३४, १३५, १३७
 नीवा ती २२५
 नीवांवरी ती. २२५
 नीवाज प. ६०, १५७, १५६
 ,, ती. २३५
 नीवाडो ती २३७
 नीवलायां हू १२
 नीवाळियो हू १२
 नीवूडो प १७५
 नीवोडो प. १७५
 नीवोळ प. ६२
 ,, ती. २३६
 नीवोवरी ती. २२५
 नीतोडो प १७४
 नीनरिया हू ५
 नीभिया हू. ५
 नीमच दे मीमच ।
 नीमान दे नीवाज ।
 नीलकठ प २३६
 नीलपो हू ३२
 नीलाघो हू. १४८
 नीलिया प. ८६
 नीलेर प. १७५
 नीवाई प. २८७
 नूहन प १७६
 नेउघो प. ६२
 नेगरडो हू ६

नेछवो प. ३५८
 नेडाण हू. ३६
 नेनरघाडो प. १८०
 नेहडाई हू ४, ६
 नेणवाय प. ११०, २८३
 नेणेर प. ६४
 नेख हू ३६, ११७, ११८, १२७,
 १३४, १३५
 नेख-चारणवाळो हू ३६
 नेख-सेवडो हू. ११७, ११८, १२७, १३४
 नेहर प. १७६
 ,, ती १८

प

पचळ देस प. ४५
 पचाळ हू ३७, २४२
 पजाव प ३००
 पई-मघारो प. ४३
 पखालव हू २२१, २५६
 पखरीगढ प. २१०
 पछवाळो हू ४
 पटाऊ प. २४२
 पट्टन दे. पाटण ।
 पट्टनखेड दे खेड ।
 पट्टन-देवको प. २१३, २१४, ३३५
 पट्टन-प्रभास प २१३
 पट्टन-शिव प. २१३
 पट्टन-सोमनाथ प. २१३
 पठार प. ४४
 ,, ती. २४०, २४१, २४७
 पडावळ प. ५४
 पडिहारो ती. २३३, २५०, २५१
 पथग प. १७३, १७४, १७५
 पडोळायां हू. ३०४, ३१७, ३१८
 पनवाड प. ३१५
 पनोतो हू. ३३०

पनोर प. ४३, ४६
 पवई प १२७
 पवउवो प. १२८
 पमाणा प १७४
 परवतसर प. १२२, १२३, १२४, १२६,
 ३१२
 परवर गाव प ३६०
 पळाइतो-हाडांवाळो प. ४४
 पल्लू (पळ्ळू) ती २२६
 पल्लू ती १७३, २२६
 पश्चिम-रेलवे दू २६६
 पाचडो प १७४
 पांचनडो दू १८७
 पांचपदरो दू. १८६
 पाचलो प १७५, १७८, २००
 ,, दू १७०, १७५, १८७
 पाचाडी-भाहरो दू. ६५
 पाचाल प. ४५
 ,, दू २४२
 पाडरी-भाटो-री प. १८०
 पाडवारी प १२७
 पाणीपय ती. १६
 पांयावाडो प. १७६
 पानीलो प २४३
 पांसवो दू २५३
 पांसुवाळा प १७६
 पाखड ती. २
 पाटडी दू. २५८, २५६
 ,, ती. १७४
 पाटण (गुजरात) प. ५५, १०८, ११०,
 ११३, १८६, २५३
 २५८, २५६, २६०,
 २६१, २६३, २६४,
 २६५, २६६, २६७,
 २६६, २७१, २७२,
 २७३, २७४, २७५,

२७७, २८४, २३६
 ,, व ३२, २३४, २५८,
 २५६, २६६ २६७,
 २६६, २७२, २७३
 ,, ती ८६, ४६, ५०,
 ५३, ५६, ५८,
 २८५
 पाटण (बूदी) प १०८, ११३
 पाटरिमा (प्रदेश) दू २५८
 पाटरी दे पाटडी ।
 पाटोदी (पाटोधी) प. ८६, २४३
 पाटरी दू १८५
 पाडलोळी प ४७
 पाडोव प. १५५, १७६
 पातवर-चारणारी प १८०
 पातळसर ती २३३
 पातळासर ती २३३
 पाताळदेश प १६२
 पाटोड प ४१
 पाटोलायां दे पटोळाया ।
 पाघोर प १७६
 पानीपत दे पाणीपय ।
 पानोरो प. ३८, ३६
 पारकर प. ३५५, ३६३, ३६४, ३६५
 ,, दू. ३८, ५१, ५४, ५५,
 २१४
 पारसी (पारस) दू. २४२
 पाल दू. ३८
 पालही प. ३२, १५६, १५८, १६२,
 १६८, १७५ १८०
 पालडी वाहरली प. १७७
 पालडी-माहेली प १७७
 पाळडी रावळां-री प १८०
 पालसी प १७८
 पाली प. २०७, २०८, २०९, २११,
 २१२, २३५, २३६, २४१

„ दू १६६, १८०, २७७, २७८

„ ती १३०, २३५

पालीताणो प ३३५

पावट दू. ३८

पाषाणत ती २५

पाहरांदगढ प १२७

पाहुवेरो दू. ११, १११

पिंहरवाडो प १७४

पीडवाडो प ४१

पीगियो प १७६

पीछोली प ३२

पीठवाडो दू १११

पीढी प ८८

पीथापुर प १५८

पीथासर दू. ७६, १३६

पीथोली प १७६

पीपळ-वडसायो दू ५३, ५४

पीपळवो दू ६

पीपळहडी प. ४३

पीपळाई प. ३२०

पीपळी-रावळां-री प. १८०

पीपळू प. १११, १२४

पीपळो दू ६५

पीपलोण प १६७

पीपाड प ११४, ३४१

„ दू १५०, १८६, १६३

„ ती ८८, ६४

पीरान-पाटण दे पाटण (गुजरात) ।

पीळियोळाळ प. १६

„ दू २६२

पीहलाप प. ३४७

„ दू. १२२

पुजूरी प ८६

पुनपुरी प १७६

पुर प १४, ३७, ४७, ५३

„ दू १५१

पुष्कर प. २४

पूगळ दे. पूगळ ।

पूजा-साठियारी-घरती प. २७७

पूगळ प. २५३, ३४६, ३४८, ३४९,

„ दू १०, ११, १२, ४२,

११०, १११, ११३, ११४,

११५, ११६, ११७, ११८,

१२०, १२२, ३१२, ३१८,

३२४, ३२७, ३२८

„ ती. ३१, ३३, ३४, ३६

पूछणो दू. १६४

पूनो प २०६

पूनासर दू ६६, १६३

पूरव-रो सूवो प. २६७

पेथापुर प. १७५

पेथोडाई दू ६, ८

पेरवा प. १७६

पेशावर प. ३०२

पेसवा-चारणी-रो प. १७६

पैलाइतो प ११४

पैसोर प ३०२

पोकर दे पुष्कर ।

पोकरण प १८६, २३६, ३५७

पोकरण दू. ६, ११, १६, ५३,

७४, ७५, ७६, ८०,

८४, ८७, ८८, १०३,

१०४, १०५, १०६, १०७,

१०८, ११३, ११७, १३१,

१३२, १३८, १४४, १८३,

१६६, २००

„ ती. १०३, १०४, १०५, १०६,

१०७, ११०, १११, ११२,

११३, ११४

पोछीणो दू. ३३

पोटलियो दू ६

पोलावास प. २४०

पोसतरा प १७५

पोसांणो प. १६२
पोसाळियो प. १७७
प्रभासक्षेत्र दे. प्रभासक्षेत्र ।
प्रभासक्षेत्र दू. ३
प्रयाग प. १३२
,, ती २७६
प्रोहितवाळो-गांव दू. १३५

फ

फतहगढ ती. २१७
फतहपुर दे फतहपुर ।
फतहपुर प. ३१२
,, ती १६२, १६३, १६४, २७३,
२७४
फळवध प. १७७
फळसूड दू. १०४
फळोडी दू. ४
फळोधी प. ६०, ३५०
,, दू. ११, ६८, ७७, ६४,
६८, १०६, ११३, ११४,
१२२, १२४, १२८, १२९,
१३०, १३१, १३२, १३६,
१३८, १४१, १४३, १४५,
१५२, १५६, १६०, १६१,
१६३, १६४, १६६, १७६,
१७७, १८०, १८१
,, ती. २८, १०३, १०५, ११४
फागुणी प. १७६
फारस ती ५५
फिरसूळी प. १७४
फुलाज दू. १८६
फूलसरेड प. १७६
फूलियो प. २६, ३७, ४८, ११०, २७६
,, दू. ६
,, ती. २२२

व

वगस प. ३१६, ३३१

वगाल ती. १८६, २६६
वगाळो दे. वंगाल ।
वठास प. ३१६
वध दू. १११
वधो दे. वांधो ।
वधप प. १३२, १३३
वधदगढ प. २०, १३२, १३३
वधवो प. २०
वधो ती. २२४
वंभणवाड-घाळकोड दू. २३६
वभारो प. ४५
,, दू. २३६
वंभोरी-रो-परगनो प. ११६
वभोरो प. ४३, ४५
वग प. १७६
वगडी प. ६०
वढोदा (गुजरात) ती. २५
वढोवो (तीरोही) प. १७५
,, ती. २५
वधनोर प. ५३
वघाजडो दू. ६६
वसू ती. २३३
वरडो दू. २२०, २२६
वरियाहेडो . ३३४
वळदुरो प. १७७
वळोर प. ६४, ६६
वसाड दू. ४
वह दू. १३४
वहलवो दू. १७१
,, ती. २५०, २५१, २५२, २५३,
२५५
वांगो प. ६७, ६८, १०१
वांट प. १७५
वाडी ती. १७
वांधो दू. ४, १११, १६३, १६४,
१८८, १६५

बांधवगढ दे० बांधवगढ ।
 बाधव-रो-मुलक प. १३२
 बांभणवाड़ प. १७६
 बांभणहेडो प. १७६
 बांभणीका-गाँव (प्रदेश) दू. ८
 बांभोतर प. ६६
 बांभोरो प. ४३
 बांसवाड़ा दे० बांसवाहलो ।
 बांसो ती. २३७
 बांहालो दू. ४
 बाकरलो प. ४७
 बाकारोली प. ६८
 बाघलप प. २३६
 बाचारांवाली दू. २६०
 बाटवडोव प. ८०
 बाटियो प. १७६
 बाड़मेर दे० बाहड़मेर ।
 बाढेल-बांभणां-री प. १८०
 बापडोतरो प. २४८
 बापणसर दू. ६
 बापला प. १५८
 बार प. २५२
 बारवरडाँ प. ४३
 बारू दू. १२, १४०, १४२, १४३ दे० बारू
 बारू-छाहिण दू. ५३, ७३
 बाळघो प. १७३
 बालपुर प. २३७
 बालां दू. १८३
 बालांगो दू. १४२
 बालां-रो-गाव दू. ४
 बालापुर प. २६७
 „ दू. १८२
 बालाभेट प. २५२
 बालो गूबोच रो दू. १६३
 बालो भाव्राजण रो प. २३६
 बालोतरा प. ८६, ३३३

बालोतरा दू. १३०
 „ ती. २२६
 बाहड़मेर प. १४३, १४८, ३३३, ३३७,
 ३३८, २६१, ३६३
 „ दू. १२६
 „ ती. ३, ४, ११३
 बाहतर-वड-गूजरां वाली दू. १६२
 बाहरडो प. ४३
 बाहरली-पालडी ती. १२४
 बाहरोट-रो-पधग प. १७३, १७४
 बाहिरलो वास प. २४७
 बाहुल प. १७६
 बिटड्यां ती. १०६, ११०
 बीकानेर दे० बीकानेर ।
 बीजवा प. १८०
 बीजापुर ती. २७७
 बीभोली प. ४४
 बीड़ दू. ६८
 बीलाडो दू. १५०, १८७
 बीलसर दू. २२६
 बीसलपुर प. ४५
 बुंदेलखंड प. १२७
 बुगलाण ती. २१८
 बुचकठो दू. ८
 बुज दू. ७८
 बुजडो प. ३२
 बुजेरो दू. ४
 बुडकियो प. ३५७
 बुडूण प. १२८
 बुढारो दू. १३६
 बुधेरो-दू. १६
 बुधे-रो-खरड दू. ११, १६
 बुरवटो-भोईसां-रो दू. १७२
 बुरवटो-लवेरा-रो दू. १८६
 बुरहानपुर प. २५, ७७, १२०, १३१,
 १६७, २००, २३४, २३५,
 २६८, ३१६, ३२१

बुरहानपुर ह. १५६, १५८, १७०, १७२
बूटेची ह. १८०

बूदी प. २६, ३७, ३८, ४४,
४६, ५६, ६७, ६६,
१००, १००, १०१, १०२,
१०३, १०५, १०६, १०७,
१०८, १०९ ११०, १११,
११२, ११३, ११४, ११५,
११७, ११८, २८०, २८३

„ ह. १७१

„ ती २४१, २६६, २६७, २७२

बूदेलो प. १६

बूनाडो प. १७६

बूट प. २७

बूटडी प. १७६

बूटेळाव ह. १७७

बूढहर ह. १२

बूराळ प. १७५

बूसियो प. १७८

बेघू प. ५३

बेहछो प. १२८

बेदलो प. ३२

बेहडो प. ४१, १७६

बेहु सिधलवाळी प. ११५

बेहगटी प. ३४८, ३५१, ३५२

„ ती. ७, १०३, १०५

बेराई ह. १७०, १७२, १७५, १६०

„ ती ६०

बेराही दे० बेराई ।

बेरु ह. १६८

बेरोळ ती. २३६

बोसहा प. ४२

बोहूषी ह. १८०, १८१

बोखानडो (बोडानाडो) ह. १८०

बोघरी ह. ५

बोरबो प. ३४०

बोळ ह. १६६

बोळो ह. ४

बोहरावास प. ३६०

बोळी ती ६८

ब्यावर प. ३८

ब्रहमंड प. १६२

ब्रहमाण प. १४६

ब्रहानपुर दे० बुरहानपुर ।

ब्रह्मसर ह. २, ४, ३६

ब्रह्मावासणी ह. १६६

ब्राह्मणवाडो ती १७४

भ

भंडण ह. १११

भंमारो ह. ४

भवरी प. २११

भगतावासणी ह. १६७, १७३, १७४, १६४

भगवतगढ प. ४७

भटनेर प. २१२

„ ह. १६, १२२, १२३, १२४

„ ती १५, १६, १७, १८,

१६२, २२१

भटिडो ह. १०

भट्टी प. २६८, ३१६

भठी प. २६८

भडियाव ह. १

भणांय प. ६४, ६५

भवलो ह. १२

भदांण प. २५०, २५१

भदांणी प. २५१, २५३

भदावर प. १२८

भदावर-रो-मंडो प. १२८

भदिघावद प. १२३

भनाई ती २२४

भरवळ (भडोव) ह. १६

भरोसर (भरेसर) ह. १३७

भव प. १६२
 भवणो प ३२
 भवराणो प २११, २३७
 „ हू. १६७
 भांउडो दे० भांउडो
 भागेसर हू. १६४, १६२, १६४, १६७
 भाडोतर प. १७६
 भाडोळाव हू. १५१
 भाणगढ प २६६
 भाणल (?) हू. ६१
 भाताघास प २३६
 भांनियो हू ६
 भांभेरो हू. ६, ३८
 भांभेळाई हू. १५०
 भांमरा १७८
 भांमोळाव प ३६२
 भांवरी हू. ४
 भाहरो हू. १६६
 भाउडो हू. १५३, १५८
 भाखर हू ३१
 भाखरी हू. १७०
 भागवो प. २००, २०१
 भागीनडो हू. ६
 भागेसर हू. १४६
 भाचराणो प. २३६
 भाचाहर हू. १११, १२६
 भाटरांम प. १७५
 भाटरो प ६१
 भाटवो प. २४८
 भाटांणी प. १७५
 भाटी प ३१५
 भाटीपा हू १५
 भाटीव प. २४१
 भाटीवटी हू. १५
 भाटेर हू. १६४
 भाटेवो (भाटो?) प २४८

भाटोद प. ४१
 भाठवां ती १८
 भाडुंग ती १३, १४, १५
 भाडली प. १७६
 भाडेर प. ४२, ४३, ४६, १२७
 भावळो ती. २२५
 भादासर हू. ४
 भाद्राजण प. १५८, १६०, २०६, २१०.
 २१२, २३६, २३७, २३६,
 २४०
 „ हू १४६, १४७, १५८, १६३,
 १६७, १८१, १८६, २७८
 „ ती. २५६, २५७, २५८
 भाद्रावळ हू. २१६
 भाद्रेसर हू. २१६, २२०
 भारत प. १४७
 „ ती. १७३
 भारमलसर हू. १०४, १३५
 भालाही हू. ६६
 भालेसरियो हू. १८०
 भावी हू. १६४
 भाहरजो प १७४
 भाहू प. १७४
 भाहरो हू ६५, १८६
 भिणाय दे० भणाय।
 भिणियांणो ती. ११२, ११३
 भिरडू ती. २८
 भिरडूकोट दे० भिरडू।
 भौव-रो-तोडो प. ३०१
 भौवासर हू ६८
 भोडवाडो प. ३८
 भोतरोट प ४६, १५१, १५२, १७३
 भोतरोट-रो-पयग प १७३, १७४
 भोदासर हू. १३५
 भोनमाळ प. १३६
 „ ती. २३

भीमार्णो प. १७४

भीमेल प. ६१

भीलडांमो प. १७६

भीलडियो प. ६०

भीलडो-नान्हो प. १७६

भीलमाळ दे० भीनमाळ ।

भीलवण प. ७६, ७७

भुज प. ३६४

„ डू १५, १६, २१४, २१८,
२२०, २२५, २३८, २४४,
२५३

भुजनगर दे० भुज ।

भुडहड डू. १८२, १८३

भुरखिया प. ६१

भूड प. १६८

भूडेल प. ३४७, ३४८, ३५०

भूण डू. ६

भूणोद प. ४१

भूभळियागढ ती. १७४

भूभळियो प. ६०

भूभादडो प. २४१

भूकर ती. २२३

भूकरको ती. २२३

भूकरी ती. २२३

भूकाणो प. १७६

भूका दे० भूखो ।

भूखो प. ३५६

भूतगांव प. १७७

भूतेल प. २४१

भूमळियागढ ती. १७४

भूधो डू. ६

भेटनडो डू. ६०, १५६

भेटाळो प. २४७

भेड डू. ६५

भेडू ती. २२५, २८२, २८३, २८४

भेवो प. १७७

भेण्डेवो डू. १०

भेसडो डू. २, ३६, ६५

भेसरोड प. २०, २६, ३८, ४४,
४५, ४६, ५२, ६५,
६७, ६८, २८०

भैरवी-राणा-री प. ६६

भोजनेर प. ११७

भोजू डू. १८६

भोपाळ (?) डू. ६१

भोरड प. ४०

भोवाद डू. १६२

भोवावी डू. १६१

भोवाळ प. ३०६

„ डू. १६०

म

मंगळीका-यळ डू. ३१

मचलो प. १६२

मंडळ प. ४३

मंडळगढ प. ५३

मंडळप डू. ४१, ४२

मंडावरो डू. १८६

मंडाहड प. १७३

मंडोर दे० मंडोवर ।

मंडोवर प. १५, १७, ३३३, ३३४,
३४८

„ डू. ६६, ३०८, ३०९, ३१०,
३३६, ३३७

„ ती. १०, १२, २८, १३०,
१३२, १३५, १४०, १४१,
१४६, १५८, १६०, १६१,
१६४, १६६, १७३, १८०,
१८२, १८४, २१३

मंडोहर दे० मंडोवर ।

मदसोर प. २७, २६, ३७, ४६,
६४, ६५, ६६

मऊ प. ११३, ११४, ११५, २५२,
२५६, ३६०

मऊ द्व. २६२
 मकरोडो प. १५८
 मकवाळ प. १७५
 मकावळ प. १७५
 मकावळी प. १७६
 मक्का द्व. ४६
 मगराउघो प. १७८
 मगरो प. १७३, १६३
 मगरो द्व. ३१४
 मगरो-भोरो प. १७३, १७६
 मगरोप प. ५६, ८८
 मगरोपगढ ती. १७३
 मचीद प. ४१
 मद्यवाळो द्व. १४४
 मट्टण प. ३२
 मढली द्व. १६१
 मढलो प. ३६२
 मणोहरो प. १७७
 मतीडो द्व. १५६
 मथुरा प. १३१, १३२, ३१२, ३५६
 „ द्व. ११, १६, १४०
 „ ती. २०६
 मदार प. ४१, ४७, ५३, १४५, १५७
 मदारडो प. ४१
 मदास द्व. ३६
 मनदसोर प. ४६
 मनसोर द्व. २६३
 मनोहरपुर प. ३१८, ३१६, ३२६, ३३२
 ममणवाहण द्व. १०
 दे० मृमणवाहण ।
 मरुप्रदेश द्व. ३१, २६६
 मरुस्थल द्व. ३१
 मरोट द्व. ११५, ११७, १२०, १३७,
 १३६
 „ ती. ३४, २२०
 दे० महारोठ ।

मरोठ दे० मरोट ।
 मलकासर ती. २३०
 मलार द्व. १४७, १८५
 मलारणो ती. ६८
 मलीरणो प. ४७
 मल्हार दे० मलार ।
 मवडी दे० मोडी ।
 मवडी-भाटा-री प. १७६
 महकर ती. २१४
 महमदाबाद ती. २८
 महसाना जंक्शन द्व. २६६
 महाजन द्व. १११
 „ ती. २२८
 महारोठ प. ३१७, ३२४, ३२७
 दे० मरोट, मारोट, मारोठ, माहरोठ
 महियड द्व. ३८
 महीकांठा द्व. २७६
 महीनाळ प. ४४
 महेंव द्व. १८७, १८८, १६०
 महेंवो दे० मेहवो ।
 महेंसरी प. १७६
 महेंसियो द्व. १४६
 माकडो प. ४५
 मांगळो द्व. १५४
 मांगळोद प. २६३
 मांगळोर प. २६३
 मांचाळो प. १७७
 मांडणसर द्व. १२६
 मांडणी प. १७७
 मांडळ प. ६८, १२४, १७६, ३०१
 „ द्व. ३४२
 मांडळगढ प. २६, ३७, ४४, ४७,
 ४८, २७६, २८०
 „ ती. १७३
 मांडली प. १८०

मांडव प. ५, १६, ४६, ५५,
 ५६, ८२, ८७, ८७,
 ६१, ६६, १०२, १२२,
 ,, दू. २६२, २८५
 ,, ती १, १३६, २४०, २४३,
 २४४, २४७, २४८

मांडवगढ ती २

मांडवाडो प. १७४, १७७

मांडवो प. १७६, २३६

,, दू. १५०, १७१, १७४

मांडहडगढ ती. १७३

मांडहो ती. १२३

मांडाल दू. १३१

माडावरो दू. १८६

माडावाडियो प. १७७

माडावाडो प. १७८

माडाहडो प. १७५

माडाही दू. ६

माणकळाव प. २४१

,, दू. १७६

माणकियावास दू. १४६, १८६

माणच प. ४३

माणेवी दू. १७५, १७६

मानपुरो प. ३६, ३८, १७४

मांहिलोवास प. २४७

माछ प. ४७

माटपणा प. १७६

माटासण प. १३६, १७६

माढ दू. २१, २२, २५, ६३

माढपुरो प. २८५

माढ-राठी वाळी दू. ३३

माडाऊ दू. ४

मायको दू. २५६

मायासरो प. १६३

मादडी प. १६५

मादळियो दू. ७६, १६६

मायथी दू. ४

मारली प. ११५

मारवाढ प. १५, १७, २१, २५,

३१, ३५, ३८, ५५,

६०, ६२, ८८, ८६,

६०, १२२, १२३, १४७,

१४६, १६४, १६५, १८७,

१६३, २०४, २०७, २०६,

२११, ३०३, ३०४, ३३३,

३३७, ३३८, ३६१

,, दू. १०५, ११०, १३०, १५८,

१७२, २६१, २६८, २७७,

२८०, ३४२

,, ती. १०, २८, ८३, ८८,

६५, ६६, १०५, १२०,

१२४, १७३, २१४, २२६,

२३७

मारेल प. १७५

मारोट दू. १०

दे० मरोट, मारोट, महारोट, माहरोट

मारोट दू. ५३

दे० मरोट, मारोट, महारोट, माहरोट

मारोली प. १७७

माळ प. १४६

मालकोट ती. २१५

मालगडो दू. ४

मालगढ प. ६०

मालणियाळ दू. २५५

मालपुरो प. ३०, ३७, ३८, ६३,

२८०, २६६, ३०६

मालव प. ४, ५३, ६४, १८५

मालवदेश ती. १७३

माळवो प. ५३, १८५, २५२, ३५४

,, दू. १६३

मालाणी प. ३१, ३३३

,, दू. २१६, २८०

मालांणी ती २८, २५६
 मालागांव प. १७५, १६६
 मालाजाळ दू. १३०, २८४, २८५
 मालानी दे० मालांणी ।
 मालावास प. १८०
 माळियो दू. २५३
 माळीगडो दू. ३२
 मालेर प. ३३२
 मालेरी प. ८
 माल्हणसू प. ४१
 माहरोठ प १२२, १२३, १२४, ३२१
 माहिडियाई दू. ८
 माहोली प २१, २०७
 मियां-रो-गुढो प १०१, ११७
 मिलकापुर प. ३०१
 मिलकी-अभिरांमपुर प. ११४
 मिळसियाखेडी ती. २४२
 मीया-रो-खेडी प. १०२
 मीठडियो दू १२५
 मीठोडो प. १६६
 मीतासर दू ३२१, ३२२
 मीमच प. ३७, ३८, ४६, ५३,
 ६२, ६३, ६५
 मीरमीप (मीरमी-पहुवो) प. ४७
 मुगाह दू ४
 मुजपुर दू. २५६
 मुंडवाय दू १६५
 मुंदरडो प १७४
 मुमणवाहण दे० मूमणवाहण और
 ममणवाहण ।
 मुकु वपुर प. १३३
 मुणावद प. २८४
 मुथराजो दे० मथुरा ।
 मुरघराखड दू ३८
 मुलतांण प. ८, ३५३

मुलतांण दू १२, २२, ११३, ११४,
 ११५, १२०, १३७, १४२,
 ३१३
 मुल्तान दे० मुलताण ।
 मुहार दू. ५, ६, ८
 मूठली प. १६५
 मूडखसोल प. ३२
 मूडयळ प १५८
 मूडयळो प. १७४
 मूडळवेस प. ४३, ४५
 मूडळ मुलक दे० मूडळवेस ।
 मूडलो प. ३८
 मूडेडी प १७७
 मूडेळाई दू. १३२, १४४
 मूणावद्र प १७७
 मूघियाड प. ३३६
 मूमणवाहण दू १०, ११५, ११७, ११६
 मूसावळ प १५८
 मूळ दे० मूळी ।
 मूळपुरो प. ३८
 मूळी दू. २५८, २५९, २६०
 मूळी-रो-परगनो दू २६०
 मेऊ दे० मऊ ।
 मेघां-रो-गांव दू. १३६
 मेळतो प. १३, २६, २८, ३५,
 ६०, ६२, २३६, २४०,
 २४१, ३०२, ३०४, ३०६,
 ३२३, ३३६, ३५४
 ,, दू ६, ३१, ११६, १२५,
 १३८, १४७, १४८, १४९,
 १५०, १५१, १५३, १६०,
 १८७, १६२, १६३, १६८,
 १७३, १८६, १८६
 ,, ती. २८, ६३, ६४, ६५,
 ६८, १०१, १०२, ११५,
 ११६, ११७, ११८, १२०,
 १२१, १२२, २१५

मेढो प १५८, २४७

मेढी-रो-माळ दू ३४

मेढपाट प ७

मेढसर ती २२७

मेरता दे० मेड़तो ।

मेग्वाडो प ४५

मेरवाडो वड प ४५

मेरियोवास प. ३४३

मेलांगरी प १७४

मेवडो प १७६

मेवरो दू १५६, १५६, १६०

मेवल प ४३

मेवल-मेरां-री प. ४५

मेवाड प १, ३, ४, ६,

७, ११, १६, २४,

२६, ३६, ४०, ४२,

४३, ४४, ४७, ४८,

५५, ५६, ५८, ५९,

६४, ८६, ९०, ९१,

९६, १३६, १३७, १४४,

१८६, १८८, १९७, २३२,

२६५, २८२, २८४, ३४२,

„ दू. ३८, ६३, २६२, २६३,

३३५, ३४३

„ ती ६, १०, १२, १३६,

१३६, १६२, १६४, २३६,

२४७, २६६

मेहगडो प २३८, २३९

मेहर दू. ३१

मेहलांणी प २३८

मेहली प. २३६

„ दू १८५

मेहवानगर दे० मेहयो ।

मेहयो प. ३१, २४८, ३५६, ३६०

„ दू ५४, ६८, ८४, ९०,

९६, १०४, १३०, १४१,

२८०, २८१, २८२, २८३,

२८४, २८५, २८६, २८७,

२८८, २८९, २९०, २९२,

२९३, २९४, २९७, २९९,

३००, ३०७, ३०९, ३२०

„ ती. ३, ४, ५, २३,

२४, २८, ५८, २५१,

२५२, २५६, २८०

मेहाकोर दू. १२२, १२३

मेहाजळहर दू. ७८

मेदानो प २५२, २५६

मेहकर दू १६०

मोकरडो प १७४

मोकळनडो दू १८३

मोकळाइत दू. ४

मोकीली प. ५२

मोखेरी दू ६५, १६५

मोजावाद प, २८७, ३१४ दे० मौजावाद

मोटपुर प. ११६

मोटाण प. १८०

मोटासण प. १७६

मोटासर दू ११, १११

मोटेंळाई दू १११

मोडो प १७५

मोरथळो प. १८०

मोरवो प. ३५६

मोरवी दू २१३, २१४, २६०, २६१

मोरवडा प १७६

मोरवण प. ६३

मोरियांवाळो दू. १११

मोलेळो प. ४०

मोलेसरी प १७६

मोहनी प. १२८

मोहारी प ३१३

मोहिल-मांकडो प. ४५

मोहिल-मांकडा रो परगनो प. ४५

मोहिलावाटी ती. १५३
 मोही प. ३७, ४७, ५२, ११६
 मौजावाद ती. ६८ दे० मौजावाद ।
 मोड़ी प. १६४, १६५
 म्निगासर ती. ४७

य

यादवस्यली दू. ३

र

रगाईसर ती २२६
 रड़ोद दू. १५७
 ,, ती. ६५
 रणथंभोर दे० रिणथंभोर
 रतनपुर प. ४४, ६२, ६४
 रतनपुर-री-चौरासी प. ६४
 रतबड़ो (रंवड़ो ?) प १६४
 रतलाम प. ६४
 ,, ती २५
 रबीरो दू. ४
 रघणियो दू १७५
 रहवाडो प. १६२
 रांणकवाडो प. १७५
 रांणपुर प ३६, ४१, ६७, ६८, ६९
 रांणाई प. ५
 रांणासर ती. २२६
 रांणी गांव (पारकर) प. ३६४
 रांणोर-रायमल वाळी दू १२५
 रांणेरी दू १३५
 रांणैहर दू. ११, १११
 रामगढ प. २५२, २७६
 रांमडावास दू १८०, १८६
 रांमपुरो प. २६, ३८, ४५, ४६, ६५
 ,, दू १७६
 ,, ती. २३६, २४०, २४६, २४७
 रांमसर दू १३५
 रांमसेण प. १४४, १४६, ३३७

रांमावट दू. १६२
 रांमेस दू. ३८
 रांयण दू. १३८
 रांवणियाणो दू १८७
 रांहिण प. २६, ३१५
 राकड़बो दू ३६
 राखांणो प. २३६
 राजकोट प. २७१
 राजगियावास दू. १६१
 राजपीपळो प. ८८
 राजलो-तेजा-रो दू. १५०
 राजस्थान प. ४८, १४७
 ,, दू २५८, २६६, २७८, २८७,
 ३३२
 ,, ती १४, १५५, १७३, १८१
 राजासर दू. १११
 ,, ती. २१
 राजोडो प १७८
 राजोद दू. ११६
 राठ प. १०५, १२७
 राठ-कोदमियो प. १०५
 राडघरो प. २२८
 ,, दू ६७, १७६
 ,, ती २५६
 राडवरा प. १७७
 रातोकोट प ३३८
 राय-कोहरियो दू १८८
 रायघणपुर (राघनपुर) प. ३३७
 रायपुर प. ३१४
 ,, दू. २६२
 ,, ती. २३६
 रायपुरियो प. १७५
 रायमलवाळी दू. ११, १११
 रायमो प २३७
 रावतसर दू. ४
 ,, ती. २२६

रावर प ४७, ३१५

रास ती. २३५

रासा-रो-गुढो दू १६१

राहड़ दू, ३३

राहिण दे० राहिण ।

राहुषो प १७५

रिख-विसळपुर प. ४५

रिडियो दू ८

रिडी दू. ६

रिणयभोर प ३७, १०३. १०४, १०८,
११०, १११, ११२, २७६,
३००, ३०१

„ ती. ६६, १८४

रिणधीरसर प ३४६

रिणमलसर दू ६२, ६६, १३८

रिणी प. २१२

„ ती. १५४

रिचडी दू. १४७

रिधद्र प १७५

रिधियो प १७६

रिपीकेश (भाबू पर्वत) प. १७८

रीछडी प १७६

रीछेर प. ४०

रीयां दे० रेया ।

रीवां प १३३

रीवी प १७५

रुघाव प ३२

रुण प ३४२ ३४४

„ ती ८, १४१

रुणकोट प ३३६

रुणवाय प. ३३६

रुविपो दू १६३

रुपजी प. ४०, ४१

रुपजी वासगोड प ४०, ४१

रुपनगर ती २२०

रुपाबाप प. २३६

रुम मूम दू. ४५

रेतळो ती २८०

रेयां प. ३०२, ३१४

„ दू. २०१

„ ती ६४, ६५, ६६

रेवडो प. १६४, २३७

रेवत दू १५०

रेवली प. ४२

रेवाडी प. ३१८, ३२०, ३२२, ३२३,
३२४

रैतळो ती. २८०

रेया दे० रेया .

रेवासो प ३२०

रोजेड प. १७६

रोणवो ती. २२६

रोह प १४६

रोहचो प २३७

रोहडी प. १२३

रोहणवो दू १६१, १७२

रोहार्ड प. १७३

रोहार्ड-भीतरोट प १७३

रोहिडो प ४२, ४७

रोहितगढ दे० रोहिरगढ ।

रोहिताश्वगढ दे० रोहितासगढ ।

रोहितासगढ प २६३

„ ती १७४

रोहिरगढ ती १७३

रोहिलगढ दे० रोहिरगढ ।

रोहिसो प ३४०

रोहीडो प. १७४

रोहीणी ती २२६

रोहीणी ती २२६

रोही-भीतरोट प १७३

रोहीसी प. १६३

रोहुरो प. १७६

रोहुवो प १७५

ल

लका कू. ३६, २४२
 लकडवा प. ३२
 लखमणसर ती. २३३
 लखमेर प. १७६
 लखानखेडो प. १०१
 लदाणो प. ३०७, ३११
 लदांण प. ३०७
 लबीह कू. ४
 लवांण प. २८७, ३०२
 लवांणागढ प. ३३२
 लवाणो प. ३३२
 लवेरो कू. १५०, १५४, १५५, १५६,
 १५७, १५६, १६०, १६१,
 १७४, १८६, १८८, १८९
 लांगरपुर प. १२८
 लाणेलो कू. ४, ८
 लांबियो ती. १२१, २३५
 लाकडवाळो कू. १११
 लाखडी कू. २०६, २१०, २११, २१२,
 २१६
 लाखा-रो-घट कू. ३२
 लाखासर कू. १११, १३८
 लाखाहोळी प. ३२, ४३
 लाखूटा (लाखोटा) नी पोळ ती ५५
 लाखेरी ती. २६७
 लाखेरी-गोडांवाळी प. ११३
 लाखे-रो-गांघ प. ११०
 लाछडी प. २२८
 लाज प. १७६
 लाठी प. ३३५
 लाठी कू. ७६
 लाठीहर कू. २६१
 लाडणू ती १५४, १५७
 लाडेलो प. १७५
 लाघडियो ती. १३, १४

लायां कू. ३२७
 लालसोट प. ३१४
 लालाणो कू. १८५, १८८
 लालावर कू. १११
 लास प. १७७, २८४
 लास-मुणाघद प. २८४
 लाहोर प. २६३
 „ कू. ५५, १४६
 „ ती. २१४
 लिखमडी प. ३८
 लिखमीवास प. १७७
 लिखमेली कू. ६२
 लीकडो कू. १२
 लीकणो कू. १४२
 लूद्रवो प. २५३
 लूद्रवो कू. ६, ८, १६, २६,
 २७, २८, ३३, ३४,
 ३५, ३६, ७६
 „ ती. १७४, २२२
 लूणावाडो प. ८६
 लूणोई कू. ३६, ६६
 लोईयाणो वे० लोहियाणो ।
 लोटांणो प. १७४
 लोटीवाडो प. १७७
 लोटीती प. ६२
 लोटीघरी प. ६२
 लोदरी प. १७३
 लोलटो प. ३५१
 लोलापुडी कू. ८
 लोलियांणो प. ३३५
 „ कू. ६५
 लोवो ती. २३२
 लोहगढ प. १८७
 लोहटवाली प. १०१
 लोहडी कू. १४१
 लोहवागढ ती. १७४

लोहसींग प. ४०, ४१

लोहावट दू. १६२, १६६, १८१

लोहियाणो प. १४६, १६०

व

वंको प. ६०

वगो दे० वांगो ।

वसहीगढ ती १७४

वगडी ती ८१, ८३, १०५

वघरेडो प. ६६

वघणोट दू. १३

वजु दू. ७६, ७७, १३६

वडगांव प. ६६, १३६, १४६, १७७,

१७८

वडगिर दू. ६३

वडलो दू. १७२, १६४

वडवज प. १५६, १७५

वडवालो प. ४३

वडांणी दू. ८५

वडी प. ३२

वडेरण दू. १११, ३०४

वडेर-रा-गांव प. ११५

वडोद प. ८१, २५२

वडोवती ८१

वडोदो प. १७६

वडवांण दू. २५६, २६१

वणखेडो प. १११

वणहटो प. ३१४

,, ती ६८

वणहडो प. ४७

वणाड दू. ३३

वणाडो दू. ६७

वणोर प. ५३

वदनोर प. १७, १८, २६, ३७,

४७, ४८, ५३, ११०,

११६, १८६, २८०, २८१,

२८२, २८३, ३४०

वधनोर दे० वदनोर ।

वरकाणो प. १३७

वरजागरो दू. १३६

वरजांगसर दू. १६६

वरणो प. ४१

वरवाडो प. ४१

वरवाडो प. ४१, ४७

,, ती ६८

वरसडो प. ३२

वरसलपुर दू. १०, ११०, १११, ११७,

११६, १२०, १२१, १२६,

१३५

वराहील प. १७६

वरियाहेडो प. ३३४

वरिहाहो दू. २५

वसाड प. २६, ४६, ५३, ६४

वसी प. ५१, ६६, १५१

वहवडो दू. १३६

वांकानेर दू. २५६, २६१

वागो दू. २२६, २३१, २३२, २३३

वासडो प. २८५

वांसरोट प. २८५

वासलो प. १

वासवालो दे० वांसवाहलो ।

वासवाहलो प. १४, २६, ३७, ३८,

३९, ४३, ४६, ५३,

६६, ७०, ७३, ७४,

७५, ७६, ७७, ८६,

८७, ८८, ८९

वांसवाहलो ती. २६६

वांसियो-पोपळियो प. ६४

वासोर दू. ३२६

वासोलो प. ६१, ६२

वागड प. ५, ७०, ८६, ८७,

८८, ११६

,, दू. ३८, १६१, १६२, १६४

वागडियो प. १७८

वागोर दे० वाघोर ।

वाघरडो प. ६२

वाघसणो प. १७७

वाघार प. १६२

वाघावास दू. १८८, १९८

वाघोर प. ४०, १७६, ३०२

„ दू. १, १६, २३२

वाघोरियो प. ३३८

वाचडा प. १७७, १७९

वाचडा-बीजो प. १७७

वाचडोल प. १७५

वाचण दू. २५९

वाचाहडा प. १७८

वाचेल प. १७५

वाजणो प. ६०, १०७

वाभनाइयो दू. ८

वाटेरो प. १७४

वाडो दू. १५०

वाणारसी प. ११२, १२८

वाप प. २१२

„ दू. १२, ११४, १२७, १३१,
२००

„ ती. २२३

वाय ती. २२३

वारणाऊ दू. १६०, १७५

वाराहो दू. ३२

वारु दे० वारु ।

वालजीसर दू. ९९

वालरवो दू. १६४, १६५, १६७, १६८

वालिया प. ९१

वाळेसर दू. १२९

वाव प. १४९, १७२, ३६५

वावडो दू. १२, १४०

वासहेसो-भाटा-रो प. १८०

वासडो प. १६२

वासण प. १७७

वासणडो प. १७९

वासणपी दू. ४, ९, १०, ७२

वासणी प. २३९

„ दू. १७५

वासणी-लवेरा-री दू. १५४, १६०, १६१

वासथान प. १७८

वास-बाहिरलो प. २४७

वास-माहिलो प. २४७

वासरोड प. ४०

वासुदेव प. १७८

वासो प. १७४

वाहण दू. १४१

विकूकोहर दे० वीकूकोहर ।

विकूपुर दे० वीकूपुर ।

विजाई दू. १४६

विजियावासणी दू. १५०

विमळोखो दू. १५९

विलायत दू. २३६

„ ती १९२

विल्हणवाटी प. १२२

विसळपुर प. ४५, ४७

विसांझण दू. १७९

वींजोराई दे० वींभोराही

वींभोतो दू. ४, ११

वींभोराई दे० वींभोराही ।

वींभोराही दू. ६, ८४, ९७

वींटली ती ९५

वींठाडो दू. १०

वीकमपुर प. २५३

वीकानेर प. २५, ५१, ९०, १४९,
२१२, ३०२, ३४९, ३५४

„ दू. १, २, ७, ११,
१६, ३३, ३९, ७५,
८५, ९२, ९४, ९६,
९७, ११०, १११, ११३,
११४, १२३, १२४, १३०,
१३१, १३२, १३३, १३७,
१३८, १४०, १४५, १६४,
१७७

घीकानेर ती. १५, १६, १७, १८,
१९, २०, ५१, ५२,
६०, १५१, १७६, १७७,
१८०, १८१, २०५, २०६,
२०७

घीकूकोहर प ३५१

घीकूकोहर दू १२२, १२८, १५७, १५९,
१७४

घीकूपुर प ३४६

॥ दू १, २, १०, १२,
२५, ३६, ७६, ७७,
१०४, १०७, ११०, १११,
११२, ११३, ११४, ११५,
११६, ११७, ११८, १२१,
१२६, १२७, १२८, १२९,
१३०, १३१, १३२, १३३,
१३४, १३५, १३७, १४०,
१४१

॥ ती. ३४, ३६, २६०

घीखरण दू. ३२

घीचवाडो प १७८

घीछूवो प ४७

घीजल्ली प. २३७

घीझणो प. ६१, ६२

घीझणोट दू. १३

घीझळाळी दू १११

घीझवाडियो दू. ११६, १५१, १६०, १८७

घीझेवो प १३७

घीझोळाई दू ८

घीठणोक दू ११३, १२५, १३०

घीरू दू. १८६

घीदासर ती. २३०

घीनावास दू. १८६

घीनीतो प ६४

घीमणवो दू १२३

घीरपुरी प १५८

घीरमगाम (घीरमगांव) दू २१३, २५८,
२५९, २६०,
२६१

घीरमो दू. ३२

घीरवाडो प १७३

घीराणी दू ६०, १७४

घीराळियो-भाटां-री प. १७४

घीरोळी-वांभणां-री प. १७६

घीरोळी-भाटां-री प १७६

घीसळू प २३५

वेकरियो प ४१

वेघम प २६, ३७, ४४, ४६,
६२, ६३, ६४, ६५,
६६, २८०

वेघू प. ५३

वेठवास दू. १६१

वेडच प ३३, ३५

वेणातो ती २३१

वेरसलपुर दू. ११७, ११८, १२१, १२६,
१२८, १३०, १३५

॥ ती ३७

वेरागर दू ३८

वेराट प. ३३२

घोपारी दू १४७

व्याघर राणारी प ३८

व्रमसर दू ३६

व्रमाण प. १७५

व्रहमाण प १४६

व्रहानपुर प ३१६, ३२१ दे० बुरहानपुर।

व्राहनपुर प ७७ दे० बुरहानपुर।

श

शत्रुजय दे० सेत्रूजो।

शाहपुरा प ३२४

शिखरगढ दे० सिखरगढ।

शिवपट्टन प. २१३

शेखावाटी दे० सेखावाटी।

शेखासर दे० सेखासर ।

श्री महादेवजी सारणेसरजी रा गांवा

रो पथग प. १७३, १७८

श्रीमोर-परगनो ती. १५५

स

सतपुरो प. १७४

सभर प. २५०

सकतीपुर प. २३१

सकर प. १७६

सकराणो प. २१३, २१६, २१७, २१९

सजडाऊ दू. ४

सझाणो (सझाडो) प. २४०

सतापुर प. १७७

सतारो ती. १८१

सतावतां-रो-वास दू. १७९

सतिआहो दू. १४२

सतिहाहो दू. १२

सतोही दू. ७९

सथाणो प. २८२, २८३

सपतदीप प. १७, १९०

सपत पताळ प. १९२

सपहर दू. ४

समदडी प. २८, २३३

समदडो दू. ३२

समावळी प. २३३, २४१

„ दू. १६४

समियाणो दे० सिषाणो ।

समोचो प. ४१

समूझो प. १६४

समेळ प. ३८, २०७

समोगढ ती. १९२

समोगर दे० समोगढ ।

सरऊपर दू. ११६

सरकसर दू. ६७

सरणुओ प. १८१, १८८, १८९

सरतावडो दू. १६२

सरेचो प. २७

सरोतरा प. १४६

सलखावासी दू. २८०, २८१

सलास प. १६८

सलूबर प. ३६, ३८, ३९, ४३,
६८, ६६

सधराडु दू. १६९

सवाळल दे० स्वाळल ।

साकरगढ प. २७९

सांखली दू. ३१

सांखू ती. २२४

सांगण दू. ६ ३९

सांगवाडो प. १७४

सागानेर प. ३११, ३३१

सांगोव प. ११४

सांचोर दे० साचोर ।

सांजीत दू. ३९

सांडवो ती. २३२

सांडूडो प. १७५

सांणपुर प. १७६

सांतरवाडो प. १७६

सातळपुर दू. सातळपुर ।

सांघाणो प. २४८

सांवो प. ३४६

सांभर प. ५, १००, ११९, २५०,
३०६

„ दू. ५६, २६६

सामई दू. २१५, २३६, २३७, २३८

सामरलो दू. १८३

सामळवाडो प. १७८

सांमूजो प. २४०

सांवडाऊ दू. १७९

सावत-कूषो दू. १६९, १७१, १८१, १८६

सांवतसी-रो-गांव दू. ४

सांवरलो दू. १८२

सांवळतो दू. १९३

साकवडो प. १७९

साघोर प १७८, २२७, २२८, २२९,
२३०, २३२, २३४, २३६,
२४२, २४४, २४८

साठ मडाहड प १७३
साठ-रो-पयग प १७५
सातळपुर हू २१४, २५३
सातळमेर ती ११४, २२०
सातवाडो प. १७८
सातसेण प. १७६
सायाणो हू १६०
सादडी प. ५, ५३, ५६, ४१,
४३, ४६, ५३, ६१,
६२, ६३

सादडी-भालांवाळी प. ५
सादियाहेडो प १०२
सापली हू ४, १३
सापो प २४१
साबो प ३४६, ३५२
सायरो प ४२
सारगपुर प २५२
सारगरो प. ४३
सारण प ३८
सारणेसर प १७३, १७८
सारसी हू २४२
साळ प १७७
सालेर-मालेर प ३३२
साळोडो प ५३, ५४
सावड प ८, ४७
सावडो हू २, ३१, ८१
साघर प १२२
सावरीज हू १२५, १६५
साहडा प. ६६
साहपुरो प ३२४
,, ती २१७
साहरियाणो प २३७
साहळषो हू ३२

साहिजिहानावाद प. ५३
साहिजिहानावाद-कणवीर परगनो प. ५३
साहिजिहानावाद-कपासण परगनो प. ५३
साहिलगढ ती. १७३
साहेलो हू १४८
साहोर ती. २३०
सिंघलवीप प. ८
सिंघावासणी हू. १८८
सिंघ प. ८, ६०, १८५, २६२
,, हू. - १७, २१, २२, २५,
२६, ३१, ७६, ८१,
८६, ८७, १०६, ११६,
११७, ११८, २१५, २३१,
२३५, २३७, २३८, २६६
,, ती. १७४
सिंघडी हू २३१
सिंधु हू. २४२
सिंधुद्वीप ती. १७८
सिंहस्थली दे० सीहयल ।
सिखरगढ प. ३१८, ३१९
सिणगारी प २०६
सिणली हू. १५०
सिणलो प. २५
सिणवाडो प. १७४
सिणवार ती १७३
सिणहडियो प १२३, १२४
सिद्धपुर प २५६, २७६, २७७
,, हू. २७२
सिंधपुर दे० सिद्धपुर ।
सिंधमुख ती. १४, १५, २३३
सिरगसर ती. २२४
सिरड प. ३५०
सिरडियो हू. १०७
सिरवाज प. १२७
सिरवाड प. ३८
सिरवो हू. ३८

सिरहडू दू. ११४, १२८, १३०, १३४

सिरहडू वडी दू. १३६

सिरांगो प. २३६, २३६

सिरिवाज प. १३१

सिरोहणी प. १७८

सिरोही दे० सीरोही ।

सिध दू. १३, ६६

सिधपुरी प. १८६, १९०

सिधरटो प. १७६

सिवाणची प. १६३

सिवाणी ती. १४

सिर्वाणो प. २८, १६४, १८७, १९३

२०३, २०४, २३३, २३६,

२३८, २३९

„ दू. १२१, १५४, १६१, १७३,

१८२, १८३, १८४, १८५,

१८८, २८४

„ ती. २८, १८४, २१४, २२०,

२७२

सिवाणची पट्टी प. १६३

सिवाना दे० सिर्वाणो ।

सिर्वाणो दे० सिवाणो ।

सींगडियो प. ३६, ४३

सींघाड प. ४२

सींघळावाटी ती. ४१, ४८, १२५

सीकरी प. १६, ३००

„ दू. २६२, २६४

„ ती. २६७

सीकरी-पीळियो खाळ दू. २६२

सीकरी-फतहपुर ती. २६७

सीघणोतो प. १७४

सींभोतरो प. १७६

सीतडहाई प. ३३४

सीतडहाई दू. ६

सीतहळ दू. ४

सीतहळई दू. ८

सीताहर दू. २६१

सीधपुर प. २५६ (दे० सिद्धपुर, सिधपुर)

सीयळा रो (जाभोरो ?) दू. ६

सीरोड प. ४२, ४३

सीरोडी प. १७४, १७६

सीरोडी-ब्रगडा-री प. १७७

सीरोही प. २२, २३, ३७, ३६,

४१, ४२, ४६, ८६,

८८, ९०, १३४, १३५,

१३६, १३८, १३९, १४०,

१४१, १४२, १४५, १४६,

१४७, १४८, १४९, १५०,

१५१, १५३, १५४, १५६,

१५७, १५८, १६०, १६२,

१६८, १६९, १७२, १७३,

१७८, १८०, १८१, १८४,

१८१, १८२, १८५, २४५,

२४६, २७२, २८४

„ दू. १७५, १८६

„ ती. २६, ५६, ६४, ६८,

६९, ७५, ८६, २१५

सीलवनी प. १२७

सीळवो दू. ६७

सीळतो दू. १५१

सीवेर प. १७३

सीसारमो प. ३२

सीसोदो प. १, ८

„ ती. २३६

सीहडाणो दू. ३३

सीहणवाडो प. १७३

सीहणळ प. २८५

„ दू. १६, २५

सीहराणो प. २३७, २४८

सीहवाग ती. १७

सीहवाडो प. २२६

सीहाणो दू. १२३

सीहार दू. १६८
 सीहारो दू. १७३
 सीहो प. १७८
 सीहोर प. २७६, ३३५
 सुआळी प. ६१
 सुईगाव प. १७२, ३६५
 सुगाळियो प. २३६, २३८
 सुणेर प. २६, ४६
 सुरडियो दू. ३२
 सुरताणपुरो प. १७४
 सुरवाणियो प. ३५४
 सुहागपुरो प. ६३, ६४
 सुडळ दू. २६२
 सुम दू. ४५
 सुजेवो-वांभणीको दू. ७६
 सूरजवासणी दू. १५०, १७४
 सूरपुर ती. २१६
 सूरपुरो दू. १८३
 सूरसेन प. २५३
 सूर्राणी दू. १८०, १८८
 सूर्राचव प. २२८, २३१, ३६४, ३६५
 सूर्रासर दू. १११
 सुवो प. ५३
 सुहडलो प. १७६
 सुहतो प. २८३
 सेखपाट दू. २२४
 सेखावाटी ती. २७४
 सेखासर दू. ३, १२, १०६, १०७,
 १४२, १४३,
 सेणो प. २४५, २४६, २४७
 सेत दे० सेतुयध ।
 सेतरावो ती. ७
 सेतुबंध प. ६
 „ दू. ३८
 सेतोराई दू. ११
 सेत्रूजो प. २७६, ३३५

सेपटावास दू. १६८
 सेरडो ती. २३
 सेराणो दू. १४८
 सेरुवो प. १७५
 सेलाघट दू. ५
 सेलो ती. २३२
 सेवत्री प. २८५
 सेवका ती. ६१
 सेवडो दू. १२७, १३४, १३५
 सेवना प. ६४
 सेवाडी प. ३८, ४१
 सेवा सांखला रो गांव दू. २६१
 सेसू-त्रिवाडियां-री प. १८०
 सेहुरो प. १७७
 सैभर प. ५ दे० सांभर ।
 संणी प. २०४
 संबरा प. ३७
 संसभारिजो प. ४७
 सोआऊ दू. १०४
 सोजत दे० सोभत ।
 सोजेरो दू. ३६
 सोजेवो दू. ४३
 सोभत प. २३, २५, ३७, ५१,
 ११४, २३३, २४१, ३६१
 „ दू. ८४, ८६, १४७, १४८,
 १६१, १६३, १६४, १६५,
 १६६, १७७, १७८, १८१,
 १८३, १८७, १८८, ३१३,
 ३३१, ३३६
 „ ती. ८१, ८२, ८३, ८४,
 ८५, ८६, ८७, ८८,
 १२३, २१५
 सोभेवो दू. ४
 सोनगिर (जालोर) प. १८७, २३१
 सोनाणी प. १७६
 सोनागर दे० सोनगिर ।

सोनेही प. २०६
 सोमईयो प. ३३५
 सोमनाथ प. ३३५
 सोमनाथ-पट्टन प. २१३
 सोयलो दू. १७१
 सोरठ प. ८, २२, १४६, २१३,
 २१५, २७१, ३३५
 „ दू. १६, २५, २६, ६४,
 १६८, २०३, २०५, २२०,
 २४२, २६६
 „ ती. २२०
 सोळकियां-रो-उतन (पथग) प. १७३
 सोळकियां घाळो दू. १३६
 सोळसभा प. १७५
 सोलावास प. १७६
 सोळियाई दू. ६
 सोलोई प. १७८
 सोवाणियो दू. १२४
 सोहडापुर प. १७६
 सोहलवाडो प. १७५
 सोराष्ट्र दे० सोरठ ।
 सोरो प. २१४
 स्याणो प. १४६
 स्यालकोट प. ३००
 स्वर्णगिरि (जालोर) दे० सोनगिर
 स्वाळल प. १८५, ३२४

ह

हस वाहळो प. २६
 हसार दे हांसार ।
 हट हटांरो दू. ३३
 हडफो दू. १२३
 हडवो दू. ६६
 हडेल दू. ४
 हणवतियो प. १७५
 हणात्रो प. १७५
 हयणापुर दू. २४२

हयणापुर ती. १७४
 हयूडियो दू. १६१
 हवां-रो-वास दू. ३६
 हमोरपुर प. ५३, १७५
 हरढाणो प. २३६
 हरदेसर ती. २३२
 हरभमजाळ प. ३५०
 हरमूसर प. ३४७
 हरमाडो प. ६०
 हरवाडो ती. १०१
 हरवार प. ६६
 हरसोर प. १२२
 हरीगढ प. ११६
 हळदी-री-घाटी प. २०८
 हळवद दू. २१४, २४५, २४६, २४८,
 २५०, २५३, २५४, २५५,
 २५६, २५८, २५९, २६०,
 २६१, २६२
 „ ती. २२०
 हळोव दे. हळवद ।
 हळोव दे. हळवद ।
 हळदी-घाटी दे. हळदी-री-घाटी ।
 हवेली-मोकीली परगनी प. ५२
 हवेली-रा-गांव प. ४५
 हस्तिनापुर दे. हयणापुर
 हांसार ती. २१, २२, २७३, २७४
 हांसी प. २७३
 हाडोती प. ४७, ११६, २०२
 „ दू. २६२
 „ ती. २६८, २६९
 हाथळ प. १७६
 हापासर दू. ११, ११०, १११, १२८,
 १२१, १२४, १२५
 हाबुर दू. ४
 हारांणी-खेडो ती. १५
 हातार दू. २२१

हाळीवाडो प. १७६

हिंडुत्यान प. १६२, २१७, २१९, २८६

„ द्व. १५, ३३१

„ ती १६, १७२, १९२

हिसार दे. हासार ।

हिरणांसो प. १०६

हिरमजगढ ती. १७४

हिसार दे. हासार ।

हींगोळा-री-वासणी द्व. १८८

हीडोळो प. १०९, ११७

हीरादेसर प. २३५, २३९, २४०

„ द्व. १६६

हुरड-वाहण द्व. २०

हुरमझ द्व. २३९

हुरगोरी प. २८३

हूण प. २३३

हैकल द्व. ४

हेठासाटी प. १७७

२. भौगोलिक नामावली

[२] पर्वत जलाशयादि नामावली

[नामों को ढूंढ निकालने की सुविधा के लिये राजस्थानी भाषा के कुछ शब्दों के अर्थ]

| | | | |
|--------|---|--------|--|
| अरहट | - रहेंट । | तळाई | - छोटा तालाव |
| आडावळो | - अरवली पर्वत । | तळाव | - तालाव । |
| उनाव | - १. जलाशय । २. नीची भूमि । | तळो | - कुँआ । |
| कुवो | - कुँआ । | ब्रह | - १. पानी से भरा रहने वाला गहरा और बड़ा खड्डा । २. बिना वधा हुआ कुँआ । |
| कूओ | - कुँआ । | नळो | - पर्वत । |
| कोहर | - कुँआ । | नाळ | - घाटी । पहाड़ी मार्ग । |
| खाभ | - १. तलहटी । २. पहाड़ी ढलाव । ३. पहाड़ का भीतर घुसा हुआ भाग । | नाळो | - नाला । |
| गिर | - गिरि । पर्वत । | पार | - १. कुँआ । २. छोटा तालाव । ३. गाँव । |
| घाटावळ | - १. बड़ी घाटी । २. बिकट पहाड़ का बड़ा मार्ग । ३. एक ही जगह के लिये एक से अधिक पहाड़ी मार्ग । | भाखर | - पर्वत । |
| घाटी | - पहाड़ी मार्ग । | भाखरी | - पहाड़ी । |
| घाटो | - बड़ी घाटी । | मगरी | - पहाड़ी । |
| जाळ | - पोलू वृक्ष । | मगरो | - पर्वत । |
| आलरो | - चारों ओर सीढ़ियों वाला कुँआ अथवा बड़ा कुड । | बळो | - पर्वत । |
| दूक | - शिखर । | वाय | - घापी । वावली । |
| टोभो | - १. छोटा तालाव । २. बड़ा कुँआ । | वावडी | - घापी । वावली । |
| डूगर | - पर्वत | वाहळो | - नाला । |
| डूगरी | - पहाड़ी | वेरो | - कुँआ । |
| | | समंद | - १. तालाव । २. भील । |
| | | समुद्र | - १. तालाव । २. भील । |
| | | सर | - १. तालाव । २. कुँआ । |
| | | सागर | - १. तालाव । २. भील । |

पर्वत-जलाशयादि नामानुक्रमणिका

अ

अवली रो टूक प. ६६
अखा वेरो (कूप) ती १३४
अचलांणी तळाई दू. १३५, १४२
अटक दू १६८
अनतसी-री-डूंगरी प १४
अनळकुड-आवू प १३४, ३३६
अमजमाळ-रो-माखर प. ४०
अरवण-रा-मगरो प ४४
अरावली पर्वत प. ११३
अवाह (कूप) दू. १४२

आ

आबाव-रा-माखर प २७७
आकळी (कूप) दू १४२
आढोवळी प ३४०
आढोवळी ती १४०
आवू पर्वत प १३४, १३५, १४१, १४४,
१५१, १७३, १७७, १८०,
१८१, १८२, १८३, १८४,
३३६
आवड-सावड-रा-मगरो प ३६
आसल समुद्र (तालाव) प २०२
आहोरगढ-रा-मगरो प. ४२

इ

इरावती नदी ती ७०

ई

ईसवाळ-रो-मगरो प ४१

उ

उदमागर (तळाव) प. २१, ३४, ३५,
४३, ४५, ४८
उदसागर-रो-नाळो प. ४५

उनाव दू. ५

क

कणियागिर (पर्वत) प १८७
कनकगिरि (,) प १८७
कपूरदेसर तळाव दू. ३५, ३६
कनड-रा-पहाड ती २७६
कानडिया-री-तळाई दू. १३५
कांमां पहाडी प ३१८
काक नदी दू. ४
काका वेरो दू ३२
काळीभर मगरो प. ३६४
काळो डूंगर दू ४, १३, २७
" " ती. १५३, १५४
किडांणी कोहर दू. ११३, १३६
कुभळमेर-रो-घाटो ती. ४७
कुभळमेर-रो मगरो प ३५, ४१
कुहाडियो नळो प. ४२
कूपासर (कोहर) दू १३६
केरडू मगरो ती ११०
केवडा-री-नाळ प ३५
कैर डूंगर दू १३१, १४४
कैर-डूंगर-वाहळो दू १४४
कैलास पर्वत प ८
कोढणी-री-डूंगरी ती. १५४
कोढण रो तळाव ती २६१
कोनरो-भास नाळो प. ४१
कोर डूंगर दू ३
कोलर रो तळाव दू ३३०
कोळियासर (कोहर) दू १३६
कोहर वलू रो प २२७

ख

खमण-रो-मगरो प. ४१

खमणोर-रो-घाटो प ३५
खादू रो भाखरी प. २५१
खारी नदी प. ४७
खीचियां घाळो कोहर दू १४२
खीरवो तळाव दू. १४३
खुडिये-रो-उनाव तो १६
खेतपाळ रो टोभो दू. १३५
खेतू री तळाई दू. १४२

ग

गंगा नदी प १३२, ३३२
गंगाजी दू. २०२
गंगादास री-सादडी-रा-मगरा प. ४३, ४६
गंगारडो तळाव तो, ११८
गढ आहोर-रो-मगरो प ४२
गणेशजी की पहाडी
दे० विनायक री डूंगरी
गांगडी नदी प ८७
गागा-री-बाघडी ती २१५
गांगेळाव तळाव ती २१५
गिरनार पर्वत प. २२
" " दू. १, २०२, २०४,
२०५, २०६, २४०

गिरराजसर कोहर दू १३६
गिरवा-रा-भाखर प. ३६, ४१, ६१, ६२
गिरसोन दे० सोनगिरि ।
गीर्वाणी तळाव प २५३
गीधळो कोहर दू १४२
गुडवाण-रो-भाखर प ११३, ११५
गुलाव सागर ती २१३
गूजवो कोहर ती ७७
गैहलोतां घाळो कोहर दू १३५
गोगलीसर कोहर दू. १३५
गोदावरी नदी प १२२
गोधणली तळाई दू १३५
गोपाळी तळाई दू. १३४
गोमती नदी दू. २६८

गोयांणो भाखर ती. २५६
गोरहर (जैसलमेर दुर्ग) दू. १२६
गोलीराव तळाव प. २६३

घ

घडूसीसर तळाव दू. ७३
" " ती. ३६
घांणरा-रो-घाटो प. ३६
घासार-रो-मगरो प ४१, ४७
घासेर-रो-मगरो दे० घांसार-रो-मगरो ।
घाटो ती. ४७
घूघरोट रा पहाड दू. २६०, २६१, २६४
" " ती १०१, १०२, १२८

च

चंद्रभागा नदी ती. ७०
चद्राव-भाटी री तळाई दू. १३४
चवल नदी दे० चांवळ नदी ।
चरला-री-डूंगरी ती. १५४
चहुषाण तेजसी-री-वाय प. २२७
चांवळ नदी प. ४५, ४७, ११४, ११६
" " दू १७३
चाडी कोहर दू १४२
चारण घाळो कोहर दू १३५
चावंड-रा-मगरा प. ३५
चावडा-रा-मगरा प. ५७
चित्रकूट (पर्वत) प ८
चित्रकोट (") प ८
चिनाव नदी ती. ७०
चिमर-री-डूंगरी ती १५४
चोरवा-रो-घाटो प. ४४
चेवळो भाखर प. १५६

छ

छपन-बाघडू-रा-मगरा प ४३
छपन-रो-मगरो प ५८
छहोटण-रा-भाखर दू ५
छाळी-पूतळी-रा-मगरा प. ४३, ४७

જ

જગમાલ-રી-તઢાઈ દૂ. ૧૪૨
 જમુના નદી પ. ૧૩૨, ૩૩૨
 જરગા-રો-ભાલર પ. ૪૨, ૪૭, ૧૧૬
 જવળા રી તઢાઈ દૂ ૧૦૬
 જવળી-રી-તઢાઈ દૂ ૧૪૨
 જઘાલ-રા-મગરા પ. ૪૩
 જસૂ લેરો દૂ ૧૩૬
 જાંજાલી નદી પ. ૬૪
 જાલમ નદી પ ૬૪
 જાહ્નવી તી ૨૦૬
 જાવર-રી-લાંળ, રૂપા રી પ. ૩૫
 જાવર રી-નાલ પ ૩૫, ૪૩
 જીલવાડા-રો-ઘાટો પ, ૩૬
 જૂજલ-રો-લેરો દૂ. ૨૬૧
 જુહી નદી પ ૪૧
 જેઠાળી તઢાઈ દૂ ૧૪૩
 જેઠાળી નદી દૂ ૨૬૦
 જેસલૂ લેરો દૂ ૩૫
 જેતા-રી તઢાઈ દૂ ૧૩૪
 જોગી-રો તઢાલ પ. ૩૪૭
 „ „ દૂ ૧૧૩

ઞ

ઞડોલ-રા-મગરા પ. ૪૨
 ઞાસ નાલો-કોનરો પ ૪૧
 ઞાડોલી-રા-મગરા પ. ૪૬
 ઞેનમ નદી તી ૭૦
 ઞોટેલાલ તઢાલ તી. ૨૫૨, ૨૫૩

ટ

ટનરાલટી-રા મગરા પ ૪૨, ૪૬
 ટાલરિયાલાલો કોહર દૂ. ૧૩૫

ડ

ડૂગરસર તઢાલ દૂ ૧૦૮

ઢ

ઢમ નદી પ ૩૧
 ઢાકસરી-રો-કોહર પ. ૩૪૭

ત

તળૂમર તઢાલ દૂ ૨૭
 તિલાળી તઢાઈ દૂ. ૧૩૪
 તેજસી-રી લાય પ. ૨૨૭
 તેલાઝ કોહર (લીજો) દૂ. ૧૪૨
 ત્રિકુટ દૂ ૨૪૨

દ

દલપત ભાટી લાલો લાલડી દૂ ૧૩૬
 લલોલ-કલોલ-રા-મગરા પ. ૪૩, ૪૭
 લહવારી-રી ઘાટી પ. ૩૫
 લેરાળી તઢાઈ દૂ. ૧૪૩
 લેરાળી નદી દૂ. ૨૬૦
 લેવરાલસર તઢાલ દૂ ૨૭
 લેવરાસર તઢાલ દૂ. ૩૨
 લેલહર-રા-મગરા પ. ૪૩
 લેલાલ-રો-તઢાલ લૂ. ૧૬, ૧૧૩
 લેલજી-રી-ડૂગરી તી. ૧૫૪
 લેલીલાસ-રી-તઢાઈ દૂ ૧૪૨

ધ

ધલઢાગિર પ ૧૮
 ધાર-રો-પહાડ પ. ૪૩
 ધારા-રી-તઢાઈ લૂ. ૧૦૬, ૧૪૩

ન

નગરાલસર (કોહર) લૂ ૧૩૬
 નરસિંઘ લાલો કોહર લૂ. ૧૪૨
 નરાસર તઢાલ તી. ૧૧૩
 નાંલહો કોહર લૂ ૧૪૨
 નાગનલ નદી લૂ ૨૨૦
 નાલળો કોહર લૂ ૧૪૨
 નાલા-રો કોહર લૂ ૧૩૬
 નારળસર કોહર લૂ ૧૩૫
 નાલ ભાલર પ ૩૫
 નાહેસર-રા-માગરા પ. ૪૨, ૪૬
 નોંલલિલો તઢાલ લૂ. ૧૪૩
 નોંલલી તઢાઈ લૂ. ૧૩૫, ૧૩૭

प

पच्च नव ती. ६७, ७०
 पर्ई-मथारा-रा-मगरा प. ४३
 पर्ई-रा-डूंगर प. १६
 „ डू. ३३८
 „ ती. १
 पगघोई नदी प. ४५
 पठार प ४४
 पदमसर तालाव ती. २१५
 पद्रोलाई तलाई प ३४८
 पनोता रो घाहलो डू. ३३०
 पनोर रा-मगरा प. ४३, ४६
 पहियड (पवंत) ती. १३६, १३७
 पही रो डूंगर दे० पर्ई-रा-डूंगर ।
 पार डू. १३६, १३७
 पार नदी प. ११७
 पींडर भांप-रो-मगरो प. ४१
 पीछोतो तलाव प. ३२, ३३, ३४, ४३
 „ „ ती. १२
 पीथासर (कोहर) डू. १३६
 पीपलहडी-रा-मगरा प. ४३
 पुढण नदी प. ११७
 पूनादे-रो-तलाई डू. १३५
 पीकरण रो घाहलो डू. ५३
 प्रोहितवालो कोहर डू. १३५
 प्

बलससागर ती. २१३
 बनास नदी प. ४०, ४१, ४७
 बरडो डूंगर डू. २२०, २२६
 बलू-रो-कोहर प. २२७
 बह तलाई डू. १३४
 बहवनसर तलाव प ३३३
 बांभणीवालो सर डू. १३७
 बांभणी नदी प. ४५
 बारबरडा-रा-मगरा प. ४३
 बालसीसर (तालाव) ती. २५७, २५६

बिब सरोवर प. २७७
 बीबासर तलाव प. १२४
 बीलेसर डूंगर डू. २२६
 बैराई रा-ब्रह ती. ६०
 बाहणी दे० बांभणी नदी ।

भ

भडलो कोहर डू. १४२
 भयरी तलाई डू. १३४
 भरोसर (कोहर) डू. १३७
 भाखर नाळ प. ३५
 भागीरथी ती. २०६
 भाडेर-रा-मगरा प. ४२, ४३, ४६
 भावर नदी प. २७१
 भारमलसर कोहर डू. १३५
 भीदासर कोहर डू. १३५
 भैरवी घाटो प. ६६
 भैसे सिरा-री-डूंगरी ती. १५४
 भोजासर तलाव डू. १०६
 भोरड रो-पहाड प. ४०

म

मंडलप तलाव डू. ४१ ४२
 मवाकिनी ती. २०६
 मछावलो मगरो प. ४०, ४१, ४२
 महिराजांणो तलाव प. ३४७
 महिला बाग रो झालरो ती. २१३
 मही नदी प. ६७, ८६, ८७, ८८, १२०
 मांगणी-रो-तलो डू. २६१
 माडाळ तलाई डू. १३५
 माडावो घरहुट ती. ८४
 मांणच-रा-मगरा प. ४३
 मांणल-वेवाइत-रो-तलाव डू. १६
 मांनपुरे-रो-घाटो प. ३६, ३८
 मांसा कुंड प. ५१
 माछला-रो-मगरो प. ३२, ३३
 मोठडियो वेरो डू. १४२

मुहार रं खसीण-रो-उनाव दू. ५
मेर (पर्वत) प. १६२, २२६
" " दू. ५३
मेरगिर दू. १४, ५२
मेर-सिखर दू. ५२
मेरा-रो-तळाई दू. १४३
मेर वे० मेर । मेरगिर ।
मेळ-रो-तळाई दू. १४२
मेवल-रा-मगरा प. ४३

र

रांगा-रो-तळाई दू. ११२, १४२
रांगाहळ तळाव दू. १३४
रांजीवाळो तळाव दू. १३४
रांणोळाव तळाव प. १२४
राजवाई-रो-तळाई दू. ७२, ७५, ८५
राठासण-रो-मगरा प. ४४
रायमल वाळो तळाव दू. ६६
राव बलू-रो-कोहर प. २२६
राव-रो-तळाव दू. १२६, १४२
रावी नदी ती. ७०
राहग-रो-मगरा प. ४१, ४२
रुदियो कुवो प. २३८
रेयां री डूंगरी ती. ६५

ल

लखी जंगळ दू. १६
लालाहोळी (पहाड) प. ४३
लाखेळाव तळाव प. १३६
लाठीहर दू. २६१
लायां री मगरा दू. ३२७
लीकणो येरो दू. १४२
लूमासर तळाव प. ३४७
लुङ्गी-रामसर तळाई दू. १३६
लूणी नदी प. २८, २२८, ३३३
" " दू. १३०, २८४, २८५
" " ती. १४७

लूनी नदी । वे० लूणी नदी ।

लोहडी तळाई दू. १३४, १४१

व

वडगिर (जैसलमेर का पर्वत शीर किला)

दू. ६३

वडाणी तळाव दू. ८५
वरजांग-तळाई दू. १३४
वरजांगसर तळाव दू. १६०
वर नदी प. ४१
वरवाडो मगरा प. ४१, ४७
वळो (आडावळो) प. ११३
वसी-रा-मगरा प. ६६
वासोर डूंगरयां दू. ३२६
वाखळवाळो तळाई दू. १३५
वाघोर-री-खांभ प. ४०
वालसीसर तळाव ती. २५६
वावडी तळाई दलपत री दू. १३४
विजैरावसर तळाव दू. २७
वितस्या नदी ती. ७०
विनायक-री-डूंगरी ती. १५४
विपासा नदी ती. ७०
वीटळीगळ ती. ६५
वीका सोळकी-रो-तळाव दू. १३५
वीर समंद प. १३१
वेकरिया-रो-घाटो प. ४१
वेडव नदी प. ३३, ३५
वेत नदी ती. २४१
व्यास नदी ती. ७०
वैगण तळाव दू. १४३
वेरोलाई तळाव दू. १४३

श

शतदू नदी ती. ७०

स

संतन-रो-वावडी ती. १५७
सजन-रो-गिडी प. १६३

सतलज नदी ती. ७०

सरणउओ भाखर प. ४१, १३५, १८१,

१८८

सरणुवी दे० सरणउओ भाखर ।

सरस्वती नदी प. २७६

„ „ दू. ३, २६६

„ „ ती. २६

सहस्रलिंग तळाव दू. ३३

साढीको-कोहर दू. २८६

सायर-रो-घाटी प. ३६

सारण घाटावळ प. ३८

सालेर-री-डूंगरी ती. १५४

साहवा-रो-तळाव ती २१

सिख नदी (हाडोती) प. १३३, ११५,

११६

सिधु दू. २४२

सिधु नदी ती. ७०

सिरहड तळाई दू. १३४

सिरहड लोहडी दू. १३४

सिरहड वडी दू. १३५

सींगडियो भाखर प. ४३

सीताहर दू. २६१

सीप नदी दू. २१८

सीरोङ-रा-मगरी प. ४३

सीसरवा-रो-मगरी प. ३३

सुघो भाखर प. २०३, २०४

सूर सागर प. ११३

सेखासर तळाव दू. १४२, १४३

सीनगिरी प. १८७, २३१

सीनागर दे० सीनगिरि ।

सीम नदी प. ३८, ८६

सीळकियावाळो कोहर दू. १३६

सीहांण-रो-भाखर दू. ३५

स्याम नदी प. ८७, ८८

स्वर्णगिरि दे० सीनगिरि ।

ह

हरख तळाई दू. १३४

हरभम जाळ प. ३५०

हरभूसर तळाव प. ३४७

हरराज-री-लोहडी (तसाई) दू. १३४

हळवी-री-घाटी प. २०८

हल्वी घाटी दे० हळवी-री-घाटी ।

हिमालय प. ६, १८, २७८

„ दू. २०४

हेम दे० हिमालय ।

हेमराजसर कोहर दू. १२, १४०, १४२

३. सांस्कृतिक नामावली

[१] ग्रंथ, संस्था, कर, मापादि नामावली

[ग्रंथ, संस्था, कर, मुद्रा, नाप, माप, तोल, उत्सव सामाजिक-प्रथाएँ इत्यादि के नाम]

अ

अगारां-लाग (वाह-संस्कार) दू. २४६
 अचड़ा-घोल दू. २६
 अजित ग्रन्थ ती. २१३
 अजितोदय (ग्रन्थ) ती. २१३
 अणहलवाड़ा-पाटणरी-बात (ग्रन्थ) ती. ४६,
 ५०, ५२
 अनुभव प्रकाश (ग्रन्थ) ती. २१४
 अनूप संस्कृत लाइब्रेरी बीकानेर (संस्था)
 दू. ३१०
 अनूप संस्कृत लाइब्रेरी, बीकानेर (संस्था)
 ती. २८, ५१, ५२, १७६, १७७,
 २०७, २०८
 अपरोक्ष सिद्धान्त (ग्रन्थ) ती. २१४
 अमर-काँचली ती. ६६
 अमल (अमल-पांणी) प. १३४
 " " दू. २५१
 अमल (अमल-पांणी) ती. ६२, १३४,
 १६३, २५७, २८१
 अमल-रो-पोतो ती. २६०, २६१, २६२
 अमृत ती. ६
 अराबो दू. २३
 अलफला की पंड़ी (ग्रन्थ) ती. २७५
 अश्वमेध प. २३०
 असत घात दू. ५१

आ

आकाश गंगा दे० कवारमग ।
 आखड़ी प. ४६
 आलाहो (नृत्य सभा) प. २७४

आलाहो (नृत्य सभा) दू. ३७
 आनंद विलास (ग्रन्थ) ती. २१४
 आयुष्मान् ती. ४६
 आरती ती. ४६, १४२, १४३, १४४
 आसण (स्थान) ती. १०७, १०८

इ

इंद्र दिशा (वि.वि.) प. १२८
 इक-थभियो महल ती. २१३

उ

उत्पादन-शुल्क दू. २५८

ऊ

ऊनाली हंसो (कर) प. ३६
 ऊनाली-हंसो (कर) दू. ८

औ

औहलरो (घात) दू. ८

ओ

ओळ प. १८२

क

कंकण-डोरड़ा दे० कांकण-डोरड़ो ।
 कंवल-पूजा प. ३३६
 कंवार-मग (खगोल) दू. ६१
 कवार-सूँखड़ी (कर) ती. ५४
 कच्छ कलाघर (ग्रन्थ) प. २६६
 कच्छ कलाघर (ग्रन्थ) दू. २०६, २१४,
 २३७
 कटारी दू. २६६
 कच्छी पलांण ती. ६७

कपाळीक (तांत्रिक) प. ३२२
 कपूर-वासियो-पांणी दू. ३३
 कबाण दे० कमान
 कमान दू. ६६
 कर प. ६४, ७७, ६४, ११६, १२०, १७३
 कर दू. २१२, २१४, २३८, २५८
 कर ती. ५४,
 करड़ घास दू. ८
 करमुक्त-जागीरी प. २८३
 करमत दू. ४५
 कळजुग प. ३१
 कलियुग दे. कळजुग । कळ
 कळ ती. १८५
 कधार ती सूखड़ी ती. ५४, ५८
 कवि प्रिया (प्रथ) प. १२८
 कस्तूरियो-मिरष (विलासिता की उपाधि)
 दू. ४१
 काकण-डोरडो (काकण-डोरो) प. ७३
 काकण-डोरडो (काकण-डोरो) दू. २६५,
 ३१८
 कांचळी (पुत्री-नेग) दू. २४८
 कांचळी (पुत्री नेग) ती. ६६
 कांटीवाळी लाग (कर) ती. ५४
 काजी नी लाग (कर) ती. ५४
 कान्हडवे प्रबन्ध (ग्रंथ) दू. २०४, २१५
 कान्हडवे प्रबन्ध (ग्रंथ) ती. २६३
 काळबी-ज्वार दू. ५१
 कालर दू. २५
 काष्ट-भक्षण ती. ३३
 किरमाळ दू. १०१, १२६
 कुवर मजरांणी (कर) ती. ५४
 कुंवर-पछेवडो (कर) ती. ५४
 कुंवर-पांसरी (कर) ती. ५४
 कुंवर-मांणी (कर) ती. ५४
 कुंवर सूखड़ी (कर) ती ५४
 कुतबस्याही नांणी (मुद्रा) ती. ५३

कूतो दू० ५
 कृत (मृतक संस्कार) दू. २७१
 कृषि-कर दू. २६०
 कृष्ण स्तुति (ग्रंथ) ती २०६
 केसरिया ती. १११
 क्यांमलां रासा ती. २७४
 कधार-मग दू. ६१

ख

खडाऊ ती. ५१
 खमा ती ४६
 खरक कूण (वि. वि.) प. ३३, ३८, ४३
 खालसो प. १७४
 खालसो दू. ४, ७
 खालसो ती. १८, ११५
 खेडा-री-बाघण (आखेट) प. २८४

ग

गगा-स्तुति (ग्रंथ) ती. २०६
 गज-उद्धार (ग्रंथ) ती. २१३
 गाय-दान दू० २६६
 गिरवी ती. ५
 गीवोली री बात (ग्रंथ) दू. २८७
 गुण बूहा (ग्रंथ) ती. २१३
 गुण सागर (ग्रंथ) ती. २१३
 गुरड दू. २५२, २५३
 गुरु प्रार्थना (ग्रंथ) ती. २०६
 गुळ-लाग (कर) दू. ७
 गेहर ती. ८५
 गोडो-वाळणी ती. ६७
 गोत्र-कवंच दू. २६६
 गोहिल-टोळो (स्थान) प ३३५
 ग्रास (कर) प. १४७, ३३५
 ग्रास (कर) ती. ८६, १६७
 ग्रासवेष (कर-कलह) प. ६१, ११२,
 १५४

घ

घणदेवजी-रोटा दू. ३२६

घरवास ती. २८३

घरवासो ती. २३

घूँटी दू. ३१२

घूँघरियां ती. २६४

घोडा-चारण (कर) ती. ५४

च

चंवरी प. १३४, २३२

चवरी दू. २८७, ३१०

चूगी दू. २६०

चेढी (परिमाण) प. ३६४

चोटी-बढियो प. ६८

चौय (कर) प. ६३

चौय (कर) दू. २२१

चौहान कुल कल्पद्रुम (ग्रंथ) प. २२१

छ

छकड़ (मुद्रा) ती. ११२

छतीस-भाख दू. १५

छत्र दू. ५६, ५७, ५८, ८३, २३७

छत्र ती. १७१

छत्र ११०

छाट ती. ११०

छाट घालणी ती ११०

ज

जत्र दू. ५७, २२५

जत्र-बत्तीस दू. २३१

जधर दे. जौहर ।

जलिया दे जेजियो ।

जन्म घुट्टी दू. ३१२

जवाबि जलहर (जलक्रीडा) दू. ४१, ६८

जमहर दे० जौहर ।

जलालशाही-नाणो (मुद्रा) ती. ५३

जलाला (मुद्रा) दे० जलालशाही नाणो ।

जानो ती. ४५, ४७

जान्हवी रा दूहा (ग्रंथ) ती. २०६

जिगन दू. ८३

जिग्य-कुंड प. ११

जुहर दे० जौहर ।

जेजियो (कर) प. ५५

जेजियो (कर) दू. ७

जैन दे० देवता आदि नामावली ।

जोगणी (शकुन) ती. ७१

जौहर प. ३३३

जौहर दू. ५६, ६०, ६१

जौहर ती १७, २५, ३४, ५५

ज्युंहर दे० जौहर ।

ट

टंकसाळ (कर । मुद्रा-निर्माण घर) दू. ८

टको (तोल । कर । मुद्रा) प. ६६, २६२, २८४

टीको (राज्यतिलक । कन्या-नेग) प. ३१, ७३, ७५, १०६, ११०, ११२, १३७, ३५६

टीको (राज्यतिलक । कन्या-नेग) दू. १०६, ११५, १४०, २०५, २१८, ३४२

टीको (राज्यतिलक । कन्या-नेग) ती. ५३, ६८, ७२, ८१, ६५, १०५, ११४, ११५, १२६, १३२, १३३, १३६, १४६, १६१, १८१, १८२, २३८, २७६, २८५

ड

डड (कर । शिक्षा) प. ७७

डड (कर । शिक्षा) दू. ३१, २८२

डड (कर । शिक्षा) ती. १६७, २७१

डांगरजत्र दू. ५८

डाघी-पाघ ती ७०

डोरडो दे० काकण-डोरडो ।

डोळी (दान की भूमि) दू. ३५

ढ

ढव्वासाई पैसा (तोल । मुद्रा) दू. ३१२

ढोर नो चराई (कर) ती. ५४

ढोल (प्राक्रमण-संकेत) दू. ३०२

डोल (आक्रमण-संकेत) ती. १४७, २६२,
२८४

डोल-रो-ढमको प. २२३

डोला-भारक्षण (ग्रंथ) प २८६

त

तकिमो प. ३१८

तर्पण प. १३२

तलार (कर) ती. ५४

तहड़ कूण प ८७

ताबूत दू. ४६, ५०, ५६

ताम्रयुग ती. १७३

ताल (माप) दू. ३२३

तुरकाणी ती. ५३

तेल-घढी ती. ७५

तुलाघट (कर) दू. ७

तोरण-धांदणी ती ४२

तोला दू ३१२

„ ती. १६३

त्याग (दान । इनाम) दू. ३२६ ३२७

थ

थड़ा ती. २१३

थापण ती ५

थाळो लाग (कर) प. १६

द

दहश-रो-फेर प. ७६

दत-दायजो दे० दायजो ।

दयालदास री ह्यात (ग्रंथ) ती. २०६

दळपत विलास (ग्रंथ) ती. २०७

दसरराव उत्त-रा-दूहा (ग्रंथ) ती २०६

दसरावो (दसराहो) (पर्व) प. ६६

दसरावो (दसराहो) (पर्व) दू. २४

दसरावो (दसराहो) ती. ११६

दस्तुरी (कर) ती. ५४

दाण (कर । खेल) प ८४, १५६, १५८,
१७३

दाण (कर । खेल) दू. ७, ४६, ७६, १२६,
३०१

दाण (कर । खेल) ती. ५४

दाणव दू. ५६

दांन प. ३१

दांन दू. १२०, २२३, २३६, २३७, ३२६

दांम (मुद्रा । कर) प. ५२, २२८, २७६,
३३२

दांम (मुद्रा । कर) दू. २६, २५८, २५६,
२७६

दांग (संस्कार) दे० दाह संस्कार ।

दापो (कर) प २३२

दायजो दू ३१०

दायजो ती. ६२, ६६, ७६, १६५ २०२,
२०३, २७२, २७३, २८२

दाळ री लाग (कर) ती. २४०

दाह-संस्कार (अग्नि संस्कार) प. १०८

दाह-संस्कार (अग्नि संस्कार) दू २४६

„ „ „ ती. २६३

दीवाळी (पर्व) प. २, ७३, ६६, २७३

दीवाळी (पर्व) दू ७, २४

दीवाळी-मिलण (कर) दू. ७

डुगांणी (कर । मुद्रा । गणित) दू. ७

डुहाग ती. १०५

डुहागण ती १३६

देवचो दू. ४०

देवताग्र्यो की शाला (मंडोर) ती. २१३

देवाचा दू. ४०, ११६

देसवाळी लोग दू ७, ८

देसोटो दू १७७

दोळवाड कूतो (कर) दू ५

द्वार (युग) ती. १८५

घ

घजवड ती. १६७

घनुष दू ६७

घरम द्वार दू. ६४

घर्म-भाई दू. ५१, ३०३

घारेचो दू. ११५

घारेचो ती. ५७

न

नगारा-नोसाण प. ३४०

नगारो (आक्रमण-संकेत) प. १५२

नगारो (, ,) दू. ३४, २४४,
२४५, २४६, २४७

नगारो (आक्रमण संकेत) ती. १३२, १४३,
२७६, २८४

नवकुळ नाग दू. २५२

नाव दू. २४

नारेळ-वे० नाळेर ।

नाळ (अस्त्र) दू. २३

नाळवंधो (कर) प. ६६

नाळेर (वाग्दान-संस्कार) प. ७३, २८६,
३४५

नाळेर (वाग्दान-संस्कार) दू. २६६, २६२,
३२४, ३३४

नाळेर (वाग्दान-संस्कार) ती. ४१, ७२,
१०४, १४१, १६५

निवाज (नमाज) दू. ६७

नोसाण प. ३४०

नोसाण प. दू. ५६, ५७, २४२

नेग दू. ७२, ३२६, ३२७

नेगी दू. ७२

नैगसीरी ख्यात ती. १७४, २०६, २०८,
२६४

न्याळा ती. १०८

न्योछावर दू. ३२७

प

पक्ष देवळियां ती. २१३

पंघ प्रवर ती. १७५

पचाप कूण (वि वि) प. ३६

पईसो (मुद्रा । तोल) प. ७७

पईसो (मुद्रा । तोन) दू. २७, २६, ७२,
१०५, २५८, २८२, ३०१, ३११,
६१२

पईसो (मुद्रा । तोल) ती. १६३

पटू ती. २६६, २६६

परवाणो दू. ५६

परवाह (दान । नेग) दू. ३२५, ३२७

पळी (माप । सफेद वाल) दू. ५५, ३११,
३१२

पळो (माप) दू. १५४

पसाइता प. २२८

पाखड (स्थान) ती. २

पाघडी-बरोड (कर) ती. ५४

पाट प. ५, १३, १६, १६, १८६, १८८,
१८६, २०५, ३११

पाट दू. १०८

पाट ती. १६१

पायाळ प. २७८

पावडी ती० ५१

पितराई दू. २२२

पिरोजशाही-सिक्का (मुद्रा) प. १६२

पिरोजशाही-सिक्का (मुद्रा) दू. ८

पीडर-भाप (तंत्र) प. ४१

पीरोजी (मुद्रा) वे० पिरोजशाही-सिक्का ।

पुरस (पुरसो) (नाप) प. २२७

पुरस (पुरसो) (नाप) दू. ११३, १३४,
१३६, १४२, २८६

पुराण (धर्म शास्त्र) प. २३०

पुरातत्व विभाग, राजस्थान (संस्था)
ती. १७३

पुरुष वे० पुरस ।

पूंखणो ती. ४६

पूंछी (कर) ती. ५४

पेरोजी (मुद्रा) वे० पिरोजशाही सिक्का ।

पेशकशी (कर) प. १४०

पेशकशी (कर) दू. ७, १०५

पेशकस (कर) वे. पेशकशी ।

पेशकशी वे. पेशकशी ।

पंसा वे० पईसो ।

पोतो भ्रमल रो ती. २६०, २६१, २६२

प्रेम बीपिका (ग्रंथ) ती. २०६

फ

फदियो (मुद्रा) दू. ३१५
 फदियो (मुद्रा) ती. ४५, २६०
 फुरमान दू. ५६, १०५
 फेरा दू. २७७
 फेरा ती. ७५

ब

बरछो ती. १६७
 बल (कर) ती. ५४
 बलि ती. १७
 बहत्तर उमराव ती. ५३
 बांकीदास की बात (ग्रंथ) ती. २६६
 बांण दू. ४८
 बाजरियो ती. २६०
 बापीका दू. २२१
 बाब (कर) दू. ७, ८.
 बाम्बे गंजेटियर (ग्रंथ) दू. २६६
 बीहो दू. ६६, ७०, २३१, २६१
 बुद्धिसागर (ग्रंथ) ती. २७५
 ब्रह्मंड वीस दू. १६२.
 ब्रह्मवाचा दू. २१

भ

भगवद् गोमंडल कोश (ग्रंथ) प.
 भद्रजाती दू. ६५
 भरहेर कूण (वि. दि.) प. ३४
 भागीरथी रा वूहा (ग्रंथ) ती. २०६
 भांवर (भांवरी) दू. २७७
 भांवर (भांवरी) ती. ७५
 भाषा-भूषण (ग्रंथ) ती. २१४
 भुंवर ढोल (वाद्य) ती. ७
 भूमिया-वंट दे० भोमिया-वंट ।
 भेट (कर) ती. ५४
 भेर (वाद्य) दू. ४८, ५७
 भेरी (वाद्य) दू. ४८
 भोग (कर) प. ३६, २५६
 भोग (कर) दू. ५, ६, ८, २०६

भोम (कर) ती. ५४
 भोमियाचारो प. ३३५
 भोमिया-वट प. २८३, २८४

म

मगल-कलश ती. ४३, ४६
 मंगलीक (कर । कर-मुवित) दू. ७
 मदाकिनी रा वूहा (ग्रंथ) ती. २०६
 मऊ-बुष्काल (पीडित प्रजा) दू. ३२०
 मकर सकांति (पर्व) दू. ३२
 मण (माप, तोल) प. १६२
 मण (माप, तोल) दू. ५, ७, ८, ११४
 मदनभेर (वाद्य) ती. ५३
 मलबो-लाग (कर) ती. ५४
 मलूक (जल-क्रीडा) दू. ४१
 मल्लेछ दू. ५६
 महमूवी (मुद्रा) दू. २१२, २३८, २५४
 महसूल (कर) दू. १२७
 महापसाव दू. २३७
 महाभारत (धर्म-ग्रंथ) दू. ३
 महिला-बाग ती. २१३
 मांगलिक सूत्र दू. २६५
 मांढी ती. ४५, ४७
 माणो (माप) दू. २८
 मानसी सेवा प. २८६
 मांसा कुड प. ५१
 मांसा वड प. ५१
 मातलोक प. २७८
 माध्यंदिनी शाखा ती. १७५
 माफी (कर-मुवित) प. २२८
 मारुषां-विरुव प. ३३५
 मालकोट ती. २१५
 मालगुजारी (कर) दू. ३०१
 माषळियाई भाई दू. १६२
 मुकाती दू. २१६
 मुकातो (कर) प. ७४
 मुद्रा प. १८४, १८५

मुद्रा हू २१०

मुद्रा ती. २४

मुंहका-वेरो ती. ५४

मूळ, मूळो (आखेट-मच) प १०७, १०८

मृत्युलोक प २७८

मेखळी हू २४

मेघाडंबर हू. ५६

मोभ (कर) ती. ५४

मोहर (स्वर्ण-मुद्रा) प २५४, २५५

मोहर (स्वर्ण-मुद्रा) ती. १४६

र

रवाव (बाद्य) हू. २३१

रळतळी (तलवार) हू. ३१७

रागाई रो विरद हू. ५१

राणीपदो ती. १०५

राजपूताने का इतिहास (ग्रंथ) ती. २६६

राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
ती. २७५

राम-स्तुति (ग्रंथ) ती. २०६

राजस्व हू २५८, २५९

राय-आगण ती. ८९

राहुदारी (कर) हू. १२७

राहावणो हू. १३१

रडमाळ हू. २४७

रघुवाचा हू २१

रुपियो (मुद्रा। बंड। भेंट) प. ५२, ५३,

११६, २३४, २५९, २७७, २७९,

२८४, ३११, ३१९, ३२०, ३२२

रुपियो (मुद्रा। बंड। भेंट) हू. २९, ४५,

६९, ७१, १६०, २५७, २५८,

२५९, ३०१

रुपियो (मुद्रा। बंड। भेंट) ती. ८३, ९९,

१००, १३०, १४९, १६५, १६६,

२४२, २४५, २६७, २६८, २६७,

२६८, २६९, २८३, २८६

रुक् ती. १६९

रूपारास कूण प. ३५, ३८

रेख (कर) प. २७, ६८, १६५, २७९,
३२०

रेख (कर) हू. १६०, २६३

ल

लक्ष्य घट्ट वे० लाखोटो।

लगान हू. ७२

लगानदार हू. ७२

लाचो (कर) ती. ५४

लाख-पसाव प. १०६

लाख-लोवडी हू. ७

लाखोटो (जल-मानक) प. ३

लाग (कर) प. ३९, ६४, २३२

लागत (कर) हू. ५

लागदार हू. ७२

लोक प. ९९

लोकाचार ती. ६९

व

वच्छस गोत्र ती. १७५

वडी-तरवार प. २८३

वर्धामणो-लाग (कर) ती. ५४

वरकसी प. १४१

वरजांग-री-चंवरी प. २३२

वरतियो हू २२५, २२६

वरसाळी-हेसो (कर) प. ३९

वरहेडो ती. ४६

वळ हू. ७३

वळ ती. १९५

वळ लाग (कर) ती. ५४

वसवेरावजत-रा-वूहा (ग्रंथ) ती. २०६

वसी प ४५, ६९, ८२, ९८, १३२,

४११, १४४, १४८, १५१, २०९,

२८३, ३०९, ३२३

वसी हू. १४५, १४६, १४९, १५३, १५७,

१५८, १५९, १६०, १६१, १८१,

२३६

घसी ती. ८१, ८४, १५७, १६२, २४१

वहतीर्षाण (कर) दू. ७

वांस (नाप) दू. ५

वांसा-डोब ती ७०

वाढी लाग (कर) ती. ५४

घात ग्रणहलवाडा पाटण री (प्रय) ती

४६, ५०

घातपोस ती. ३८

वादळ महल प. ३३

वामीवंध ती. ७०

विशति-पद्धति ती. १४

विजयशाही (स्वर्ण, रौप्य-मुद्रा) ती. २१३

विट्ठलनाथजी-रा-दूहा (ग्रंथ) ती. २०६

विभोग प. १५८, १७३, १७४

विवाह-ककण दू. २६५, ३१८

विवाह-सूत्र दे० विवाह-ककण ।

विसवो (कर-भाग) दू. ३०१

घोसी ती. १४

घोंटली ती २१५

घोघो प. ११६

घोण (वाद्य) दू. २३१

वेद (धर्म ग्रंथ) प. १६२

वेलि फ्रिसन रुकमणी री, राठोड प्रिधीराज
री कही (ग्रंथ) ती २०६

वेह ती. ४३

वेत (नाप) दू. ४२

वेहत (नाप) दू. ४२

वेकुठ दू. ७५

व्याज दू. ८

श

शाल प. ३३६

शास्त्र-पुराण (धर्म ग्रंथ) दू. ६१

श्याम-लता (प्रय) ती. २०६

ष

षोडश-महावान प. १२६

स

संख प. २७८, ३३६

सख दू. २२५

सतनांवा (ग्रंथ) ती. २७५

सत्तर खान ती. ५३

सरग प. ७, १६०, २७८

सरग दू. ५८, ५६, ६०, ६२, २६१

सरगापुर दू ७५

सरचाजं (कर) ती. ५४

सवेरी प. १६७

सामेळो ती. ४५

सांसण प. १०६, १७४, १७६

सांसण दू. ३८

सासण ती. २८१

साको दू. ४४, ५६

साठा (माप) दू. ५

साथरो दू. १२०

साथरो ती १२८

सादूल राजस्थानी रिसखं इम्स्टीट्यूट,

बोकारनेर ती. २०७

सायर महसूल दू. ७

सावद दू ४५

सासत दू. २३१

सासतर दू ११५

साहो प. ६७

साहो ती ७५

सिक्को दू. २४

सिद्धान्त-बोध (प्रय) ती. २१४

सिद्धान्त-सार (प्रय) ती. २१४

सिरपाव दू. २६

सिरोपाव ती. १६६, २४४, २४५

सिव-मारग दू. ४५

सीरावणी दू. २५१

सुरणाई दू. ६०

सुर्यान प. १८८

सुरा-गुर प. ३५४

सुजंत-घरित (ग्रंथ) ती. २६६
 सुवर्ण-मुद्रा प. ७, २७८
 सुहागण प. १३
 सुखडी (कर) ती. ५४
 सूतग दू. २३६
 सेई (माप) दू. २१२
 सेर (तोल) दू. ८. ११८. ३१३
 सोढाल-अव दू. १५
 सोनइयो (मुद्रा) प. ३, १२
 सोमवारिया-अमल ती. १३४
 सोळह-शृंगार दू. ५८
 सोमस (मुद्रा) प. ७
 सोभाय-रात्रि प. १३४
 स्वर्ग वे० सरग ।

ह

हरिवंश पुराण (घर्मशास्त्र) दू. १५
 हळगत (कर) ती. ५४
 हलाणो ती. ६२, ७६, १४४, १६६, २०२
 हासल (कर) प. ७४, ८७, ९९
 हासल (कर) दू. ५, ८, २५६, २६०, २७७
 हासल (कर) ती. १३०
 हासलीक दू. २५६, २६०
 हिक्वाणी ती. ५३
 होळी (पर्व) प. ७३
 होळी (पर्व) दू. ७
 होळी (पर्व) ती. ८४
 होळी-मगळावणो ती ८४
 होळी-मिळण (कर) दू. ७

[२] देवी, देवता, लोक-देवता, तीर्थ, धर्म-सम्प्रदाय इत्यादि

अ

अंबाजी प. २७७
 अंबाव प. ४६
 अगन हू. २४६
 अगम प. ६६
 अग्नि हू. २७७
 अग्निकुंड दे० अनलकुंड ।
 अजोघ्या प. २६२
 अनलकुंड प. १३४, १८५, ३३६,
 ,, ती. १७४, १७५
 अनादि प. १८४. २६१
 ,, हू. ५७
 अयोध्या दे० अजोघ्या ।
 अरक प. १६०
 अरजोद गोतमजी तीर्थ प. ६४
 अलख ती. २६३
 असंभ प. १८४
 असुर हू. ६५, १३८
 असुरांगुर प. ३५४

आ

आंबाई देवी प. १, २७७
 आंबाव प. ४६, २७७
 आद हू. ५७
 आद नारायण प. १२२, २६१, २८०
 आद श्रीनारायण प. २८७
 ,, ,, हू. ६
 आदि प. १८४. २६१
 आदि देव प. ७
 आदिनाथजी प. ३६
 आदि पुरुष ती. १७५
 आदि श्रीनारायण प. ७७, २८७
 ,, ,, हू. ६

आबू दे० ग्राम नामावली में
 आयास हू. २५४
 आयास ती. २८३
 आवड प. ३६
 आसापुरा देवी हू. २१७, २१८, २२०
 आसापुरी देवी ती. १३४. २६२
 आसावर (देवी) प. १८६

इ

इंदु प. १६०
 इद्र प. १६२, २७५, ३३६
 इकलिंग महादेव प. २३

ई

ईश्वर प. २२०
 ईश्वर ती. १२१
 ईस हू. २४६

उ

उजेण (तीर्थ) दे० ग्राम नामावली में ।
 उमादेवी भटियाणी दे० स्त्री नामावली में ।

ए

एकलिंग चारहा प. १७०
 एकलिंगजी प. १, ७, ८, ११, १२,
 ३४, ३५, ४४
 एकलिंगदेव प. ७
 एकलिंग महा देव प. ७
 एकादश ज्योतिर्लिंग प. २७८
 एकादश रुद्र प. २७८
 एकादश रुद्र महालय प. २७८
 एकादसी हू. ६०

ओ

ओंकार प. १८४

क

कफाळी प. ३३६
 कघरुढा प. १८५
 कंवळ दे० कमळ ।
 कवळ-पूजा प. ५६, ३३६
 „ „ दू. १७
 कपाळीक प. ३२२
 कमळ प. ७७, १२२, १८६, २८०,
 २८७, २६३
 कमळ दू. ६
 कमळ ती. १७५
 कमळा प. १८५
 करणीगर दू. २३७
 करतार दू. ४५
 कळा-पळा प. १८५
 कश्यप दे० कस्यप ।
 कस्यप प. ७८, २८७
 „ ती. १७५, १७७
 कापालिक प. ३२२
 कालिका प. १८५
 काशी (कासी) दे० ग्राम नामावली में ।
 कासी-करोत प. २१६
 कुळदेवी दू. २६७. २७२
 कुळदेवी ती. १७५
 कृष्ण दे० श्रीकृष्ण ।
 कृष्णजी दू. १५. १६, ३५. ६३
 केदार(केदारनाथ)दे० ग्राम नामावली में ।
 केवायदेवी प. १२३
 „ ती. १७३
 केसोरायजी प. १३१
 कलास प. ८
 कोटेश्वर महादेव प. २, २७७
 कीमारी प. १८५
 क्षीरपुर (तीर्थ) दे० खेड पाटण ।
 क्षेत्रपात प. २६४
 „ दू. २२
 „ ती. १७

ख

खुवा दू. ४७
 खेड-पाटण दे० ग्राम नामावली में ।
 खेडा-देवत दू. २२
 खेतपाळ दे० खेत्रपाळ
 खेतळ प. २४५
 खेतळ-वाहण प. २४५
 खेत्रपाळ प. २६४. ३३२
 „ दू. २२, १३५, २६७
 „ ती. १७

ग

गगश्यामजी ती. २१५
 गंगस्थामी दे० गगश्यामजी ।
 गंगाजळ दू. २०२
 गगाजी प. १३२, २१३, २१६, ३३२
 „ दू. २०२
 गगोवक प. २१३, २१४
 गगोवक-कावळ प. २१३, २१४, २१५
 गणेशजी ती. १५४
 गददेव दू. ५०
 गाय-वान दू. २६६
 गिरनार प. २२
 „ दू. १, २०२, २०४, २०५,
 २०६, २२०, २४०
 गुरळ दू. २५२, २५३
 गुसाई-री-पोडुका प. ४२
 गोकुल तीर्थ प. १०७
 गोकर्ण महादेव प. ४७, १०७
 गोकुलीनाथ दे० गोकुलीनाथ ।
 गोकुलीनाथ प. २०४, २१३
 गोखभ प. १६०
 गोगादे दे० गोगादेजी ।
 गोगादेजी प. ३४७ ३४८, ३४९, ३५०
 गोगादेनी दू. ३१७, ३१८, ३१९, ३२०,
 ३२१, ३२२, ३२६
 गोदावरी तीर्थ प. १२२

गोमती तीर्थ (गोमती-सनातन) दू. २६८
 गोमती संगम प. २८६
 गोरखनाथ जोगी दू. ३२०
 गोरखनाथ जोगी ती. ७६
 गोवरघननाथ प. ८६
 गोविंद भगवान प. १८४

च

चण्डोद्वर महादेव दू. ३२
 चंद्र (चंद) प. १८५, १६२, २७२
 चंद्र (चंद) दू. ३७
 चंद्र (चंद) ती. ५०, ५२
 चक्र प. २८६
 चक्र तीर्थ (चक्र तीर्थ, चित्र तीर्थ) ती. २७७
 चपळा (देवी) प. १८५
 चांडीसी महादेव दू. ३२
 चांद दे० चंद्र ।
 चामुंडा देवी दे० चावंडाजी ।
 चारण देवी प. ५६
 चालेर-रो-पारसनाथ प. ४७
 चावडाजी प. २०४
 चौरासी गच्छ ती. १६

ज

जगकृता प. १८५
 जमजाळ प. १२५
 जमवृत दू. ४६, २६८
 जमुना-तीर्थ प. १३२, ३३२
 जात (तीर्थयात्रा, देवपूजन) प. १, १११,
 १३२, २६३, २८६, ३३६
 जात दू. १३, २३६, २४६, २४७
 जात्रा दू. २६६, २६८, ३२५
 जात्री, तीर्थ प. २८६
 जान्हवी ती. २०६
 जिवो प. ३३६
 जिंग्य प. ११
 जुगाव ती. १७५
 जुगाव ग्रहा प. २६१

जैन (धर्म) प. ३३, २२७, २७६
 जैन (धर्म) दू. ११३
 जैन (धर्म) ती. १६, २८
 जैन सम्प्रदाय दे० जैन (धर्म)
 जोतविंब प. १६०
 जोतलिंग दे० ज्योतिलिंग ।
 ज्यान दे० जैन ।

ज्योतिलिंग प. ११, २१३, २७८, ३३५
 ज्योतिलिंग श्रीएकलिंगजी प. ११

झ

झोंडोळियो भूत ती. २५४
 झोटिंग भूत ती. २५२, २५३, २५४, २५५

ठ

ठाकुर (श्रीकृष्ण) प. १३१, २१३, २८६,
 ३०३
 ठाकुर (श्रीकृष्ण) दू. २२२, २४७, २७०
 ठाकुर (श्रीकृष्ण) ती. २४६, २५०
 ठाकुरद्वारो प. ८४

त

तीर्थ-गुरु पुष्कर प. २४
 तीर्थ-यात्रा दू. २६६
 तुळछीवळ दू. ५६
 तुळसी ती. २६२
 तुळसी पांणो ती. २६२
 तेलोचन दू. ५६
 तेही वदन दू. ५६
 त्रिलोचन दू. ५६
 त्रिषदन दू. ५६
 त्रिसूळ प. ४०, ४२
 त्र्यंबक प. १, १२२

द

दहस प. ७६
 दहस दू. ६३
 दर्दत ती. २५१
 दत्तावरी प. १८५
 दसमों साळगराम प. २०४

वाणव प २१३

वाणव दू. ५६

दान दू. २२३, २३६, २३७

दान-पुण्य प. १३६

विल्लीश्वर ईश्वर प. २२०

दुगापचा (दुगर माता, दुगाय माता)

ती. २५७

दुगायचा दे० दुगापचा ।

दुर्गा देवी ती. ५३

दुर्गापंचा दे० दुगापचा ।

देव दे० देवता ।

देव ऊठणी-एकादशी दू. ३२२

देव-ऊठणी-एकादशी ती. २६५

देवगति दू. २७१

देवता प. ११, २१३, २७३, २७४, २७५

देवता ती. ५७

देवनीक ती. ७६

देव-पट्टन प. २१३, २१४, ३३५

देवपाटन दे० देव-पट्टन ।

देव-रो-पाटण दे० देव-पट्टन ।

देवाण-विद्या प. १८५

देवायर प. १६२

देवी, (देवीजी) प ११, १८५, २०२,
२०३, २७३, २७४, ३३६

देवी, (देवीजी) दू. १३, १७, १८,
२२, २०३, २०४, २१७,
२१८, २२०, २३७, २६७,
२७२

देवी, (देवीजी) ती. १७, ६६, १५४, २६२

देवोत्थान पर्व ती. २६५

दैत प. ३३६

दैत ती. २५२

देवी-शक्ति दू. २०३

दंष्ट्रांशी दू. २०३

द्वारकाजी (तीर्थ) प. १११, २६३, २६४,
२८६, ३३७

द्वारकाजी (तीर्थ) दू. २२५, २६६,
२६७, २६८

द्वारकाजी (तीर्थ) ती. २६६

द्वारकानाथ दू. २६८

द्वारामती दू. २२५

ध

धनवाता देवी प. १८५

धरतीमाता दू. ३०४

धू प. ७, २२६

धू दू. ५२, ५३

ध्रुव दे० धू ।

न

नाग दू. २५२

नाग ती. ७४

नागही चारणी दू. २०२, २०३, २०४

नासिक-श्रंबक प. १, १२२

नासिक-श्रुयम्बक दे० नासिक-श्रंबक ।

प

पनग दू. २५३

परब्रह्म ती. १७५

परमेश्वर प. १४५, २२०, २६५

परमेश्वर दू. २१७, २६६, ३२२

परमेश्वर ती. ४, ५, ८८, ६४, १२०, २५५

पावूजी दे० पुरुष-नामावली ।

पारसनाथ प. ४७

पितर प. १६

पीढी (शिर्षालिग) प. २१३, २१५, २१६

पोकरजी (पुष्कर) प. २४

प्रवक्षिणा दू. २७७

„ ती. ८६

प्रभासक्षेत्र (प्रभासखेत्र) दू. ३

प्रभास-पट्टन प. २१३

प्रम प. १८४

प्रमहंस प. १८५

प्रयागजी प. १३२

„ ती. २७६

प्राग्वह प. २२६

प्राची-माघव प. २७७

फ

फणद्वं (फर्णाद्र) प. १६०

ब

बभेसर दू. २१५

बभूत ती. २७

बहुली-जोगणी प. २०४

बावण-विसन प. १५

बिंद-सरोवर (तीर्थ) प. २७७

ब्रह्मा दे० ब्रह्मा ।

ब्रह्म प. ७

ब्रह्मकोप प. २१५

ब्रह्मतेज प. २१५

ब्रह्मवाचा दू. २१

ब्रह्मा प. ६, ७७, ११६, १२२,

१६२, २८०, २८७, २६२

ब्रह्मा दू. ६

ब्रह्मा ती. १७५, १७७

भ

भगवान प. १५, ६३

„ दू. ३५, २४६, ३२०

भगवान राम प. ६३

भद्र ती. ५३

भद्रकाली ती. १७

भव (शकर) दू. २४६

भागीरथी ती. २०६

भुवनेश्वरी प. १८५

भूत दू. ४६

भूत ती. २५१, २५२, २५३, २५४

म

मगल (अग्नि) दू. २५२, २५३

मंत्र-प्रावाहन प. १

मंदाकिनी ती. २०६

मक्का दू. ४६

मथुरा (मथुराजी) प. १३१, १३२,

३१२, ३५६

मथुरा (मथुराजी) दू. ११, १६, १४०

मथुरा (मथुराजी) ती. २०६

मरीच प. ७७, २८७

मरुतायकजी ती. २१३

मह-मोहन (महा मोहन श्रीकृष्ण) दू. ६३

महाकाल प. १२५

महावेशजी प. ७, ११, १४४, १५४,

२१३, २१५, २१६, २१७,

२१८, २१९, २२०, २८६

महावेशजी दू. २६७, २७२

महावेशजी रो पींडी प. २१६

महावेशजी रो तिग प. २१३, २१६

महावेश-सोमद्वयो प. २१३, २१४, २१५,

२१६, २१७

महा रोज प. ६, १६१

महीनाल-तीर्थ प. ४४

महेसुर प. १८५

मांताधेन प. १

मांमा-खेजड़ो प. २४७

मांमाजी (लोक-देवता) प. २४७

माताजी (देवी) दू. १८, ३३८

माया ती. ७१

मित्रावरण प. १२२

मुद्रा प. १८४, १८५

„ दू. २१०

„ ती. २४

मेखली ती. २७

य

यत्र प. २७८

यमपाषा प. १२५

यमुना दे० जमुना ।

यात्रा (तीर्थ) प. २८६

युगावि विष्णु ती. १७५

र

रणछोड़जी प. १११

॥ दू. २६८

रामचंद प. ६२

रामदे पीर प. ३५०, ३५१

रामेश (रामेश्वर) दू. ३८

राक्षस (राक्षस) प. १३४

राक्षस (राक्षस) ती. १६४, १६५

राक्षस दे० राक्षस ।

राठासण देवी प. ११, १२, ३४, ४४

राम भगवान प. ६३

राष्ट्रशेता देवी प. ३४

रिणछोड़जी दे० रणछोड़जी ।

रिव प. २३१, ३५४

रिपीकेश (आवू पर्वत पर) प. १७८

रडमाळ दू. २४६

रद्र प. १६२, २७७

रद्रनाग प. १६०

रद्र महालय प. २७२, २७७, २७८

रद्रमाळो (डगरपुर-राजस्थान) प. ८५

रद्रमाळो (मिदपुर-गुजरात) प. २७२,

२७६, २७७,

रद्रवाचा दू. २१

रपादे राणी दू. १३०, २८४

ल

लक्ष्मी दू. २७४

लक्ष्मी ती. ५३

लक्ष्मीनाथ ती. २२१

साग सगती ती. २२२

साय सगती ती. २२२

लानध्रम दू. ११८

लिंग प. २१३, २१४, २१६, २१६

व

वडगस्त ती. १६

वर दू. २६७

वर ती. १६५

वरदान ती. १२०

वर-वासण देवी प. ४७

वाचाछळ देवीजी प. १३४

वाणारसी दे. ग्राम नामावली ।

वामन अवतार प. १५

वातग प. २७८

विधाता दू. २७४

विनायक ती. १५४

विष्णु दे० विष्णु भगवान ।

विष्णु भगवान प. १५

विष्णु भगवान ती. २८, १७५, २१५

विसनर दू. २४६

विह दे० विधाता ।

वेद प. १६२

वैवस्वत दे० वैवस्वत-मनु ।

वैवस्वत-मनु प. ७८, ११६

वैश्वानर दू. २४६

वैष्णव प. ३०३

वैष्णव ती. २१३

वस्तभ प. २७८

श

शकर दू. २४६

शख प. ३३६

शशुजय प. ३३५

शिव प. ८५

शिव दू. २४६

शिव ती. २८

शिव-पट्टन प. २१३

शिवलिंग प. २१३, २१५

शेषनाग प. ६

शैव (शिव) प. ३३

श्रीग्रादिनाथजी प. ३६

श्रीग्रादिनारायण ती. १७७

श्रीकुंजपिहारीजी ती. २१३

श्रीकृष्ण (श्रीकृष्णदेव) प. ३०३

श्रीकृष्ण (श्रीकृष्णदेव) दू. १, ३, ६, १५,
 ३५, ६३, २०६, ३०३
 श्रीकृष्ण (श्रीकृष्णदेव) ती. १७४, २७५
 श्रीगंगश्यामजी ती. २१३, २१५
 श्रीगोकुलनाथ (श्रीगोकुलीनाथ) प. २१३
 श्रीठाकुरजी प. १३१, २१३, २८६, ३०३
 „ दू. २२२
 „ ती. १५७, २५०
 श्रीपरमेश्वर दू. ३२२
 श्रीभगवान ती. २५०
 श्रीमहादेवजी दे० महादेवजी ।
 श्रीमहादेवजी सारणेश्वरजी प. १७३, १७८
 श्रीरणछोड़जी (श्री रणछोड़राय) प. १११
 „ „ दू. २४६,
 २४७, २६८
 श्रीरणछोड़जी (श्री रणछोड़राय) ती १७६,
 २६६
 श्रीरणछोड़राय खेड़ ती. १७३
 श्रीरामचन्द्रजी प. १२८, २८८, २६२,
 २६३, २६५
 „ ती. १७८, २४६
 श्रीलक्ष्मीनाथजी (जैसलमेर) ती २२१
 श्रीवाराहजी प. २४
 श्रीविष्णु दू. ३
 स
 संकर (शंकर) दू. २४६
 सख प. २७८, ३३६
 सकत (शक्ति) प. १८६
 सचियायदेवी (सचियाय) प. ३३७, ३३६
 „ „ ती. १७५
 सप्त पत्नी प. १६२
 सरग प. ७, १६०, २७८
 „ दू. २७३
 सरस्वती प. १८५, २७७
 „ दू. ३, २६६
 „ ती. २६, १७३

सहस्रलिंग दू. ३३
 सारणेश्वरजी महादेव प. १७३, १७८
 सारसत्त दे० सरस्वती ।
 साळगरांम प. २०४
 साधड़ प. ३६, ४७
 सिकोतरी ती. २
 सिद्ध प. २५४, २७८, २८५
 „ ती. २७, ७६
 सिद्धपुर प. २७६, २७७
 सिद्धपुर दू. २७२
 सिध दे० सिद्ध ।
 सिध (सिधधर्म=शैव) प. ३२
 सिधपुरी प. १८६, १६०
 सीतळा दू. १०६, १५५
 सुर प. २७७, २७८
 सुरथान प. १८८
 सुरांगुर प. ३५४
 सूरज (सूर्य) प. १, ३, ४३, ७८, १६०, २८७
 „ दू. ३७, ३०४
 सूर्यवंश ती. १७७
 सेत दे० सेतुबंध ।
 सेतुबंध प. ६, २७
 „ दू. ३८
 सेत्रूजी प. २७६, ३३५
 सेस प. ६, २२६
 सेणी चारणी देवी प. २०४
 सोमइयो प. २१४, २१५
 सोमइयो महादेव प. २१३, २१४, २१५,
 २१६, २१७, ३३५
 सोमइयो महादेव ती. २६४
 सोमइयो-लिंग प. २१३
 सोमनाथ-पट्टन प. २१३
 सोमनाथ महादेव प. २१३, २१४, २१५,
 २१६, २१७, २१८,
 २१६, ३३५
 सोमनाथ महादेव, ती. २६४

सोरंभजी प. २१४

सोरो-घाट प. २१४

स्वर्ग प. ७, २७८

स्नग प. १८६, २४५

स्नग-सातमों प. २४५

ह

हडवूजी दे० हरभम पीर सांखलो ।

हर प. ३४२, ३४६

हर बू. ३२०

हरभम दे० हरभम पीर सांखलो ।

हरभम जाळ प. ३५०

हरभम पीर सांखलो प. ३४८, ३५०,

३५१, ३५२

हरभू पीर दे० हरभम पीर सांखलो ।

हरि प. ३४२, ३४६

सम्पूति

छूटे हुए नाम अथवा पृष्ठ-संख्या

[नाम की पंक्ति संख्या उस नाम का उस पंक्ति में होना चाहिये बताता है]

पृ. कॉ. प. पुरुष नाम

| | | |
|-----|----|-----------------------|
| २२ | २२ | १३६, १४१ |
| ३१ | ६ | झलो प. ३६३ |
| ५२ | २० | ३१, ३६१ |
| ७२ | २ | आत्मसाह प. ५६ |
| ८१ | ४ | ३६१ |
| ८१ | १० | ३६२ |
| ९१ | २ | ३६१ |
| ९२ | ९ | ३२० |
| १२१ | ७ | कंयडू बू. २१४ |
| १२१ | ८ | कंयडूनाथ योगी बू. २१४ |
| १३१ | ११ | ५, ६, १३, १५, १६, ७० |
| १३२ | १० | करमचव पवार प. १२२ |
| १४१ | ३ | १६६ |
| १४१ | २७ | १६५ |
| १५१ | ३ | १५६ |
| १६२ | २ | काबो गढो प. १३६ |
| १९२ | १३ | ३१५ |
| २०२ | ५ | ३६३ |
| २११ | २४ | ३६१ |
| २१२ | ११ | खीमो संकरोत बू. ८४ |
| २२२ | ४ | गंगस घोघो प. ५ |
| २२२ | १३ | ३३८ |
| २३१ | ३ | गढो काबो प. १३६ |
| २३१ | १६ | ३६३ |
| २३१ | ३४ | ३५६ |
| २४१ | १२ | गोकळ प. ३६१ |
| २७१ | ३६ | चवंडो दे० चूडो । |

पृ. कॉ. प. पुरुष नाम

| | | |
|-----|------|--|
| ३२१ | १४ | ३१८ |
| ३३२ | २८ | ३१० |
| ३५१ | १३ | ४३, ४५, ४७, ४८, ५३, ५४, ५५, ६६, ६७, ६८ |
| ३९२ | ११ | १६४ |
| ४१२ | ३१ | ३१७, ३१८ |
| ४४२ | १४ | १६८, १६९ |
| ४७१ | २१ | १८३ |
| ५८२ | ६ | १६६ |
| ४८२ | ७ | १६८ |
| ४८२ | अतिम | १६१ |
| ५०१ | २६ | ३५२ |
| ५०२ | ३ | ११६ |
| ५४२ | ३१ | ६७, १११, १६५, ३१२ |
| ५५१ | २६ | १७ |
| ५५१ | अतिम | प्रधीराव प. २४३ |
| ५७१ | २३ | बहुन्नाल प. १८६ |
| ५७२ | ५ | ९७, ९८ |
| ५७२ | २४ | वालरथ प. २८८ |
| ६५२ | २५ | ३४५, ३४६ |
| ६६२ | २७ | २६४, २६५, २६७ |
| ७२२ | ९ | यशवंतसिंह रावल दे० पताई रावल |
| ७६१ | अतिम | ३१६ |
| ७७१ | ३५ | १८९, १९० |
| ८१२ | २६ | लसकरी कैमरो प. ३०० |
| ८९१ | ४ | १०१ |

| पृ. कॉ. प. | पुरुष नाम | पृ. कॉ. पं. | सांस्कृतिक |
|------------|-------------------------|--------------------------------|-----------------------|
| ६८ १ ३ | साह आलम प. ५६ | १७ १ ३१ | किरियाणो (प्रसूता की |
| १०१ २ २६ | २८३ | | पौष्टिक खाद्य-सामग्री |
| १०२ २ २३ | १०२ से ११० | | हू. २८० |
| | भौगोलिक | १७३ २ ६ | कोड़दान हू. २२३ |
| १२० २ ६ | २३६ | १७३ २ २५ | गोडो वाळणो हू. ११६ |
| १२८ २ १६ | ४१ | १७४ १ ७ | ३३६ |
| १३२ २ १७ | जाभोरो सीयळां रो हू० ६ | १७५ २ ७ | दान-पुन्य प. १३६. २६६ |
| १४३ २ ३ | पूछणो हू. १६४ दे० पूछणो | १७५ २ १३ | दायजो प. ७६ |
| | सांस्कृतिक | १७५ २ २५ | हुहागण हू. १० |
| १७२ १ १६ | अमल रो पोतो प. १०२ | १७६ २ ६ | पाणी देणो हू. ३३७ |
| १७२ १ २४ | अलाइ-वलाइ प. १०० | १७६ २ ११ | पाघडो-भाई हू. ६६ |
| १७२ २ ६ | आहुखानो प. ८६ | १७६ २ ३७ | पोतो प. १०२ |
| १७२ २ १३ | १३४, २०६ | १७६ २ अंतिम प्रळैदातार हू. १२० | |

परिशिष्ट २

अनूप संस्कृत लाइब्रेरी की मुंहता नैणसी री हस्तलिखित ख्यात-प्रति में दी हुई विशिष्ट पुरुषों की जन्मकुडलियां

नैणसी ने अनेक प्रसिद्ध पुरुषों की जन्म कुडलियां भी ख्यात में उनके वर्णन प्रसंगों के साथ दी हैं, जिनसे उनके जन्म समय और जीवन की स्थिति पर अच्छा प्रकाश पड़ता है। ये कुडलिया ज्योतिष-शास्त्र में रुचि रखने वालों के लिए बहुत महत्व और शोध की वस्तु हैं। ऐतिहासिकों के लिए भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। ये जन्म कुडलियां केवल अनूप संस्कृत लाइब्रेरी, बीकानेर की नैणसीरी ख्यात (पुस्तक सं० २०२/२४) में ही दी हुई हैं। अन्य किन्हीं भी प्रतिलिपियों में नहीं होने से और यह प्रति ख्यात का प्रथम भाग मुद्रित हो जाने के बाद देखने को मिलने कारण यथास्थान दी नहीं जा सकी थी, अतः यहाँ दी जा रही है—

राणा सांगा री जन्मकुंडली

समत १५३६ रा वैशाख वद ६ सागा री जनम । समत १५६६ जेठ सुद ५ राणो सागो पाट बैठो । (ख्यात पत्र ५ सू उद्धृत)

| | | |
|----------|---------------------|------|
| ३ | २ शु बु रा | १ |
| ४ वृ | | १२ र |
| ५ | श्री॥ | ११ च |
| ६ | ८ के | १० |
| ७ मं. ग. | | ९ |

राणा उदैसिध री जन्मपत्री

राणो उदैसिध, समत १५७६ भाद्रवा सुद ११ जनम । स० १६२६ रा फागुण सुद १५ राणो उदैसिध काळ प्राप्त हुओ । (ख्यात पत्र ६ सू उद्धृत)

| | | |
|---------|--------------|-------|
| ६ शु के | ५ र बु | ४ म |
| ७ | | ३ |
| ८ च | श्री॥ | ९ |
| ९ | ११ श | १ |
| १० वृ. | | १२ रा |

जगमाल सीसोदिया री जनमपत्री

सं० १६११ असाढ वदी ५ रविवार री जनम (ख्यात पत्र ६ सू)

| | | |
|-----|-------|---------|
| ४ | ३ | २ बु |
| ५ म | सू | १ शु |
| ६ | रा | १२ श गु |
| ७ | श्री॥ | ११ च |
| ८ | ६ | १० |
| | के | |

सगर री जन्म

सं० १६१३ भादवा वदी ३ री सगर री जन्म (ख्यात पत्र ६)

| | | |
|------|-------|------|
| ३ मं | २ | १ श |
| ४ र | रा | १२ |
| ५ बु | श्री॥ | ११ च |
| ६ शु | ८ | १० |
| ७ | व | ६ |
| | के | |

महाराणा प्रताप री जन्मकुंडली

सं० १६६६ जेठ सुद ३ रविवार री राणा प्रताप री जन्म (ख्यात पत्र ७)

| | | |
|-------------|-------|----------|
| ११ | १० | ६ |
| १२ रा | | ८ |
| १ | श्री॥ | ७ |
| २ र | ४ | ६ म द के |
| ३ गु. बु. च | ८ | ५ |

राणा करन री जन्मकुंडली

जन्म स० १६४० सावण सुदि १२, मृत्यु १६६४ फागुण (ख्यात पत्र ८)

| | | |
|----------|-------|----------|
| ३ के | २ | १ |
| ४ र | | १२ वृ.श. |
| ५ शु. वु | श्री॥ | ११ |
| ६ म | ८ | १० |
| ७ | | ६ रा. च. |

राणा जगतसिंघ री जन्मकुंडली

जन्म स० १६६४ रा भोदवा सुद १२, संमत १७१४ रा जेठ माहिं धवळपुर री लड़ाई काम आयो ।

| | | |
|----------|-------------------|-------|
| ६ शु ब च | ५ र म रा | ४ |
| ७ | | ३ |
| ८ | | २ |
| ९ श | ११ के | १ |
| १० | | १२ वृ |

परिशिष्ट ३

ख्यात में प्रयुक्त पद, उपाधि और विरुदादि विशिष्ट

संज्ञाओं या शब्दों की अर्थ सहित नामावली

| | | | |
|--------|---------|-------|----------------------------|
| स० — | सज्ञा | प. — | नौणसी री ख्यात का पहला भाग |
| व.च. — | बहु वचन | दू. — | ” ” दूसरा भाग |
| दे० | देखिये | ती. — | ” ” तीसरा भाग |

अखैसाही नांणो—जैसलमेर के रावल अखैराज द्वारा प्रवर्तित एक रौप्य मुद्रा ।

अनवी—परवतसर और महारोट के अनन्न वीर रावल उद्धरण दहिये का विरुद ।

अभंगनाथ—विजयी वीरों में श्रेष्ठ वीर ।

अमल-रो-पोतो—अफीमची लोगों के अफीम रखने का घस्त्र का बना एक प्रकार का बटुआ ।

असख प्रवाड़-जैतवादी—चित्तौड़ के राना रायमल के अत्यन्त बलशाली और असह्य युद्धों में विजय प्राप्त करने वाले पुत्र पृथ्वीराज का विरुद ।

असत धान—१. हल्की किस्म का अनाज २. नहीं खाने योग्य (सड़ा-गला) अनाज ।

असुख—१. शत्रुता २. रोग ।

असुर—आसुरी प्रकृति के कारण 'मुसलमान' का लक्षणार्थ पर्याय ।

(य. व.—असुरां, असुराण, असुरायण, असराळ, असुराळ, अलाल)

आऊठ कोड़ वभणवाड़ } — नवलखी सिध का वभणवाड़ प्रदेश और उसका सामई नगर ।
 आऊठ कोड़ सांमई } (कहा जाता है कि सिध, कच्छ और सोरठ के अमुक भाग
 नवलखी सिध के नान से प्रसिद्ध थे । वंभणवाड़ आठ करोड़ की आय का प्रदेश कहा
 जाता है ।)

आखाड़सिद्ध—१. रणकुशल । २. विजयराव चूडाळ का विरुद ।

आगू—१. यात्रा में घागे चलने वाला और भय स्थानों एवं शत्रुओं की सूचना देनेवाला व्यक्ति । २. मार्गदर्शक ।

आदित, आदित्य—वे दीत-ब्राह्मण ।

आयस, आयसजी—राजस्थान के नाथ सन्यासियों का विरुद या उपाधि ।

आरंभरांन—('आरंभ + आराण' का अपभ्रंश रूप) वह शक्तिमान राजा या बादशाह जो किसी भी शत्रु के ऊपर किसी भी समय भारी सेना के साथ आक्रमण करने के लिये तैयार रहता है ।

आलमगीर—बादशाह औरगजेब रा विरुद ।

आसा—गर्भ

आहाड़ा—‘आहोड़ा’ नामक गाँव में बसने के कारण मेवाड़ के शिशोदियों (शासकों) का एक विरुद ।

आहूठमा नरेश—चित्तौड़ के शिशोदिया नरेशों का एक विरुद ।

इद्र—राजस्थानी साहित्य की सोलह दिशाओं में से एक ।

इक्को—दे० एको ।

उडणो-प्रणो—दे० उडणो-प्रथीराज ।

उडणो-प्रथीराज—एक ही दिन के अदर टोडा और जालोर को विजय कर लेने के कारण राना रायमल के पुत्र पृथ्वीराज को बादशाह की ओर से दी हुई उपाधि ।

उड़दावो—कई धान्यों को मिला कर घोड़ों के लिये बनाया जाने वाला एक खाद्य ।

उप धियो—वेद-वेदांग पढ़ाने वाले अध्यापक की एक उपाधि ।

उमराव—बादशाहों के दरबारी हिन्दू-नरेशों की उपाधि ।

(बादशाही दरबारों में उमरावों की संख्या मुसलमान खानों की अपेक्षा दो अधिक होती थी और वह ७२ थीं । हिन्दू उमराव युद्धों में सिर कट जाने पर घड़ से लड़ते थे और घड़ के शान्त हो जाने पर उनकी पत्नियाँ उनके साथ सती हो जाती थीं । इसीलिये कहा जाता है कि इन दो विशेषताओं के कारण उमरावों की दो संख्यायें शाही-दरबारों में प्रतिष्ठा स्वरूप हिन्दुओं को प्राप्त थीं ।

‘उमराव’ अमीर शब्द का बहुवचन रूप है ।

‘छमराव’ और ‘उमराव बनो’ राजस्थान के वैवाहिक-लोक-गीतों में एक नायक के रूप से भी प्रसिद्ध है ।

उवही—समुद्र ।

ऋषि, ऋषीश्वर—१ वेद-मंत्रों का प्रकाशक, मंत्र-द्रष्टा । २. आध्यात्मिक और भौतिक तत्त्वों का ज्ञाता ।

एको—अनेक योद्धाओं से अकेला लड़ने वाला शक्तिमान बादशाह का श्रंग-रक्षक ।

एवाळियो—भेड़-बकरी चराने वाला व्यक्ति । गड़रिया ।

ओकर—१. दुर्वचन, गाली । २. विष्टा ।

ओठी—ऊट सवार (१. ऊट । २. ऊट से सम्बन्धित ।)

ओढो-रावण—रावण के समान भयंकर महाबली दोदा सूमरे का विरुद । (विकट महाबली)

ओळ—१. वह बंधक-नियम जिसमें मनुष्य को गिरवी रखना पड़ता था । २. मनुष्य को गिरवी रखने की प्रथा ।

ओळगण—गानेवाली ढाढ़िन नौकरानी । (१. वियोगिनी, २. पत्नी. ३. महतरानी)

श्रोळगू—गाने बजाने वाला ढाढ़ी नौकर ।

कँवर—१. राजा या जागीरदार का लड़का । २. राजकुंवरी । ३. पुत्र ।

कँवराणी—कुवर की पत्नी ।

कँवारमग, क्वारमग—आकाश गगा ।

कणवारियो—खेतों में से कूता किया हुआ नाज इफट्ठा करने वाला सरकारी अनुचर ।

कनवजियो, कनवजो—कन्नौज से मारवाड़ में आये हुए राठौड़ क्षत्री का विरुद्ध ।

कपूर वासियो पांणी—कपूर-घासित पानी ।

कमध, कमध, कमधज, कमधजियो—राठौड़ क्षत्रियों का विरुद्ध ।

करहीरो—ऊट सवार, करभारोही ।

करोड़ी, किरोड़ी—मुसलमानी राज्यकाल में बादशाह की ओर से कर वसूल करने वाला एक अधिकारी ।

कर्नल—१. राजस्थान के प्रसिद्ध इतिहासकार कर्नल टॉड की सैनिक उपाधि । ३. कर्नल टॉड (Col. Tod.)

कव, कवराज, कवि, कवीसर, कवेसर—१. काव्यकर्ता धारण २. कवि ३. भाट-कवि ।

कस्तूरियो मिरध—१. विलासिता की एक उपाधि । २. कस्तूरीमृग ।

कलावत—१. संगीतज्ञों की एक उपाधि । ३. एक संगीतज्ञ जाति । ३ एक क्षत्रिय जाति । ४. संगीतज्ञ ।

कांचळी—पूत्री नेग

कांठळियो—१. सीमा रक्षक । २. पड़ोसी राज्य का लुटेरा । ३. लूटखसोट करने वाला पहाड़ी लुटेरा ।

कानूगो—बादशाही समय का एक कर्मचारी, कानूनगो ।

कामदार—जागीरदार की जागीरो का मुख्य प्रबन्ध-अधिकारी ।

कामेती—दे० कामदार ।

काळ पचाळ—कच्छ और पाचाल देश की एक देवी ।

काळखय—सैणी नाम की कच्छ देश की एक देवी ।

कारण—१. गर्भ । २. प्रतिष्ठा । ३. मान-मर्यादा । ४. कृपा ।

कारणीक—१. योग्य । २. प्रामाणिक । ३. ज्ञाता, जानकार । ४. परोपकारी । ५. विवेकी । ६. दरमियानगिरी करने वाला ।

काळ-भुजाळ—काल से भी युद्ध करने में समर्थ ।

काळो तारो—१. पिता को मारने वाले शत्रु का बदला नहीं लेने वाले पुत्र की कलंक रूप उपाधि । २. युद्ध से भाग जाने वाले व्यक्ति का कलंककारी नाम ।

किलव, किलम—कलसा पढ़ने के कारण मुसलमान का लाक्षणिक नाम- (ब व.—किलवा, किलवाण, किलमां, किलमाण, किलमायण)

किलेदार—१. दुर्गरक्षक । २. दुर्गरक्षक का पद ।

कुंवर-मांणो—

कुंवर पछेवड़ो—
कुंवर पांमरो—
कुंवर सूखड़ो—

कुंवर के नाम पर जागीरी प्रजा से लिया जाने वाला एक कर ।

कुतबसाही-नांणो—सुलतान कुतुबुद्दीन द्वारा प्रचलित कुतुबशाही मुद्रा ।

कूरवाण—मास-खाद्य रखने का एक पात्र ।

कृत—मृतक-संस्कार ।

केशरिया—विवाहार्थ व युद्धार्थ पहिनी जाने वाली केशर रंग की पोशाक ।

कैलपुरो—कैलवा नाम के गाँव में बसने के कारण शिशोदिया का एक विरुद ।

कोटवाल—१. शासनाधिकारी का एक पद । २. दुर्गरक्षक और उसका पद ।

खटायत—सहन करने वाला धीर पुरुष ।

खबरदार—संदेश-वाहक अनुचर ।

खरक कूण—वायव्य और पश्चिम दिशा के बीच की दिशा ।

खवास—१. राजा की खवासी करने वाला नौकर । २. नाई । ३. दासी । ४. रखेल स्त्री ।

खांगड़ो—१. राठोड़ राजपूत । २. राठोड़ो का एक विरुद । ३. धीर ।

खांगीबध—राठोड़ों का एक विरुद ।

खांट जात—भोल, नायक, मेर आदि जातियों की समष्टि ।

खान—१. बादशाह की सभा के मुसलमान दरबारी । खानों की संख्या बादशाही दरबारों में ७० होती थी । इनके मुकाबिले उमराव ७२ होते थे । 'सत्तार खान और बहत्तर उमराव' की लोकोक्ति प्रसिद्ध है ।

२. पठानों की एक उपाधि । ३. मुसलमान ।

खाड़े ली—बैलगाड़ी आदि वाहन चलाने वाला व्यक्ति । २. हल चलाने वाला व्यक्ति ।

खालसा—१. राजाओं की उप-पत्नियों का एक प्रकार । २. रखेल । ३. दासी ।

खिलहरी, खिलहोरा, खिलोरी, खिलोहरी—१. जंगली मनुष्य । २. भेड़-बकरी चराने वाला व्यक्ति ।

खुरसाण—लक्षणार्थ में मुसलमान का पर्याय (ब. व. खुरसाणाँ, खुरासाणा)

खूदालम—बादशाह ।

खून—१. अपराध । २. हत्या ।

खूमांणो—रावळ खूमाण के वंशज शिशोदिया क्षत्रियों का विरुद ।

खूर—लाक्षणिक-अर्थ में मुसलमान व्यक्ति ।

खेड़ा री बाघण—शिकार का एक प्रकार ।

खेड़ेचा—मारवाड़ में राठौड़ क्षत्रियो का खेड़-पाटण में सर्व प्रथम राज्य स्थापित होने के कारण उनका ऐतिहासिक विरुद्ध ।

खेड़ायत—१. एक गाँव का धनी । २. जमीन जोत करके गुजरान करने वाला व्यक्ति ।

गग—१. राना घणसूर मोहिल का विरुद्ध । २. राघ गाँगा की ऊन सत्ता ।

गजधर—भवन निर्माण करने वाला शिल्पी ।

गढपति—दुर्गपति, राजा ।

गायणी—१. गाने वाली । २. वेश्या ।

गुढो—रक्षा-स्थान ।

गुल-लाग—विवाह आदि में गुड़ के रूप में दिया जाने वाला एक कर ।

गेहलो—अणहिलपुर-पाटण के शासक कर्ण (की मूर्खता) का विरुद्ध ।

गोडो वालणो—मृतक की सम्बेदना प्रकट करने को जाना ।

गोत्र-कदव—स्वगोत्री (कुटुम्बी) जनों की हत्या ।

ग्रासियो—१. ग्रास (गुजारा) के लिये मिली हुई जमीन का मालिक ।

२. विद्रोही, वागी । ३. लूट-खसोट करने वाला व्यक्ति ।

घणदेवजी-रोटा—१. बड़ी बाटी का भोजन । ३. देवी-देवता के निमित्त बनाया हुआ बाटी का भोजन ।

घरवास, घरवासो—पत्नी रूप में पर-पूरुष के घर में रहना ।

घावड़ियो—हानि पहुँचाने या मारने के लिये ताक में रहने या पीछा करने वाला व्यक्ति ।

घोरंधार—कोळू के शासक पमे का विरुद्ध ।

चक्रवै—चक्रवर्ती राजा, सम्राट ।

चरवैदार—१. घोड़ों की देखभाल करने वाला नौकर, सईस । २. घोड़ों को जंगल में ले जाकर चराने-फिराने वाला नौकर ।

चवरासियो—चौरासी गाँवों का स्वामी । २. राजस्थानी लोकगीतों का एक नायक ।

चामरियाल—लक्षणार्थ में मुसलमान का पर्याय ।

चींचड़—१. आवश्यक समय के लिये चुनिंदा धीर योद्धा । २. अधिक अफीम खाने के कारण सुष-बुध रहित व गंदा रहने वाला व्यक्ति ।

चूड़ालो—प्रसिद्ध धीर भाटी विजयराव का विरुद्ध ।

चोटी-बढियो—जागीरदार की प्रजा का वह कर-मुक्त मनुष्य जिसको अपनी चोटी कटाई हुई रखनी पड़ती थी ।

चोघरी—१. गाँव की चोघराई का पद । २. जाति या समाज का मुखिया ।

चोरासिया-ठाकर—१. चौरासी गाँवों का जागीरदार । २. बड़ा जागीरदार ।

छकड़—एक प्राचीन सिक्का ।

छठो—१. मृत्यु । २. युद्ध ।

छड़ीदार—छड़ीवरदार, चोबदार ।

छत्तीस पवन—१. चारों वर्ण और उनके अंतर्गत आने वाली समस्त जातियाँ । २. ससार की समस्त जातियाँ ।

छत्रपति—१. सरहटों का राज्य स्थापित करने वाले धीरवर शिवाजी की उपाधि और विरुद्ध । २. छत्रधारी राजा या महाराजा ।

छात्राळा—जैसलमेर के भाटी शासकों का विरुद्ध ।

जवादि जलहर—१ वह जलागार जिसके जल में क्रीड़ा या मजन करने के लिए कस्तूरी आदि सुगंधित पदार्थ मिलाये गये हों । ३ सुगंधित किये हुए जलागार में की जाने वाली स्नान-क्रीड़ा ।

जमीदार—जमीन का स्वामी ।

जय-जंगलधर—१. बीकानेर के राठौड़ राजाओं की उपाधि और विरुद्ध । २. बीकानेर राज्य का आदर्श वाक्य ।

जलालस्याही, जलाला नांणो—जलालशाही रुपया ।

जवन—मुसलमान का पर्यायवाची ।

जांगड़—ढोली ।

जांणारु—१. भेदिया, गुप्तचर । २. चतुर, विज्ञ ।

जाम—सौराष्ट्र के नवानगर (जामनगर) के शासकों की उपाधि ।

जागीरदार—जागीर का स्वामी, जागीर-प्राप्त व्यक्ति ।

जोगणी—१. रण-पिशाचिनी । २. योग साधन करने वाली स्त्री । ३. जोगी जाति के पुरुष की स्त्री ।

जोगी—१. योगी, योग साधन करने वाला तपस्वी । २. आत्मज्ञानी ।

जोगी-रावळ—१ बड़ा योगी, योगीश्वर । २. राज्य-सम्मानित योगी ।

जोगेश्वर, जोगेसर—योगीश्वर ।

जोसी—ज्योतिषी, राज्य-ज्योतिषी ।

झोंटोळियो—१. एक प्रकार का भूत । २. साधारण भूत ।

झोंटिंग—१. घने वालों वाला और काले रंग का एक बड़ा भूत । २. महिषाकृति व काल रंग का एक बड़ा भूत ।

टका—१. रुपया । २. दो पैसे (२० $\frac{1}{32}$) का सिक्का, रुपये के ३२वें भाग का एक सिक्का ।

टीकायत—१. राजा का उत्तराधिकारी पुत्र, युवराज । २. मुखिया, अधिष्ठाता ।

ठकराणी—१. ठाकुर की पत्नी । २. कुलघान सत्राणी ।

ठकराळा, ठकुराळा—१. ठाकुर के लिए आदर-सूचक संबोधन । २. ठाकुर ।

ठाकर—१. ठाकुर, जागीरदार । २. कुलवान क्षत्री ।

ठाकुर—१. श्रीराम अथवा श्रीकृष्ण (की मूर्ति) २. श्रीकृष्ण । ३. दे० ठाकर ।

ठाकुरजी—१. श्रीराम अथवा श्रीकृष्ण (की मूर्ति) । २. श्रीकृष्ण ।

डावड़ी—१. जागीरदार की एक दासी । २. पुत्री ।

डोली—ब्राह्मण-साधु आदि को दान में दी हुई कर-मुक्त भूमि ।

ढोल दिरावणो—ब्राह्मण के समय सूचना देने और संगठित होने के लिये विशेष प्रकार से ढोल का बजवाना ।

डावी-पाघ—शठियों को पगड़ी का एक पेच ।

तपसी—तपस्वी साधु ।

तहड़-कूण—सोलह दिशाओं में की एक दिशा का नाम ।

तुरक—मुसलमान व्यक्ति का लक्षणार्थ नाम ।

तुरकांणी—१. तुर्क राज्य, मुसलमानों का राज्य । २. मुसलमान स्त्री ।

थाळी-लाग—१. प्रति व्यक्ति कर । २. विवाहादि में थाली भर कर भोजन रूप में लिया जाने वाला कर ।

दळथभण—जोधपुर के महाराजा गजसिंह का विरुद्ध ।

दसमो साळगरांम-गोकुळीनाथ—जालोर के प्रख्यात वीर राव काग्हडदे सोनगरे का विरुद्ध ।

दानेसर, दानेसवर—प्रभात नाम महादानी कुन्ता पुत्र कर्ण (वसुधेन) का विरुद्ध ।

दांम—पैसे के २५ वें भाग का एक सिक्का (६४ पैसे के २० १ के १६०० दाम होते थे) ।

दीत—दे० दीत-ब्राह्मण ।

दीत-ब्राह्मण—चित्तौड़ के शासक सीसोदियों के पूर्वजों (धन शर्मा के बाद गोवसीदित्य से भोगादित्य तक ५५ पीढ़ियों) की 'आदित्य-ब्राह्मण' उपाधि या श्रृंखला ।

दीवांण—१. मेवाड़ के सीसोदिया शासकों (महारानाओं) का पद और एक विरुद्ध ।

(मेवाड़ राज्य के स्वामी श्रीहर्कलिंगजी और महाराना उनके दीवान हैं) २. राज्य का प्रधान मंत्री, दीवान ।

दुगांणी—१. रुपये के सौवें भाग का एक पुराना सिक्का ।

२. व्याज की फलावट में गणित का एक साधन, दुर्गाणी ।

दुगापचा (दुगाय माता)—ईंवावाटी में दुगाय पर्वत पर की दुर्गा माता देवी । दुर्गा-पंचा नाम भी प्रसिद्ध है ।

देसोत—१. वेशपति, राजा । २. जागीरदार ।

देवचो, देवाचो—प्रतिज्ञा ।

घाड़वी, घाड़ायत, घाड़ायती, घाड़ेत, घाड़ेती—डाका डालकर धन लूटने वाला व्यक्ति ।

घाय-भाई—घा-भाई, दूध-भाई । स्तनपान कराने वाली घाय का पुत्र । २. घाय-भाई के वंशजों की उपाधि ।

घारेचो—विषया का परपुरुष की पत्नी होकर रहना ।

नकीब—राजा-बादशाहों के पट्टाभिषेक होने, उनके राज-सभा में आने तथा उनकी सवारी के समय विरूद-गान करने वाला सेवक ।

नगारो दिराणो—आक्रमण के समय सूचना देने और धीरों का संगठित होने के लिये विशेष प्रकार से नगाड़े का बजवाना ।

नवाब—मुसलमान शासक या रईसों की एक उपाधि । २. किसी सूबे का मुसलमान राज्याधिकारी या शासक ।

नव कोटी-मारवाड़—नौ प्रसिद्ध दुर्गों वाला विशाल मारवाड़ राज्य ।

नव-सहस्रो—१. मारवाड़ राज्य के प्रसिद्ध राव मालदेव का विरूद । २. धीर राठौड़ क्षत्री ।

नागदहा—नागदहा गांव में बसने के कारण मेवाड़ के सीसोदिया-शासकों का एक विरूद ।

नादेत-नीसारोत—चाचग के वंशज कण्ठवाय के सांखलों का विरूद ।

नेगी—नेग लेने वाला व्यक्ति ।

न्याळां—१. घाखेद-गोष्ठी । शिकारियों की भोजन-गोष्ठी ।

पंचाघ कूण—उत्तर और घायव्य के बीच की विशा का नाम ।

पटू—प्रतिभू, जामिन ।

पड़दाइत, पड़दायत—राजा की वह रखेल जिसे पत्नी (रानी) के समान पदों में रहने का सम्मान मिला हो ।

पताई-रावळ—पावागढ (गुजरात) के धीर रावल यशवंतसिंह का विरूद ।

परत-री-वेढ—शर्त की लड़ाई ।

परधान—१. राज्य का प्रमुख पदाधिकारी, प्रधान मंत्री । २. किन्हीं दो पक्ष, ठिकाने या राज्यों में पड़े हुए झगड़े-टंटे या मतभेद को मिटाने या समाधान के लिए नियुक्त किया गया प्रतिष्ठित व्यक्ति ।

पांडव—घोड़े का सईस ।

पाइक—१. पैदल सैनिक । २. हर समय पास रहने वाला विश्वास-पात्र सेवक, सच्चा सेवक ।

पाखा-देवळी—१. राजा का परिजन या परिग्रह । २. राज्य के समस्त स्त्री-पुरुष सेवक-जन ।

पाटवी—१. पट्टाधिकारी राजकुमार, युवराज । २. जागीर का अधिकारी ।

पाटोघर—पट्टाधिकारी, राजा ।

पात—१. (दान दिये जाने के पात्र) चारण भाट आदि । २. चारण ।

पातर—१. राजाओं की गायिका । २. लपटों की भोग-पात्र नारी, वेश्या ।

पातळ—जग-विद्वयात महाराना धीरशिरोमणि प्रताप का साहित्यिक नाम ।

पातसाह—बादशाह ।

पासवान—१. राजा का खास सेवक । २. राजा की एक रखेल स्त्री और उसका दर्जा ।

पिथोरो—१. अंतिम हिन्दू सम्राट् पृथ्वीराज का साहित्यिक नाम । २. पृथ्वीराज के कुछ वंशजों की उपाधि ।

पिरोजसाही, पिरोजा—फिरोजशाही रुपया ।

पीथल—‘क्रिस्तन रुक्मणी री वेलि’ के रचयिता प्रसिद्ध भक्त बीकानेर के राठीड पृथ्वीराज का साहित्यिक नाम ।

पीर—मुसलमानों का धर्म-गुरु ।

पीरोजी नांगो—दे० पिरोजसाही ।

पूण-जात—द्विजों के अतिरिक्त समस्त जाति समुदाय ।

पूतल-छोकरी—दासी ।

पृथ्वीराज-उडणो—दे० उडणो-प्रयीराज

पेरोजी नांगो—दे० पिरोजसाही ।

प्रवाड़मल—१. अनेक युद्धों में विजयी होकर कीर्ति प्राप्त करने वाला वीर योद्धा ।

२. दे० असंख प्रवाड़-जैतवादी ।

प्रोलियो—द्वारपाल ।

प्रोहित—१. पुरोहित । राजगुरु । ३. कुलगुरु ।

फदियो—एक पुराना सिक्का ।

फरास—फर्राश ।

फरीधर, फरसीधर—परशुधर ।

फोजदार—सेना का अधिकारी, सेनापति ।

वधांगी—नियमित समय और मात्रा में नशा करने वाला नशाबाज व्यक्ति ।

वगसी—वेतन घांटने वाला अधिकारी, बक्सी ।

वलवड—सुल्तान गयासुद्दीन की उपाधि ।

वहुली-जोगणी—एक योगिनी ।

वा—१. सीरोष्ट्र और गुजरात के राजवाड़ों की राजमाताओं के नामों के साथ लगने वाला माध्यर्थ-सूचक एक प्रत्यय । २. माता ।

वाजरियो—१. एक मांस भोजन । २. बरत का एक विशेष भोजन-समारोह ।

वादशाह—हिंदू-तर सार्वभौम राजा का पद । बड़ा राजा ।

वायड—नशा करने की तीव्र इच्छा ।

वायडियो—नशा करने की आवृत्त वाला, नशा करने की तीव्र इच्छा वाला ।

वारोटियो—१. लुटेरा । २. धिरोही, बलवाली ।

बीबी—बीबी (मुसलमान कुलीन स्त्री) का खाबिन्द या फरजद होने के नाते साक्षणिक अर्थ में मुसलमान शब्द का पर्याय ।

बेगम—नवाब या बादशाह की पत्नी ।

ब्रह्मरिख, ब्रह्मरिष—ब्रह्मर्षि ।

भड़-किमाड़, भड़-किवाड़—कपाट की भाँति प्रवरोध बनकर शत्रु को आगे नहीं बढ़ने देकर देश की रक्षा करने वाले वीर योद्धाओं का विरुद्ध ।

भड़-लखमसी—चित्तौड़ के राना रतनसी के भाई लखमणसी का विरुद्ध ।

भरहेर कूण—पूर्व और ईशान के बीच की दिशा ।

भांग-रा-हिमायचा—१. भांग से बना एक नशीला पदार्थ । २. भांग पीने की आवत वाला ।

भूँछ लोग—१. धर्मनैति और राजरीति से अनभिज्ञ लोग । २. असभ्य लोग ।

भोमियो—१. थोड़ी भूमि (खेतों) का स्वामी, जमींदार । २. बहुज ।

मंडलीक—१. देरावर के देहड़, बूहड़ और गुणरंग का विरुद्ध व उनकी उपाधि । २. मंडल-लोक राजा, मंडलपति ।

मऊ—१. दुकालग्रस्त गरीब प्रजा जो (अगले वर्ष सुकाल हो जाने पर वापिस लौट आने के इरादे से) अपने भरण-पोषण के लिये सामूहिक रूप से स्वदेश छोड़कर किसी सुकाल वाले स्थान को जा रही हो । २. गरीब प्रजा ।

मनसबदार—बादशाही राजत्वकाल का मनसब प्राप्त अधिकारी ।

मलेछ, मळेछ—१. साक्षणिक अर्थ में मुसलमान व्यक्ति । २. विधर्मी ।

महमूदी—एक मोहम्मदी सिक्का ।

महाजन—१. वैश्य, षणिक । २. धनी व्यक्ति । ३. श्रेष्ठ-पुरुष ।

महाराणा—मेवाड़ के शासकों की उपाधि ।

महाराज—१. ब्राह्मण और साधुओं का सम्मान-सूचक नाम । २. राजा ।

महाराज कँवार—युवराज ।

महाराजा—बड़े राजाओं की उपाधि ।

महाराजाधिराज—अनेक राजाओं में प्रधान राजा, सम्राट ।

महावत—फीलवान ।

मारवण, मारवणी—१. साहित्य-प्रसिद्ध पूगल की राजकुमारी और नरवर के डोला की पत्नी । २. मारवाड़ देश की स्त्री । ३. एक लोक-नायिका, राजस्थानी लोक गीतों की नायिका ।

मारवा-राव—मारवाड़ में से सौराष्ट्र को गये हुए गोहिल क्षत्रियों का विरुद्ध ।

मारु—१. मारवाड़ देश । २. मारवाड़ देश का निवासी (य. य. मारवा, मारवा) ३. एक लोक-नायक, राजस्थानी लोक-गीतों का एक नायक । ४. दे० मारवणी ।

मालाणा—१. मारवाड़ के मालानी प्रदेश के क्षत्री के लिये सम्बोधन । २. मालानी प्रदेश का क्षत्री ।

माहिलवाड़ियो लोक—राजा के अतरंग लोग ।

मिरजा—१. मुगलो की एक उपाधि २. मीरजा ।

मिलक—१. मुसलमान सरदारों की मलिक उपाधि । २. लक्षणार्थ में मुसलमान का पर्याय ।

मीर—१. मुसलमान सरदारों की एक उपाधि । २. अमीर ।

मुंहणोत—राव सीहा के वंशज खेड़-पाटण के राठोड़ राव रायपाल के पुत्र मोहण के जैन धर्म स्वीकार कर लेने पर उनके वंशजों की ओसवालों में प्रसिद्ध हुई 'मोहणोत' शाखा ।

मुंहता—१. 'मुंहणोत' का अपभ्रंश रूप । २. मोहताई या मुंहताई का पद । ३. ब्राह्मण और वैश्य आदि जातियों की एक अल्ल ।

मुसद्दी—राजकार्य में कुशल व्यक्ति का पद ।

मूँछाळो-मालदे—जालोर के राव कान्हड़दे सोनगरा का भाई घोर मालदेव सांवतसीओत का विरुद ।

मूँछा-री-सिकार—१. वृक्ष पर बंधे हुए ऊँचे मचान पर बैठ कर किया जाने वाला शिकार, ओदी की शिकार । २. किसी झाड़ी, खड़े या वृक्ष पर बैठ कर की जाने वाली रात की शिकार ।

मेछ—दे० मलेछ । ('म्लेच्छ' का अपभ्रंश रूप । व. व. मेछाण, मेछाइन, मेछायण)

मेळण—चारण ।

मेवाड़ो—१. लाक्षणिक अर्थ में मेवाड़ के महाराना का पर्याय । २. मेवाड़ का निवासी ।

मेवासी—विद्रोही बन कर लूट-मार करने वाला ।

मेवासो—मेवासियों का दुर्गम व छिपा स्थान ।

मोटा-राजा—जोधपुर के राजा उदैसिंह की उपाधि या उपनाम । (क्षत्री में बहुत भारी और मोटे होने के कारण इस नाम से प्रसिद्ध होना कहा जाता है ।)

मोदी—१. भोजनशाला की सामग्री के अधिकारी का पद । २. आटा दाल आदि बेचने वाला बनिया ।

रढ-रांवण—१. राता इन्द्रवीर मोहिल का विरुद । २. रावण के समान दृढ़ और हठी घोर का विशेषण । ('रढरांण' इसका छोटा रूप है)

रवद—रीढ़ लक्षणार्थ में मुसलमान का पर्याय । (व. व. रवदां, रवदाण, रवदाइन, रवदायण, रवदायत, रवदाळ)

रसोहिदार—रसोइया ।

रांगा—१. करण रावल के पुत्र राता राहप से चली आ रही मेवाड़ के सीसोदियों की उपाधि । २. मारवाड़ के मालानी प्रान्त के गुंझा और नगर के जागीरदारों की

उपाधि । ३. छापरा-द्रोणपुर के मोहिल शासको की उपाधि । ४. राना, राजा ।
(सं० राणाई)

राणी—१. रानी, राज्ञी, राजा की पत्नी । २. राज्य की स्वामिनी ।

रा—कच्छ और सोरठ के शासको की उपाधि । (पूर्व समय में राजस्थान के जागीरदारों की भी 'रा' उपाधि होती थी । दे० अणखीसर कूप की वेधली का शिलालेख, स० १३४० वि.)

राईतन—१. अनेक राज्यों के राजा लोग । २. राज्य वर्ग ।

राउ—दे० राव ।

राजलोक—१. अंतःपुर, रनिवास । २. रानी । ३. रानियाँ ।

राजवी—१. राजघराने के व्यक्तियों की उपाधि । २. राजघराने का व्यक्ति ।

राजा—राज्य के स्वामी की उपाधि । २. नृपति । (सं० राजाई)

राठी—एक जाति जो राज्य की वेगार निकालती है । वेगारी ।

रायजादो—१. राजपुत्र, राजकुवर । २. विवाहादि लोक गीतों का एक नायक ।

राव—१. मारवाड़ के शुरु के कुछ राठोड़ शासको की उपाधि । २. भादो की उपाधि ।
३. राजा । ४. सरदार । (सं० रावाई)

रावत—१. छोटे राजाओं की उपाधि । (सं० रावताई) २. भील जाति ।

रावल—१. जैसलमेर के राजाओं की उपाधि । २. रावल बापा के पिता भोजादिभ्य से रावल करन की २६ पीढ़ी तक चित्तौड़ के शासकों की उपाधि । ३. मारवाड़ के जसोल और सिणघरी आदि मालानी के कुछ ठिकानों के जागीरदारों की उपाधि । ४. डूंगरपुर और वांसवाहला (वासवाड़ा) के रावल माहप से शासकों की उपाधि ।

राहवेधी—हूरवेश ।

राहावणो—१. राजाओं और ठाकुरों की रखेलियों की सतान, रावणा लोग । (उसी राजा या ठाकुर के द्वारा भरण-पोषण पाने और उसके यहां ही रहने के अधिकार के कारण यह संज्ञा दी गई कहा जाता है)

रिख, रिखी, रिखीस्वर, रिष—१. हारीत ऋषि । २. ऋषि ।

रूठी-रांणी—१. राव मालदेव की रानी उमादे भट्टियानी का स्वाभिमानो नाम ।

रूपारास—पूर्व और आग्नेय के बीच की विशा का नाम ।

रौद—दे० रवद । (घ. घ. रौदा, रौदाण, रौदाइल, रौदायल, रौदाळ)

रौद्रे—दे० रवद । (ब. व. रौद्रा, रौद्राइन, रौद्रायण, रौद्राळ)

लजो, लांजो—१. जैसलमेर के रावल विजयराव का विरुद्ध ।

२. राजस्थानी लोकगीतों का एक नायक । ३. बहुत शोकीन ।

लसकरी—कामरा की उपाधि ।

लांघां-बलाय—राना रायमल के पुत्र पृथ्वीराज की अद्भुत वीरता का और एक ही दिन में टोडा (जयपुर) और जालोर (मारवाड़) जीत लेने के कारण एक विरुद्ध अर्थवा विशेषण ।

लागदार—कर घसूल करने वाला अधिकारी ।

लूटेरू—लूट-खसोट करने वाला व्यक्ति, लुटेरा ।

वजोर—१. दासी पुत्र, गोला । २. राज्य का प्रधान पदाधिकारी ।

वड कँवार—पूर्ण यौवनवती कुमारी ।

वडारण—ऊँचे दर्जे वाली दासी ।

वरतियो—१. तांत्रिक । २. जैन जती ।

वसी, वसीवांन (वसी रो लोग)—१. जागीरदार की प्रजा के वे लोग जो कर-मुक्त होते हैं और जिन्हें विशेष सेवाएँ देनी होती हैं । २. वे लोग जो अपनी सुरक्षा के लिये जागीरदार को कुछ विशेष कर देते हैं । ३. किसी जागीरदार की जागीरी या गांव में बसने वाली प्रजा ।

वांकड़ो—राजा पृथ्वीराज कछवाहे के बेटे बलिभद्र का विरुद्ध ।

वातपोस—राजाओं के मनोरंजनार्थ कहानियाँ और ख्यात-बातें सुनाने वाला अथवा हांकारा देने वाला व्यक्ति ।

वावसू—१. गुप्तचर । २. वायुवेग के समान भाग कर सवर लाने वाला व्यक्ति ।

वाहग—१. गुप्तचर । २. दौड़ा करने वाला ।

वाहरू—पीछा करने वाला व्यक्ति ।

वाहाऊ—दे० वाहरू ।

विचित्र—मुसलमान का लाक्षणिक पर्याय ।

विजयशाही रुपया—जोधपुर के महाराजा विजयसिंह द्वारा प्रवर्तित एक रोप्य मुद्रा ।

वैरागी—वैष्णव साधुओं का एक भेद ।

वैरायत—१. वैर का बदला लेने वाला व्यक्ति । २. बदला लेने की खोज में रहने वाला व्यक्ति ।

वोढो-रांवण—दे० ओढो रांघण ।

वोहरो—१. व्याज पर रुपये उधार देने वाला बणिक । २. एक मुसलमान जाति ।

वोडश-महादान—भूमि, आसन, जल, वस्त्र, दीप, अन्न, तांबूल, छत्र, गध, माला, फल, शम्पा, पाटुका, गी, सुवर्ण और चादी—इन सोलह वस्तुओं का दान वोडश-महादान कहलाता है ।

श्रीठाकुरजी गोकलीनाथ—दे० बसमों साळगराम गोकलीनाथ ।

सगत, सगती—वह स्त्री जिसके शरीर में भद्रिधामी आदि किसी लोकदेवी का आवेश

होता हो । २. देखांशी स्त्री । ३. जोगिनी ।

सतवादी—वे० सत्यव्रत ।

सती—१. दानी । २. सत्यवादी । ३. पतिव्रता । ४. मृत पति की चिता के साथ जलन वाली स्त्री । ५. जोहर द्वारा जलकर प्राण त्यागने वाली स्त्री ।

सत्यव्रत—सत्यवादी राजा हरिश्चन्द्र का विरुद्ध ।

सर्मा—चित्तोड़ के शासकों के अर्थात् पूर्वज विजयपान शर्मा से धन शर्मा की ५८ पीढ़ियों की शर्मा उपाधि ।

सखणी—शकुनी, शकुन-शास्त्री ।

सहेली—१. दासी का एक प्रकार । २. साथिन ।

सामघरमी—वे० सामभगत ।

सामभगत—स्वामीभक्त ।

सांवत—१. धीरे में प्रधान धीर. सामंत । २. ठाकुर, सरदार ।

सापुरस—भला आदमी ।

साह—१. प्रतिष्ठित व्यक्ति । २. बादशाह । ३. बुदेलों के कुछ पूर्वजों की उपाधि ।

साहणी—घोड़ों के तबले का बरोगा ।

साहिजादी—शाहजादी ।

साहिजादो—शाहजादा ।

सिद्ध—सिद्धि प्राप्त योगी ।

सिद्धराव, सिधराव—अणहिलवाड़ा-पाटण के शासक सोलकी जयसिंहदेव का विरुद्ध ।

सिरदार—१. राजपूत । २. जागीरदार, सरदार ।

सीसोदिया—सीसोवा गाँव में बसने के कारण मेवाड़ के रानाओं की उपाधि ।

सुख—१. प्रेम, २. मेल-मिलाप, ३. नैरोग्य ।

सुलताण—१. बादशाह या नवाब की सुल्तान पदवी । २. बादशाह ।

सूत्रधार—वास्तु शिल्प का विशेषज्ञ, वास्तुकर्मज्ञ ।

सेठ—धनी या प्रतिष्ठित व्यक्ति की एक उपाधि ।

सेलहथ—१. धीर पुरुषों की एक उपाधि । २. भालाधारी धीर पुरुष ।

सेसू—गुप्तचर ।

सोदागर—घोड़ों का व्यापारी ।

सोनइया, सोनैया—स्वर्ण मुद्रा, सोने का सिक्का ।

हलालखोर-खासो—१. बादशाह का खास एतवारी नौकर ।

ह'म्न—महाराना हमीर का साहित्यिक नाम ।

हाकम—बादशाही जमाने का एक राज्य अधिकारी ।

हाली—कृषक के यहां हल चलाने वाला नौकर, कृषि का काम करने वाला नौकर ।

हिंदवाणी—हिन्दू राज्य ।

हुजदार—१. बादशाही जमाने का एक प्रमुख राज्य कर्मचारी, उजदार ।

हुड—मेंढा, घेढा ।

हुरड़वतो—विजयराव चूड़ाले के पुत्र देवराज का विरुध और उपनाम ।

हेठवांणी, हेठवांणियो—१. अधीन कर्मचारी । २. अधीन पुरुष, परवश पुरुष ।

हेरू—खोज करने वाला कर्मचारी ।



परिशिष्ट ४

ख्यात में प्रयुक्त पुत्र शब्द के पर्याय व अपत्य प्रत्ययादि शब्द

| | |
|----------|--------|
| अग | डावड़ो |
| अंगज | डीकरो |
| अगोभव | तण |
| अंगोभ्रम | तणै |
| अंसी | तणो |
| अभिनमो | वीकरो |
| आणी | धन |
| आतमज | पाटोघर |
| उत | पुत्त |
| ऊत | पूंगडो |
| ओत | पुत |
| कँवर | पेठ |
| कळोघर | वेटो |
| कुवर | भ्रम |
| कुळचद | रो |
| कुळदीप | लाडो |
| कुळदीपक | वसधर |
| कुळघर | वत |
| कुळधारक | वाळो |
| कुळभाण | सभ्रम |
| कुळमंड | साव |
| कुळमंडण | मुजाव |
| छावड़ो | सुत |
| छावो | सुतरण |
| जायो | सुष |
| जोष | सुवण |
| जोघार | |

परिशिष्ट ५

ख्यात में प्रयुक्त पौत्र या वंशज के पर्याय व प्रत्ययादि शब्द

अभनसो
अभिनसो
कळोघर
कुळज
हुवो
पेट
पोतरो
पोतो
पोत्रो

बीजो
बीयो
वंसज
वसोघर
संभ्रम
समोभ्रम
हर
हरो



परिशिष्ट ६

शुद्धि पत्र

पृ. कॉ. पं. अशुद्ध

शुद्ध

१ १ ॥ दे० ॥

एक अक्षर-ब्रह्मवाची अपभ्रंश-परंपरा का मगल-चिह्न, जो मारवाड़ी भाषा का बिलीटी (वर्णमाला) के आदि में लिखा-पढ़ाया जाता है ।

१ ७ इछना
१ २६ ब्राह्मण
२ ३ बलियां
२ ५ रहि नैं
२ ६ पटोला
२ ११ बेटो^{२२} हूं
३ १८ चीतोड़
४ ३० म
५ ३ तयण
५ ६ भालांवाळी
६ ६ जसक
६ १५ चीरसर्मा
१० २० पीछां
११ २० देव राठासण
१२ २ अविचल
१२ ७ वधियो
१३ ६ महापतूं
१३ ६ घरांरी

इछना
ब्राह्मणों के
बलियां
रहिनैं
पटोला
बेटो हूं^{२२}
चीतोड़
में
नयण
भालांवाळी
जसकर
वीरसर्मा
पीछां
देवी राठासण
अविचल
वधियो?
माहप नूं
घरां री

पृ० १४ और १५ में उल्लिखित 'अजेंसी' के स्थान 'जेंसीह' होना चाहिये ।

१४ ६ डेरांसू
१४ ६ गढ-रोहे
१५ १७ खमणोर
१६ १ महियो
१६ २ डूगररा
१६ २३ बहतो
१६ २५ १

डेरां सू
गढरोहे
खमणोर
महियो
डूगर रा
वस्ती
ली

पृ. कॉ. पं. अशुद्ध

शुद्ध

- १७ २८ 'असख प्रवाड़-जैतवादी' (असंख्य युद्धों में विजयी) का विरुद्ध प्राप्त करने वाला पृथ्वीराज, उसके बापे राना रायमल के जीवन-काल में ही मर गया ।
- १८ ७ पारवतीरे पाखती रे
- १८ ९ 'सुणिघो छै' के वाद पूर्ण-विराम नहीं है ।
- १८ २७ अक्रमण अक्रमण
- १९ २ घर घर
- १९ २९ राज्याधिकारी राज्याधिकारी
- २२ पंक्ति १२ 'महेस' और पंक्ति १३ 'जगमाल' के बीच '९ सगर' जोड़िये ।
- २२ २८ इस प्रकार सुधारिये और जोड़िये—
17. आधा दिया । 18. जिससे । 19. अपनी । 20. सहोपता की ।
- २३ १७ दोहीतो दोहीतो
- २३ २१ ऊपर करै छै^{१७}, ऊपर करै छै,
- २३ २७ १७ जैता का पुत्र १७ रूपसिंह, जैता के पुत्र देवीदास का दोहिता ।
- २४ २८ १६२९ १६३९
- २५ १५ ९ सबलसिंघ १० सबलसिंघ
- २५ १६ गांव ४ जालोररा कुरड़ासू । गांव ४ जालोर रा कुरड़ा-सू दिया ।
दिया ।***दीधी दस ।
- २५ २७ घास के निमित्त जो गांव कुरड़ा सहित जालोर के ४ गांव दिये ।
थे उनमें से चार उसे दिये ।
- २७ ३१ सैद माखन सैद माखन
- २८ १३ काल काल
- २९ ४ मिलीयो मिलीयो
- २९ ११ जागीर कीयो तागीर कियो
- २९ १२ नीमच नीमच
- २९ १३ देवलियारो गढ़ासिंघ देवलिया री गढ़ासंघ
- २९ २२ गाउ गाउ
- २९ २६ १० जल १० देवलिया के निकट
- ३० ७ मिलीया मिलीया
- ३० १२ काल कीयो काल कियो
- ३२ २३ पाल पाल
- ३४ २९ दरी दरी ।
- ३५ ३६ जावद जावर

| पृ. क्रों | प. अशुद्ध | शुद्ध |
|-----------|---|---|
| ३६ | १३ उदैपुर कोस छपनिया- राठीझांरो उतन छे | उदैपुर सू कोस... छपनिया-राठीझांरो उतन छे |
| ४० | २ दुरदास | दुरसदास (दुरगदास) |
| ४० | १० मार लांछां | मारलां छां |
| ४० | १८ बाघोरा | बाघोर |
| ४० | २० भोरडा | भोरह |
| ४१ | ५ वरदाडो | वरवाडो |
| ४३ | १८ सारंग दे ओतांरी | सारंगदेओतां रो |
| ४३ | २८ महल मे | महल |
| ४७ | १ दलोल-कलोस | दलोल-कलोल |
| ४७ | ६ खभणोर | खमणोर |
| ४७ | ११/१२ मीरमी पहु नै | मीरमीपहुवै |
| ५० | १६ रतसीरो | रतनसी रो |
| ५० | २८ जगमाल का पुत्र | जगमाल के पुत्र कला की-वेटी हाडी |
| ५३ | ३६ दुहरै | देहरै |
| ५२ | २२ कोसायल | कोसीयल |
| ५३ | २६ राघवदे | राघवदे |
| ५४ | २२ ऊपर ²⁵ डाय | ऊपरड़ाय ²⁵ |
| ५४ | ३० ऊपर दाव=आक्रमण करने वालो से | ऊपर वालों से |
| ५६ | १ तेरे | तरै |
| ५६ | १० चढती ही नै | नै चढता ही |
| ५६ | १६ वृढ | हूठ |
| ५७ | १ चावडांरा | चावंड रा |
| ५७ | ३ चावडांरा | चावंड रा |
| ५७ | २१ छट | छूट |
| ५६ | २ थाप लियो | थापलियो |
| ५६ | १० खूमाण | खूमाणै |
| ५६ | २६ हडा | हाडा |
| ६१ | १६ वेढ नै कीजे | वेढ न कीजे |
| ६१ | १६ आग | आगै |
| ६२ | ४ बालीसा | बालीसो |
| ६३ | ४ वे घमरी | वेघम री |
| ६३ | ७ बाघारो | बाघारो |
| ६४ | १ विसेरिया-चाकर | विसोरियो-चाकर |

पृ. काँ पं. अशुद्ध

शुद्ध

| | | |
|----|--|---|
| ६४ | १५ पीपा घाळो बाळियो | पीपा घाळो गाम बाळियो |
| ६४ | १८ म्हां मारे | म्हा माहे |
| ६५ | १८ फिर संका | फिर सका |
| ६७ | २१ पचाइण । रूपसोरो | पंचाइण रूपसो रो |
| ७० | १६ पछै सै | पछै सै ^४ |
| ७० | १७ रजुआत ^४ | रजुआत |
| ७१ | २५ २ सत्कार | २ सत्कार होगा |
| ७१ | २८ टिप्पणी सं० ८ और १० के बीच में सं० ९ इस प्रकार जोड़िये— '९ हम तुमको दोनों बासों में (जगहों में) नहीं रखेंगे ।' | |
| ७१ | २६ क्षपथ | क्षपथ करके |
| ७३ | २५ ४. प्रताप की घर में रखी हुई बनिये के स्त्री के गर्भ से | ४. रावल प्रताप की खवास पध्यां बनियाइन के गर्भ से |
| ७४ | ६ वासवारलारो | वासवाहळा रो |
| ७४ | ६ 'माही-माह' के ऊपर सं० ९ लगाकर आगे की सभी सख्याओं को एक-एक बढ़ाकर पक्षि २३ में 'हासल' पर लगी अंतिम सख्या १८ को १९ समझें और टिप्पणी की अंतिम पक्षि में 'गद्दी पर स्थापन कर' के पहले सं० १६ लगाकर '१६ ननिहाल' को '१७ ननिहाल', '१७ महल' को '१८ महलों' और '१८ राज-करा' को १९. राज-कर पढ़िये । | |
| ७६ | १८ मेल बीनो | मेलबीन्हो |
| ७६ | १६ डील | डील |
| ७७ | ६ ऊभो मेलन | ऊभो मेलन |
| ७६ | १३ तेजसी | तेजसी |
| ८० | २६ चौरासीमालिक | चौरासी मलिक |
| ८० | २७ चौरासी मालिक | चौरासी मलिक |
| ८१ | १८ दीठ | दीठो |
| ८१ | १६ डूगरपुर | डूगरपुर |
| ८१ | ९३ केहेक | केहेक |
| ८२ | १० डूगरसूँघणी | डूगर सूँ घणी |
| ८३ | ६ घरा | घरां |
| ८३ | २० दया | दिया |
| ८४ | ८ उवेचकिया | उवे चकिया |
| ८४ | २३ घर | घर |
| ८५ | १६ तासु | ता सु |
| ८६ | ५ ठाड़ | ठाड़ |

पृ. कॉ. प. अशुद्ध

शुद्ध

| | | |
|-----|--|---|
| ८७ | १४ कुलसिंघ | कुलसिंघ |
| ८७ | १८ भलेरो | भलेरो |
| ८७ | २५ पोन | पोन कोस मे |
| ८७ | २७ की ओर | पूर्व दिशा की ओर |
| ८७ | २४ गढ़ा | गढ़ासंघ |
| ८८ | १ संघ } | |
| ८८ | ६ बड़ो इतबाय | बड़ो इतवार |
| ९१ | ४ तठ | तठ |
| ९२ | ४ ईणारे | इणारे |
| ७५ | १ बलाया | बलाया |
| ९६ | ८ नाहररो | नरहर रो |
| ९६ | २१ दशहरा | दशहरा को |
| ९६ | २५ तब रहने के लिये | जहाँ रहने के लिये |
| ९६ | २५ भविष्य | भविष्य की |
| ९६ | २६ घरबी छोड़े | ऐराकी छोड़े |
| १०० | ६ घोड़ा | घोड़ा |
| १०१ | १७ ६ जब | ६ जबू |
| १०३ | १३ कह्यो | कह्यो |
| १०३ | २६ सो घरस पोहूँ मर जाना | सो घरस पोहूँ = मर जाय |
| १०४ | १३ भावै नहीं | भावै नहीं |
| १०४ | २८ करमेती तो भेजने के लिये तैयार है परंतु सूरजमल आने नहीं देता | वे तो बहुत ही (बुझी से) आ जायें परंतु सूरजमल आने नहीं देता |
| १०५ | ५ मोडारो बारहठ | गोड़ा रो बारहठ |
| १०६ | २ लाख दे विदा कियो | लाख पसाव दे विदा कियो |
| १०६ | ८ 'सुहाणो नहीं' पर सं० ७ पढ़िये । पंक्ति ६ में 'कुमया करै छै' पर ८ ओर 'फासूं बीठो ?' ९. इसी प्रकार सब मे एक-एक बढ़ाकर पं० २२ मे 'पात' पर सगी सं० १५ को १६ पढ़िये । पंक्ति २६ में '१६ चारण' जोड़िये । | |
| १०६ | १६ लखपसाव | लाख पसाव |
| १०७ | २७ १३ ऊँचे वृक्ष पर मँचान बांधकर | किया जाने वाला शिकार । |
| १०८ | ६ राणो कह्यो | राणै कह्यो |
| ११० | २० आंतरदो | आंतरदो |
| ११३ | २ भाखरके | भाखर के |
| ११३ | ३ भाखरवाळारो | भाखर बला रो |
| ११३ | ६ बाघ-बाड़ी | बाग-बाड़ी |

पू. काँ. पं. अशुद्ध

शुद्ध

| | | |
|-----|---|--|
| ११३ | १६ खीचियां रो । उत्तन | खीचियां रो उत्तन |
| ११३ | १८ घुडवाणरा | गुडवाण रो |
| ११३ | २६ 19 मऊसै । 20 कोस पर घूलकोट | 19 मऊ से ७ कोस पर घूलकोट... |
| ११३ | २८ 21 गुडगांव । | 20 गुंडवान । |
| ११३ | २९ 22 यही । | 21 यही । 22 नीचे । |
| ११४ | १३ नान | नांम |
| ११४ | २६ सेवज | सैवज |
| ११५ | १५ खातखेडी | खाताखेडी |
| ११५ | १५ भील चक्रसेणी | भील चक्रसेण |
| ११५ | १७ बाघरी | बाघ री |
| ११५ | २६ 11 जिसकी भील'''करलिया | 11 'मारली' एक गाँव का नाम है । |
| ११५ | २७ बाघकी | बाघ की |
| ११५ | २८ 13 दोनों | 13 'वेहु' एक गाँव का नाम है । |
| ११६ | १० जीलवाडो | जीलवाडो |
| ११८ | ५ बीहू पना | बीहू पना |
| ११९ | २१ घावै | घावै |
| १२० | २ तापिया | तपिया |
| १२२ | शीर्षक अत | अथ |
| १२२ | ३ सुणियो छै । दिखणनू | सुणियो छै दिखण नू |
| १२२ | १५ मित्रावरण | मित्रावरण |
| १२३ | १६ रोहडी | रोहडी |
| १२४ | १६ कुतरी | कुतल री |
| १२४ | २७ कुतकी | कुतल की |
| १२५ | २२ 'दुरात्मा बावशाह के' आगे की समस्त टिप्पणी का सेंटर पू. १२६ की टिप्पणी है । | |
| १२६ | ६ वूह | वूठ |
| १२७ | ४ जगहरो | जतहर रो |
| १२७ | ६ राठ | राठ |
| १३१ | २४ चंपराय | चंपतराय |
| १३४ | १५ बलाई | बलाइ |
| १३५ | २ ७ १४ कीतू | १४ कीतू ^६ |
| १३५ | २५ 1 सोभा और सरणुवा दोनों पहाड़ों के बीच में । | 1 सोभा के पुत्र सहसमल ने सरणुवा के पहाड़ की खम में आबू से १० कोस पर नया दाहर बसाया । |
| १३६ | २१ बगतरि | बगतर री |

पृ. कॉ. प. प्रशुद्ध

शुद्ध

| | | |
|-----|---|--------------------------|
| १३८ | ६ वडा | घडो |
| १३८ | १५ वोठो | वोठो |
| १३९ | २६ विनय | विनय से |
| १४१ | १६ घरकसी | घरकसी |
| १४१ | १९ सूळ | सूळ |
| १४१ | २१ सूळ | सूळ |
| १४१ | २६ दिया | दिलवाया |
| १४३ | ३ रणघीरोत | रणघीरोत |
| १४३ | १२ बाहमेर | बाहमेर |
| १४४ | २ कोई | काई |
| १४६ | १६ कह्यो | कह्यो |
| १५० | १५ सीसोदिया | सीसोदियो |
| १५१ | २ लिसाण | लिसाणो |
| १५५ | ११ राबळा-घरां मांहे | राबळा घरा मांहे |
| १५५ | २२ लेकिन बिन था | लेकिन जीवन के बिन होय थे |
| १५८ | ६ ऊबो लखारो | ऊबो लाखा रो |
| १५८ | २८ राबल सेखावत | राबल सेखावत |
| १६० | २६ नवसरा | नवसरो |
| १६३ | २१ कुळपाणे | कुळपांणो |
| १६४ | २५ सिवाणरो | सिवांणा रो |
| १७० | ६ चौबोळ एकलवा घर | चौबो एकल वाङ घर |
| १७० | १० छाळ | छाङ |
| १७० | १ लूट | लूट |
| १७१ | ३ हा कलियो | हाकलियो |
| १७१ | शुरूकी चार पंक्तियों वाले गीत का अनुवाद पृ. १७० की टिप्पणी की अंतिम तीन पंक्तियाँ हैं । | |
| १७२ | २३ वे ही राव | वे भी राव |
| १७३ | १२ भोररा | भोरा रा |
| १७४ | २१ सीघणोतो | सीघणोतो |
| १७५ | १ ३ उडवायिङ्गो | उडवायिङ्गो |
| १७६ | १ १५ भोररा | भोरा रा |
| १७६ | २ १४ अकेली | आकेली |

पृ० सं० १७६ के आगे पहली सं० १८६ तक के पृष्ठों की पृष्ठ संख्याएँ गलत हैं, अतः इन नौ पृष्ठों में सही पृष्ठ संख्याओं को दो-दो क्रम करके ठीक कर लें ।

१ कों. १ अशुद्ध

शुद्ध

पृष्ठ सं० १७७ और १७८ नहीं छपी हैं और सं० १८५ और १८६ दुबारा हैं । दुबारा वाली १८५ और १८६ सख्याएं यथाक्रम हैं ।

| | | |
|-------------|--|---|
| १७८ १ | १ घागड़ियो । देवडारो उत्तन | १ घागड़िया-देवड़ा रो उत्तन |
| १७९ २ २२ | आहिचावो | अहिचावो |
| १८० १ ४ | अहिचावो खुरवा | अहिचावो खुरद |
| १८० १ १३ | ओडवाड़िया । चारणारो | ओडवाड़ियो चारणां रो |
| १८० १ १४-१५ | कासधरा । | कासधरा घघवाड़िया खीवराल नूं |
| | घघवाड़िया । खीवरालनूं | |
| १८२ २७ | खोसने की जगहमें गुप्त रूप से रख दीं । | खोसने की जगह में कटारें गुप्त रूप से रख दीं । |
| १८४ २० | अमंमव | अमंम |
| १८४ २८ | टिप्पणी सं० १६ इस प्रकार पढ़िये— 'सिरोही के टोकायतो की वंशावली के कवित्त-छप्पय आसिया माला के कहे हुए ।' | |
| १८६ २८ १२ | जोरापर । | १२ १. जोरावर । २. चौहान-सत्री |
| १८७ २० | बूट | बूठ |
| १८० १९ | कीकम्म | कीकम्म |
| १८१ २५ | महारोर वं | महा रोरव |
| १८२ १८ | बएहि | बरगह |
| १८२ २२ | पनोसीह पळिरो | पनो सीहपळ रो |
| १८२ २७ | विदव | विदव |
| १८३ १४ | बळी | बळी |
| १८३ २२ | खापा सीपली | खापा सीपल |
| १८३ २७ | गिआने | गियाना |
| १८४ १३ | रेवतर्ब | रेवतर्ब |
| १८८ ५ | पार्ब नै | पार्बन |
| १८८ २६ | भाया के | भाया के |
| १८८ २१ | ओगीदाग | ओगीदास |
| २०१ ७ | निमलरो | नीमळरो |
| २०४ १ | मडरो है । आळोर रं | मडरोहे आळोर रं |
| २०५ २१ | मेयो | मेयो |
| २०७ ७ | कहिया तागु | कहिया तागु |
| २०७ १६ | ले | ले |
| २०९ ३४ | मौर माभर | मौर माभर |
| २०९ १ | रावळी | रावळी |

| पृ. क्रॉ. पं. मशुद्ध | शुद्ध |
|---|-------------------------|
| २२० ३ रावळीजी | रावळजी |
| २२० ८ सूळ | सूल |
| २२० १६ घ्रापे | घ्रापे |
| २२१ १० बरवर | बराबर |
| २२२ १४ राण | राणै |
| २२४ १७ १ लिखमण सोमत | १ लिखमण सोमत |
| २२७ ८ वढ़ | वढ |
| २२७ २१ महता | मुहता |
| २३० २१ मोहळ | मोहल |
| २३१ ५ लि | रिष |
| २३१ १८ भारवर | भाखर |
| २३२ ३ चेंवरीको | चेंवरी को |
| २३४ १४ विहानू | विहारी नू |
| २३७ २३ कान्हिसिध जेतसीयोतरै | कान्ह, सिध जेतसीयोतरै |
| २४० १ संभाड़ो | संभाणो |
| २४० १६ अमो | अमो |
| २४० २१ अमो | अलो |
| २४१ ६ भारवर | भाखर |
| २४३ २३ भीवा का बेटा राणा का | भीवा का बेटा राणा |
| २४५ ११ लोद्रा चीलू मांघ | लीद्रा ची लूमांघ |
| २४५ २२ टिप्पणी सं० १४ इस प्रकार पढ़िये— इनका निवास जालोर परगने का सेना एक छोटा सा परगना है । | |
| २४६ ४ तासु | ता सु |
| २४६ ७ निपठ | निपट |
| २४६ १३ बाहर | बाहर |
| २४७ २ १७ नवभण | नवघण |
| २४६ २७ जेतमाल की बेटो को | जेतमाल की बेटो पत्नी को |
| २५० २ खेढो | खेढो |
| २५० १३ माणकरा व | माणकराव |
| २५१ १३ जाहल | जायल |
| २५३ ६ घरि हा हा संकै | घरिहाहा संकै |
| २५६ १० साथ रैन खीचिया | साथरै नै खीचिया |
| २५६ १६ वारसा | वरसां |
| २५८ १० गाडरनै | गाडर नै |

प. कौ. पं. अशुद्ध

शुद्ध

| | | |
|-----|---|--|
| २६० | ६ तिण्णनू | तिण्णानू |
| २६१ | २८ बीस वर्ष तक करण | बीस वर्ष तक लघु करण (करण-गैहलो) |
| २६५ | ८ वडो | वडो |
| २६५ | १६ चूक लियो | चूकलियो |
| २७१ | ४ पाटख | पाटण |
| २७२ | १ प्रिथीरो रूप | प्रिथी बेर रो रूप |
| २७२ | १२ उभरणी | उभरणी |
| २७२ | १७ ठाणियो | ठाणियो |
| २७३ | २१ देवताए | देवताआं |
| २७५ | ४ पाछे | पछे |
| २७६ | २२ वडा | वडो |
| २७७ | २ मुगळे | मुगल |
| २७७ | ६ सिधपुरथी कोस ११ बिबसरोवर | सिधपुर थी कोस ॥० [आधो] बिबसरोवर |
| २७९ | ६ बलूहुल | बलू हुल |
| २८२ | १७ गाडियो समूह | गाडियों का समूह |
| २८३ | १७ तरै सो नाहरखान | तरै सो॥ नाहरखान |
| २८४ | १७ इणेसो रायमल | इणे सो॥ रायमल |
| २८६ | २१ राणो आय पगे लागो | राणो आय पगे लागो |
| २८७ | १ २४ सखासु | सरवासु |
| २८७ | १ २५ ब्रह्मव | ब्रह्मवक्ष |
| २८८ | १ १४ संघवीप | सघवीप |
| २८८ | २ ११ प्रछेनधन्वा | प्रछेनधन्वा |
| २८९ | १ ५ वयवयं | वृहवयं |
| २८९ | १ १८ अतरिख्य | अतरिख्य |
| २८९ | १ २२ वरही | वरही |
| २८९ | १ २४ राणजराय | राणकराय |
| २८९ | १ २५ सजोसराय | सुजसराय |
| २८९ | २ २ सुधोन | सुधोन |
| २९० | २ २ जानरदेव | जानरदेव |
| २९० | २ ३३ 'चम्रमुज' और 'भीलो' के बीच 'रामसिध, कल्याण, प्रतापसिध और रूपसी' ये चार नाम और हैं। | |
| २९० | २५ भीवसी, राजा वो मासरे हुषो | भीवसी, राजा मास २ हुषो, |
| २९० | २७ बूलहदेवने अपने तुवरको ग्वालियर दे दिया। | बूलहदेव ने अपने भामजे तुवर को ग्वा- लियर दे दिया। |

पृ. कॉ. पं. अशुद्ध

शुद्ध

२६१ १ ५ सल्हेदी

सल्हेदी

२६३ १८ भोजारी

भोज री

२६६ २५ सिवब्रह्मा

सिवब्रह्मा

३०० ११ हंदायल

हंदाळ

३०१ २१ राज जगनाथ

राजा जगनाथ

३०२ ६ मुंदडा

मुहडा

३०२ ७ सलेहजी

सलेहवी

३०७ १ १५ सर्दावण मांहे

सर्दाणा मांहे

३१० २ २४ राजरं

राजा रं

३१३ १ १२ मोहारि

मोहारी

३१४ २७ रामके

राम ने

३१५ २ ११ २३ बूहो ४। सुरजनरा ।

} २३ बूवो ।

} २४ सुरजन राव ।

३१६ १ १५ बाघवत

बाघावत

३१७ २ } १० मारियो २ । रतने
} ११ दासावतरा

मारियो ।

१८ रतनो दासावत ।

३१८ २ १६ मनोहरपुर गांव

मनोहरपुर रं गांव

३१८ ३० तकिया मनोहरपुर के निकट
पहाड़ी पर बना हुआ है ।तकिया मनोहरपुर के ताला गांव में पहाड़ी
पर बना हुआ है ।

३१९ १ १८ बंठास

बंगस

३१९ २४ अमरपुर

अमरसर

३२० १ १४ जैतसिध अग्रसेनरी

जैतसिध अग्रसेन री

३२० २६ रसायलने

रायसल ने

३२३ २६ खोह

खोहरी

३२४ अतिम तब शाहपुरा पट्टे में दिया
था । इसकी मा स्वालख की
(नागौर परगना की)
जाटनी थी ।तब शाहपुरा पट्टे में दिया था । बलभद्र
नारायणवासीत आया तब उसने मारा ।
इसकी मा स्वालख की (नागौर परगना
की) जाटनी थी ।

३२० १ ७ बटा

बेटा

३३५ ८ मारबारी

मारबां री

३३६ २६ थी

था

३४६ २ १७ धावे

धावै

३४९ ३ घररा

घर रा

३४९ १८ आधीसर

साधीसर

३४९ २४ लना नहीं आता

लेना याद नहीं आता

पू. काँ. प. अशुद्ध

शुद्ध

| | | |
|-----|--|---|
| ३५० | १ मैराज | मेहराज |
| ३५० | ४ हू मैराजनू मराइस हेवै कटक खाचियो । | हू मेहराज नू मराइस । हेवै कटक खाचियो । |
| ३५० | ६ बोलाळ | बाहाऊ |
| ३५० | १ सोना- १० तरा दैणां कबूल किया । | सो नातरा देणा कबूल किया । |
| ३५० | ११ जाभवा घोडैरो गुढी | जांभ बाघोडै रो गुढी |
| ३५० | १६ सोबत | सोबत |
| ३५१ | १२ हरभमटी | हरभम ही |
| ३५१ | १३ गार | गोर |
| ३५१ | १६ विकू कोहर करमसियोत मारियो | वीकूकोहर केहर करमसीओत मारियो |
| ३५२ | ८ राघो | राघो |
| ३५३ | १३ रूणोचा | रूणेचा |
| ३५५ | १ २२ वोपो | चांपो |
| ३५७ | २० तेगियां, तिलक | तेगियां-तिलक |
| ३५६ | २ १० गांगारा | गांगा रो |
| ३५६ | २ १३ टोकै | टीकै |
| ३५६ | २ २० दासात मारियो | दासोत मारियो |
| ३६० | १ १३ ऊदो हमीररो हमीर, १४ यिरो अघतारदेरो । | ऊदो हमीर रो । हमीर यिरा रो । यिरो अघतारदे रो । |
| ३६० | २७ हमीर और यिरा अघतार- देव के वेटे । | हमीर यिरा का और यिरा अघतारदे का । |
| ३६५ | ६ पाकररी | पारकर री |

भाग २

| | | |
|-----|------------------------------|-------------------------------|
| १ | ११ वंसणा | वंसण रा |
| १ २ | २२ पीरोजशाह | पीरोसाह |
| २ २ | ७ रूपसी, जैसलमेर गांवका छै । | रूपसी, जैसलमेर रै गांव काछै । |
| २ २ | १० उरगो | ऊगो |
| २ | २५ जैलमेर | जैसलमेर |
| ३ ० | २ रावल राजरा पोतरा | रावल मूलराज रा पोतरा |
| ३ | २० तणूकोट | तणूकोट |
| ४ | २ खालनारी | खालता री |

पृ. को. प. अशुद्ध

शुद्ध

| | | |
|----|---------------------------|-----------------------------|
| ४ | ५ भूरो | भूरो |
| ४ | ११ वासणीपी | वासणीपी |
| ४ | १७ मालगाडो | मालागडो (मालगडो) |
| ४ | १८ टोवरियाळो | टावरियाळो |
| ४ | २१ १ कोलो डूगर । १ खवासरो | १ काळो डूगर । १ खवास रो गाव |
| ४ | २२ १ गजिया गांव । | १ गजियो । |
| ४ | २४ उनावा | उनाव |
| ५ | ११ घुळाया | घूळिया |
| ५ | १४ मुहारारं | मुहार रं |
| ५ | १६ भोग अखं | भोग आवं |
| ६ | १२ नेगरडो | तेगरडो |
| ६ | १३ आरम | आरग |
| ६ | १७ भूण कामळारो | भुणकमळा रो |
| ६ | १७ दहोसतोय | दहो सत्ता रो (?) |
| ६ | २० समत १७०० | संमत १७२० |
| ७ | ८ रु० १५०००) | रु० १५००) |
| ७ | ९ बाबर करी | बाब रा करि |
| ७ | २४ लिखी जाने वाली | ली जाने वाली |
| ८ | ७ रु० ३१००) | रु० ३१०००) री ठोड़ |
| ८ | ९ म० २०००) | म० २००००) |
| ८ | १० म० १०००) | म० १००००) |
| ८ | १५ मुंहारा | मुंहार |
| ८ | १६ खडाळा | खडाळ |
| ८ | १८ दिसं | दिसी |
| ८ | २२ खांडर | खांडाळ |
| १० | १ १५ अमाहरिया | अमोहरिया |
| १० | २८ वींठाडा | वींठाडा |
| ११ | १ चींभोतो | वींभोतो |
| ११ | २३ बाप | बाप |
| ११ | २६ नामोंकी शाखाएं | नामों की इतनी शाखाएं |
| १२ | १ बापसू | बाप सू |
| १२ | ४ बाप । बावडी | बाप । बावडी |
| १२ | १५ नीबलायां | नींबाळिया |
| १२ | १६ भूका | भूखा |
| १२ | १४ पोहड़ा | पोहड़ा रा |

पृ. कॉ. पं. अशुद्ध

शुद्ध

| | | | |
|----|---------------------------|------------------------|------------------------------|
| १३ | १ | नाहवार | नहवर |
| १३ | ५ | मालो | माळी |
| १३ | १२ | बोलायो छे | बालियो छे (बलियो छे) |
| १४ | १ | मारण | मारणा |
| १५ | २ | जसल | जेसळ |
| १६ | १० | भखछ | भरवछ |
| १७ | २ | ३ लणोट | तणोट |
| १७ | २६ | ह ककर | कह कर |
| १८ | ४ | विजैरावनू | विजैराव तू |
| १८ | ६ | घरहाहा | घरिहाहा |
| १९ | १२ | घरहाहारा | घरिहाहां रा |
| १९ | २८ | घरहाहारी | घरिहाहां री |
| १९ | २६ | भाइयो ने पवित में से | भाइयो ने ररन को पवित में से |
| २५ | २७ | लाघ | लाप |
| २६ | २४ | तब अपनी अथसे इतितक | तब अपनी बात अथ से इति तक |
| ३१ | ३ | वावसूता | वावसू ता |
| ३६ | १० | ऊपाई | ऊ पाई |
| ३७ | ५ | सहस बीस हण सुवग सद् | सहस बीस साहण सुचग सद् |
| | | ढोला सम चलत | ढोलां सम चालत |
| ३७ | ८ | खळ हण | खळहळ |
| ३८ | { १६ घणी } { १७ सारख } | | घणी साख |
| ३९ | २ | १४ तेजसी बडो | जेतसी बडो |
| ३९ | २१ | रावळ लखसेन | रावळ लखणसेन |
| ४१ | १ | निर्सीगड़ी गांवरै | सु तिसीगड़ी गाव रै |
| ४१ | २ | नीसरियो | नीसरिया |
| ४२ | १३ | मंडळ परै | मंडळप रै |
| ४२ | १७ | सोनगरी सेम्बालो | लोनगरी रो सेम्बालो |
| ४३ | १६ | घातण लागी | घातण लागी |
| ४४ | १३ | कवरो सत्र | कवरा-सत्र |
| ४६ | १ | सिघारै | सिघारै |
| ४६ | २ | तेरै कोड़ी | तेरै कोड़ी |
| ४६ | १७ | रमण घणी | रमण री घणी |
| ४१ | १७ | उबार राखो ^१ | उबार राखो ^{२४} |
| ४१ | २३ | गाट में संकर निकल गया | गाट में डाल और लेकर निकल गया |

पू. काँ. पं. अशुद्ध

शुद्ध

| | | | | |
|-----|----|---------------------------|----|---------------------------|
| ५१ | २७ | तुम हमारे धर्म-भाई हुए थे | 28 | तुम हमारे धर्म-भाई हुए थे |
| ५३ | २७ | घरतीकी लौट आया | | घरती की लौटा लाया |
| ५४ | २० | बांसायी | | बांसा यी |
| ५४ | २० | घोड़ांरो | | घोड़ां रो |
| ५६ | २४ | हाथीकी | | हाथी का |
| ५६ | २५ | होनेकी | | सोने की |
| ५८ | १६ | सातळ सोह हमीर दे | | सातळ सोम हमीरदे |
| ६७ | १३ | घ्यारा हीरा | | घ्याराही रा |
| ६७ | २६ | घड़सीने नमाज पढते हुए | | घड़सी, नमाज पढते हुए |
| ६७ | ३० | तलवार से सिर | | तलवार से उसका सिर |
| ६६ | ११ | जुयांहरा | | जु याहरा |
| ७० | ३ | लणग | | लूणग |
| ७१ | ७ | मुकालबै (बल्ल) | | मुकालबै |
| ७२ | ८ | वरगाहस | | दरगाह सूँ |
| ७४ | १४ | जोगी | | जोगी |
| ७६ | १८ | केहरो | | केहर रो |
| ८० | २६ | बे ॥ | | बेटा |
| ८१ | १८ | गांगारा | | गागा रो |
| ८७ | १० | एकदर | | एकर (एक बार) |
| ८६ | १६ | सोभत | | सोभत |
| ८२ | १७ | दीहोती | | दीहीतो |
| ८४ | ४ | पतियो | | तपियो |
| ८६ | १ | २५ पाखती | | पाखती |
| ८७ | १ | ७ सळीवै | | सीलवै |
| ८७ | २२ | सोळवेकी | | सीलवे की |
| ८८ | १ | १३ राखळ कलारी वेटी | | शंभकवर राखळ कला री वेटी |
| ८८ | २५ | वेटी भीमने | | वेटी रामकुवरि की भीम ने |
| १०६ | २८ | टोहिया | | टोहिया |
| ११६ | १३ | घणो | | घणी |
| ११७ | १६ | मची | | मोच |
| १२६ | ३ | सांमीदास | | सांमदास |
| १३२ | ७ | बल्ल | | बल्लू |
| १३७ | ८ | चाच | | चाचो |
| १३६ | २७ | कान्ह मानसिह का वेटा | | मानसिह कान्ह का वेटा |
| १४० | १७ | बुधरो | | बुधेरी |

पृ. कां. प अशुद्ध

शुद्ध

| | | |
|-----|---|--------------------------------|
| १४० | २० टोको | टीको |
| १४२ | २२ मेलूरो | मेळू री |
| १४३ | ३ आको | आको |
| १४५ | २ जोगी | जोगी |
| १४५ | ८ हमीरार | हमीर रा |
| १४८ | १ रूपसोयात | रूपसीघ्रीत |
| १५१ | २० रायमत राणावत | रायमल राणावत |
| १५६ | २२ सिधलौंके | सीधलौं के |
| १५६ | १० अजळदास | अचळदास |
| १६३ | २८ फलोधीम | फलोधी मे |
| १७२ | १५ बुखटो | बुरवटो |
| १७३ | २८ गाव दे दिया था । | गाव दिया था |
| १७७ | २६ चिहू | चिहू |
| २१३ | ६ म्हेजामनू | म्हे जाम नू |
| २१५ | १७ आहूर | आहूठ |
| २१५ | १६ सुतन बम वंस सम मीढिजं, | सुतन बम वंस सम मीढिजं माल सुत, |
| २१५ | २३ हेतुवां अलेखे खेंग देखें गहर घडो, | हेतुवा अलेखे खेंग दे खेंग हर, |
| | २४ लोहडां बडम आंक वळियो ॥४॥ | घडो लोहडां बडम आंक वळियो ॥४॥ |
| २१६ | १७ घाघांसू | घोघांसू |
| २१६ | २० भाद्रेसर | भाद्रेसर |
| २१६ | २५ २० नाम पर । भाद्रेसरको | १० नाम पर । ११ भाद्रेसर को |
| २१७ | २२ चुजु जाइ (?) | जु जाइ, |
| २२० | १३ मांडो | माडा |
| २२० | २० जेठवो, भीम, काठी, हाजो, | जेठवो भीम काठी हाजो, घाढेल भाण |
| | घाढेल, भाण | |
| २२१ | १५ धोणोद | धीणोद |
| २२२ | ६ आयो | आयो |
| २३१ | २३ टिप्पणी ६ इस प्रकार पढ़िये— | |
| | जिस फूल से बाडी सुगन्धित थी, वह सिधा गया है । हे लाखा महाराण । तेरे बिना अब वह सिध सूनी है, तू लौट आ । | |
| २३५ | ८ बाळ | बाळ |
| २३६ | २ तिण ऊनडरें | तिण सम ऊनड रें |
| २३६ | १३ तो सत बोलैं छैं | ऊ तो सत तोलैं छैं |
| २४१ | १७ मांगी | मांग |

पृ. कॉ. पं. अशुद्ध

शुद्ध

| | | | |
|-----|-------|----------------------------------|-------------------------|
| २४२ | २० | सिधुरी साईयां | सिधु रीसाईयां |
| २४४ | | शीर्षक जसा घवळोत | जसा हरघवळोत |
| २४८ | १२ | आणी | अणी |
| २५२ | २६ | शत्रुदल | शत्रुदल |
| २५३ | १६ | आया । तळाघ | आया तळाघ |
| २६४ | १ | ४ गोमळियावास | गोमळियावास |
| २७६ | २७ | मोहिलों को | गोहिलों को |
| २८५ | १६-२६ | टिप्पणी तनुकृत समझें पृ. २८४ में | आ चुकी है । |
| २९९ | १२ | जोयने | जायने |
| ३०४ | १६ | वीरभजी | धीरमजी |
| ३०८ | ३० | भारा=घासका बड़ा भार, | भारा=घास का एक परिमाण |
| | | बडल | |
| ३११ | ८ | आयन | आयने |
| ३१५ | १४ | हुसी | हुसी |
| ३१७ | २७ | ऐसी चली कि । उस स्त्रीको | ऐसी चली कि उस स्त्री को |
| ३१९ | १६ | ढाढ | ढाढी |
| ३२३ | ५ | ऊठ | उठ |
| ३२३ | १० | गोगाजीने | गोगादेजी |
| ३२६ | २६ | बठलाया | बिठलाया |
| ३२५ | १२ | धोड़ारी | धोड़ा री |
| ३३६ | २३ | चंडाजीने | चूंबाजी ने |
| ३४२ | १७ | जोध | जोध |

भाग ३

| | | | |
|----|----|--------------|-------------|
| ५ | १२ | विचारयो | विचारियो |
| ८ | १४ | विसिलि | विसिली |
| ११ | ७ | पहीड़ो | पहीड़ो |
| १४ | २५ | वशमास | वशमांस |
| ३१ | १५ | बटी | बेटी |
| ३३ | १४ | मात्रे हीसूं | मात्रेही सू |
| ३४ | १० | देवरो | देवराज रो |
| ३६ | १६ | कान्हा | कन्हा |
| ५६ | २६ | वशाह | वावशाह |

पृ. कॉ. पं. अशुद्ध

शुद्ध

| | | |
|-----|-------------------------------|--------------------------|
| ६० | १० अनैर | अनै रै |
| ६० | १७ थोरो | थोरी |
| ६१ | ११ पावूजी | पावूजी |
| ६२ | १३ संकळपो | संकळपी |
| ६२ | १६ तैरो | तैरी |
| ६३ | १७ आदमी | आदमी |
| ६४ | २० लेणी | लेणी |
| ७५ | ८ दीमाह | धीमाह |
| ७६ | ११ जीवै | जीवै |
| ८२ | २ बोलाई | बीलाई |
| ८२ | १३ ससक | ससकै |
| ८४ | १७ कह्यो | कह्यो |
| १०३ | २६ महने | हमने |
| १२१ | २ भी हांडी चाटी | भली हांडी चाटी |
| १२१ | १२ दीठो जाईयैरे जे | दीठो—जा ईयैरे, जे |
| १२१ | १७ भोमता मानो,न छै | भो मता मानो,न छै ? |
| १२१ | १६ धिक्कार है रे भादेवाला ! | धिक्कार रे भादेवाला ! |
| १२१ | २० अचछी हडिया चाटी रे ! | अचछी हडिया चाटी ! |
| १२१ | २४ निकला | निकला |
| १३२ | १ रिणघोरजी | रिणघोरजी |
| १३२ | ११ सोनगरान | सोनगरा नू |
| १३५ | ६ तोमरे | तो मरै |
| १४४ | १२ तहराँ | ताहराँ |
| १४४ | { १३ आब, मांचे १४ पण सूय । | आब, मांचे सूय । |
| १५६ | ५ इण सौको | इणसौ को |
| १६६ | ७ रढवांघण | रढ रांघण |
| १७३ | २३ खेड्वा | खेड्वा |
| १७८ | १ २० असमजस | असमजस |
| १७६ | १ २३ बृहव्वल | बृहव्वल |
| २०१ | २८ दूट गुये अ राजा | दूट गुये श्रीर राजा |
| २०७ | ३२ प्रकाशित ह | प्रकाशित हो |
| २०८ | १ ६ मोहर्णासिघजी | मोहर्णासिघजी |
| २२६ | २५ कणाणा | काणाणा |
| २२६ | १३ घांघूसर | घांघूसर |

| पृ. कॉ. पं. मशुद्ध | शुद्ध |
|--|--|
| २३१ ७ वैणारीतै | वैणार्तै री |
| २३३ १ पड़िहारारी | पड़िहारा री |
| २३६ १४ सजन | साजन |
| २४१ ७ विगावो | विगोवो |
| २४७ २६-२७ कुवर पृथ्वीराजने ... लड़ाई लड़ी । | राणा रायमल के बे पृथ्वीराज से बड़ी लड़ाई लड़ी । |
| २४८ १५ दीव | दीवी |
| २५५ १३ बहेलवो | बहेलवै |
| २५६ २० गोयामणाके | गोयाणा के |
| २६५ ४ मळैजोरै | मेळैजो रै |
| २७७ ४ चक्र तीरथ | चक्र तीरथ |
| २७७ १२ चित्र (?) तीर्थ | चक्र तीर्थ |
| २८८ १० रुपिय | रुपियों |
| २८८ २५ सगतावत | सांगावत |
| २९३ ६ गोळियैसं | गोळियै सूं |

भाग ४

नामानुक्रमणिका

| | |
|-------------------------|------------------------------|
| ३ २ ५ सांवत ओत | सांवतसीओत |
| ४ १ २६ अडमाल | अडमाल |
| ४ २ २५ अनुरुध | अनुरुध |
| ५ १ १६ पिथो रो | पिथोरो |
| ७ १ ११ आबा | आबो |
| ७ १ ३० आपमलसूरा | आपमल सूरा रो |
| १३ १ १६ त | तीं. |
| १३ २ १६ करमसा | करमसी |
| १५ १ १५ कश्यप | कश्यप |
| १५ २ ११ ४०, ४१, ४२ | कान्हडवे रावळ वू. ४०, ४१, ४२ |
| १६ १ २३ कल्हो | केल्हो |
| २० २ २४ खांत खानो | खानखानो |
| २४ २ २६ गोपादासळ | गोपाळदास |
| २५ १ २३ ८८ के पहले 'वू' | |
| ३७ १ ३४ चरखी | चरखो |
| २७ २ १४ चांदसे | चांदसेह |

पू. काँ. पं. अशुद्ध

शुद्ध

| | |
|----------------------------------|--------------------------|
| ३५ २ ८ जैब्रह्म | जैभ्रम |
| ३६ २ २८ दूहा | दूदा |
| ४१ १ २२ दळदत | दळपत |
| ४६ १ २६ घुघळियो | घुघळियो |
| ५२ १ २४ गोदा रो | गोदारो |
| ६३ १ १३ भोजा दत्य | भोजादित्य |
| ६३ २ १ भोपत | भोपत |
| ७७ २ अतिम २०६ के पहले 'बू.' | |
| ८१ २ १४ वोड़ी | वोडा रो |
| ८४ १ २६ वतजागदे | वरजांगदे |
| ८५ २ ११ घाघो | घाघो |
| ८८ १ २८ वोवो राव | घीवो राव |
| ८९ १ ८ वीरमदे राय | वीरमदेव, राय |
| १०१ २ ३५ सूरथ | सुरथ |
| १०२ २ २१ वालासो | वालीसो |
| १०३ १ १३ सूरसिह | सूरसिध |
| १०६ ७ पुरुष | पुरुष |
| ११४ २ ५ वीकानरी | वीकानेरी |
| ११५ २ ३ रायकवर | रामकवर |
| ११५ २ १६ महासिध रो रांण । | महासिध रो रांणी |
| ११७ १ ६ सोढ | सोढी |
| १२० १ ८ त | ती. |
| १२७ २ २२ खूहड़ा | खूहड़ी |
| १२९ २ ३२ घणोल | घणोली |
| १३२ २ १५ जाभोरो | जाभोरो बाभणा रो |
| १३६ २ १३ तिलायला | तिलायली |
| १५२ १ ७ मेरवाड़ी वड | मेरवाड़ी वडो |
| २६७ २ ७ घाणरा-रो-घाटो | घाणेर-रो-घाटो |
| १६८ २ ३२ मगरा | मगरा |
| १६८ २ ३३ बीबलियो | नीबलियो |
| १७५ १ २१ पाळ साग | पाळी-साग |
| १७७ २ ७ मऊ-दुष्काल (पोडित प्रजा) | मऊ (दुष्काल पीडित-प्रजा) |
| १८२ २ ३२ गोगावेनी | गोगावेजी |
| १८३ १ १० च | चद्र |

पृ. काँ. प. प्रशुद्ध

शुद्ध

पद विरुदादि

| | | |
|-----|----------------------|--------------------|
| १६५ | १ श्रीरगजेव रा विरुद | श्रीरगजेव का विरुद |
| १६५ | ६ इद्र | इद्र |
| १६६ | २७ काल | काले |
| २०७ | ३ जलन | जलने |

शुद्धि पत्र

| | | | |
|-----|---|-------------------|-----------------|
| २१० | १ | १ अभनमी | अभनमो |
| २११ | २ | २ मारवाडी भाषा का | मारवाडी भाषा की |
| २१५ | १ | ७ बड़ो इतवाय | बड़ो इतवाद |
| २१५ | २ | १ कुसळसिधशु | कुसळसिध |
| २१७ | २ | १५ महा रोरघ | महा रोरवं |
| २२४ | २ | २७ सेभवाळा | सेभवाळो |

भूमिका

| | | | | |
|----|----|----------------------|------|-------------------------|
| ३ | १ | ऐतिहासिक | बहुत | ऐतिहासिक दृष्टि से बहुत |
| ५ | १७ | ५' | | ५ |
| १२ | २२ | यद्य | | गद्य |
| १३ | १३ | जवादि, जलहर (जलकीडा) | | जवादि-जलहर (जलकीडा); |
| १३ | २० | राजनै तक | | राजनैतिक |
| १३ | २१ | विभिन्न | | विभिन्न |
| १६ | ७ | वशावलियां | | वशावलियां |
| २० | १५ | स्वासी । द्रोह | | स्वामी-द्रोह |
| ३६ | २४ | बहुतश्रुत | | बहु-श्रुत |